

2015-16

# वार्षिक प्रतिवेदन



भारतीय  
प्रौद्योगिकी  
संस्थान  
मण्डी



वार्षिक प्रतिवेदन  
2015—16

**भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी**  
कमान्द—175005, हिमाचल प्रदेश, भारत

## दृष्टिकोण

विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना, ज्ञान संवर्धन और नवाचरण करते हुए भारत देश को एक ऐसी दिशा प्रदान करना जिसमें न्यायप्रिय, सर्वहारा एवम् धारणीय समाज का समावेश हो।

## लक्ष्य

- व्यक्तिगत एवम् सामूहिक प्रयासों के माध्यम से समाज के लाभार्थ ज्ञान सृजन करना।
- शिक्षा द्वारा ऐसे व्यवसायी तैयार करना जो विशेषतः हिमालय क्षेत्र के विकास एवं अंततः राष्ट्र तथा मानवता के विकास में नव प्रवर्तन उत्पादों एवम् प्रक्रियाओं के माध्यम से नेतृत्व कर सकें।
- समाज एवम् उद्योग की समस्याओं विशेषकर हिमालय क्षेत्र की संवेदनशील पर्यावरणीय प्रकृति के लिए शिक्षा के माध्यम से वैश्विक स्वीकृति के समाधान प्रस्तुत करने की भावना से युक्त दक्ष उद्यमी तैयार करना।
- भावी पीढ़ी के अभियंताओं, वैज्ञानिकों एवम् शोधकर्त्ताओं को प्रेरित करने में सक्षम प्राध्यापक प्रशिक्षित करना।
- शिक्षा और शोध के उपर्युक्त लक्ष्यों के अनुसरण में अत्याधुनिक और वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु उद्योग के साथ सक्रिय भूमिका निभाना।
- प्रतिभा एवम् उत्कृष्टता से परिपूर्ण सम्मानजनक कार्य संस्कृति विकसित करना।

## विषय सूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठ सूची
1.	निदेशक की कलम से	
2.	शैक्षिक स्वरूप	1
2.1	स्कूल	
2.2	महत्त्वपूर्ण विषय अनुसंधान केन्द्र	
2.3	उपाधि कार्यक्रम	
2.4	प्रारूप व्यवहार्य दृष्टिकोण	
2.5	शैक्षिक सम्पर्क	
2.6	आंकड़े	
	<ul style="list-style-type: none"><li>• बैच, लिंग और जाति के आधार पर छात्रों की संख्या</li><li>• लिंग के आधार पर प्राध्यापकों की संख्या</li><li>• संस्था और स्कूल द्वारा कुल प्रायोजित अनुसंधान एवं विकास</li></ul>	
3.	प्रारूप व्यवहार्य	9
4.	शैक्षिक स्कूल	11
4.1	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	
	<ul style="list-style-type: none"><li>• प्राध्यापक</li><li>• अनुसंधान परियोजनाएं</li><li>• अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति</li><li>• राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र</li><li>• प्रकाशित पुस्तक / पुस्तक अध्याय</li><li>• सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत किए गए पत्र</li><li>• विकसित उत्पाद / प्रौद्योगिकियां</li><li>• विशेष उपलब्धि</li><li>• लोक सम्पर्क कार्यक्रम</li><li>• उद्योग / क्षेत्र यात्रा</li><li>• अन्य उपलब्धि</li></ul>	
4.2	अभियांत्रिकी स्कूल	23
	<ul style="list-style-type: none"><li>• प्राध्यापक</li><li>• अनुसंधान परियोजनाएं</li><li>• अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति</li><li>• नवीकरणीय ईंधन और आई सी ईजन प्रयोगशाला में स्थापित कुछ महत्त्वपूर्ण उपकरण</li><li>• अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र</li></ul>	
4.3	आधार विज्ञान स्कूल	34
	<ul style="list-style-type: none"><li>• प्राध्यापक</li><li>• पोस्ट डॉक्टरेट सहभागी</li><li>• अनुसंधान परियोजनाएं</li><li>• अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति</li><li>• राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र</li><li>• प्रकाशित पुस्तक / पुस्तक अध्याय</li><li>• सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत किए गए पत्र</li></ul>	

• आयोजित सम्मेलन और कार्यशाला	
• लोक सम्पर्क कार्यक्रम	
• अन्य उपलब्धियां / सम्मान	
• नयी निर्मित अनुसंधान सुविधा / स्थापन	
4.4 मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल	59
• प्राध्यापक	
• अनुसंधान परियोजनाएं	
• प्रकाशित पुस्तक / पुस्तक अध्याय	
• राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र	
• सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत किए गए पत्र	
• आयोजित सम्मेलन और कार्यशाला में उपस्थिति	
• लोक सम्पर्क कार्यक्रम	
• अन्य उपलब्धियां	
5. सहमति ज्ञापन (एमओयू)	65
6. महत्वपूर्ण विषय अनुसंधान केन्द्र	68
6.1 उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी)	
6.2 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण के लिए केन्द्र (सी4डीएफईडी)	
6.3 बायो एक्स	
7. अनुसंधान समूह	73
7.1 यूएचएल: हिमालयी आजीविका की प्रगति के लिए केन्द्र (यूएचएल)	
7.2 प्रारूप और नवोत्थान केन्द्र	
7.3 बहुमाध्यम विश्लेषण और प्रणालियां (एमएस)	
7.4 संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान	
8. ग्रीष्मकालीन अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	75
8.1 स्कूल छात्रों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम / विज्ञान और अभियांत्रिकी जागरूकता	76
9. केन्द्रीय पुस्तकालय	77
10. दीक्षान्त समारोह	80
11. छात्र सुविधाएं और गतिविधियां	81
12. राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	84
13. देहाती व पहाड़ी लम्बी यात्रा	87
14. मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा (जीसीएस)	88
15. सांस्कृतिक सभा	91
16. विशेष कार्यक्रम	91
17. सातवां स्थापना दिवस समारोह	98
18. कैरियर एवं स्थानन विवरण	101
19. भूतपूर्व छात्र मामले	103
20. कमान्द में हमारा स्थायी परिसर	106
21. अभिशासक मण्डल	109
22. वित्त समिति	110
23. भवन एवं कार्य समिति	111
24. प्रबन्ध समिति	112
25. शैक्षिक कर्मचारी	114
26. प्रशासनिक कर्मचारी	114

27. दिनांक 31 मार्च, 2016 तक नियमित कर्मचारियों की सूची	115
28. दिनांक 31 मार्च, 2016 तक अनुबन्ध कर्मचारियों (समेकित वेतनमान पर) की सूची	116
29. दिनांक 31 मार्च, 2016 तक प्रतिनियुक्त / बाह्य सेवा कर्मचारियों की सूची	116
30. छात्र नेतृत्व	116
31. पी.एचडी. छात्र—2015 बैच	117
32. एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) छात्र—2015 बैच	119
33. बी.टैक. छात्र —2015 बैच	119
34. एम.एससी. (रसायन विज्ञान) —2015 बैच	123
35. सामग्री विशेषज्ञता के साथ ऊर्जा अभियांत्रिकी में एम.टैक.— 2015 बैच	123
36. पी.एचडी.—I (भौतिक विज्ञान)—2015 बैच	124







वर्ष 2015-16 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी ने अपना सातवां 'वार्षिक स्थापना दिवस' मनाया। सात वर्ष पुराने भा.प्रौ.सं. का दक्षिणी आवासीय परिसर पूर्ण विकसित है। गत वर्ष में कुछ देरी के पश्चात्, निर्माण कार्य तेजी से हुआ तथा वर्ष 2016-17 में उत्तरी परिसर के प्रथम नए निर्मित भवन में भा.प्रौ.सं. मण्डी-तक्षशिला विद्यालय परिसर का शुभारम्भ किया। इस उभरते हुये विद्यालय में पहले ही नर्सरी से पांचवीं तक 88 विद्यार्थी पढ़ते हैं।

संस्थान ने अगस्त, 2015 में पी.एचडी. (भौतिकी) प्रथम बैच को प्रवेशित किया। युवा बीएससी स्नातकों को अनुसंधान में गहन रुचि होने के कारण सीधे पी.एचडी. कार्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है। एम.एससी. और एम.टैक. के विद्यार्थियों का प्रथम बैच वर्ष 2016 में स्नातक होने जा रहा है। अतः प्राध्यापक वर्ग, वर्ष 2016-17 से जैव प्रौद्योगिकी, वीएलएसआई में एम.टैक. और ऊर्जा अभियांत्रिकी (यांत्रिकी) प्रारम्भ करने की तैयारी में है।

वर्ष 2015-16 में, हमारे प्राध्यापक और विद्यार्थी कई बार सम्मानित हुये हैं। बी.टैक. 2014 बैच के अतहर आमिर खान गौरवपूर्ण यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में द्वितीय रहे। 'नेचर इंडैक्स'

विज्ञान में 60 से अधिक उच्च अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं समाविष्ट करता है। उसमें कुल प्रकाशनों के आधार पर सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में भा.प्रौ.सं. मण्डी छठे स्थान पर रहा तथा प्रति प्राध्यापक के आधार पर तीसरे स्थान पर रहा। इसमें अधिकतर पत्र प्रयोगात्मक अनुसंधान के हैं, जिनके कारण हमें यह स्थान प्राप्त हुआ है। यह हमारे एएमआरसी में उत्कृष्ट प्रयोगात्मक सुविधाओं में भारी निवेश और हमारे युवा प्राध्यापकों के असाधारण प्रयासों का परिणाम है। इस वर्ष विदेश से अभ्यागत स्नातकों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के अतिरिक्त दो पी.एचडी. विद्यार्थी (एक नाईजीरिया से और दूसरा केन्या से) अनुसंधान के लिए 6 से 12 माह की अवधि के लिए प्रवेशित हुए।

भा.प्रौ.सं. मण्डी की योजना अध्ययन और अनुसंधान में हमारे प्रत्यय पत्र प्रकाशित कर, उद्योग-उन्मुखी अनुसंधान और विकास तथा उद्यम बढ़ाने की है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की यूपवाई योजना के अंतर्गत वित्तपोषण के प्रथम चरण में भा.प्रौ.सं. मण्डी ने उद्योग-उन्मुखी अनुसंधान हेतु वित्तीय सहायता की पहली किश्त में लगभग 3.8 करोड़ रूपए का अनुदान प्राप्त किया। संस्थान ने एक प्रौद्योगिकी कार्य इन्क्यूबेटर, भा.प्रौ.सं. मण्डी कैटालिस्ट (उत्प्रेरक) का लोकार्पण किया है जो मण्डी को उच्च तकनीकी उद्योग के केन्द्र में परिवर्तित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जैसे ही नये भवन का निर्माण होता है, हम विद्यार्थियों की संख्या तेजी से बढ़ने और स्नातकोत्तर स्तर पर नये कार्यक्रम आरम्भ करने की अपेक्षा करते हैं। हमारे युवा प्राध्यापकों, विद्यार्थियों और कर्मचारी वर्ग ने दुर्गम कमान्द घाटी में विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करने के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों में कठिन परिश्रम किया है। आगामी वर्षों में यह सभी प्रयास फलीभूत होंगे तथा शिक्षा के कुछ क्षेत्रों में भा.प्रौ.सं. मण्डी विश्व में अग्रणी होगा।

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज  
निदेशक



## शैक्षिक स्वरूप

शैक्षिक गतिविधियों में अध्यापन, अधिगम और अनुसंधान को तीन समान कोनाकार लेकिन पूरक संरचना के रूप में कार्यान्वित किया है। ये शैक्षिक स्कूल, छात्र उपाधि कार्यक्रम और अनुसंधान समूह हैं। प्रत्येक को एक महत्वपूर्ण लक्ष्य के लिए निर्मित किया गया है। संस्थान के उच्चतम शैक्षिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ये तीनों परस्पर सुगमता से जुड़े हैं। यह स्वरूप बहु विषयक अधिगम और अनुसंधान को प्रोत्साहित करके प्रौद्योगिकी के विकास में अग्रसर करता है।

### स्कूल:

प्राध्यापक गण विस्तृत और स्वतन्त्र रूप से निर्धारित स्कूलों से सम्बन्धित है। उन प्राध्यापकों के लिए जिनकी रुचि कुछ मौलिक सिद्धान्तों के प्रति है, उन्हें प्रत्येक स्कूल घरेलू वातावरण प्रदान करता है। कुछ प्राध्यापकों की नियुक्ति संयुक्त रूप से अन्य स्कूलों में भी हुई है। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने व्यापक रूप से संस्थानों में पारम्परिक विभागों और प्रभागों की परम्परा को इसलिए नकारकर प्राध्यापकों को वर्गित स्कूलों में नियुक्त किया है ताकि संस्थान में सक्रिय रूप से एक बहु विषयक संस्कृति विकसित हो सके और सभी क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान और परियोजनाओं को गति मिल सके। वर्तमान में संस्थान में निम्न स्कूल संचालित हैं:

#### 1. संगणक और विद्युतीय अभियांत्रिकी स्कूल (एससीईई)

संगणक विज्ञान के विस्तृत क्षेत्र में प्राध्यापक सदस्य, संगणक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और अर्धचालकों, सांकेतिक प्रक्रिया, स्वचालन और नियन्त्रण तथा विद्युतीय ऊर्जा प्रणाली आदि सभी इस स्कूल के भाग हैं।

#### 2. अभियांत्रिकी स्कूल (एसई)

अभियांत्रिकी के अन्य विषयों के प्राध्यापक जिनमें यांत्रिक अभियांत्रिकी और सामग्री विज्ञान अभियांत्रिकी हैं, सभी इस स्कूल का भाग हैं।

#### 3. आधार विज्ञान स्कूल (एसबीएस)

आधार विज्ञान के सभी विषय जिनमें भौतिकी, गणित, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान हैं, के प्राध्यापक सदस्य इस स्कूल का भाग हैं।

#### 4. मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएच एवं एसएस)

अंग्रेजी, जर्मन, अर्थशास्त्र, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान, प्रबंधन, इतिहास और अन्य मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के विषय आदि सभी इस स्कूल का भाग हैं।

वर्ष 2015-16, 17 में भा.प्रौ.सं. मद्रास और भा.प्रौ.सं. मुम्बई जैसे प्रसिद्ध संस्थानों से अभ्यागत प्राध्यापकों ने विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। प्रत्येक स्कूल के प्राध्यापक सदस्यों की सूची से सम्बन्धित और अधिक विस्तृत जानकारी हमारे संस्थान की वेबसाइट में 'शैक्षिक स्कूल' नामक अनुभाग से निम्न पते पर प्राप्त की जा सकती है:

(<http://www.iitmandi.ac.in/academics/schools.html>)

### महत्वपूर्ण विषय अनुसंधान केन्द्र

भा.प्रौ.सं. मण्डी का स्वरूप अनुसंधान और विकास (आर और डी) के लिए एक केन्द्र बिन्दु के रूप में कुछ विशेष लक्ष्य की ओर अनुसंधान केन्द्र के सृजन का समर्थन करता है। यह समूह किसी एक स्कूल या विभिन्न स्कूलों के प्राध्यापकों और छात्रों के लिए विभिन्न उपाधि कार्यक्रम बनाएगा। इस केन्द्र में अल्पकालीन संविदा आधार पर तकनीकी एवं सहयोगी कर्मचारी वर्ग हो सकते हैं। लक्ष्य प्राप्ति के पश्चात् समूह को भंग किया जा सकता है।

#### वर्तमान में स्थापित केन्द्र निम्नलिखित हैं:

1. विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए सामग्री को ध्यान में रखकर उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी)।
2. माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक के लिए सामग्री और उपकरणों को ध्यान में रखते हुये इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (सी4डीएफईडी) के प्रारूप एवं निर्माण के लिए केन्द्र।

#### प्रस्तावित केन्द्र निम्नलिखित हैं:

1. अभिशासक मण्डल द्वारा माह, नवम्बर, 2012 को बायो एक्स को महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में स्थापित किया गया। इसका लक्ष्य मानव स्वास्थ्य के अनुप्रयोग, कृषि और पर्यावरण सहित जीव विज्ञान प्रणालियां और कृत्रिम जीव विज्ञान है।
2. अनेक प्राध्यापकों की रुचि अक्षय और शुद्ध ऊर्जा अनुसंधान में है और इसका लक्ष्य एम.टैक. कार्यक्रम है।

### उपाधि कार्यक्रम:

शैक्षिक वर्ष 2015-16 के आरम्भ में संस्थान में निम्नलिखित दो नये कार्यक्रम प्रारम्भ किये गये:

- नागरिक अभियांत्रिकी (सीई) में प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टैक.)
- भौतिक विज्ञान में अनिवार्य पी.एचडी. (I-पी.एचडी.)

उपर्युक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त संस्थान में निम्नलिखित उपाधि कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं—

1. निम्नलिखित अभियांत्रिकी विषयों में स्नातक प्रौद्योगिकी (बी.टैक.) की जाती है:
  - क) नागरिक अभियांत्रिकी (सीई)
  - ख) संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी (सीएसई)
  - ग) विद्युत अभियांत्रिकी (ईई) और
  - घ) यांत्रिकी अभियांत्रिकी (एमई)
2. निम्नलिखित अभियांत्रिकी विषयों में एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) की जाती है—
  - क) नागरिक अभियांत्रिकी, जीओ इन्फॉरमेटिक्स इत्यादि
  - ख) संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी
  - ग) यांत्रिकी अभियांत्रिकी और
  - घ) विद्युत अभियांत्रिकी
3. रसायन विज्ञान में एम.एससी.
4. सामग्री में विशेषज्ञता के साथ ऊर्जा अभियांत्रिकी में एम.टैक.
5. अभियांत्रिकी, आधार विज्ञान और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में पी.एचडी.
6. भौतिक विज्ञान में अनिवार्य पी.एचडी.

छात्रों की नौकरी की आवश्यकता, राष्ट्रीय जरूरतों और भा.प्रौ.सं. की संख्या के अनुसार उपाधि कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता है। उपाधि कार्यक्रम में एक छात्र को कई स्कूलों के प्राध्यापकों द्वारा पढ़ाया और उनका मार्गदर्शन किया जाता है। इन कार्यक्रमों को केवल छात्र की आकांक्षा और नौकरी के आधार पर आरम्भ और समाप्त किया जाता है।

वर्तमान में स्नातक कार्यक्रम के लिए सीई में 25, सीएसई, ईई और एमई की प्रत्येक शाखा में 40 छात्रों को मिलाकर प्रति वर्ष कुल 145 छात्रों को प्रवेशित करते हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में बी.टैक. के छात्र/छात्रा जिसने अपनी इच्छा से आधार विज्ञान, अभियांत्रिकी विज्ञान और व्यवहार, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान में से जिस विषय को भी चुना हो उसका मूलभूत अध्ययन करता है। छात्र को विशेष ऐच्छिक विषय के क्षेत्र में अनुसंधान विचारधाराओं के जोखिम और विकास का महत्वपूर्ण ज्ञान प्रदान कर योग्य बनाया जाएगा। छात्र वर्ग को चयनित/ऐच्छिक विषय के अतिरिक्त महत्वपूर्ण बहु-विषयक जानकारी से योग्य बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त पाठ्यक्रम 'लघु' क्षेत्र में अन्य विषयों के 3-4 सेट लेने की स्वीकृति देता है।

संस्थान की योजना शैक्षिक वर्ष 2016-17 में 12 छात्रों के प्रवेश से और अधिक स्नातकोत्तर विषय आरम्भ करने की है। जैसे कि प्रयुक्त गणित में एम.एससी. और जीव विज्ञान प्रौद्योगिकी में एम.टैक.।

### प्रारूप व्यवहार्य दृष्टिकोण:

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बी.टैक. पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को योजना अभियंता बनने के लिए प्रशिक्षित करना है जो सुग्राह्य, प्रारूप बनाने वाले और अभिनव एवं लागत प्रभावी उत्पादों की स्थापना व प्रक्रियाओं का समाज में बड़े पैमाने पर प्रयोग कर सके।

इसके पश्चात् पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में नवोत्थान और प्रारूप को शामिल करना है। यह अधिगम के "प्रारूप व्यवहार्य" के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है जो पाठ्यक्रम में बनाया जाता है।

बी.टैक. कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में छात्र "उत्कृष्ट अभियांत्रिकी" योजना संचालित करते हैं। इसमें छात्रों के दल को एक सामान्य गेजेट/उपकरण दिया जाता है। यह कैसे कार्य करता है? इसके लिए पहले इसके टुकड़े-टुकड़े किये जाते हैं, फिर दोबारा वैसे ही एकत्रित करके व्यवस्थित किया जाता है।

द्वितीय वर्ष के स्तर में छात्र दल उत्पाद सुझावों को प्रस्तावित करते हैं और इन उत्पादों से प्रारूप बनाने के लिए कार्य करते हैं। इनमें बहुत से उत्पाद सुझाव समाज के लिए उपयोगी होते हैं। जो उत्पाद सफलतापूर्वक बनाये और प्रदर्शित किए गए उनमें पार्क और खाड़ियों के लिए स्वचालित कचरा संचरण मशीन और स्वचालित सड़क मुरम्मत प्रणाली शामिल है।

तृतीय वर्ष के स्तर में छात्रों को "बहु विषयक सामाजिक तकनीकी योजना" (आईएसटीपी) पर कार्य करने का विकल्प मिलता है। इस योजना में बहु विषयक छात्र दल समाज के कुछ मुद्दों/समस्याओं को खोजता है और कई प्रकार से मूल्यांकन करके तकनीकी आधार पर समाधान के सुझाव देता है। आईएसटीपी छात्र दलों में कुछ छात्र भा.प्रौ.सं. मण्डी और डब्ल्यूपीआई, बॉस्टन से थे, जिन्होंने मिलकर कार्य किया।

अन्ततः चतुर्थ वर्ष के दौरान, अन्तिम वर्ष परियोजना में छात्रों को अकेले या दल में कार्य करने का विकल्प मिलता है।

सामान्यतः भा.प्रौ.सं. मण्डी में सभी विषयों में छात्रों को प्रोत्साहित और सक्षम करने के लिए पाठ्यक्रम को इस प्रकार से बनाया जाता है ताकि वे सुयोग्य तथा सफल अभियंता बने।

### शैक्षिक सम्पर्क

संस्थान ने विश्व के अनेक संस्थानों से विश्वसनीय अनुसंधान और शिक्षण समन्वय विकसित किया है। कई संस्थानों के छात्रों और प्राध्यापकों द्वारा अदली-बदली होने से समन्वय का मार्ग प्रशस्त होता है। भावी उत्पादन के अनुसंधान के लिए वर्तमान समन्वय में सम्मिलित हैं— प्रौद्योगिकी संस्थान ब्लीकिंग, स्वीडन, आई.टी. विश्वविद्यालय, डेनमार्क, स्टुटगार्ट का तकनीकी विश्वविद्यालय (टी.यू.) और जर्मनी के आठ अन्य संस्थान, डबलिन शहर विश्वविद्यालय, आयरलैण्ड, वोरसेस्टर तकनीकी संस्थान (डब्ल्यू.पी.आई.), यू.एस.ए. और एच.ई.पी.आई.ए.—अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय, स्वीटजरलैण्ड और भारत—यू.के. उन्नत प्रौद्योगिकी केन्द्र शामिल हैं। संस्थान के कुछ अन्य भारतीय संस्थानों के साथ भी ऐसे ही समझौते हैं। आई.टी. विश्वविद्यालय डेनमार्क के साथ समन्वय का ही परिणाम है कि सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी विषय को भारत और स्वीडन में एक ही समय में इकट्ठे पढ़ाया जाता है। जैसा कि पहले भी उल्लेख किया जा चुका है कि डब्ल्यू.पी.आई. के साथ समन्वय से एक छमाही लम्बी अवर स्नातक अनुसंधान परियोजना (बहु-विषयक सामाजिक-तकनीकी परियोजना) के अंतर्गत यू.एस.—भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्र दलों में मिलकर स्थानीय समाज के सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का पता लगाएंगे।

## आंकड़े

### बैच, लिंग और जाति के आधार पर छात्रों की संख्या

#### दिनांक 31 मार्च, 2016 को भा.प्रौ.सं. मण्डी में छात्रों का सांख्यिकीय आंकड़ा

वर्ष	बी.टैक. (सीई,सीएसई,ईई,एमई)					एम.एससी. (रसायन विज्ञान)					एम.टैक. (ऊर्जा अभियांत्रिकी)						
	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल		
2010	—	—	1	1	2	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		
2011	—	—	2	1	3	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		
2012	58	32	16	9	115	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		
2013	57	32	18	9	116	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		
2014	56	34	14	9	113	6	3	1	—	10	2	1	—	—	3		
2015	63	36	22	10	131	10	3	3	2	18	1	1	2	1	5		
<b>महायोग</b>					<b>480</b>						<b>28</b>						<b>8</b>

वर्ष	एम.एस					पी.एचडी.					पी.एचडी (भौतिकी)						
	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल		
2010	—	—	—	—	—	6	2	2	—	10	—	—	—	—	—		
2011	1	—	—	—	1	9	4	2	—	15	—	—	—	—	—		
2012	—	1	—	—	1	21	6	—	—	27	—	—	—	—	—		
2013	7	—	—	—	7	19	2	—	—	21	—	—	—	—	—		
2014	5	2	—	—	7	31	8	1	—	40	—	—	—	—	—		
2015	13	—	—	—	13	45	16	3	1	65	5	1	—	—	6		
<b>महायोग</b>					<b>29</b>						<b>178</b>						<b>6</b>

#### दिनांक 31 मार्च, 2016 को कार्यक्रम, बैच और लिंग के आधार पर छात्र

पाठ्यक्रम/कार्यक्रम	2015-16	
	छात्र	छात्राएं
बी.टैक.	444	36
एम.एस.	24	5
पी.एचडी.	133	45
एम.एससी. (रसायन विज्ञान)	15	13
एम.टैक.	8	0
पी.एच.डी (भौतिकी)	2	4

दिनांक 31 मार्च, 2016 को भा.प्रौ.सं. मण्डी में प्राध्यापक

2015-16			
लिंग	पुरुष	महिला	कुल प्राध्यापक
प्राध्यापकों की संख्या	76	19	95

वित्तीय वर्ष 2015-2016 में उपलब्ध कुल अनुसंधान और विकास (प्रायोजित संस्था और शैक्षिक स्कूल द्वारा)

क्र.सं.	परियोजना संख्या	परियोजना शीर्षक	प्रायोजित संस्था	प्र.अ./स.प्र.अ.	विभाग/स्कूल	स्वीकृत धन (रु.)	योजना की अवधि	वित्तीय वर्ष
1	आईआईटीएम-एसईआरबी/एसकेपी/81	उपकरण की प्रभावकता को सुधारने के लिए रासायनिक संरचना अभियांत्रिकी: फोटोवाल्टिक अनुप्रयोगों के लिए नये कार्बनिक बहुलक/बड़े अणु और उनके सूक्ष्म यौगिक	एसईआरबी	डॉ. सुमन कल्याण पाल, स.प्र.अ. डॉ. सुब्रत घोष, डॉ. सी.के. नन्दी, डॉ. सुरेश चन्द (एनपीएल), डॉ. राजीव कुमार सिंह (एनपीएल)	आधार विज्ञान स्कूल	43,64,000	3 वर्ष	2015-16
2	आईआईटीएम/यूजीसी-डीएई/बीआर/83	कुछ संक्रमण धातु ऑक्साइड की इलेक्ट्रॉनिक संरचना पर परिमाणिकता का प्रभाव	यूजीसी-डीएई	डॉ. बिन्दु राधामणि	आधार विज्ञान स्कूल	2,29,800	1 वर्ष	2015-16
3	आईआईटीएम/बीआरएनएस/एस/84	चालकोजीनाइड आधारित थर्मोइलेक्ट्रिक सूक्ष्म यौगिकों के अध्ययन के लिए उच्च तापमान थर्मोइलेक्ट्रिक पारवहन मापन प्रणाली का विकास	बीआरएनएस	डॉ. अजय सोनी	आधार विज्ञान स्कूल	25,00,000	3 वर्ष	2015-16
4	आईआईटीएम/एसईआरबी/एस/85	थर्मोइलेक्ट्रिक अनुप्रयोगों के लिए परतदार चालकोजीनाइड सूक्ष्म यौगिक	एसईआरबी	डॉ. अजय सोनी	आधार विज्ञान स्कूल	26,00,000	3 वर्ष	2015-16
5	आईआईटीएम/डीबीटी/एपी/88	टेनिया सोलियम सिस्ट एन्टीजन का प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया कोशिकाओं पर प्रतिरक्षा मॉड्यूलक प्रभाव और रोगजनन में उनकी भूमिका	डीबीटी	डॉ. अमित प्रसाद	आधार विज्ञान स्कूल	32,50,000	5 वर्ष	2015-16
6	आईआईटीएम/डीएसटी/89	अनुभव से निर्णय: परिणाम और संभाव्यता के मूल्यांकन के आधार पर निर्णय की एनईआरपी जांच	डीएसटी	प्र.अ. कुमारी देवारति बंधयोपाध्याय संरक्षक: डॉ. वरुण दत्त	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	18,56,000	2 वर्ष	2015-16

7	आईआईटीएम/ एसपीएल/ एसओ/90	पैप स्मीयर छवियों से सर्वाइवल कैंसर की जांच करना	आईआईटीएम सिस्टमज प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. अनिल के. साव (प्र.अ.), डॉ. अर्नव भवसर (सह प्र.अ.)	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	6,50,000	2 वर्ष	2015-16
8	आईआईटीएम / डीएसटी / एकेपी / 91	पहाड़ी क्षेत्र के लिए सीएसटीआरआई योजना के अंतर्गत नवीन प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	31,40,000	2 वर्ष	2015-16
9	आईआईटीएम / डीएसटी / वीके / 92	कार्बनिक फोटोवोल्टिक में अत्यधिक सौर ऊर्जा रूपांतरण के लिए जैव प्रभावित सामग्री	डीएसटी-एसईआरबी	डॉ. वेंकट कृष्णन	आधार विज्ञान स्कूल	20,87,000	3 वर्ष	2015-16
10	आईआईटीएम / डेटी-एमएलए / एसओ / 93	वर्ष 2015-16 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के लिए विस्वेस्वराय पी.एचडी. योजना	डेटी-एमएलए	डॉ. अनिल के. साव	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	2,17,13,000	5 वर्ष	2015-16
11	आईआईटीएम / डीएसटी / एके / 94	चुम्बकीय विद्युत बहु लौह सामग्री के लिए खोज का आरम्भ	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	57,36,538	3 वर्ष	2015-16
12	आईआईटीएम / डीएसटी / एनजी / 96	फेफड़े के कैंसर की मूल कोशिकाओं में जाहक रास्ते मोड्यूलर की पहचान	डीएसटी-इन्सपायर	डॉ. नेहा गर्ग	आधार विज्ञान स्कूल	35,00,000	5 वर्ष	2015-16
13	आईआईटीएम / डीएसटी / एएच / 97	धारणीय भविष्य के लिए एन्थ्रोपोजीनिक Co2 का प्रयोग करते हुये अक्षय ऊर्जा स्रोतों का निर्माण	डीएसटी-एसईआरबी	डॉ. अदिती हल्दर	आधार विज्ञान स्कूल	30,40,000	3 वर्ष	2015-16
14	आईआईटीएम / आईएसआरओ / एसजी / 98	अर्ध चालक प्रयोगशाला (एससीएल) मण्डी में 180 एनएम प्रक्रिया प्रौद्योगिकी के लिए स्वदेशी डीयूवी फोटोरीसिस्ट का विकास: मेक इन इंडिया	एससीएन मोहाली	डॉ. सुब्रत घोष	आधार विज्ञान स्कूल	81,00,000	3 वर्ष	2015-16
15	आईआईटीएम / एसईआरबी / एजे / 99	थिरेनोस्टिक्स अनुप्रयोगों के लिए उद्दीपन अनुक्रियाशील स्मार्ट सूक्ष्म कैरियरज	एसईआरबी	डॉ. अमित जायसवाल	आधार विज्ञान स्कूल	22,56,000	3 वर्ष	2015-16

16	आईआईटीएम/ एसईआरबी/ आरजी/100	आन्तरिक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन: एडीनोवाइरल प्रोटीन के क्षेत्र में ईआईए प्रोटीनएडीनोवाइरल ऑनकोप्रोटीन E1A का इसके सहायक TAZ2 के साथ इधर से उधर तक क्षेत्र का बलन और बंधन तंत्र	एसईआरबी	डॉ. रजनीश गिरी	आधार विज्ञान स्कूल	27,36,000	3 वर्ष	2015-16
17	आईआईटीएम/ डीएसटी- जीआईटीए/ एसजी/101	20 एनएम नोड और इससे अधिक पर नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स के लिए नयी अरासायनिक प्रवर्धित आण्विक फोटोरीसिस्ट	डीएसटी- जीआईटीए	डॉ. सुब्रत घोष	आधार विज्ञान स्कूल	29,29,500	3 वर्ष	2015-16
18	आईआईटीएम/ डीएसटी- एसईआरबी/ आरवी/102	वाशर वाटर के उपाय के लिए फोटोकैटालाइटिक पारदर्शी कांच सूक्ष्म अति सूक्ष्म किस्टल यौगिक	डीएसटी- एसईआरबी	डॉ. राहुल वैश	अभियांत्रिकी स्कूल	28,05,200	3 वर्ष	2015-16
19	आईआईटीएम/ एमओसी/ आरटी/103	पहाड़ी चित्रकला में प्रशिक्षण: पहाड़ी संस्कृति को प्रस्तुत करने के लिए कदम	संस्कृति मंत्रालय	डॉ. रमना ठाकुर	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	7,00,000	1 वर्ष	2015-16
20	आईआईटीएम/ डीएसटी/ वीबी/104	उपकरण के लिए स्थल विशेष का विकास और संरक्षित कार्बन सूक्ष्म नली (सीएनटी) का निर्माण	डीएसटी	डॉ. विस्वनाथ बालाकृष्णन	अभियांत्रिकी स्कूल	28,56,000	3 वर्ष	2015-16
<b>कुल</b>						<b>7,70,49,038</b>		
<b>आन्तरिक</b>								
1	आईआईटीएम/ आईएनटी/ एसकेएस/01	भा.प्रौ.सं मण्डी में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (सी4डीएफईडी) के प्रारूप और निर्माण के लिए केन्द्र	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	9,00,000	2 वर्ष	2015-16
2	आईआईटीएम/ आईएनटी/ एसकेएस/02	एनकेएन सुविधा	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	12,00,000	1 वर्ष	2015-16



3	आईआईटीएम/ आईएनटी/ टीएजी/03	ग्रामीण भारत के लिए क्लाउड कम्प्यूटिंग	भा.प्रौ.सं. मण्डी	प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	10,00,000	3 वर्ष	2015-16
4	आईआईटी/ आईएनटी/ एसकेएम/04	वानस्पतिक और औषधीय पौधे उद्यान परियोजना	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. श्याम कुमार मसकपल्ली	आधार विज्ञान स्कूल	5,84,000	1 वर्ष	2015-16
5	आईआईटीएम/ आईएनटी/ बीपी/05	भा.प्रौ.सं. मण्डी उद्यमिता कक्ष (आईईसी)	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. भवेन्द्र पॉल	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	2,00,000	2 वर्ष	2015-16
<b>कुल</b>						<b>1,05,33,600</b>		
<b>मूल अनुदान</b>								
1	आईआईटीएम/ एसजी/एमएम /35	कुछ भिन्नात्मक समीकरणों में नियंत्रकता	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. मुस्लिम मलिक	आधार विज्ञान स्कूल	4,64,000	3 वर्ष	2015-16
2	आईआईटीएम/ एसजी/आरडी /36	19वीं शताब्दी में मेक्सिको और बीलाईज में मायानज	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. राजेश्वरी दत्त	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	6,20,000	3 वर्ष	2015-16
3	आईआईटीएम/ एसजी पीएम- एजे/37	सूक्ष्म संवाहकों से आगम शर्करा आश्रित इन्सुलिन स्राव द्वारा अग्न्याशयी बीटा कोशिकाओं का लक्षित चिकित्सा वितरण	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. प्रोसनजीत मण्डल, डॉ. अमित जायसवाल	आधार विज्ञान स्कूल	20,00,000	3 वर्ष	2015-16
4	आईआईटीएम/ एसजी/एपी /38	टेनिया सोलियम सिस्ट संकमण के रोगजनन में इनफलेममओरसमस की भूमिका समझना	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. अमित प्रसाद	आधार विज्ञान स्कूल	7,00,000	2 वर्ष	2015-16
5	आईआईटीएम/ एसजी/पीआर /39	दृश्य और ध्वनिक आंकड़ों से अनेक आकार के पक्षियों की पहचान	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. पद्मनाभन राजन	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	30,00,000	3 वर्ष	2015-16
6	आईआईटीएम/ एसजी/ एसआरसी/40	इस्कीमिक आघात जोखिम मूल्यांकन के लिए सुरक्षा जांच बिन्दु का विकास और नियंत्रित उपकरण	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. शुभाजीत राय चौधरी	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	5,00,000	3 वर्ष	2015-16
7	आईआईटीएम/ एसजी/बीजे /41	डीसी सूक्ष्म ग्रिड का विद्युत प्रबंधन और नियंत्रण	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. भक्ति जोशी	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	10,40,000	3 वर्ष	2015-16
8	आईआईटीएम/ एसजी/ जेकेआर/42	दवा वितरण के लिए टोस लिपिड सूक्ष्म कणों का सूक्ष्म संवाहको के रूप में विकास	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा	अभियांत्रिकी स्कूल	6,50,000	3 वर्ष	2015-16

9	आईआईटीएम/ एसजी/ आरएमआर/43	छवियों के लिए विशेष विरल अनुप्रयोगों का प्रदर्शन	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. रेणु एम. रमेशन	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	5,39,600	3 वर्ष	2015-16
10	आईआईटीएम/ एसजी/ डीवीपी/44	सूक्ष्म/अतिसूक्ष्म अभियंत्रित धरातलों पर पूल उबलते ऊष्मा परिवहन	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. धीरज वी. पाटिल	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	6,00,000	3 वर्ष	2015-16
5	आईआईटीएम/ आईएनटी/ बीपी/05	भा.प्रौ.सं. मण्डी उद्यमिता कक्ष (आईईसी)	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. भवेन्द्र पॉल	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	2,00,000	2 वर्ष	2015-16
<b>कुल</b>						<b>1,05,33,600</b>		
<b>परामर्श सेवा</b>								
1	आईआईटीएम/ सीओएनएस/ पीपीएलपी/ वीडी/05	दवा उद्योग में विस्तृत आंकड़ों का आभासीकरण	पुरड्यू फार्मा एल.पी, यूएसए	डॉ. वरुण दत्त	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	8,999 डॉलर	9 माह	2015-16
2	आईआईटीएम/ सीओएनएस/ बीएचईएल/ आरके/06	टरबाइन जनित्र कूपक प्रणाली पर विभिन्न त्रुटियों और इसके ग्रिड पर अन्योन्य प्रभाव जानने के लिए विश्लेषणात्मक विधि का विकास	बीएचईएल, रानीपुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	डॉ. राजीव कुमार सह प.अ.: डॉ. बी.एस. राजपुरोहित	अभियांत्रिकी स्कूल और संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल	17,87,556	15 माह	2015-16

## प्रारूप व्यवहार्य

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बी.टैक. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम में 'प्रारूप व्यवहार्य' एक अनोखा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र उत्पाद का प्रारूप, विकास, निर्माण और यहां तक कि विपणन भी सीखते हैं। उत्पाद के मत प्रस्तावित करने के लिए विभिन्न विभागों से छः छात्रों के बहु विषयक दल का यादृच्छिक चयन किया गया। इसके बाद कार्य करने वाले मूल नमूने बनाये। उत्पाद विचारों में अनेक सामाजिक आवश्यकताओं से लिए गए थे। इस वर्ष छात्रों ने 19 परियोजनाएं बनायीं जिनकी सूची निम्नलिखित है:

दल क्रमांक	परियोजना का नाम	विवरण
1	रोबमोप	स्वचालित झाड़ू और पोछा लगाने वाली मशीन।
2	बैंक सहायक	अंधे और अनपढ़ व्यक्ति हेतु परंपरागत और थकाने वाली प्रक्रियाओं के लिए विकल्प।
3	स्वचालित राशन विक्रय करने वाली मशीन	हमारा उत्पाद कार्ड धारकों को तुरन्त बिल तैयार कर राशन वितरित करता है।
4	स्वतः व्यवस्थित कुर्सी	यह मॉडल स्वतः ही गति करता है और कुर्सी की व्यवस्था करता है।
5	आसरा—कुशल पहिये वाली कुर्सी	बैठते हुये ऊंचाई बढ़ाकर ऊंचाई पर रखी हुई वस्तुओं तक पहुंचने की सुविधा और हाथ मूंह धोने के कमरे में प्रयोग के लिए।
6	स्वतः मैदान में घास काटने वाला	मैदान में उपयोग कर्ता द्वारा किसी भी आकार में घास काटने में कुशल।
7	हस्त संकेत प्रणाली	रासायनिक उद्योगों में खतरों को कम करने के लिए रोबोट के समान बाजू के माध्यम से हस्त संकेत
8	इग्निस बीलेटर (अग्नि शमन)	आग का पता और इसका शमन करने के लिए एक रोबोट
9	चावल के पौधों का रोपण करने वाली स्वचालित मशीन	यह चावल के पौधों का रोपण करने वाली एक स्वचालित मशीन है जो दल-दल में पौधा रोपण करती है।
10	मिर्गी जब्ती संसूचक	हमारे उत्पाद का उद्देश्य मिर्गी के रोगियों की निरंतर देखभाल करना है जिससे रोगियों और उनके देखभाल करने वालों की मदद हो।
11	अपाहिजों के लिए संप्रेषण उपकरण	एक उपकरण जो आँखे झपकने से अस्पष्ट बोलने वाले लोगों के लिए संप्रेषण करता है।
12	मैस बोट	कुशल बैरा।
13	कुशल क्रय करने वाली गाड़ी	एक कुशल क्रय करने वाली गाड़ी है जो खरीददारी करते हुये समय की बचत और उत्पादकों के लिए खोज ईंजन का काम करती है।
14	3—डी होलोग्राफिक प्रचालक	एक 2—डी प्रचालक 3—डी में परिवर्तित।
15	एलपीजी सुरक्षा और स्वचालित बुकिंग उपकरण	एक पारवहनीय बेतार एलपीजी स्टैण्ड जो गैस खत्म होने की सूचना दो दिन पहले देता है, सीलेंडर से गैस लीक होने का पता देता है और उपभोक्ता को सजग करता है।
16	आवश्यक कम्पन्न समर्थ (ईटीएस)	स्नायविक अव्यवस्था से ग्रसित लोगों की कम्पन्न में मदद करता है।
17	कुशल ऊर्जा कक्ष	यह उपकरण व्यक्ति को अपने घरेलू कार्य करने के लिए अपने आप से विद्युत पैदा करने के लिए मदद कर सकता है।
18	दीवार पर रंग करने वाला रोबोट	एक कुशल रोबोट जो दीवारों पर रंग की परत भी चढ़ा देगा।
19	साझी स्क्रीन	हमारे उत्पाद का प्रयोग करते हुये अनेक दर्शक समान टीवी स्क्रीन में अलग-अलग विषय देख और सुन सकते हैं।

भा.प्रौ.सं. मण्डी के आम स्थल पर उपर्युक्त सभी परियोजनाएं (कार्य करने वाले नमूने) मूल्यांकन के लिए बाहरी निर्णायकों और आगंतुकों के लिए प्रदर्शित की गईं। कुछ अग्रणी प्रारूप व्यवहार्य परियोजनाएं निर्धारित की गईं जो निम्नलिखित हैं –

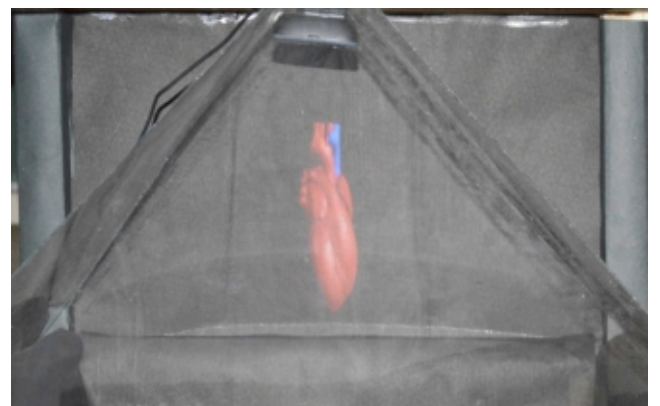
**रोबमोप–** इसे प्रा.एस. रे और डॉ. हितेश श्रीमाली के परामर्श से मेघल पुरी के नेतृत्व वाले दल द्वारा बनाया गया। यह उपकरण फर्श पर स्वतः ही झाड़ू और पोछा लगाता है।



**स्वचालित राशन विक्रय करने वाली मशीन–** यह उत्पाद कार्ड धारकों को तुरन्त बिल तैयार कर राशन वितरित करता है। डॉ. कौस्तव और डॉ. श्याम कुमार मसकपल्ली के परामर्श से इस दल का नेतृत्व अक्षय मैथ्यु ने किया।



**3-डी होलोग्राफिक प्रचालक–** दल ने साधारण 2-डी प्रचालक को 3-डी में परिवर्तित किया और प्रणाली की कल्पना की। श्रद्धान कुमार ने दल का नेतृत्व किया तथा डॉ. विस्वनाथ बालाकृष्णन और डॉ. एस्ट्रिड किह्न ने निर्देशन किया।



## संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल (एससीईई)

भा.प्रौ.सं. मण्डी के संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी (एससीईई) स्कूल ने अध्यापन और अनुसंधान में उत्कृष्टता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। संगणक, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत अभियांत्रिकी से सम्बन्धित शिक्षण और प्रौद्योगिकी में अत्याधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया गया है। वर्तमान में 25 प्राध्यापक अनुसंधान के विस्तृत सैद्धांतिक और अनुप्रयोग आधारित विषयों पर कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2016 के दौरान स्कूल में वीएलएसआई विशेषज्ञता के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में नया एम.टैक. कार्यक्रम आरम्भ किया है। इस कार्यक्रम में सम्बन्धित उद्योग के साथ समान समन्वय कर शिक्षा पर बल देते हुए पाठ्यक्रम की योजना बन चुकी है। इस संस्थान से बी.टैक. छात्रों के उत्तीर्ण तीन बैच अपनी योग्यता का प्रदर्शन विश्व में कर चुके हैं। इसमें विद्युत अभियांत्रिकी बैच 2010-2014 के श्री अतहर आमिर खान ने वर्ष 2016 की भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा (आईएएस) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त हमारे प्राध्यापक सरकारी और निजी वित्त पोषित कम्पनियों में 17 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं में लगे हैं, जिनका जल्दी ही समाज में योगदान होगा।

### प्राध्यापक

#### डॉ. ए.के. साव

अध्यक्ष

सहयोगी प्राध्यापक

विशेषज्ञता: बिम्ब प्रक्रम

भा.प्रौ.सं. मद्रास से पी.एचडी.

गृह नगर: भिलाई, छत्तीसगढ़

दूरभाष: 01905-267066

ई-मेल: anil

#### डॉ. आदित्य निगम

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: जैव मीतिय, संगणक दृश्य

बिम्ब प्रक्रम

भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एचडी.

गृह नगर: कानपुर, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 01905-267152

ई-मेल: aditya

#### डॉ. अर्नव भवसार

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: बिम्ब विश्लेषण, संगणक आभास

भा.प्रौ.सं. मद्रास से पी.एचडी.

गृह नगर: सूरत, गुजरात

दूरभाष: 01905-267049

ई-मेल: arnav

#### डॉ. आरती कश्यप

सहयोगी प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति)

विशेषज्ञता: चुम्बकत्व और चुम्बकीय सामग्री

भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एचडी.

गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश

दूरभाष: 01905-267042

ई-मेल: arti

#### डॉ. एस्ट्रिड किह

अभ्यागत सहयोगी प्राध्यापक

विशेषज्ञता: वितरित अलोगरिथम,

सत्यापन, सैद्धांतिक संगणक विज्ञान

टीयू म्यूनिख विश्वविद्यालय, जर्मनी से पी.एचडी.

गृह नगर: हम्बर्ग, जर्मनी

दूरभाष: 01905-267122

ई-मेल: astrid

#### प्रा. बी.डी. चौधरी

डीन (शैक्षिक)

ससम्मान सेवा निवृत्त प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी

भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एचडी.

गृह नगर: दरभंगा, बिहार

दूरभाष: 01905-267068

ई-मेल: bdchaudhary

### डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

डीन (प्राध्यापक)

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन

टू पावर सिस्टम्स

भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एचडी.

गृह नगर: जोधपुर, राजस्थान दूरभाष: 01905-267046

ई-मेल: bsr

### डॉ. दिलीप ए.डी.

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: पैटर्न रीकॉग्निशन, कर्नल

मैथडज फोर पैटर्न एनालाइसिस

मशीन लर्निंग, स्पीच टेक्नोलॉजी

कम्प्यूटर विज्ञान

भा.प्रौ.सं. मद्रास से पी.एचडी.

गृह नगर: उदुपि, कर्नाटक

दूरभाष: 01905-267046

ई-मेल: addileep

### डॉ. कुनाल घोष

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सौर फोटोवॉल्टिक्स

अरीजोना राज्य विश्वविद्यालय, अमेरीका

से पी.एचडी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267145

ई-मेल: kunal

### डॉ. पद्मनाभन राजन

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: भाषा संसाधन, वक्ता की पहचान

भा.प्रौ.सं. मद्रास से पी.एचडी.

गृह नगर: कोचिन, केरल

दूरभाष: 01905-267049

ई-मेल: padman

### डॉ. रेणु एम. रमेशन

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: बिम्ब संसाधन

भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी.

गृह नगर: त्रिवेन्द्रम, केरल

दूरभाष: 01905-267051

ई-मेल: renumr

### डॉ. भक्ति माधव जोशी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: ए.सी. यंत्र और नियंत्रण

भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी.

गृह नगर: पुना (महाराष्ट्र)

दूरभाष: 01905-267051

ई-मेल: bhakti

### डॉ. हितेश श्रीमाली

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: एनालॉग एण्ड मिक्सड

सिग्नल वी.एल.एस.आई. डिजाईन एण्ड

मौडलिंग ऑफ रेडीएशन हार्ड सर्कट्स

भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एचडी.

गृह नगर: अहमदाबाद, गुजरात

दूरभाष: 01905-267113

ई-मेल: hitesh

### डॉ. मेबीन रवि

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: नियंत्रण प्रणालियां

मेरीलैंड विश्वविद्यालय, अमेरीका से पी.एचडी.

गृह नगर: चेन्नई, तमिलनाडु

दूरभाष: 01905-267053

ई-मेल: maben

### डॉ. रमेश ओरुगंति

ससम्मान सेवा निवृत्त

विशेषज्ञता: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर

फोटोवॉल्टिक एनर्जी सिस्टम्स

वरजिना प्रौद्योगिकी, अमेरीका से पी.एचडी.

दूरभाष: 01905-267123

ई-मेल: ramesho

### डॉ. समर अग्निहोत्री

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सूचना सिद्धान्त, संचार जटिलता,

बेतार संचार

भारतीय प्रौद्योगिकी विज्ञान संस्थान, बंगलौर

से पी.एचडी.

गृह नगर: दिल्ली

दूरभाष: 01905-267907

ई-मेल: samar

**डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा**

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेन्सर्स,  
फोटोवोल्टिक और सेल्फ असेम्बली  
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से पी.एचडी.  
दूरभाष: 01905-267134  
ई-मेल: satinder

**डॉ. श्रीराम कैलासम**

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: वितरित प्रणालियां  
(क्लाउड कम्प्यूटिंग)  
भा.प्रौ.सं. मद्रास से पी.एचडी.  
गृह नगर: मुम्बई, महाराष्ट्र  
दूरभाष: 01905-267120  
ई-मेल: sriamk

**डॉ. शुभाजीत राय चौधरी**

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: बायोमेडिकल एम्बेडिड सिस्टम्ज,  
नॉन इन्वेसिव डायग्नोस्टिक सिस्टम्ज,  
नीयर इन्फारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी, वीएलएसआई  
आर्किटेक्चरज जादवपुर विश्वविद्यालय,  
कलकत्ता से पी.एचडी.  
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल  
दूरभाष: 01905-267110  
ई-मेल: src

**डॉ. तुषार जैन**

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: नियंत्रण सिद्धांत, त्रुटि  
सहनशीलता नियंत्रण, औद्योगिक प्रक्रिया  
नियंत्रण  
यूनिवर्सिटी डे लोरीन, फ्रांस से पी.एचडी.  
गृह नगर: मेरठ, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-26117  
ई-मेल: tushar

**डॉ. वरुण दत्त**

सहायक प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति)  
विशेषज्ञता: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानव-  
संगणक परस्पर क्रिया, अनुमान और  
निर्णय लेना, पर्यावरणीय निर्णय लेना  
कार्नेज मीलोन विश्वविद्यालय (यू.एस.ए.)  
से पी.एचडी.  
गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267041  
ई-मेल: varun

**डॉ. सत्यजित सिंह ठाकोर**

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: सम्पर्क सिद्धान्त, सूचना सिद्धान्त  
नेटवर्क कोडिंग  
दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया से पी.एचडी.  
गृह नगर: आनन्द, गुजरात  
दूरभाष: 01905-267150  
ई-मेल: satyajit

**डॉ. सुभाशीष दत्ता**

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: नियंत्रण सिद्धांत  
भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी.  
गृह नगर: बेरीपेडा, उड़ीसा  
दूरभाष: 01905-267137  
ई-मेल: sd

**डॉ. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज**

निदेशक  
प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: संगणक नेटवर्कस और वितरित सॉफ्टवेयर प्रणाली  
स्टैण्डफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरीका से पी.एचडी.  
गृह नगर: ऊटी, तमिलनाडु  
दूरभाष: 01905-267001  
ई-मेल: tag

**डॉ. वर्षा जैन**

शिक्षण सहयोगी  
विशेषज्ञता: संगणक नेटवर्क और वितरित  
प्रणालियां, ऊर्जा कुशल नेटवर्क  
एम्बेडिड प्रणालियां  
अल्सटर विश्वविद्यालय, यू.के. से पी.एचडी.  
गृह नगर: जयपुर, राजस्थान  
दूरभाष: 01905-267116  
ई-मेल: varshajain

**डॉ. योवोनी डिट्टिच**

संयुक्त प्राध्यापक  
विशेषज्ञता:  
हम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी से पी.एचडी.  
गृह नगर: कोपेनहेगन, डेनमार्क  
ई-मेल: ydi

## परामर्शदाता प्राध्यापक

### प्रो. दीपक खेमानी

प्राध्यापक

भा.प्रौ.सं. मद्रास में संगणक विज्ञान  
और अभियांत्रिकी के प्राध्यापक

विशेषज्ञता: कृत्रिम बुद्धिमत्ता

भा.प्रौ.सं. मुंबई से पी.एचडी.

दूरभाष: +91 4422574365

ई-मेल: khemani

### प्रो. हेमा ए. मुर्ती

प्राध्यापिका

भा.प्रौ.सं. मद्रास से संगणक विज्ञान  
और अभियांत्रिकी विभाग की प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: भाषण, सांकेतिक प्रक्रम,

संगणक नेटवर्क

भा.प्रौ.सं. मद्रास से पी.एचडी.

ई-मेल: hema

### डॉ. संजीव मन्हास

भा.प्रौ.सं. रूड़की से इलेक्ट्रॉनिक्स  
और संचार अभियांत्रिकी विभाग में

सहयोगी प्राध्यापक

डी मॉटफोर्ट विश्वविद्यालय,

लीसेस्टर यू.के. से पी.एचडी.

दूरभाष: +91-1332-285174

ई-मेल: samanfec

## अनुसंधान परियोजनाएं

### बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना का नाम	प्रायोजित कंपनी	अन्वेषक	स्वीकृत धन (रु.)	परियोजना की अवधि
1	श्रम शक्ति विकास कार्यक्रम स्वीकृति की दिनांक: 29.12.15 समापन की दिनांक: 28.12.21	डेटी	डॉ. हितेश श्रीमाली	60,38,000	5 वर्ष
2	अनुभव से निर्णय: परिणाम और संभावनाओं के मूल्यांकन पर आधारित निर्णय की एक ईआरपी जांच स्वीकृति की दिनांक: 10.08.15 समापन की दिनांक: 09.08.17	डीएसटी	प.अ.: कुमारी देबरति बंध्योपाध्याय, परामर्शदाता: डॉ. वरुण दत्त	18,56,000	2 वर्ष
3	पैप स्मीयर बिम्बों से ग्रीवा कैंसर की जांच स्वीकृति की दिनांक: 01.08.15 समापन की दिनांक: 31.07.17	अइन्द्रा सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	प.अ. डॉ. अनिल साव, सह समन्वयक: डॉ. अर्नव भवसर	65,00,000	2 वर्ष
4	सीएसटीआरआई योजना के अंतर्गत पहाड़ी क्षेत्र में नव प्रौद्योगिकियों के लिए केन्द्र की स्थापना स्वीकृति की दिनांक: 17.07.15 समापन की दिनांक: 16.07.17	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप	31,40,000	2 वर्ष
5	वर्ष 2015-16 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के लिए विस्वेस्वराय पी.एचडी.योजना स्वीकृति की दिनांक: 28.08.15 समापन की दिनांक: 27.08.20	डेटी-एमएलए	डॉ. अनिल कुमार साव	2,17,13,000	5 वर्ष
6	नयी चुम्बक विद्युतीय मल्टी फरोल सामग्री के लिए खोज का आरम्भ स्वीकृति की दिनांक: 04.08.15 समापन की दिनांक: 03.08.18	डीएसटी	डॉ. आरती कश्यप	57,36,538	3 वर्ष



## मूल अनुदान परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना का नाम	पंजिका संख्या	अन्वेषक	स्वीकृत धन (रु)	परियोजना की अवधि
1	आभासी और ध्वनिक आंकड़े से अनेक प्रकार के पक्षियों की पहचान स्वीकृति की दिनांक: 03.11.15 समापन की दिनांक: 02.11.18	आईआईटीएम/एसजी/पीआर/39	डॉ. पद्मनाभन राजन	30,00,000	3 वर्ष
2	स्थानिक अरक्तता सम्बन्धी आघात के जोखिम के लिए संरक्षण जांच और संरक्षण करने वाले उपकरण का विकास स्वीकृति की दिनांक: 09.12.15 समापन की दिनांक: 08.12.18	आईआईटीएम/एसजी/एसआरसी/40	डॉ. शुभाजीत रॉय चौधरी	5,00,000	3 वर्ष
3	डीसी माइक्रोग्रिड का ऊर्जा प्रबंधन और नियंत्रण स्वीकृति की दिनांक: 22.12.15 समापन की दिनांक: 21.12.18	आईआईटीएम/एसजी/बीजे/41	डॉ. भक्ति जोशी	10,40,000	3 वर्ष
4	बिम्बों के लिए विशेष विरल अनुप्रयोग निरूपण स्वीकृति की दिनांक: 29.02.16 समापन की दिनांक: 28.02.19	आईआईटीएम/एसजी/आरएमआर/43	डॉ. रेणु एम. रमेशन	5,39,600	3 वर्ष

## परामर्श परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना का नाम	संकाय का नाम	समझौता हस्ताक्षरित	स्वीकृत धन (रुपये में)	अवधि
1	औषधीय उद्योग में बड़े आंकड़े की कल्पना हस्ताक्षर करने की दिनांक: 10/09/2015 समापन की दिनांक: 16/06/2016	डॉ. वरुण दत्त	पुरड्यु फार्मा एल.पी., अमेरीका	8,999 डॉलर	9 माह
2	टरबाईन जनरेटर शाफ्ट प्रणाली पर विभिन्न त्रुटियों और इसके ग्रिड की परस्पर क्रिया के प्रभाव में बने क्षणिक टोर्क की जांच के लिए विश्लेषणात्मक प्रणाली का विकास हस्ताक्षर करने की दिनांक: 23/11/2015	डॉ. राजीव कुमार, सह.प.अ.: डॉ. बी.एस. राजपुरोहित	बीएचईएल, रानीपुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	17,87,556 रु.	15 माह

## अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति

परियोजना अन्वेषक: डॉ. वरुण दत्त

लोग पृथ्वी की जलवायु को समझने में अनभिज्ञता क्यों दर्शाते हैं? दोहराया गई प्रतिक्रिया के प्रभाव

भा.प्रौ.सं. मण्डी की इस मूल अनुदान परियोजना का उद्देश्य लोगों की जलवायु परिवर्तन के बारे में जानकारी में वृद्धि करते हुये संगणक अनुकरणों के माध्यम से पुनः निविष्ट प्रभाव का परीक्षण करना है। इस परियोजना में चार प्रस्तावित प्रयोगों में विषम जातीयता, समजातीयता और पुनः निविष्ट जटिलता पर प्रयोग शामिल थे। तीन प्रयोगों के परिणाम अच्छे निकले हैं और इस समय संगणनात्मक प्रतिरूपण प्रगति पर है।

परियोजना अन्वेषक: डॉ. वरुण दत्त

सुरक्षित और विश्वसनीय साईबरस्पेस का निर्माण: एक व्यावहारिक खेल—सैद्धांतिक दृष्टिकोण

डीएसटी की इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य नकली संगणक नेटवर्क में आक्रांताओं और विशेषज्ञों के मध्य गतिकी को समझने के लिए व्यावहारिक खेल सिद्धांत का प्रयोग करना है। इस परियोजना में छः विभिन्न प्रयोग प्रस्तावित थे जिनमें प्रेरणा, सूचना की उपलब्धता आक्रांताओं और विशेषज्ञों के निर्णयों पर प्रौद्योगिकी बाध्यताएं जैसे जांच वाले कारक थे। इनमें बहुत से कारक जांचे जा चुके हैं और उनके परिणाम अच्छे आये। संग्रहित आंकड़े की संगणनात्मक जांच प्रगतिमान है।

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. देबरति बंदयोपाध्याय**

**अनुभव से निर्णय: परिणामों और सम्भावनाओं के मूल्यांकन पर आधारित एक ईआरपी निर्णय की जांच करना**

डीएसटी की इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य, परिणामों और सम्भावनाओं के मूल्यांकन पर आधारित एक ईआरपी निर्णय की जांच करना है। इसीलिए हमारी रूचि स्नायु सम्बन्धी प्रक्रियाओं को समझने में है जिससे हम वास्तविक संसार में अपनी संभावनाओं की तुष्टि और परिणाम का निर्णय करेंगे। इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में पी.एचडी. कर रही छात्रा को अपने शोधोत्तर कार्य के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी आना पड़ा है। इस परियोजना में अनेक प्रयोग हो रहे हैं जिनके अच्छे परिणाम आ रहे हैं।

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. वरुण दत्त**

**विक्रय और औषधी में विश्लेषण के लिए यंत्र शिक्षा और आंकड़ा खनन**

इस उद्योग वित्तपोषित अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना के मुख्य उद्देश्य हैं : क) चिकित्सकों के सामाजिक नेटवर्क और यू.एस. मार्केट में बहुत अच्छे चिकित्सकों पर अध्ययन करना जो रोगियों का उपचार करने में बहुत प्रभावी हैं। ख) मरीजों के रोगों की अवस्थाओं का पता करना और मरीजों, दवाओं और रोगों के बीच पैटर्न का सुझाव देना।

सामाजिक नेटवर्क और मरीजों की अवस्थाओं का विश्लेषण आंकड़ेवार हो चुका है। इसके बाद हम यंत्र शिक्षा अलोगरिथम के भावी विश्लेषण में प्रयत्नशील हैं।

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. वरुण दत्त**

**औषधीय उद्योग में बड़े आंकड़ों की कल्पना**

इस, उद्योग वित्तपोषित अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना का मुख्य उद्देश्य संगणक कल्पनाओं का विकास करना था जिससे हम बड़े आंकड़ों में पैटर्न देखने में सक्षम बने। इस परियोजना के भागस्वरूप संगणक कल्पनाओं में समानांतर सहसंयोजी बनाये थे। इसके पश्चात् इन कल्पनाओं का प्रयोग औषधी उद्योग में रोगियों, उनके जनसांख्यिकीय आंकड़ों और औषधी खपत से सम्बन्धित बड़े आंकड़ों की जांच में किया गया। इस वर्ष के आरम्भ में इस परियोजना का समापन हुआ और पुरड्यु फार्मा, एल.पी. जिसने इस परियोजना को दिया, उनसे इसे सराहना मिली।

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. वरुण दत्त**

**साईबर सुरक्षा: साईबर अटैक की जांच में नीति के रूप में धोखे की भूमिका समझना**

डेटी वित्तपोषित इस अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना का मुख्य लक्ष्य संगणक नेटवर्क पर साईबर आक्रमण का विरोध करते हुये नीति के रूप में धोखे की भूमिका समझना है। एक छल की संरचना की गई है और इसका उपयोग समय और धोखे की नीतियों की संख्या में प्रयोग करने के लिए किया गया है। संगणक अलोगरिथम का उपयोग करते हुये संकलित आंकड़ों की संरचना भी की है, जिसका कार्य अभी चल रहा है। हमने इसके बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त किये हैं और कई प्रकाशन इसे प्रकाशित कर रहे हैं।

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. वरुण दत्त**

**जोखिम में निर्णय: सूचना की खोज से अपने स्तर पर निर्णय में विकल्प बनाना**

इस टीसीएस वित्त पोषित परियोजना का लक्ष्य संगणक अलोगरिथम द्वारा एक व्यक्ति अनुभव से कैसे निजी निर्णय ले सकता है, इसकी जांच करना है। इस परियोजना के अनेक अनुप्रयोग ऑनलाइन खरीददारी निर्णयों का करना है, जहां लोग सूचना की जांच करते हैं और संचित अनुभव पर आधारित खरीददारी वाले निर्णय लेते हैं। इस परियोजना में एक पी.एचडी. छात्र अध्ययन की उच्च अवस्था में है।

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. सुबाशीष दत्ता**

### **विभेदक बीजगणितीय प्रणालियों के लिए नियंत्रक इष्टतमीकरण**

यह एसईआरबी प्रायोजित परियोजना है। इस परियोजना का उद्देश्य विभेदक बीजगणितीय प्रणालियों के लिए नियंत्रक प्रारूप अलोगरिथम का विकास निम्नलिखित की पूर्ति द्वारा करना है – i) नियंत्रण संकेत का आयाम और ii) नियंत्रक आदेश। सैद्धांतिक विकास के अतिरिक्त विद्युत नेटवर्क और मल्टी एजेंट संरचना में माइक्रोग्रिड में उत्पन्न होने वाली वास्तविक संसार की समस्याओं का कार्यान्वयन करने की योजना है।

नियंत्रक संकेत के आयाम न्यूनीकरण के लिए सैद्धांतिक विकास का कार्य प्रगति पर है। इस दिशा में कुछ कार्य का प्रदर्शन माह जनवरी, 2016 में भारतीय नियंत्रण सम्मेलन, हैदराबाद में किया गया है।

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. शुभाजीत राय चौधरी, सह परियोजना अन्वेषक: डॉ. आदित्य निगम, डॉ. अर्नव भवसर, डॉ. अनिल के. साव, डॉ. रेनु एम. रमेशन, डॉ. दीप्ति बथुला**

### **संरक्षण बिन्दु परीक्षण हेतु सस्ते चुम्बकीय क्षेत्र एमआरआई और सहायक सीएडी प्रणाली का विकास**

इसका उद्देश्य सस्ते और वहनीय एमआरआई उपकरण का विकास करना है जिसे ग्रामीण क्षेत्रों में सुगमता से प्रयोग किया जा सके। यह सस्ता चुम्बकीय क्षेत्र वाला उपकरण है। हम इसकी सहायक सीएडी प्रणाली का भी विकास कर रहे हैं।

यह योजना वर्तमान में भा.प्रौ.सं. मण्डी और भा.प्रौ.सं. रोपड़ संघ की वित्त पोषित परियोजना है। हम इसे जल्दी ही बाहरी वित्तीय कम्पनी को सौंप देंगे। इस परियोजना का उद्देश्य वहनीय और सस्ते एमआरआई उपकरण का विकास करना है जो किसी भी दुर्गम/ग्रामीण क्षेत्र में उपयोग की जा सकेगी तथा जोड़ों और दिमाग की चोटों की तेजी से जांच कर सकेगी। आरंभिक गणितीय उपकरण मॉडलिंग, बिम्ब गुणवत्ता वृद्धि और घुटना एमआरआई विभाजन सॉफ्टवेयर के विकास का कार्य चल रहा है।

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. ए.डी. दिलीप, सह परियोजना अन्वेषक: टी.ए. गोन्सेल्वज, श्रीराम कैलासम, वरुण दत्त, आदित्य निगम, समर अग्निहोत्री**

विस्तृत दूरसंचार नेटवर्क हेतु, सेगनेट नेटवर्क प्रबन्धन प्रणाली में उन्नत विस्तृत आंकड़े विश्लेषण का प्रारूप

दूरसंचार नेटवर्क में प्रवाह के विशेष समय में वास्तविक समय पैटर्न के खनन के लिए मापनीय मेघ आधारित संरचना का विकास करना जो भावी सूचक त्रुटियों के विश्लेषण का मूल कारण जानने के योग्य हो सके।

यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय से यूएवाई योजना के अंतर्गत 75 प्रतिशत और एनएमएस कार्यों से 25 प्रतिशत वित्त पोषित है। यह कार्य सरकारी परियोजना है जो अब तक वास्तविक समय हेतु मापनीय संरचना पैटर्न में समानता है जो तूफान के साथ एस्पर इंजन की जटिल प्रक्रियाओं को समाकलित कर सकता है। इसकी चर्चा हो चुकी है और विभिन्न प्रश्नों के अंतर्गत इसके विकास का कार्य प्रगति पर है। साइसलोग दस्तावेजों की व्याख्या कर एवं बहुत से पैटर्न कम करने के साधनों हेतु मूलभूत आंकड़े में भी संग्रहित किया गया है।

### **टीटीएस परियोजना**

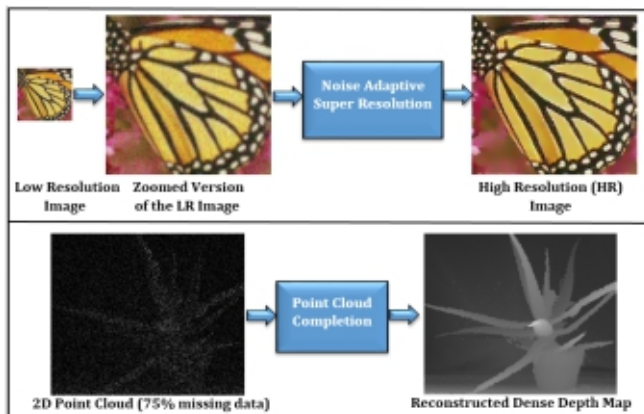
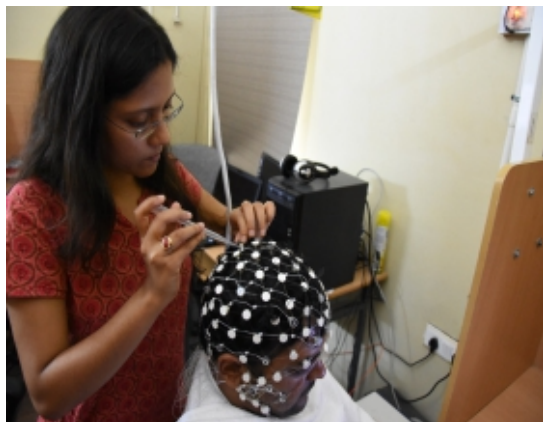
**परियोजना अन्वेषक: डॉ. अनिल कुमार साव**

वाणी की कला (टीटीएस) प्रणाली नाम से ही पता चलता है कि यह सामग्री को बोलकर परिवर्तित करती है। सामान्य रूप में यह टीटीएस प्रणाली वाणी को किसी भी रूप में विश्लेषित कर सकती है और संगणक से उत्पादित आवाज़ द्वारा मंद दृष्टि वालों की सहायता करने में उपयोग की जा सकती है। यह योजना निम्नलिखित पर केन्द्रित है: (क) भारतीय भाषाओं के लिए टीटीएस प्रणाली का विकास करना (ख) विश्लेषित वाणी की गुणवत्ता सुधारना और (ग) अशक्तता सहायता और अन्य विभिन्न अनुप्रयोगों से टीटीएस प्रणाली के छोटे चिह्न का एकीकरण। संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं. मद्रास के नेतृत्व में यह योजना संघ आधारित है जिसमें 13 संस्थान (उनमें भा.प्रौ.सं. मण्डी एक है) शामिल हैं। यह संघ विद्युत और सूचना प्रौद्योगिकी (डेटी), संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमसीआईटी), भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित है। यह देखा जाएगा कि सभी तेरह भाषाओं के लिए एक जैसे ढांचे, खुला स्रोत प्रणाली से इस प्रणाली को रूपांकित किया जाएगा।

भा.प्रौ.सं. मण्डी पुरुष और महिला की वाणी का उपयोग करते हुये राजस्थानी भाषा हेतु यूएसएस और एचटीएस प्रणालियों के लिए जिम्मेदार है। फॉलबैक सुधारने के लिए ध्वनिग्राम स्तर पर कुछ लेबल लगाये हुये कथनों के साथ शब्दांश को इकाई के रूप में उपयोग करते हुये यूएसएस प्रणालियां निर्मित की गई हैं। ध्वनिग्राम को एक इकाई के रूप में उपयोग करते हुये एचटीएस प्रणालियां निर्मित की हैं। भा.प्रौ.सं. मण्डी में एकभाषी (राजस्थानी) और द्विभाषी (राजस्थानी + राजस्थानी स्वराघात अंग्रेजी) यूएसएस और एचटीएस प्रणालियां विकसित की गई हैं। ध्वनिक समानता के आधार पर भाषण संश्लेषण के लिए चयनित इकाईयों हेतु सम्भाव्य दृष्टिकोण प्रस्तावित है। मूलभूत आवृत्ति में अंतर (  $f_0$  ), ऊर्जा और इकाईयों के क्रमागत जोड़े

देखे गये। अंतर सम्भाव्यता घनत्व कार्यों में परिवर्तित थे। अंतर की अवधि मान के आधार पर वे इकाईयां चयनित की थी जो औसत ऊर्जा अंतर और/या जो औसत  $f\sigma$  अंतर वितरण के लिए सर्वोत्तम हो। इसके अतिरिक्त हमने यूएसएस प्रणालियों में संकुचित संवेदन और विरल प्रतिनिधित्व आधारित संकेत प्रक्रम को भाषण कॉर्पस पद चिह्नों को कम करने के लिए विकसित किया।

## प्रमुख फोटो/ऐल्बम



भा.प्रौ.सं. मण्डी की एसीएस प्रयोगशाला में डीएसटी वित्तपोषित परियोजना के अन्तर्गत 32 चैनल/ईईजी/ईआरपी उपकरण का उपयोग

## राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

- एस. शर्मा, एस. अग्निहोत्री, जे. कुरी; "सीक्योर कम्युनिकेशन इन एम्पलीफाई एण्ड फोरवार्ड नेटवर्क्स विद मल्टीपल ईवज ड्राप्स: डीकोडिंग विद एसएनआर थ्रेसहोल्डज", स्प्रिंगर वायरलैस पर्सनल कम्युनिकेशनज, भाग 85, नम्बर 4, दिसम्बर 2015 में प्रकाशित।
- ए. भारद्वाज और एस. अग्निहोत्री; "ए रीसोर्स एलोकेशन स्कीम फॉर डीवार्ड्स टू डीवार्ड्स मल्टीकास्ट इन सेलूलर नेटवर्क्स", अगस्त 2015 में, पर्सनल, इनडूअर और मोबाईल रेडिओ संचार (पीआईएमआरसी) पर हॉंगकॉंग में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2015।
- शीना सिंह और तिमोथी ए. गोन्सेल्वज; "ए प्रैग्मेटिक एप्रोच टुवार्डज सीक्योर शेरिंग ऑफ डीजिटल ऑब्जेक्टस," सीक्योरीटी एण्ड कम्युनिकेशन नेटवर्क्स, भाग 8, न0 18, पृष्ठ 3914-3926, दिसम्बर, 2015 में प्रकाशित।
- आर-एप्रिओरि: "एन एफिसिएंट -एप्रिओरि बेसड आलॉगरिथम ऑन स्पार्क"। संजय राठी, मनोहर कॉल और आरती कश्यप पीआईकेएम' 15, पी. एचडी. के लिए आठवीं कार्यशाला की कार्रवाई। सूचना और ज्ञान प्रबंधन पर कार्यशाला, पृष्ठ 27-34, एसीएम, न्यूयॉर्क, 2015 में प्रकाशित।
- बिस्वास, पी., दत्त वी. और लंगडोन, पी. (2016); "कम्पेरिंग ऑकुलर पैरामीटरज फौर कोग्निटिव लोड मयरमेंट इन आई-गेज-कन्ट्रोलड इंटरफेसिज फॉर ऑटोमोटिव एण्ड डेस्कटॉप कम्प्यूटिंग एन्वायरनमेंटस", ह्यूमन-कम्प्यूटर इंटरैक्शन अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, 32 (1), 23-38 में प्रकाशित।
- बिस्वास, पी. और दत्त वी. (2015); "इफेक्ट ऑफ रोड कन्डीशनज ऑन गेज कन्ट्रोल इंटरफेस इन एन ऑटोमोटिव एन्वायरनमेंट", "ह्यूमन-कम्प्यूटर इंटरैक्शन में सार्वभौमिक पहुंच"। एक्सेस टु द ह्यूमन एन्वायरनमेंट एण्ड कल्चर (पृष्ठ 108-116) में प्रकाशित। स्प्रिंगर अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन।
- दत्त, वी. और गोन्जाल्ज, सी. (2015); "अकाउंटिंग फॉर आउटकम एण्ड प्रोसेस मेशर्ज इन डायनेमिक डीसीजन-मेकिंग टास्कस थ्रो मॉडल कैलीब्रेशन", डायनेमिक डीसिजन मेकिंग, 1 (1) पत्रिका में प्रकाशित।
- गोन्जाल्ज, सी.; बेन-ऐशर, एन. मार्टिन, जे.एम. और दत्त, वी. (2015); "ए कोग्निटिव मॉडल ऑफ डायनेमिक कोआपरेशन विद वेरीड इंटरडीपेन्डेंसी इन्फोर्मेशन", कोग्निटिव साईंस, 39 (3), 456-495 में प्रकाशित।
- मेधा कुमार और वरुण दत्त; "अंडरस्टैंडिंग कोऑपरेटिव बीहेवियर अगेंस्ट क्लार्ईमेंट चेंज थ्रो ए पब्लिक गुडज गेम", जलवायु परिवर्तन, 2015, 1 (2), 68-71 में प्रकाशित।

- सत्यजीत ठाकोर, अलेक्स ग्रांट और टीरेंस चैन; "कट सैट बाऊंडज ऑन नेटवर्क इन्फॉर्मेशन फ्लो, "आईईईई में सूचना सिद्धांत पर संचालन, भाग 62, नं 4, पृष्ठ 1850—1865, अप्रैल 2016 को प्रकाशित। डीओआई: 10.1109/टीआईटी.2016.2529643।
- सुबाशीष दत्ता, देबराज चक्रवर्ती और मधु एन. बेलुर; "रिड्युस्ड ऑर्डर कन्ट्रोल सिंथिसीज विद रीजनल पोल कान्सट्रेंट", नियंत्रण, अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका भाग: 89 (2), पृष्ठ: 221—234, 2016 में प्रकाशित।
- एस. रामाश्याम, एस. रॉय चौधरी; "नॉनइन्वेसिव एस्टिमेशन ऑफ ब्लड यूरीया कन्संट्रेशन यूजिंग नीयर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी", स्मार्ट सेन्सिंग और इंटेलेजेंट सिस्टम पर अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका भाग 09, नं 02, पृष्ठ: 449—467, 2016 में प्रकाशित।
- एस. रॉय चौधरी, "हाई रेजोलयूशन डीटेक्शन ऑफ सरस्टेंड वेंट्रीकुलर एण्ड सुपरावेंट्राइकुलर टेकाइकारडिया थ्रो एफपीजीए बेस्ड फुजी प्रोसेसिंग ऑफ ईसीजी सिग्नल", मेडिकल और जैविक अभियांत्रिकी तथा अभिकलन, भाग 53 नं 10, पृष्ठ 1037—1047, 2015 में प्रकाशित।

### प्रकाशित पुस्तक/पुस्तक अध्याय

- बिस्वास, पी. और दत्त वी. (2015); "इफेक्ट ऑफ रोड कन्डीशनज ऑन गेज कन्ट्रोल इन्टरफेस इन एन ऑटोमोटिव एन्वायरनमेंट". ह्यूमन—कम्प्यूटर इंटरैक्शन में सार्वभौमिक पहुंच। मानव पर्यावरण और संस्कृति (पृष्ठ 108—116) में प्रकाशित। स्प्रिंगर अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन।

### सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत किए गए पत्र

- सत्यजीत ठाकोर, अलेक्स ग्रांट और टीरेंस चैन, "कट सैट बाऊंडज ऑन नेटवर्क इन्फॉर्मेशन फ्लो, "आईईईई में सूचना सिद्धांत पर संचालन, भाग 62, नं 4, पृष्ठ 1850—1865, अप्रैल 2016। डीओआई: 10.1109/टीआईटी.2016.2529643।
- अग्रवाल, पी., मकबूल, जेड., गूवर, ए. सिंह, एस. पम्मी, वी.एस.सी. और दत्त वी. (2015, जून); साईबर सीक्योरिटी: ए गेम थियोरिटिक एनालाईसिस ऑफ डीफेंडर एण्ड अटैकर स्ट्रेटजीज इन डीफेंसिंग वेबसाइट गोम्स। अन्तर्राष्ट्रीय आईईईई में साईबर पारिस्थितकीय सतर्कता पर सम्मेलन, आंकड़ा विश्लेषण और मूल्यांकन (साईबर एसए 2015), लन्दन, यूके (पृष्ठ 1—8) में प्रस्तुत।
- चतुर्वेदी पी. और दत्त वी. (2015, सितम्बर); "हिमालयी मण्डी कस्बे में भू—स्खलन जोखिमों के संदर्भ में जनता के अनुमान का मूल्यांकन", मानव कारक और श्रम प्रभाविकी सभा की वार्षिक बैठक (भाग 59, नं 1, पृष्ठ 1491—1495) की कार्यवाही में प्रस्तुत, सेज प्रकाशन।
- देबनाथ, एस. शर्मा, एन. और दत्त वी.; "स्टोक बाजार निवेश के खेल में अनुभव दूरी विवरण, संज्ञान विज्ञान" पर द्वितीय वार्षिक सम्मेलन, कानपुर, भारत में प्रस्तुत।
- कुमार एम. चौहान, आर. और दत्त वी.; "रोल ऑफ इन्फोर्मेशन असीमीट्री इन ए पब्लिक गुडज गेम फॉर क्लाइमेट चेंज", मॉडलिंग और सिमुलेशन (बीआरआईएमएस 2015) में व्यावहारिक प्रतिनिधित्व पर 24 वां सम्मेलन, वार्शीगटन डीसी, अमेरीका में प्रस्तुत।
- जन कल्याण खेल में जलवायु परिवर्तन के लिए मुक्त आरोही; 2015 में एसीसीएस, भा.प्रौ.सं. कानपुर, भारत में पोस्टर की प्रस्तुति।
- शर्मा, एन. और दत्त वी. (2015); स्टोक बाजार निवेश के खेल में अनुभव—दूरी विवरण, संज्ञान विज्ञान (एसीसीएस 2015) पर द्वितीय वार्षिक सम्मेलन, भा.प्रौ.सं. कानपुर, भारत।
- शर्मा, एन. और दत्त वी. (2015); अनुभव से व्यक्तिगत स्तर पर निर्णय में प्रतिरूपण विकल्प, संज्ञान प्रतिरूपण पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीएम), ग्रोनीजन, द नीदरलैंडज में प्रस्तुत।
- चतुर्वेदी पी. दत्त वी. और अरोड़ा, ए.; "भू—स्खलन जोखिम की प्रगति में इंटरैक्टिव सिमुलेशन उपकरण का विकास", मनोविज्ञान अकादमी का 25वां राष्ट्रीय सम्मेलन—इलाहाबाद विश्वविद्यालय, भारत, फरवरी 2—5, 2016, पृष्ठ 64 में प्रस्तुत।
- बन्द्योपाध्याय, डी. दत्त वी. (2016, फरवरी); अनुभव से निर्णय: "खोज समाप्ति और अनुमान संभाव्यता के कारण", राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी का 25वां रजत जयन्ती समारोह, इलाहाबाद, भारत में प्रस्तुत, फरवरी 2 से 5, 2016 पृष्ठ 64।
- सुबाशीष दत्ता, "ऑप्टिमाईजेशन बेस्ड स्टेट फीडबैक कन्ट्रोल डीजाईन फॉर इम्पलस एलिमीनेशन इन डीस्क्रीप्टर सिस्टम्ज", द्वितीय भारतीय नियंत्रण सम्मेलन, 2016, जनवरी 4 से 6, हैदराबाद, भारत में प्रस्तुत।
- मोहित यादव, अनिल साव, दीलिप ए.डी., पद्मनाभन आर; गुप डीले फंक्शनज फॉर स्पीकर डायराईजेशन, 'संचार—2016' पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में प्रस्तुत।
- आदित्य निगम, बालेन्द्र और फाल्गुणी गुप्ता, "ऑटोमेटिड सॉफ्ट कन्टैक्ट लैन्ज डीटेक्शन यूजिंग ग्रेडियंट बेस्ड इन्फोर्मेशन", संगणक विज्ञान सिद्धांत और अनुप्रयोग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (वीआईएसएपीपी), दिनांक 27 से 29 फरवरी 2016, रोम ईटली में प्रस्तुत।
- बालेन्द्र, आदित्य निगम और फाल्गुणी गुप्ता, "फुली ऑटोमेटिड सॉफ्ट कन्टैक्ट लैन्ज डीटेक्शन फरोम एनआईआर इरिस इमेजिंग", पैटर्न पहचान

अनुप्रयोग और विधियों (आईसीपीआरएएम) पर षष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिनांक 24–26 फरवरी 2016, रोम ईटली में प्रस्तुत।

- आदित्य निगम, बालेन्द्र और फाल्गुणी गुप्ता, “मानव पहचान के लिए वक़ता गेबर निस्संदक का प्रयोग करते हुये हथेली-अंगुलि पर्व छाप आरओआई निष्कर्षण, संगणक विज्ञान सिद्धांत और अनुप्रयोग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (वीआईएसएपीपी), दिनांक 27 से 29 फरवरी 2016, रोम ईटली में प्रस्तुत।
- आदित्य निगम, परवेज खान, फाल्गुणी गुप्ता, “मानव पहचान के लिए अंगुलि-अंगुलि के जोड़ की छाप का संयोजन”, आईईईई सम्मेलन की श्रृंखलाओं में जैव मीतिय और पहचान प्रबंधन (सीआईबीआईएम) में अभिकलनात्मक बुद्धिमता-आईईईई सम्मेलन, केप टाउन, दक्षिणी अफ्रीका, दिसम्बर 8–10, 2015 में प्रस्तुत।
- गितेश, आदित्य निगम, फाल्गुणी गुप्ता, “द्विनेत्र स्टीरियो 3 डी पुनर्रचना का उपयोग करते हुये मुद्रा निश्चर चेहरे की पहचान”, संगणक मनोरूपता, पैटर्न पहचान, बिम्ब प्रक्रम और आलेखीय (एनसीवीपीआरआईपीजी) पर पांचवां राष्ट्रीय सम्मेलन, दिनांक 16–19 दिसम्बर, भा.प्रौ.सं. पटना में प्रस्तुत।
- आदित्य निगम, फाल्गुणी गुप्ता, “मानव पहचान के लिए भिन्नात्मक कोड पैटर्न की जांच द्वारा ट्राई-मोडल जैव मीतिय संयोजन”, संगणक मनोरूपता, पैटर्न पहचान, बिम्ब प्रक्रम और आलेखीय (एनसीवीपीआरआईपीजी) पर पांचवां राष्ट्रीय सम्मेलन, दिनांक 16–19 दिसम्बर, भा.प्रौ.सं. पटना में प्रस्तुत।
- आदित्य निगम, बालेन्द्र कुमार, ज्योति त्रियर और फाल्गुणी गुप्ता, “डिस्क्रीट कोसीन ट्रांसफोरम और सम्बन्धात्मक उपायों का उपयोग करते हुये आईरिस पहचान” बिम्ब और पैटर्न के संगणक विश्लेषण (सीआईपी) पर 16वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वेलीटा, माल्टा, सितम्बर 2 से 4, 2015।
- लविश, आदित्य निगम, बालेन्द्र कुमार और फाल्गुणी गुप्ता, “लोकल फेज प्रमात्रा और बाइनेरी गेबर पैटर्न का उपयोग करते हुये रोबस्ट कन्टैक्ट लैन्ज की जांच करना” बिम्ब और पैटर्न के संगणक विश्लेषण (सीआईपी) पर 16वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वेलीटा, माल्टा, सितम्बर 2 से 4, 2015।
- एस. डगर, एस. रॉय चौधरी, “ए दत्ता, डी. रॉय, एस. बपि राजू; “डीसीएस प्रोटोकॉल के अनुकूलन हेतु उत्तेजन संदमन क्रियाविधि (ई/आई संतुलन) का उपयोग कैसे किया जाएगा: एक अभिकलनात्मक अन्वेषण”, संज्ञान, दिमाग और अभिकलन पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भा.प्रौ.सं. गान्धीनगर, भारत, 5 से 7 दिसम्बर, 2015।
- एस रॉय चौधरी, “डेवेलपमेंट ऑफ ए पॉईंट ऑफ केअर स्कीनिंग डीवाइस फोर्स रेबरोवेस्कूलर रीएक्टिविटी”, इंटेले इंडिया एकेडेमिक फोरम 2015, नई दिल्ली, अक्टूबर 8–9, 2015 में प्रस्तुत।
- ए. मधुबाबू, एल. प्रसदा राजू, एस. रॉय चौधरी, “मेमज माइक्रोफोन का उपयोग करते हुये हृदय सम्बन्धी परिश्रवण की जांच करना”, संवेदना प्रौद्योगिकी पर 9वां आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड, दिसम्बर 8 से 10, 2015 में प्रस्तुत।
- एस. रामाश्याम, एल. अरोड़ा, एस. रॉय चौधरी, “एफपीजीए बेस्ड सिस्टम फॉर ब्लड ग्लूकोज सेंसिंग यूजिंग फोटोप्लेथी स्मोग्राफी और ऑनलाईन मोशनआरटिफैक्ट करैक्शन यूजिंग एडालिन” संवेदना प्रौद्योगिकी पर 9वां आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड, दिसम्बर 8 से 10, 2015 में प्रस्तुत।
- एन. गोविल, एस. रॉय चौधरी, “ए हाई स्पीड मेटाहीयूरिस्टिक अलॉगरिथमिक एप्रोच टू हार्डवेयर सॉफ्टवेयर पार्शनिंग फॉर लो कोस्ट SoCs” रेपिड सिस्टम प्रोटोटाइपिंग पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एम्सटर्डम, नीदरलैंड, अक्टूबर 8 से 9, 2015 में प्रस्तुत।
- जी. मलिक, के. गुप्ता, एम. कृष्णा, एस. रॉय चौधरी, “एफपीजीए बेस्ड कोम्बिनेटोरियल आर्किटेक्चर फॉर पैराललाइजिंग आरआरटी”, मोबाईल रोबोटस पर यूरोपीयन सम्मेलन, लिंकोलन, यू.के., सितम्बर 2 से 4, 2015 में प्रस्तुत।
- यू. जिन्दल, एम. सूद, एस. रॉय चौधरी, डी. कोन्डजीला, ए. दत्ता; “कोर्टिकोस्पाइनल एक्साइटेबिलिटी चेंजीज टु एनोडल्ट डीसीएस इलुसीडेटिड विद एनआईआरएस-ईईजी ज्वाईट-इमेजिंग एन इज केमिक स्ट्रोक स्टडी”, औषधि में अभियांत्रिकी और जैव समुदाय पर 37वां आईईईई वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मिलॉन, ईटली, अगस्त 25 से 29, 2015 में प्रस्तुत।
- एम. सूद यू. जिन्दल, एस. रॉय चौधरी, ए. दास. कोन्डजिल्ला, ए दत्ता, “एन्टीरियर टेम्पोरल आर्टरी टेप टु आईडेन्टीफाई सिस्टेमिक इंटरफेस यूजिंग शॉर्ट-सेपेरेशन एनआईआरएस मेजरमेंट- एनआईआरएस/ईईजी-टी डीसीएस स्टडी” औषधि में अभियांत्रिकी और जैव समुदाय पर 37वां आईईईई वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मिलॉन, ईटली, अगस्त 25 से 29, 2015 में प्रस्तुत।
- एन. पारदकर, एस. रॉय चौधरी; “प्राइमरी स्टडी फॉर डीटेक्शन ऑफ आर्टिरीयल ब्लड प्रेशर वेव फोरम कम्प्योनेटज” औषधि में अभियांत्रिकी और जैव समुदाय पर 37वां आईईईई वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मिलॉन, ईटली, अगस्त 25 से 29, 2015 में प्रस्तुत।
- जी. मलिक, के. गुप्ता, एम. कृष्णा, एस. रॉय चौधरी; “एफपीजीए बेस्ड हाइरार्कल आर्किटेक्चर फॉर पैराललीजिंग आरआरटी”, रोबोटिक्स में उन्नत वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, गोआ, जुलाई 2 से 4, 2015 में प्रस्तुत।
- एस. शर्मा, एस. अग्निहोत्री, जे. कुरी. सीक्योर ट्रांसमिशन इन एम्पलीफाई एण्ड फोरवर्ड डायमन्ड नेटवर्कस विद ए सिंगल इवज ड्रॉपर, संचार पर

राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीसी) 2016 गुवाहाटी, भारत, मार्च 2016 में प्रस्तुत।

- जे.जे. यामी, टी. जैन और डी. सॉटर; एन ऑनलाईन कन्ट्रोल रीडिजाईन बेस्ड फॉल्ट-टोलिरेन्ट स्ट्रेटजी फॉर थर्मल कम्फोर्ट इन ए मल्टी-जोन बिल्डिंग। कन्ट्रोल एप्लीकेशन पर वर्ष 2015 में आईईईईई सम्मेलन (सीसीए), पृष्ठ 1901–1906, सिडनी, एनएसडब्ल्यू, 2015 में प्रस्तुत।

### विकसित उत्पाद / प्रौद्योगिकियां

- स्वतः व्यवस्थित कुर्सियां और बैंक सहायक: इस परियोजना ने सबसे सस्ती परियोजना का सम्मान प्राप्त किया है।
- हस्त संकेत के स्थान पर रोबोट की बाजू।

### पेटेंट दर्ज / स्वीकृत:

- एस. रॉय चौधरी, ए. दत्ता, ए. दास, लो-कोस्ट पॉईन्ट ऑफ केअर टेस्टिंग एण्ड डोजिंग ऑफ नॉन इन्वेसिव ब्रेन सटिमुलेशन (एनआईबीएस) एण्ड फार्मकोलोजी टु मोडुलेट ब्रेन स्टेट बेस्ड ऑन साइमलटेनियस रीकॉर्डल ऑफ इलेक्ट्रो एनसीफेलोगेफी (ईईजी) एण्ड नीयर इन्फ्रा रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) विद ए एनआईआरएस+ईईजी/एनआईबीएस यूनिट इन ए सिंगल सेंसर-इंफैक्टर, भारतीय मुद्राधिकार न. एल-61554 / 2015 (स्वीकृत) में दर्ज।
- एस. रॉय चौधरी; "ए नोवल सिस्टम फोर प्रागेनास्टिकेटिंग द फ्यूचर पाथोफीजिकल स्टेट ऑफ ए पेशेन्ट बेस्ड ऑफ करंट एण्ड पास्ट पाथोफीजिओलोजिकल डाटा," भारतीय मुद्राधिकार न. एल-60893 / 2014 (स्वीकृत) में दर्ज।
- एस. रॉय चौधरी; ए दत्ता, ए. दास; "एपैरेटस फॉर डीटरमाईनिंग न्यूरोवेस्कुलर रीएक्टिविटी थ्रो ब्रेन सटिमुलेशन बाई रीकॉर्डल ऑफ न्यूरल एण्ड हेमोडायनेमिक रीस्पॉन्सिज" भारतीय पेटेंट आवेदन क्रमांक एल-49 / केओएल / 2015 में दर्ज।

### विशेष उपलब्धियां

#### व्यावसायिक उपलब्धियां, सम्मान और पुरस्कार:

#### पुरस्कार:

1. वर्ष 2016 में डॉ. शुभाजीत रॉय चौधरी ने इंडो जर्मन आदान-प्रदान हेतु डीएसटी-डीएडी अध्येतावृत्ति प्राप्त की है।
2. वर्ष 2015 में डॉ. शुभाजीत रॉय चौधरी ने संवेदन प्रौद्योगिकी (आईसीएसटी) पर 9वें आईईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में सर्वोत्कृष्ट पत्र का सम्मान प्राप्त किया है।
3. डॉ. वरुण दत्त ने जून 2015 में लन्दन में साईबर पारिस्थितिक सतर्कता, आंकड़ा विश्लेषण और मूल्यांकन (साईबर एसए 2015) पर आईईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वोत्कृष्ट पत्र का सम्मान प्राप्त किया है।
4. डॉ. सुबाशीष दत्ता ने एसईआरबी से "अर्ली कैरीयर रीसर्च अवार्ड" प्राप्त किया है।
5. डॉ. ए.डी. दिलीप ने सॉफ्ट कम्प्यूटिंग और मशीन इंटेलेजेंस (आईएससीएमआई 12015) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वोत्कृष्ट पत्र का सम्मान प्राप्त किया है।

#### सम्मान:

1. वर्ष 2016 में डॉ. शुभाजीत राय चौधरी को कलकत्ता में व्यापक चर्चा के लिए आईईईईई सीएमआई में आमंत्रित किया।
2. वर्ष 2015 में डॉ. शुभाजीत राय चौधरी को पैन-आईआईटी-आईआईएससी परियोजना इम्प्रिंट, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के अंतर्गत वीरेबल डीवाईसिज, एम्बिडिड सिस्टम्ज और कम्प्यूटर एडिड डायग्नोसिस के समन्वयक के रूप में नामित किया है।
3. वर्ष 2015 में डॉ. वरुण दत्त को समीक्षा संपादक, संज्ञान विज्ञान और निर्णय न्यूरोसाईंस पत्रिका में फ्रंटियरज नियुक्त किया है।
4. डॉ. तुषार जैन को फरवरी, 2016 में षष्ठ आईईईईई अन्तर्राष्ट्रीय उन्नत अभिकलन सम्मेलन (आईएसीसी-2016), भारत हेतु तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में नामित किया।

### हस्ताक्षरित सहमति ज्ञापन

- इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस)

## शैक्षिक संस्थानों/औद्योगिक संस्थानों के दौरे और दिये गये व्याख्यान

- डॉ. शुभाजीत राय चौधरी ने दिसम्बर से जनवरी 2016 के दौरान एडवांसड कम्प्यूटिंग एण्ड माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स यूनिट, इंडियन स्टेटिस्टिकल इन्स्टिट्यूट में "सिस्टम ऑन चिप सोल्यूशनज फॉर पॉइंट ऑफ केयर टेस्टिंग" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. वरुण दत्त ने डीटीआरएल, डीआरडीओ, नई दिल्ली में दिसम्बर, 2015 के दौरान भू-स्खलन से सम्बन्धित अनुसंधान पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. सुभाशीष दत्ता व्याख्यान देने के लिए भा.प्रौ.सं. खड़गपुर और मुम्बई गये।
- डॉ. कुनाल घोष दिनांक 6 मई 2015 को व्याख्यान देने के लिए भा.प्रौ.सं. कानपुर, दिनांक 7 जून, 2015 को भा.प्रौ.सं. मुम्बई गये।

## लोक सम्पर्क कार्यक्रम

- डॉ. शुभाजीत राय चौधरी ने "बायोमेडिकल सिस्टम फॉर द सोसाइटी: फरोम नॉन इन्वेसिव डायग्नोसिस टु पॉइंट ऑफ केयर टेस्टिंग" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। दिनांक 9 जनवरी, 2016 को नियंत्रण, मापन और यंत्रीकरण पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कलकत्ता, भारत में पूर्ण वार्ता की।
- डॉ. शुभाजीत राय चौधरी ने "परस्पेक्टिवज ऑन मेडिकल डायग्नोसिस" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। दिनांक 07 जनवरी, 2016 को आईसी डीआईन और निर्माण केन्द्र, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार अभियांत्रिकी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. वरुण दत्त ने मनोविज्ञान राष्ट्रीय अकादमी के 25 वें सम्मेलन 2015-16 (फरवरी 2-5, 2016), सीबीसीएस इलाहाबाद में महत्वपूर्ण वार्ता की।
- डॉ. सत्यजीत ठाकोर ने दिनांक 9 जुलाई, 2015 को दूरसंचार अनुसंधान संस्थान, दक्षिण आस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय में "अप्पर बाउंडज ऑन द केपेसिटी ऑफ 2 लेयर एन-रिले सीमीट्रिक गौसियन नेटवर्क" पर एक सेमिनार प्रस्तुत किया।
- डॉ. सत्यजीत ठाकोर ने भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 30 अप्रैल, 2016 को बहु विषयक अनुसंधान पर आंतरिक कार्यशाला के दौरान "करैक्टराइजिंग प्रोबेबिलिटी डिस्ट्रीब्यूशन वाया एन्ट्रोपीज" पर एक सेमिनार प्रस्तुत किया।
- डॉ. सुभाशीष दत्ता ने फरवरी 2016 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग कार्यक्रम में अभियांत्रिकी शिक्षा (क्युईईईई) में गुणवत्ता वृद्धि के तहत टायर-2 और -3 अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के छात्रों और प्राध्यापकों के लिए नियंत्रण प्रणाली पर ऑनलाईन व्याख्यान दिया।

## उद्योग/क्षेत्र यात्रा

- नवम्बर 05-06, 2016 के दौरान डॉ. शुभाजीत राय चौधरी ने एचआईएसपी शिमला की यात्रा की।

## अन्य उपलब्धियाँ

### व्यावसायिक सभाओं की सदस्यता

- डॉ. शुभाजीत राय चौधरी ने अनेक व्यावसायिक सभाओं की सदस्यता प्राप्त की है जैसे कि जैव विविधता विज्ञान की प्रगति हेतु संघ (एफएबीएससी), प्रयुक्त जैव प्रौद्योगिकी सभा (एफएसएबी), विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक अभियंताओं का संस्थान (एमआईईईई), संगणक मशीनरी के लिए संघ, भारत की वीएलएसआई सभा, वर्ल्ड स्ट्रोक संस्थान, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार अभियंता संस्थान, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, भारतीय माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी, भारत की टेलीमेडीसीन सोसाइटी।
- डॉ. वरुण दत्त ने आईईईई, राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी (एनएओपी), अमरीकी मनोविज्ञान संघ, जजमेंट एण्ड डीसिजन मेकिंग सोसाइटी की सदस्यता प्राप्त की।
- डॉ. सत्यजीत ठाकोर ने आईईईई की सदस्यता प्राप्त की।
- डॉ. तुषार जैन ने आईईईई की सदस्यता प्राप्त की।
- डॉ. सुभाष दत्ता ने आईईईई और कंट्रोल सिस्टम सोसाइटी की सदस्यता प्राप्त की।
- डॉ. सत्यजीत ठाकोर ने राष्ट्रीय संचार सम्मेलन (एनसीसी) 2015, 2016 में तकनीकी कार्यक्रम समिति की सदस्यता प्राप्त की और नेटवर्क कोडिंग (नेटकोड) 2015 में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सदस्यता प्राप्त की।



## अभियांत्रिकी स्कूल (एसई)

अभियांत्रिकी स्कूल संस्थान की दूरदर्शिता की ओर प्रगति कर रहा है। स्कूल उत्कृष्ट अध्यापन, अभिनव पाठ्यक्रमों और अनुसंधान वातावरण के माध्यम से उच्च स्तरीय अभियांत्रिकी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह स्कूल बी.टैक. के लिए कई सामान्य विषयों जैसे प्रारूप व्यवहार्य, विपरीत अभियांत्रिकी, प्रारूप के लिए आरेखीय, सामग्री विज्ञान, वास्तविक उत्पाद प्रौद्योगिकी, मजबूत ढांचों की यांत्रिकी, निर्माण प्रक्रियाओं और ऊष्मा गतिकी अभियांत्रिकी के साथ यांत्रिकी विषय के मूल पाठ्यक्रमों को प्रदान करता है। वर्तमान में अभियांत्रिकी स्कूल में 24 प्राध्यापक हैं, जिनमें 19 सहायक प्राध्यापक, 1 विख्यात अभ्यागत प्राध्यापक और 2 संयुक्त प्राध्यापक तथा 2 परामर्शदाता प्राध्यापक हैं। इस स्कूल में 31 पी.एचडी. और 20 एम.एस. तथा 8 एम.टैक. छात्र हैं। इस वर्ष ऊर्जा प्रणालियों में विशेषज्ञता के साथ यांत्रिकी अभियांत्रिकी में एम.टैक. आरम्भ की गई है। अनुसंधान के मुख्य क्षेत्रों में विस्तृत रूप से वर्गीकृत विषयों में सामग्री और प्रारूप, तापीय-द्रव अभियांत्रिकी, ऊर्जा सक्षम भवन और अनारक्त संकेत हैं। यह सामग्री और प्रारूप के क्षेत्र में संवेदक, उत्प्रेरक एवं ऊर्जा उत्सर्जन अनुप्रयोगों और कुशल संरचनाओं और प्रणालियों हेतु सामग्री के विकास के लिए उन्मुख हैं। तापीय-द्रव अभियांत्रिकी में प्राध्यापक विकिरण ऊष्मा स्थानान्तरण, सूक्ष्म-मापीय ऊष्मा स्थानान्तरण, प्रवाह विश्लेषण और आईसी इंजन के ऊष्मा स्थानान्तरण विश्लेषण में निवेश कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त हमारे स्कूल में तरल धातु/मिश्रणों का भी पता लगाया जा रहा है। भा.प्रौ.सं. मण्डी में ऊर्जा सक्षमता को बढ़ाने के लिए जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सक्षम भवनों हेतु प्रावस्था परिवर्तन सामग्री अनुप्रयोग और अपरम्परागत ऊर्जा स्रोतों के प्रयोग के अध्ययन को ऊर्जा सक्षम प्रणालियां समाहित करती हैं। स्कूल में ठोस यांत्रिकी और सामग्री प्रयोगशालाओं में अनेक उपकरण सफलतापूर्वक स्थापित किए हैं।

### प्राध्यापक

#### डॉ. राजीव कुमार

##### अध्यक्ष

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, तरंग,  
एफईएम, प्रकाशीय  
भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एचडी.  
गृह नगर: जसपुर, उत्तराखण्ड  
दूरभाष: 01905-267148  
ई-मेल: rajeev

#### डॉ. अर्पण गुप्ता

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: एकोस्टिक, कम्पन, जैव यांत्रिकी  
संगणनात्मक विधियां—एफईएम,  
सीएफडी, लेटिस बोल्टजमन विधि  
राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सिंगापुर  
से पी.एचडी.  
गृह नगर: इन्दौर, म.प्र.  
दूरभाष: 01905-267135  
ई-मेल: agupta

#### डॉ. डेरिक्स प्रेज शुक्ला

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: नियन्त्रक संवेदना एवं  
जीआईएस, हाईड्रो—जीओ—कैमेस्ट्री, वाटर  
कन्टैमिनेशन मोस्टली एज एण्ड अदर हैवी  
मैटलज, नेचुरल हैजार्डज असैसमेंट एण्ड मैपिंग  
दिल्ली विश्वविद्यालय से पी.एचडी.  
दूरभाष: 01905-267147  
ई-मेल: derricks

#### डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा

सहायक प्राध्यापिका  
विशेषज्ञता: सूक्ष्म सामग्री

#### डॉ. अतुल धर

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: आई.सी. इंजन,  
विकल्पी ईंधन, उत्सर्जन नियंत्रण  
भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एचडी.  
गृह नगर: सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267143  
ई-मेल: atul

#### डॉ. दीपक स्वामी

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: भूमिगत जल प्रवाह और  
परिवहन मॉडलिंग, जल संसाधनों का  
विकास और प्रबन्ध, त्रासदी शमन  
विशेषकर बाढ़ और आकस्मिक बाढ़  
भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एचडी.  
दूरभाष: 01905-267159  
ई-मेल: deepak

#### डॉ. धीरज वी. पाटिल

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: लेटिस—बोल्टजमन्न मैथड, मल्टी  
फीजिक्स, मल्टीफेज फ्लोज एण्ड कम्प्लैक्स  
फ्लडज रीओलॉजी  
भा.वि.सं. बंगलौर से पी.एचडी.  
गृह नगर: कोल्हापुर, महाराष्ट्र  
दूरभाष: 01905-267050  
ई-मेल: dhiraj

#### डॉ. कौस्तव सरकार

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: कंकर के स्थायित्व का प्रारूप,

गोरखपुर विश्वविद्यालय, उ.प्र. से पी.एचडी.  
गृह नगर: मोहाली, चण्डीगढ़  
दूरभाष: 01905-267056  
ई-मेल: jaspreet

### डॉ. मोहम्मद तल्हा

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, मिश्रित संरचनाएं  
कार्यात्मक क्रमिक सामग्रियां, संरचनात्मक  
यांत्रिकी और मिश्रणों में अनिश्चितता  
मात्रा की स्थिरता तथा दोष संवेदनशीलता  
भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से पी.एचडी.  
गृह नगर: पटना, बिहार  
दूरभाष: 01905-267152  
ई-मेल: talha

### डॉ. पी. अनिल किशन

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: परिकल्पनात्मक द्रव गतिकी  
भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से पी.एचडी.  
गृह नगर: तिरुपति, आन्ध्र प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267141  
ई-मेल: kishan

### डॉ. प्रदीप कुमार

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: द्रव और तापीय विज्ञान  
भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एचडी.  
गृह नगर: जौनपुर, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267137  
ई-मेल: pradeepkumar

### डॉ. राजेश घोष

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, जैव यांत्रिकी,  
परिमित तत्व विश्लेषण  
भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से पी.एचडी.  
दूरभाष: 01905-237930  
ई-मेल: rajesh

### डॉ. सतीश चन्द्र जैन

संयुक्त प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: यांत्रिकी अभियांत्रिकी  
यंत्र प्रारूप, ट्रिबोलॉजी, तरंग और रव  
संगणक युक्त प्रारूप  
रुड़की विश्वविद्यालय से पी.एचडी.

धारणीय कंक्रीट उत्पादन, सीमित तत्व विश्लेषण  
सॉफ्ट संगणना  
भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एचडी.  
दूरभाष: 01905-267145  
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल  
ई-मेल: srkr

### डॉ. ओम प्रकाश सिंह

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: ताप और द्रव्यमान अन्तरण  
दोहरा विसरणशील संवहन, आईसी इंजन  
भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से पी.एचडी.  
गृह नगर: अरह बिहार  
दूरभाष: 01905-237992  
ई-मेल: om

### डॉ. प्रसुन जन

शिक्षण सहयोगी  
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, तरंग अवमंदन  
परिमित अव्यव विधि विश्लेषण,  
आधार व्याकुंचन  
भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से पी.एचडी.  
गृह नगर: दन्तान, पश्चिमी बंगाल  
दूरभाष: +91-9805432812  
ई-मेल: pjana

### डॉ. राहुल वैश

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: कांच और कांच-मिट्टी के बर्तन  
भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से पी.एचडी.  
गृह नगर: बदौन, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267139  
ई-मेल: rahul

### डॉ. रजनीश शर्मा

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: बिम्ब आधारित सीमित तत्व विधियां,  
संसजनन जोन मॉडलिंग, अव्यवस्थित प्रक्रियाओं  
का विश्लेषण, समांगीकरण और मल्टीस्केल  
मॉडलिंग, अत्यधिक अपभारित वातावरणों में  
मिश्रणों का विश्लेषण और प्रारूप  
भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एचडी.  
गृह नगर: हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267144  
ई-मेल: rajnishsharma

### डॉ. सत्वशील पोवार

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: रंजन संवेदित सौर सेल,  
पेरोवस्काइट सौर सेल  
मोनाश विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया से पी.एचडी.  
गृह नगर: कोल्हापुर, महाराष्ट्र

गृह नगर: नई दिल्ली  
दूरभाष: 01905-237976  
ई-मेल: satish

दूरभाष: 01905-267136  
ई-मेल: satvasheel

### प्रा. श्रीपद पी. महलिकर

संयुक्त प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: ताप स्थानान्तरण,  
ऊष्मागतिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी  
एनटीयू सिंगापुर से पी.एचडी.  
मर्कटर फेलो (डीएफजी-जर्मनी), एवीएच फेलो  
(हम्बोल्ट-जर्मनी)  
दूरभाष: 01905-237127  
ई-मेल: shripad

### डॉ. सुब्रत रे

विशिष्ट अभ्यागत प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: भौतिक धातु विज्ञान, मिश्रण और  
ट्राइबोलॉजी  
भा.प्रौ.सं. कानुपर से पी.एचडी.  
दूरभाष: 01905-267069  
ई-मेल: sray

### डॉ. सुधीर कुमार पाण्डे

अभ्यागत सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: संघनित पदार्थ भौतिकी  
और सामग्री विज्ञान  
वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए यूजीसी-डीएई  
संघ, इन्दौर  
गृह नगर: गरहवा, झारखण्ड  
दूरभाष: 01905-267066  
ई-मेल: sudhir

### डॉ. वेंकट उदय काला

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: भू-तकनीकी अभियांत्रिकी  
भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी.  
गृह नगर: हैदराबाद  
दूरभाष: 01905-267149  
ई-मेल: uday

### डॉ. विशाल सिंह चौहान

सहयोगी डीन (वित्त एवं लेखा)  
सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: धातुओं और मिश्रणों  
के विरूपण के दौरान विद्युत चुम्बकीय विकिरण,  
ठोस यांत्रिकी, एफ.ई.एम.  
बी.आई.टी. मिसरा, रांची से पी.एचडी.  
गृह नगर: सनवाद, मध्य प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267044  
ई-मेल: vsc

### डॉ. विस्वनाथ बालाकृष्णन

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: कार्यात्मक सामग्रियों / पतली  
झिल्लियों, इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शिका और  
संरचना-गुण सम्बन्धों की यथास्थान खोज  
भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर से पी.एचडी.  
गृह नगर: चिदम्बरम, तमिलानडु  
दूरभाष: 01905-267142  
ई-मेल: viswa

## परामर्शदाता प्राध्यापक

### प्रा. बी.के. मिश्रा

भा.प्रौ.सं. रुड़की के यांत्रिकी  
और औद्योगिक अभियांत्रिकी  
विभाग के प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: आई.टी.-बी.एच.यू. से  
मिश्रित सामग्री, फ्रैक्चर यांत्रिकी,  
लहर संचरण में पी.एचडी.  
दूरभाष: +91-1332-285679  
ई-मेल: bkmishra

### डॉ. सुनील आर. काले

भा.प्रौ.सं. दिल्ली में यांत्रिकी  
अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: ताप स्थानान्तरण,  
प्रवाह यांत्रिकी, कण युक्त प्रवाह,  
ज्वलन और शक्ति परिवर्तन  
गृह नगर: पुना, महाराष्ट्र  
दूरभाष: +91-11-2659 1127,1709  
ई-मेल: srk

## अनुसंधान परियोजनाएं

### बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना	प्रायोजित कम्पनी	अन्वेषक	परियोजना लागत (रु.)	परियोजना की अवधि
1	गति नियंत्रण के लिए यंत्र आधारित उच्च निष्पादन तुल्यकालिक मशीन (पीएमएसएम) का प्रारूप और विकास स्वीकृति की दिनांक: 10.02.2015 समापन की दिनांक: 09.02.2018	नव अनुसंधान बोर्ड	डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित और डॉ. राजीव कुमार	25,00,000	3 वर्ष
2	विद्युत जालक की बाधाओं के कारण टीजी कूपक का विश्लेषण स्वीकृति की दिनांक: 16.10.2015 समापन की दिनांक: 05.05.2017	बीएचईएल हरिद्वार	डॉ. राजीव कुमार और डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित	20,00,000	1.7 वर्ष
3	विद्युत ऊर्जा भण्डारण उपकरणों के लिए कांच और कांच मृत्तिका शिल्प स्वीकृति की दिनांक: 01.04.2012 समापन की दिनांक: 31.03.2017	डीएसटी	डॉ. राहुल वैश	35,00,000	5 वर्ष
4	लौह-चुम्बकीय मृत्तिका शिल्प और उनके सम्मिश्रणों में प्रकाश उत्प्रेरक गतिविधि का अन्वेषण स्वीकृति की दिनांक: 17.10.2014 समापन की दिनांक: 16.10.2017	आईएनएसए	डॉ. राहुल वैश	15,00,000	3 वर्ष
5	बचे हुये पानी के उपाय हेतु प्रकाश उत्प्रेरक पारदर्शी कांच अति सूक्ष्म/सूक्ष्म स्फटिक मिश्रण	डीएसटी-एसईआरबी	डॉ. राहुल वैश	28,05,200	2016-2019
6	केन्द्रीय ऊर्जाचल (सिंगरौली) से आर्सेनिक और भारी धातु का जल, कोयले में मानचित्रण और प्लाई ऐश नमूने स्वीकृति की दिनांक: 11.03.2015 समापन की दिनांक: 20.06.2017	डीएसटी-एसईआरबी	डॉ. डेरिक्स प्रेज शुक्ला	22,08,000	2.3 वर्ष
7	ध्वनिक स्फटिक का उपयोग करते हुये शान्त हार्ड डिस्क और प्रकाशीय यंत्र स्वीकृति की दिनांक: 11.03.2016 समापन की दिनांक: 11.03.2019	डीएसटी	डॉ. अर्पण गुप्ता	31,66,000	3 वर्ष
8	रेसन हाईड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना (18 मेगावाट)	एमएनआरई	डॉ. डी. स्वामी, डॉ. के.वी. उदय	2,00,00,000	3 वर्ष
9	संरन्ध्र माध्यम से विलेय परिवहन प्राचलों का अध्ययन	एमओईएस	डॉ. डी. स्वामी, डॉ. डी.पी. शुक्ला	7,235,520	3 वर्ष

10	समांतरीय किरण पुंज विकिरण हेतु अनुकूलित असंरचित कोणीय विविक्तीकरण जालक का विकास	विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड	डॉ. प्रदीप कुमार	25,00,000	3 वर्ष
11	दोहरे ईंधन ईजन में उत्सर्जन न्यूनीकरण के लिए हाईड्रोजन और अन्य वैकल्पिक ईंधनों का योगवाही अध्ययन	डीएसटी	डॉ. अतुल धर	32,00,000	3 वर्ष
12	उद्दीपन अनुक्रियाशील औषधी वितरण प्रणालियां	डीबीटी	डॉ. जसप्रीत कौर रंधावा	76,00,000	—
13	उपकरण के अनुप्रयोगों हेतु स्थल विशेष का विकास और संरक्षित कार्बन नैनो ट्यूब (सीएनटी) का निर्माण स्वीकृति की दिनांक: 22 जनवरी, 2016 समापन की दिनांक: 22 जनवरी, 2019	डीएसटी—एसईआरबी	डॉ. विस्वनाथ बालाकृष्णन	28,56,000	3 वर्ष
14	सामग्रीय अनिश्चितता के साथ ज्यामितीय अधूरे फलनत: क्रमिक वक पैनल का अरक्षिक तापीय प्रत्यास्थता विश्लेषण स्वीकृति की दिनांक: मार्च, 2016 समापन की दिनांक: मार्च, 2019	एसईआरबी—डीएसटी अनुसंधान अनुदान से आरम्भ	डॉ. मोहम्मद तल्हा	14,85,000	3 वर्ष
15	भारतीय रोगियों में ओस्टियोपोरोटिक हड्डी के यांत्रिकी और जैविक गुण स्वीकृति की दिनांक: 18 मई, 2016 समापन की दिनांक: 18 मई, 2017	भा.प्रौ.सं. मण्डी—भा.प्रौ.सं. रोपड़—पीजीआई चण्डीगढ़ संघ	डॉ. मोहम्मद तल्हा	80,00,000	1 वर्ष

### मूल अनुदान परियोजनाएं

क्र.मां. क	परियोजना	पंजिका संख्या	अन्वेषक	परियोजना लागत (रु.)	परियोजना की अवधि
1	इलेक्ट्रॉनिक और संवेदक उपकरण के अनुप्रयोगों के लिए संरक्षित सीएनटी का नियंत्रित विकास स्वीकृति की दिनांक: 22.08.2014 समापन की दिनांक: 21.08.2017	आईआईटीएम आईआईटीएम/एसजी/वीबीके/33	डॉ. विस्वनाथ बालाकृष्णन	6,20,000	3 वर्ष
2	अपशिष्ट रहित परिसर की ओर: धारणीय ठोस अपशिष्ट और अपशिष्ट जल प्रबंधन	—	डॉ. सत्वशील पोवार, अतुल धर, प्रदीप कुमार	—	—
3	औषध वितरण के लिए सूक्ष्म संवाहकों के रूप में ठोस लिपिड सूक्ष्म कणों का विकास	—	डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा	6,50,000	3 वर्ष
4	सूक्ष्म/अति सूक्ष्म अभियांत्रित धरातलों पर पूल क्वथन ताप स्थानांतरण स्वीकृति की दिनांक: 01.03.2016 समापन की दिनांक: 01.03.2019	आईआईटीएम/एसजी/डीवीपी/44	डॉ. धीरज वी. पाटिल	6,00,000	3 वर्ष
5	विद्युत ऊर्जा भण्डारण उपकरणों के लिए लौह विद्युत कांच मृत्तिका शिल्प	भा.प्रौ.सं. मण्डी	डॉ. राहुल वैश	15,00,000	5 वर्ष

## अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. राजीव कुमार**

**गति नियंत्रण के लिए यंत्र आधारित उच्च निष्पादन तुल्यकालिक मशीन (पीएमएसएम) का प्रारूप और विकास**

यह नवीन अनुसंधान बोर्ड प्रायोजित परियोजना है। इस परियोजना के गणितीय प्रारूप का कार्य प्रगति पर है।

**प्रधान अन्वेषक: डॉ. राजीव कुमार**

**विद्युतीय जालक की बाधाओं के कारण टी-जी कूपक का विश्लेषण**

इस परियोजना का उद्देश्य विभिन्न संचालक परिस्थितियों में उत्पन्न क्षणिक टोर्क को ज्ञात करना और टरबाईन जनित्र कूपक प्रणाली पर इसके जालक अन्योन्य क्रिया प्रभाव के लिए विश्लेषणात्मक मॉडल का विकास करना है।

यह भील प्रायोजित परियोजना है। इस परियोजना का उद्देश्य विभिन्न संचालन परिस्थितियों में टर्बो-जनित्र कूपक का विश्लेषण करना है। इस परियोजना का गणितीय प्रारूप बन चुका है। प्रारूप पर आधारित संगणक कोड का कार्य चल रहा है।

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला**

**पानी, कोयला और राख के नमूनों का आरसेनिक और भारी धातु मानचित्रण**

जुलाई और दिसम्बर 2015 में सिंगरौली औद्योगिक क्षेत्रों में क्षेत्रीय कार्य किया गया। 80 से अधिक पानी के नमूने इकट्ठे (चित्र 2) किये गये। सम्बन्धित खानों, थर्मल पावर प्लांट्स (टीपीपी), राख फेंकने के स्थानों से कोयला, राख और मिट्टी के नमूने भी लिए गये। क्षेत्र में पीएच, ईएच, ईसी, टीडीएस भी मापे गये और अधिक विश्लेषण करने के लिए 2 मिली लीटर सांद्रित नाइट्रिक अम्ल मिलाकर प्रतिरूप नमूने सुरक्षित रखे गये। नमूनों का दोबारा सुवाह्य मेटालाईजर एचएम 1000 द्वारा विश्लेषण किया गया और चयनित नमूने आईसीपीओईएस विश्लेषण के लिए भा.प्रौ.सं. मद्रास की सैफ सुविधा में भेजे। कोयला खानों और औद्योगिक क्षेत्रों के समीप पानी के नमूने में खोज धातु सांद्रित पाये गये। यहां तक कि खानों के आस-पास जलाशय और टीपीपी आरसेनिक सांद्रित से दूषित हैं। फिर भी जलाशय में सांद्रित आरसेनिक बहुत अधिक (औसत 18 पीपीबी) नहीं है, परन्तु कोयला खानों और औद्योगिक क्षेत्रों के समीप अधिकतर सांद्रण है। पानी के नमूनों में पारा, कैडमियम और लैड का अधिकतर सांद्रण पाया गया।

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. विस्वनाथ बालाकृष्णन**

**संरक्षित सीएनटी का नियंत्रित विकास: डॉ. विस्वनाथ बालाकृष्णन**

हमने रासायनिक वाष्प निक्षेपण द्वारा कार्बन नैनो ट्यूब फोरेस्ट (सीएनटी) का लम्बवत संरक्षित विकास प्राप्त किया है। कण रंजन निक्षेप आयरन उत्प्रेरक कणों का प्रयोग करते हुये 400 माइक्रोन की ऊंचाई के साथ अवस्तर Si/SiO<sub>2</sub> सीएनटी फोरेस्टज प्राप्त किया है। हम गैस संवेदन और अन्य उपकरण अनुप्रयोगों के लिए सीएनटी संरक्षित पैटर्न के उत्पादन हेतु अनुकूल परिस्थितियां देख रहे हैं।

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. राहुल वैश**

**विद्युत ऊर्जा भण्डारण उपकरणों के लिए कांच और कांच-मृत्तिका शिल्प**

औषधीय अपशिष्ट जलोपचार के लिए विकसित कुशल लौह विद्युत उत्प्रेरक

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. राहुल वैश**

**लौह विद्युत कांच-मृत्तिका शिल्प और उनके यौगिकों में प्रकाश उत्प्रेरक गतिविधि की जांच**

दृश्य सक्रिय ग्लास कांच-मृत्तिका शिल्प प्रकाश उत्प्रेरक का निर्माण और चरित्र चित्रण

**परियोजना अन्वेषक: डॉ. राहुल वैश**

**अपशिष्ट जलोपचार हेतु प्रकाश उत्प्रेरक सम्बन्धी पारदर्शी ग्लास अति सूक्ष्म/सूक्ष्म स्फटिक मिश्रण**

अल्केलाईन ईंधन सेल के लिए लौह विद्युत उत्प्रेरकों की इलेक्ट्रो उत्प्रेरक गतिविधि की जांच

नवीकरणीय ईंधन और आईसी इंजन प्रयोगशाला में स्थापित कुछ महत्वपूर्ण उपकरण



सीआई और एसआई इंजन टेस्ट रिग का परिवर्तनशील संपीडन अनुपात



ऊष्मा-द्रव आभासी तरल आयन की जांच हेतु तीव्र गति कैमरा



ईंजन एक्जोस्ट पार्टिकल सीजर



दहन और एनवीएच अध्ययन के लिए तीव्र गति आंकड़ा अर्जित प्रणाली



हाइड्रोजन टीआई-950 ट्राइबोइन्डेंटर/नैनोइन्डेंटर



रासायनिक वाष्प जमाव (सीवीडी)



प्रकाशिक चालकता मापक प्रणाली

## अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

1. अंशुल शर्मा, राजीव कुमार; "एक्सपरीमेंटल एण्ड न्यूमेरिकल इन्वेस्टिगेशन ऑफ एक्टिव वाइब्रेशन कन्ट्रोल ओवर वाइड रेंज ऑफ ऑपरेटिंग टेम्परेचर", जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट मटीरियल सिस्टम एण्ड स्ट्रक्चर। मेन्युस्क्रिप्ट आईडी जेआईएम-15-135. आर1, 2015 में प्रकाशित।
2. तरुण वर्मा, राजीव कुमार; "फिनाइट एलिमेंट एनालाइसिस ऑफ वेरिंग विडथ बाइस्टेबल पाइजोइलेक्ट्रिक एनर्जी हार्वेस्टर", ऊर्जा प्रौद्योगिकी, भाग-3 (12), 1243-1249, 2015 में प्रकाशित।
3. अंशुल शर्मा, राजीव कुमार; एक्टिव वाइब्रेशन कन्ट्रोल ऑफ स्पेस एन्टीना रीफलैक्टर ओवर वाइड टेम्परेचर रेंज, संयोजित संरचनाएं भाग-128 (15), 2015 में प्रकाशित।
4. अंशुल शर्मा, ए. कुमार, राजीव कुमार; "फिनाइट एलिमेंट एनालाइसिस ऑन एक्टिव वाइब्रेशन कन्ट्रोल यूजिंग PZT-Pi बेस्ड फंक्शनली ग्रेडीड पाइजोइलेक्ट्रिक मटीरियल", इन्ट. जे. मेटर सिंथसीज, स्ट्रक्चरज, डीओआई: 10.1177 / 1045389 एक्स 15572012, 2015 में प्रकाशित।
5. अंशुल शर्मा, राजीव कुमार; "परफॉरमेंस हार्डवैरिऑस ऑफ पाइजोइलेक्ट्रिक मटीरियलज फॉर एक्टिव वाइब्रेशन कन्ट्रोल एप्लीकेशन", फेरोइलेक्ट्रिक्स (स्वीकृत, 2015) में प्रकाशित।
6. अनुरुद्ध कुमार, ए. शर्मा, राजीव कुमार; "पाइजोइलेक्ट्रिक मटीरियलज सीलेक्शन फॉर सेंसर एप्लीकेशनज यूजिंग फिनाइट एलिमेंट एण्ड मल्टीपल अट्रीब्यूट डीसिजनज मेकिंग एप्रोचिज", जे. एडव. डाईइलेक्ट्रिक्स, भाग 5, न0 1, 1550003 (1 से 8), 2015 में प्रकाशित।
7. अनमोल कोठारी, ए. कुमार, राजीव कुमार, राहुल वैश और विशाल एस. चौहान; "ए स्टडी ऑन एपोक्सी बेस्ड 1-3 पाइजोइलेक्ट्रिक कम्पोजिटस यूजिंग फिनाइट एलिमेंट मैथड", जर्नल ऑफ पोलिमर कम्पोजिटस, भाग 37 (6), 1895-1905, 2015 में प्रकाशित।
8. बी. मालेशम, बी. विस्वनाथ, आर रंजिथ; "इफैक्ट ऑफ क्रिस्टल स्ट्रक्चर एण्ड केशोनिक ऑर्डर ऑन फोनन मोडज एक्रोस फेरोइलेक्ट्रिक फेज ट्रांसफोरमेशन इन Pb(Fe<sub>0.5-x</sub>Sc<sub>x</sub>Nb<sub>0.5</sub>)<sub>03</sub> बल्क सीरामिक्स", एआईपी एडवॉंसिज, 6 (1), 015116 (2016) में प्रकाशित।
9. मोस्तफा बेदीवाइ, बी. विस्वनाथ, ईरिक आर. मेशोट, दमित्रि एन. जाखरोव, ईरिक ए. स्टैच और ए. जॉन हार्ट; "मेजरमेंट ऑफ द डीवीटिंग, न्यूक्लियेशन और डीएक्टिवेशन काइनाटिक्स ऑफ कार्बन नैनोट्यूब पापुलेशन ग्रोथ बाई एन्वायरनमेंटल ट्रांसमीशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी", सामग्री का रसायन विज्ञान, 28,3804 (2016) में प्रकाशित।
10. अनमोल कोठारी, विशाल एस. चौहान, अशोक मिश्रा, सैयद अब्बास और राजीव कुमार; "इफैक्ट ऑफ स्ट्रेन हार्डनिंग ऑन द इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडीयेशन ड्यूरिंग प्लैस्टिक डीफोरमेशन ऑफ मेटलज एण्ड एल्योज बीयॉड यील्ड पॉइंट", नॉनलाईनर डायनेमिक्स (स्वीकृत) में प्रकाशित।
11. सुमीत कुमार शर्मा, विशाल एस. चौहान और अमित कुमार; "डीटेक्शन ऑफ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडीयेशन इन फेरोइलेक्ट्रिक सीरामिक्स फॉर नॉन-कन्टैक्ट सेन्सिंग एप्लीकेशनज", जर्नल ऑफ एलॉइज एण्ड कम्पाउंडज, भाग 662, 534-540, 2016 में प्रकाशित।
12. अनमोल कोठारी, विशाल एस. चौहान, अमित कुमार, राजीव कुमार, राहुल वैश, सैयद अब्बास; "इफैक्ट ऑफ पीरलज स्ट्रेस एण्ड स्ट्रेन-हार्डनिंग पैरामीटरज ऑन ईएमआर एमिशन इन मेटलज एण्ड अलॉइज ड्यूरिंग प्रोग्रेसिव प्लैस्टिक डीफोरमेशन", अन्तर्राष्ट्रीय सामग्री अनुसंधान की पत्रिका (ऑनलाईन प्रकाशित) में प्रकाशित।
13. सुमीत कुमार शर्मा, विशाल एस. चौहान और अमित कुमार; "डीटेक्शन ऑफ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडीयेशन इन फेरोइलेक्ट्रिक सीरामिक्स फॉर नॉन-कन्टैक्ट सेन्सिंग एप्लीकेशनज", जर्नल ऑफ अलॉइज एण्ड कम्पाउंडज, भाग 662, 534-540, 2016 में प्रकाशित।
14. अर्पण गुप्ता, लिम कियान-मींग और चियु चाई हींग; "डीजाइन ऑफ रेडीयल सोनीक क्रिस्टल फॉर साउंड एटीन्युएशन फरोम डाइवर्जेंट साउंड सोर्स", वेव मोशन, 55 (2015): 1 से 9 में प्रकाशित।
15. अर्पण गुप्ता, ओम प्रकाश सिंह; "कम्प्यूटर एडिड मॉडलिंग एण्ड फिनाइट एलिमेंट एनालाइसिस ऑफ ह्यूमन एल्बो", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमेडिकल और क्लीनिकल इंजीनियरिंग, 5.1 (2016): 31-38 में प्रकाशित।
16. शर्मा पी.के. शुक्ला, एस.के. चौधरी, आर. स्वामी, डी; "आईएसएच जर्नल ऑफ हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग", टेलर एण्ड फ्रांसिज, मॉडलिंग फॉर सोल्यूट ट्रांसपोर्ट इन मोबाइल-इमोबाइल सॉयल कोलम एक्सपरीमेंट, 2016, 22 (2), 204-211 में प्रकाशित।
17. दीपक स्वामी, अभिमन्यु शर्मा, प्रमोद कुमार शर्मा, डेरिक्स पी. शुक्ला; "जर्नल ऑफ रॉक मकैनिक्स एण्ड जीओटेक्निकल इंजीनियरिंग", एल्सवियर, प्रीडिक्टिंग सूटेबिलिटी ऑफ डीफरेंट स्केल डीपेन्डेंट डिस्पर्सिविटी फॉर रीएक्टिव सोल्यूट ट्रांसपोर्ट थ्रो स्ट्रेटिफाइड पोरस मीडियम, 2016 में प्रकाशित।
18. दीपक स्वामी, प्रमोद कुमार शर्मा, चन्द्र शेखर प्रसाद ओझा; "जर्नल ऑफ एन्वायरनमेंटल इंजीनियरिंग", एएससीई, बीहेवियरल स्टडी ऑफ मास ट्रांसफर कोएफिसंट ऑफ ए नैनोरीएक्टिव सोल्यूट विद वेलोसिटी, डिस्टेंस एण्ड डिस्पर्सन कोएफिसंट, 2016 में प्रकाशित।



19. शर्मा पी.के., शुक्ला एस.के., चौधरी आर., स्वामी डी; "आईएसएच जर्नल ऑफ हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग", टेलर एण्ड फ्रांसिज, मॉडलिंग फॉर सोल्यूट ट्रांसपोर्ट इन मोबाईल-इमोबाईल सॉयल कोलम एक्सपरीमेंट, 2016, 22(2), 204–211 में प्रकाशित ।
20. शर्मा पी.के. ओझा, सीएसपी., एबीगेज टीए, स्वामी डी और यादव ए; "जर्नल ऑफ हाइड्रोजीओलॉजी एण्ड हाइड्रोलॉजिक इंजीनियरिंग", साईस-टेक्नोल सिमुलेशन ऑफ फ्लोराईड ट्रांसपोर्ट थ्रो फाईन सैंड कोलम एक्सपरीमेंटज, 2015 4:2; 8,2 ।
21. शर्मा पी.के. ओझा, सीएसपी., स्वामी, डी., जोशी, एन. और शुक्ला, एस.के.; "वाटर रीसोर्सिज मेनेजमेंट" स्पिंगर, सेमी-एनालाइटिकल सोल्यूशनज ऑफ मल्टीप्रोसेसिंग नॉन-इक्वलीब्रियम ट्रांसपोर्ट इक्वेशन्ज विद लाईनर एण्ड एक्सपोनिशियल डिस्टेंस-डिपेन्डेंट डिस्पर्सिविटी, 2015, 29 (14), 5255–5273 में प्रकाशित ।
22. थोईथोई, एल. दूबे, सी.एस. निंगथोजेम, पी.एस. शुक्ला, डी.पी. सिंह, आर.पी., नेओरेम, एस.एस. 2016, "लिवीफेकेशन ससेप्टिबीलीटी मैपिंग ऑफ दिल्ली रीजन बेस्ड ऑन एसपीटी वेल्यू", जर्नल ऑफ जीओलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (स्वीकृत) में प्रकाशित ।
23. शुक्ला डी.पी., गुप्ता एस., दूबे सी., एस., ठाकुर एम.; 2016 जिओस्पेशियल टेक्नोलॉजी फॉर लैंडस्लाईड हजर्ड जोनेशन एण्ड प्रीडिक्शन, दुर्गम संवदेन के पर्यावरणीय अनुप्रयोग के अध्याय 10, आईएसबीएन 978-953-51-2443-6, इनटैक <http://dx.doi.org/10.5772/62667>, पृष्ठ 281–308 में प्रकाशित ।
24. निंगथोजेम पी.एस., दूबे, सी.एस. लोली, एल.के. शुक्ला, डी.पी. नेओरेम, एस.एस. सिंह, एस.के.; 2015, टेक्टोनिक स्टडीज़ एण्ड कस्टल शोर्टनिंग एक्रोस ईस्टरमोस्ट अरुणाचल हिमालय, जर्नल ऑफ एशियाई भूमि विज्ञान पत्रिका, भाग 111: 339–349 में प्रकाशित ।
25. घोष आर.; असेसमेंट ऑफ फेल्योर ऑफ सीमेंटिड पोलीथीलिन एसीटेबुलर कम्पोनेट ड्यू टु बोन रीमोडलिंग: ए फिनाइट एलिमेंट स्टडी, विकलांगता की पत्रिका, 13,140–147, 2016 में प्रकाशित ।
26. अतुल धर, जेवियर टॉजिआ, अलेन मेबूम; फीनोमीलॉजिकल मॉडलज फॉर प्रीडिक्शन ऑफ स्प्रे पेनीट्रेशन एण्ड मिक्सचर प्रोपर्टीज फॉर डिफरेंट इंजैक्शन प्रोफाइलज, फ्यूल, भाग 171, 1 मई 2016, पृष्ठ 136–142 में प्रकाशित ।
27. प्रियव्रत शर्मा, अतुल धर; "डेवेलपमेंट ऑफ कैमिकल काइनाटिक्स बेस्ड हाइड्रोजन HCCI कम्बश्चन मॉडल फॉर पैरामीट्रिक इन्वेस्टिगेशन", अन्तर्राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा की पत्रिका, भाग 41, जारी 14,20 अप्रैल 2016, पृष्ठ 6148–6154 में प्रकाशित ।
28. पुनीत कुमार, पी. अनिल किशन, अतुल धर; "न्युमेरिकल इन्वेस्टिगेशन ऑफ प्रेशर एण्ड टेम्परेचर इन्फ्लुअंस ऑन फलेम स्पीड इन CH4 सिंगल बॉड H2 प्रीमिक्सड कम्बश्चन", अन्तर्राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा की पत्रिका, करैक्टिड प्रूफ, ऑनलाईन दिनांक 27 अप्रैल, 2016 को प्रैस में उपलब्ध ।
29. एस. शर्मा, और एस.के. पाण्डे; "इफेक्ट ऑफ ऑन साइट कोलम्ब इन्टरेक्शन U ऑन द इलेक्ट्रॉनिक एण्ड मैग्नेटिक प्रोपर्टीज ऑफ Fe<sub>2</sub>MnSi, Fe<sub>2</sub>MnAl, और Co<sub>2</sub>MnGe", J.Magn. मेटर 403, 1(2016) में प्रकाशित ।
30. एन. सिंह, एम. मणिराज, जे. नायक, एस.के. पाण्डे और आर. बिन्दु; "इन्वर्स फोटोमीशन स्पेक्ट्रोस्कोपिक स्टडीज़ ऑन फेज सेपेरेटिड La<sub>0.2</sub>Sr<sub>0.8</sub>MnO<sub>3</sub>", सोलिड स्टेट कम्प्युन. 217,70 (2015) में प्रकाशित ।
31. एस. शर्मा, और एस.के. पाण्डे; "एप्लीकेबिलिटी ऑफ टू करंट मॉडल इन अंडरस्टैंडिंग द इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसपोर्ट बीहेवियर ऑफ इन्वर्स हीयुस्लर अलॉय: Fe<sub>2</sub>CoSiB, फिजीक्स, पत्र ए 379, 2357 (2015) में प्रकाशित ।
32. आर.के. मौर्य, एन. सिंह, एस.के. पाण्डे और आर. बिन्दु; "एविडेंस ऑफ स्पिन लेटिस कपलिंग इन MnTiO<sub>3</sub>: एन एक्स-रे डिफरेक्शन स्टडी", ईपीएल 110, 27007 (2015) में प्रकाशित ।
33. एस. सुन्दर, एल. एस. शरथ चन्द्र, एम.के. चटोपाध्याय, एस.के. पाण्डे, डी. वेंकटेश्वरलु, आर रावत, वी गणेशन और एस.बी. रॉय; "स्ट्रॉंग इलेक्ट्रॉन फोनोन कपलिंग एण्ड मल्टीबैंड इफेक्टस इन द सुपरकंडक्टिंग  $\beta$  फेज Mo<sub>1-x</sub>Rex अलॉइज", न्यु जे. फीजिक्स 17, 053003 (2015) में प्रकाशित ।
34. सचीन कुमार, जसप्रीत के. रन्धावा और नेहा गर्ग; "रीलीज काइनाटिक्स ऑफ पालिपेरीडोन थीरेप्टिक एफिकेसी एण्ड टोक्सिसिटी इन SLNs RSCB, एडवांसिज कम्प्युनिकेटिड 2016 में प्रकाशित ।
35. विरेन्द्र शर्मा, मोहित चावला और जसप्रीत कौर रन्धावा; "एन्हांसड सेंसिटीविटी ऑफ नैनोस्ट्रक्चरड कॉपर ऑक्साइड फॉर नॉन एंजाइमेटिक ग्लुकोज बायोसेंसिंग", जर्नल इलेक्ट्रोकेमिकल सोसाइटी, 2016 (पुनरीक्षण के तहत) में सूचित ।
36. सचीन कुमार और जसप्रीत के. रन्धावा; "सोलिड लिपिड नैनोपार्टिकल्ज ऑफ सटैरिक एसिड फॉर द ड्रग डिलिवरी ऑफ पालिपेरीडोन" आरएससी एडवांसिज 5, 68743–69750, (2015) में प्रकाशित ।
37. सरकार के. और भट्टाचारजी, बी; "इंडियन कन्क्रीट जर्नल" (एसीसी, भारत), नुमेरिकल एस्टीमेशन ऑफ मोस्चर पेनीट्रेशन डेपथ इन कन्क्रीट

- एक्सपोजड टु रेन-टुवर्डज द रेशनेलाइजेशन ऑफ गार्डलार्इन्ज फॉर डयूरेबल डीजाईन ऑफ रेनफोर्सड कन्क्रीट इन ट्रोपिक्स, 2015, 89 (1), 33–40 में प्रकाशित ।
38. सर्वपालि डी, धाबालिया, वार्ड. सरकार, के. और भट्टाचारजी, बी., "यूरोपीयन जर्नल ऑफ एन्वायरनमेंटल एण्ड सिविल इंजीनियरिंग" (टेलर और फ्रांसिज), एप्लीकेशन ऑफ एसएपी और पीईजी एज क्यूरिंग एजेंट्स फौर ऑर्डिनरी सीमेंट बेस्ड सिस्टम्ज: इम्पैक्ट ऑन द अर्ली एज प्रोपर्टीज ऑफ पेस्ट एण्ड मोर्टर ऑफ  $w/c > 0.40$ . 2016, मार्च, पृष्ठ 1 से 16 में प्रकाशित ।
  39. एस. पवार, 'आर. भार्गव, टी. डेनीकी, जी. जोटज, पी. बोरले, टी. जीगर, एस. कस्टर, एफ. नयूस्क, एल. सपाइसिया, यू. बैच,; "थाइओलोट/डाइसल्फाइड बेस्ड इलेक्ट्रोलाइटज फॉर पी-टाईप एण्ड तन्दीम डाईसेंसिटाइज्ड सोलर सेलज", इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा, 2015, 182, 458–463 (आईएफ: 4.09) में प्रकाशित ।
  40. जे. मुर्रे, जे. सन, धीरज वी. पाटिल, टी.ए. वूड, एटी क्लेयर; "फीजिकल एण्ड इलेक्ट्रिकल करैक्टरिक्स ऑफ ईडीएम डेबेरिस", जर्नल ऑफ मटीरियल प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी, 229 54–60, 2016 में प्रकाशित ।
  41. गुप्ता, एम. तल्हा और बी.एन. सिंह; "वाइब्रेशन करैक्टरिस्टिक्स ऑफ फंक्शनली ग्रेडेड मटीरियल प्लेट विद वेरीयस बाउन्ड्री कान्सट्रेंट्स यूजिंग हायर ऑर्डर शियर डीफोरमेशन थीयोरी", कम्पोजिट्स पार्ट बी: इंजीनियरिंग 94, 64–74, 2016 में प्रकाशित ।
  42. ए. गुप्ता और एम. तल्हा; "नॉनलाइनीयर वाइब्रेशन रीस्पॉन्स ऑफ शियर डीफोरमेशन फंक्शनली ग्रेडेड प्लेट यूजिंग फिनाइट ऐलिमेंट मैथड", प्रोसीडिआ टेक्नोलॉजी 23, 201–208, 2016 में प्रकाशित ।
  43. ए. गुप्ता और एम. तल्हा, वी.के. चौधरी, "नेचुरल फ्रैक्चर्स ऑफ फंक्शनली ग्रेडीड प्लेट्स रेस्टिंग ऑन ईलास्टिक फाउंडेशन यूजिंग फिनाइट ऐलिमेंट मैथड", प्रोसीडिआ टेक्नोलॉजी 23, 163–170, 2016 में प्रकाशित ।
  44. ए. गुप्ता और एम. तल्हा; "ए नोवल हाइपरबोलिक हायर ऑर्डर शियर डीफोरमेशन थीयोरी विद स्ट्रेचिंग इफैक्ट फॉर ग्रेडियंट प्लेट्स", दिनांक 17–22 जुलाई 2016 के दौरान आईसीसीई 24 सम्मेलन, चीन में प्रकाशित ।
  45. ए. गुप्ता, एम. तल्हा; "फिनाइट ऐलिमेंट मॉडलिंग ऑफ फंक्शनली ग्रेडीड मटीरियल प्लेटज: एन असेसमेंट ऑफ ए नियु शियर डीफोरमेशन थीयोरी फॉर फ्री वाइब्रेशन रीस्पॉन्स", संगणक यांत्रिकी और सिमुलेशन (आईसीसीएमएस 2016) पर षष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भा.प्रौ.सं. मुम्बई, दिनांक 27 जून से 1 जुलाई 2016, पृष्ठ 66–69 में प्रकाशित ।
  46. ए. गुप्ता, एम. तल्हा; "रीसेंट इन डेवेलपमेंट इन मॉडलिंग एण्ड एनालाईसिस ऑफ फंक्शनली ग्रेडीड मटीरियल्स एण्ड स्ट्रक्चर", अंतरिक्ष विज्ञान में प्रगति 79, 1–14, 2015 (स्वीकृत होने के बाद 9 महीने में सबसे अधिक अपभारित शीर्षक) में प्रकाशित ।
  47. मोनिशा रस्तोगी, हिम्मत कुशवाहा, सी. बोवन और राहुल वैश; "फर्स्ट प्रिंसिपल्ज इन्साइटज इन्टु इम्पूव्ड कैटालाइटिक परफॉर्मेंस ऑफ  $BaTiO_3$ -ग्राफीन नैनोकम्पोजिटज इन कन्जुगेशन विद एक्सपरीमेंटल इन्वेस्टीगेशन्ज" अर्धकुचालक प्रक्रियाओं में सामग्री विज्ञान (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित ।
  48. ए. कोठारी, ए. कुमार, एस. अब्बास, आर. कुमार, आर. वैश, वी.एस. चौहान; "इफेक्ट ऑफ पीरल्ज स्ट्रेस एण्ड स्ट्रेन हार्डनिंग पैरामीटरज ऑन ईएमआर एमीशन इन मेटलज एण्ड अलॉयज डयूरिंग प्रोग्रेसिव प्लास्टिक डीफोरमेशन" इन्ट. जे. मेटर, रजी. (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित ।
  49. मनिश वैश, एम. शर्मा, आर. वैश, वी.एस. चौहान; "कैपेसिटर एण्ड बैटरी चार्जिंग फरोम हॉट/कोल्ड एयर यूजिंग पाइरोइलेक्ट्रिक सीरामिक्स" इंटीग्रेटीड फेराइलेक्ट्रिक्स (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित ।
  50. सत्यनारायण पटेल, ए. चौहान, जोसेफ कूज्जो, सीरजी लाइसनकोव, इना पोनोमारीवा, राहुल वैश, "पाइरोइलेक्ट्रिक एण्ड फलेक्सोकैलोरिक इफेक्ट्स इन बेरियम स्ट्रॉटियु टिटनेट: ए फर्स्ट प्रिंसिपल्ज एप्रोच" अफ्लाइड फिजिक्स, पत्र (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित ।
  51. सत्यनारायण पटेल, आदित्य चौहान, राहुल वैश; " लार्ज टेम्परेचर स्पेन एण्ड रूम टेम्परेचर इलेक्ट्रोकेलोरिक परफॉर्मेंस ऑफ  $Ba_{0.85}Ca_{0.075}Sr_{0.075}Zr_{0.1}Ti_{0.9}O_3$  अंडर लो इलेक्ट्रिक फील्ड" ऊर्जा प्रौद्योगिकी (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित ।
  52. वी. सिंह, सत्यनारायण पटेल, राहुल वैश; "कम्पोजिशन डीपेंडेंट इलेक्ट्रोकेलोरिक बीहेवियर ऑफ  $(Sr_xBa_{1-x})Nb_2O_6$  सीरामिक्स" इंटीग्रेटीड फेरोइलेक्ट्रिक्स (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित ।
  53. सत्यनारायण पटेल, आदित्य चौहान, राहुल वैश; "इलेस्टोकैलोरिक एण्ड पाइजोकैलोरिक इफेक्ट्स इन लीड जिरकोनेट टिटानेट सीरामिक्स" ऊर्जा प्रौद्योगिकी (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित ।
  54. सत्यनारायण पटेल, परीक्षित शर्मा, और राहुल वैश; "एन्हांसड इलेक्ट्रो-कैलोरिक इफेक्ट इन  $Ba_{0.85}Ca_{0.15}Zr_{0.1}Ti_{0.9-x}Sn_xO_3$  फेरोइलेक्ट्रिक सीरामिक्स" फेज ट्रांजीशन्ज (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित ।

55. एस. पटेल, ए. चौहान और आर. वैश; "इलेक्ट्रिक फील्ड इन्डयूस्ड कैलोरिक इफेक्ट्स इन फेरोइलेक्ट्रिक मटीरियल्ज" ऊर्जा प्रौद्योगिकी (स्वीकृत, 2016)।
56. एम. शर्मा, वी.एस. चौहान और आर. वैश; "ए नुमैरिकल इन्वेस्टिगेशन ऑन एक्सर्जी एनालायसिस ऑफ पाइरोइलेक्ट्रिक ट्राईग्लाइसीन सल्फेट (टीजीएस) बेस्ड सोलर एनर्जी हार्वेस्टिंग सिस्टम" मटीरियल्ज रीसर्च एक्सप्रेस (स्वीकृत, 2016)।
57. एम. शर्मा, वी.एस. चौहान और आर. वैश; "फोरमुलेशन ऑफ फिगर ऑफ मेरिट फॉर पाइरोइलेक्ट्रिक एनर्जी हारवेस्टिंग डीवाइसिज" ऊर्जा प्रौद्योगिकी (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित।
58. जी. वत्स, एस. पटेल, आर. वैश, "एन इन्साईट इन्टु थर्मल एण्ड वाइब्रेशन साईक्लिक एनर्जी हारवेस्टिंग यूजिंग फेरोइलेक्ट्रिक सीरामिक्स" इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित।
59. मनिश वैश, एम. शर्मा, आर. वैश, वी. एस. चौहान, "इलेक्ट्रिकल एनर्जी जनरेशन फ्रॉम हॉट/कोल्ड एयर यूजिंग पाइरोइलेक्ट्रिक सीरामिक्स" इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स (स्वीकृत, 2015) में प्रकाशित।

## आधार विज्ञान स्कूल (एसबीएस)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में आधारभूत विज्ञान स्कूल गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा जीव विज्ञान के विषयों का समूह है। इस स्कूल में 35 प्राध्यापक हैं, जिन्हें समकालीन अनुसंधान के क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त है। स्कूल ने वर्ष 2010 में पीएचडी कार्यक्रम प्रारम्भ किया। वर्तमान में 66 शोधकर्ता विभिन्न विषयों के शोध कार्य में सदस्यता प्राप्त हैं। स्कूल का उद्देश्य शोध एवम् शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत कार्य के लिये निर्विघ्न व्यवस्था करना है जिसकी विश्वस्तरीय पहचान हो। स्कूल ने पोस्टडॉक्टरल अनुसंधान कार्यक्रम का सूत्रपात भी किया है तथा वर्तमान में इस स्कूल में 5 पोस्ट डॉक्टरल सदस्य कार्य कर रहे हैं। आधारभूत विज्ञान स्कूल ने अगस्त, 2014 से रसायन विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम प्रारम्भ किया है, जिसमें कार्बनिक रसायन, अकार्बनिक रसायन, भौतिक रसायन तथा लघु विज्ञान जैसे विभिन्न विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त हो। स्कूल के प्राध्यापक विभिन्न शोध परियोजनाओं पर अपने अभियांत्रिक साधियों के साथ कार्य कर रहे हैं।

### प्राध्यापक

#### डॉ. प्रसान्थ पी. जोस

##### अध्यक्ष

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: कोमल संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान

भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से पी.एचडी.

गृह नगर: पालाक्कड, केरल

दूरभाष: 01905-267064

ई-मेल: prasant

अध्यक्ष का ई-मेल: chairsbs

#### डॉ. अभिमन्यु धीर

सहायक प्राध्यापक (डीएसटी-इन्सपायर)

विशेषज्ञता: अधिआण्विक रसायन विज्ञान

गुरुनानक देव विश्वविद्यालय से पी.एचडी.

गृह नगर: जालन्धर, पंजाब

दूरभाष: 01905-267144

ई-मेल: abhimanew

#### डॉ. अजय सोनी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सूक्ष्म सामग्री तथा प्रयोगात्मक

सघन पदार्थ भौतिक विज्ञान

वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए

यूजीसी-डीएई इन्दौर से पी.एचडी.

दूरभाष: 01905-267135

ई-मेल: ajay

#### डॉ. अमित प्रसाद

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: प्रतिरक्षाविज्ञान/सूक्ष्म जैविकी

एसजीपीजीआई, लखनऊ से पी.एचडी.

गृह नगर: रांची, झारखण्ड

दूरभाष: 01905-267136

ई-मेल: amitprasad

#### डॉ. बिन्दु राधामणि

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीक

यूजीसी-डीएई, वैज्ञानिक अनुसंधान संघ

#### डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सैद्धांतिक रसायन विज्ञान

भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से पी.एचडी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267145

ई-मेल: chakraborty

#### डॉ. अदिति हल्दर

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: नवीकरण ऊर्जा, सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिक्स

तथा संवेदक के उपयोग के लिए नयी कार्यात्मक

सूक्ष्म सामग्री का प्रारूप तथा विकास

भारतीय विज्ञान संस्थान से 2009 में पी.एचडी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267140

ई-मेल: aditi

#### डॉ. अमित जायसवाल

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी

भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पी.एचडी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267137

ई-मेल: j.amit

#### डॉ. आरती कश्यप

सहायक प्राध्यापिका (संयुक्त नियुक्ति)

विशेषज्ञता: चुम्बकत्व और चुम्बकीय सामग्री

भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एचडी.

गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश

दूरभाष: 01905-267042

ई-मेल: arti

#### डॉ. चयन कान्ति नन्दी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: भौतिकी रसायन विज्ञान

भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एच.डी.

इन्दौर से पी.एच.डी.  
गृह नगर: कोल्लम, केरल  
दूरभाष: 01905-267060  
ई-मेल: bindu

**डॉ. सी.एस. यादव**  
सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: निम्न तापीय भौतिक विज्ञान  
जेएनयू, दिल्ली से पी.एचडी.  
गृह नगर: अलीगढ़, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267135  
ई-मेल: shekhar

**डॉ. कौस्तव मुखर्जी**  
सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: प्रयोगात्मक संघनित पदार्थ  
भौतिक विज्ञान  
यूजीसी-डीएई, वैज्ञानिक अनुसंधान संघ  
से पी.एचडी.  
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल  
दूरभाष: 01905-267043  
ई-मेल: kaustav

**प्रा. ललित मल्होत्रा**  
अभ्यागत प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: पतली परत भौतिक विज्ञान  
और प्रौद्योगिकी  
भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एचडी.  
गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश  
दूरभाष: 01905-237916  
ई-मेल: lalitmhltr

**डॉ. मुस्लिम मलिक**  
सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण  
भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एच.डी.  
गृह नगर: बलरामपुर, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267119  
ई-मेल: muslim

**डॉ. नीतु कुमारी**  
सहायक प्राध्यापिका  
विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण, गतिशील  
व्यवस्थाएं, अरैखिक गतिशीलता  
आईएसएम धनबाद से पी.एचडी.  
गृह नगर: धनबाद, झारखण्ड  
दूरभाष: 01905-267057  
ई-मेल: nitu

**डॉ. प्रदीप कुमार**  
विशिष्ट अभ्यागत प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: रमण और अनारक्त स्पेक्ट्रोमिकी

गृह नगर: सारंगपुर, पश्चिम बंगाल  
दूरभाष: 01905-267047  
ई-मेल: chayan

**डॉ. हरि वर्मा**  
सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: परमाणु और आण्विक भौतिक विज्ञान  
भा.प्रौ.सं. मद्रास से पी.एचडी.  
गृह नगर: कोची, केरल  
दूरभाष: 01905-267064  
ई-मेल: hari

**प्रा. केन्थ गोन्सेल्वज**  
विशिष्ट अभ्यागत प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: सामग्री संश्लेषण  
मैरसाचुसैट्टस विश्वविद्यालय,  
एम्पहैस्टर से पी.एचडी.  
गृह नगर: चारलाट्ट, एनसी, यूएसए  
दूरभाष: 01905-237976  
ई-मेल: kenneth

**डॉ. मनोज ठाकुर**  
सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: अनुकूलन, कोमल अभिकलन,  
मशीन अधिगम और अभिकलनात्मक  
वित्त हेतु इसका प्रयोग  
भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एचडी.  
गृह नगर: रुड़की, उत्तराखण्ड  
दूरभाष: 01905-267154  
ई-मेल: manoj

**डॉ. नेहा गर्ग**  
डीएसटी इन्सपायर प्राध्यापक सहयोगी  
विशेषज्ञता: कैंसर जीव विज्ञान, स्टेम सेल  
स्पेंजिया विश्वविद्यालय रोम, ईटली से पी.एचडी.  
गृह नगर: दिल्ली  
दूरभाष: 01905-267155  
ई-मेल: neha

**प्रा. पी.सी. देशमुख**  
संयुक्त प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: परमाणु और आण्विक भौतिक विज्ञान  
ई-मेल: pcdeshmukh

**डॉ. प्रद्युमन कुमार पाठक**  
सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: प्रमात्रा प्रकाशिकी, प्रमात्रा

भा.वि.सं. बंगलौर से पी.एचडी.  
गृह नगर: रोहतक, हरियाणा  
दूरभाष: 01905-267152  
ई-मेल: pkumar

#### डॉ. प्रतिभा गर्ग

सहायक प्राध्यापिका  
विशेषज्ञता: संस्थिति, अन्तरिक्ष कार्य,  
माप सिद्धान्त  
भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एचडी.  
गृह नगर: शामली, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267051  
ई-मेल: pratibha

#### डॉ. प्रोसेनजीत मंडल

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: आण्विक अन्तःस्राव विज्ञान  
और उपापचय  
जीवन विज्ञान संस्थान भुवनेश्वर से पी.एचडी.  
गृह नगर: बाबूनपुर, पश्चिमी बंगाल  
दूरभाष: 01905-267135  
ई-मेल: prosenjit

#### डॉ. आर.सी. साहनी

संयुक्त प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: अन्तःस्राव विज्ञान एवं उपापचय,  
उच्च शारीरिक क्रिया विज्ञान, शाकीय दवाएं  
पीजीआईएमईआर, चण्डीगढ़ से पी.एचडी.  
गृह नगर: शिमला  
दूरभाष: 01905-237943  
ई-मेल: sawhneyrc

#### डॉ. राजेन्द्र के.रे

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: अभिकलनात्मक द्रव गतिशीलता,  
पी.डी.ई. हेतु सांख्यिक विधियां  
भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पी.एच.डी.  
गृह नगर: सैंथिया, पश्चिमी बंगाल  
दूरभाष: 01905-267041  
ई-मेल: rajendra

#### डॉ. श्याम कुमार मसकपल्ली

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: जीव विज्ञान उपापचय प्रणाली  
(फलुक्सोमिक्स और मेटाबोलिक्स),  
वनस्पति और सूक्ष्मजीवी उपापचय,  
एनएमआर और जीसी-एमएस.  
ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय यू.के. से पी.एचडी.  
गृह नगर: रायगडा, उड़ीसा  
दूरभाष: 01905-267147  
ई-मेल: shyam

सूचना और सूक्ष्म फोटोनिक्स  
भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद,  
से पी.एचडी.  
गृह नगर: मथुरा, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267046  
ई-मेल: ppathak

#### डॉ. प्रदीप परमेस्वरन

सहायक डीन (पाठ्यक्रम)  
विशेषज्ञता: अकार्बनिक / सामग्री / सूक्ष्म  
रसायन विज्ञान  
हैदराबाद विश्वविद्यालय से पी.एचडी.  
गृह नगर: वरावूर, केरल  
दूरभाष: 01905-267045  
ई-मेल: pradeep

#### डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल सहयोगी डीन (स्रिक)

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: सूक्ष्म सामग्री रसायन विज्ञान  
डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय से पी.एचडी.  
गृह नगर: थिरुवनन्तपुरम, केरल  
दूरभाष: 01905-267040  
ई-मेल: prem

#### डॉ. रजनीश गिरि

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: जैव भौतिकी और मुड़वां  
प्रोटीन, स्वतः अव्यवस्थित प्रोटीन,  
टी सेल कैंसर अभियांत्रिकी, प्रोटीन अभियांत्रिकी  
सपेआइंजा विश्वविद्यालय रोम, ईटली से पी.एचडी.  
गृह नगर: इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267154  
ई-मेल: rajanishgiri

#### डॉ. सरिता आज़ाद

सहायक प्राध्यापिका  
विशेषज्ञता: सांख्यिकीय काल श्रेणी विश्लेषण  
सांख्यिकीय काल श्रेणी विश्लेषण  
भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर से पी.एचडी.  
गृह नगर: नई दिल्ली  
दूरभाष: 01905-267141  
ई-मेल: sarita

#### डॉ. सुमन कल्याण पाल

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: तीव्र और अति तीव्र लेसर स्पेक्ट्रोमिकी  
विज्ञान संवर्धन के लिए भारतीय संघ, जादवपुर  
से पी.एचडी.  
गृह नगर: कटवा, पश्चिमी बंगाल  
दूरभाष: 01905-267040  
ई-मेल: suman

### डॉ. सुब्रत घोष

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: कार्बनिक रसायन शास्त्र में  
भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पी.एचडी.  
गृह नगर: बोलपुर, पश्चिमी बंगाल  
दूरभाष: 01905—267065  
ई-मेल: subrata

### डॉ. तुलिका प्रकाश श्रीवास्तवा

सहायक प्राध्यापिका  
(रामालिंगास्वामी सहयोगी, डीबीटी)  
विशेषज्ञता: जैव सूचना विज्ञान, जैव प्रणाली,  
मेटाजीनोमिक्स, तुलनात्मक जीनोमिक्स,  
प्रोटीन फलन और संरचनात्मक विश्लेषण  
आईजीआईबी, सीएसआईआर, दिल्ली से पी.एचडी.  
गृह नगर: दिल्ली  
दूरभाष: 01905—237922  
ई-मेल: tulika

### पोस्ट डॉक्टरेट सहभागी

डॉ. ऋक् रानी कोडार  
आधारभूत विज्ञान स्कूल में पोस्ट डॉक्टरेट सहभागी (पीडीएफ)  
विशेषज्ञता: जैव अकार्बनिक रसायन विज्ञान  
भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पी.एचडी.  
गृह नगर: बोलपुर  
दूरभाष: 01905—237994  
ई-मेल: rik

### डॉ. सैयद अब्बास

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण और  
पारिस्थितिक प्रतिरूपण  
भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एचडी.  
गृह नगर: गोंडा, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905—267148  
ई-मेल: abbas

### डॉ. वेंकट कृष्णन

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: सामग्री रसायन, एक्स-रे विज्ञान  
स्टुटगार्ट, विश्वविद्यालय जर्मनी से पी.एचडी.  
गृह नगर: कोयम्बटोर, तमिलनाडु  
दूरभाष: 01905—267065  
ई-मेल: vkn

## अनुसंधान परियोजनाएं बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

क्रमांक	आईआईटी मण्डी संदर्भ संख्या/परियोजना संख्या	परियोजना का नाम	प्रायोजित कम्पनी	परियोजना अन्वेषक और सह समन्वयक	विभाग / स्कूल	स्वीकृत धन (रु.)	परियोजना की अवधि	से	तक
1	आईआईटीएम-सीपीएएम/एच पीडी/08	परमाणु और आण्विक भौतिकी में संघट्टन प्रक्रियाएं	डीएसटी	प.अ.: डॉ. हरि आर. वर्मा, सह-समन्वयक: डॉ. पी.सी. देशमुख (आईआईटी मद्रास)	आधार विज्ञान स्कूल	10,62,000	3 वर्ष	04.09.12	03.09.15
2	आईआईटीएम-एनबीएम/एसयूजी/10	मैट्रिक्स मैटलो प्रोटीनेज (एमएमपी) इन्हिबिटर्स के रूप में नवीन बार्बिट्यूरैटज: रूपरेखा	डीएसटी	डॉ. सुब्रत घोष	आधार विज्ञान स्कूल	22,85,000	3 वर्ष	01.08.12	31.07.15

3	आईआईटीएम- डीएनए / सीके एन / 13	कैंसर कोशिकाओं के लक्ष्य हेतु डी. एन.ए. अणुमर संयुग्मित स्वर्ण सूक्ष्म कण	डीएसटी	डॉ. चयन कान्ति नन्दी	आधार विज्ञान स्कूल	22,80,000	3 वर्ष	08.01.12	31.07.15
4	आईआईटीएम- एफडीई / एसवाईए / 14	अनुप्रयोगों सहित सावयव क्रम विभेदक समीकरणों का अध्ययन	डीएसटी	डॉ. सैयद अब्बास	आधार विज्ञान स्कूल	6,41,000	3 वर्ष	01.10.13	30.11.16
5	आईआईटीएम- डीएसटी / पीके पी / 17	परिमाण सूचना संसाधन तथा संगत नियंत्रण के लिए सूक्ष्म फोटोनी प्रणालियां	डीएसटी	डॉ. पी.के. पाठक	आधार विज्ञान स्कूल	13,44,000	3 वर्ष	27.06.12	26.06.15
6	आईआईटीएम- डीबीटी / सीके एन / 19	समय समाधित एकल अणु फॉरस्टर प्रतिध्वनि ऊर्जा स्थानान्तरण के प्रयोग से आण्विक चैपरोन मध्यस्थता परतें	डीबीटी	प.अ.: डॉ. चयन कान्ति नन्दी	आधार विज्ञान स्कूल	69,58,200	3 वर्ष	30.12.13	29.12.16
7	आईआईटीएम- डीआरडीओ / एसबीजी / 20	अधि आण्विक उच्च ऊर्जा यौगिक: संश्लेषण, चरित्र-चित्रण और सैद्धान्तिक अध्ययन	डीआरडी ओ	प.अ.: डॉ. सुब्रत घोष सह समन्वयक: डॉ. प्रेम फीलिक्स सिरिल, डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती	आधार विज्ञान स्कूल	43,12,500	4 वर्ष	27.07.12	26.07.16
8	आईआईटीएम- एनआरएन / पीएफएस / 21	ऊर्जावान यौगिकों के क्रिस्टलीकरण हेतु नवीन मार्ग	एआरएम आरईबी, डीआरडी ओ	प.अ.: डॉ. प्रेम फीलिक्स सिरिल सह समन्वयक: डॉ. जसप्रीत कौर रंधावा डॉ. प्रसांथ पी. जोस	आधार विज्ञान स्कूल	68,48,006	4 वर्ष	16.01.13	12.02.17



9	आईआईटीएम- डीएसटी/ पीसीपी / 24	सामग्री और उत्प्रेरक अनुप्रयोगों हेतु बंध के माध्यम से गुच्छ और कार्बनिक यूनितों के मध्य विद्युतीय अन्योन्य क्रिया द्वारा पोलिओक्सोमैटा लेट कार्बनिक संकरों का विकास	डीएसटी	डॉ. प्रदीप सी. परमेस्वरन	आधार विज्ञान स्कूल	26,90,000	3 वर्ष	10.05.12	09.05.15
10	आईआईटीएम / इंटेल / केएन जी / 26	16 एनएम नोड तथा इसके ऊपर के ईयूवीएल के लिए प्रतिरोध धारणा	ईंटेल्	प.अ.: प्रा. केन्नथ गोन्सेल्वज सह प.अ. प्रा. प्रदीप परमेस्वरन प्रा. सुब्रत घोष, सतिन्द्र कुमार शर्मा	आधार विज्ञान स्कूल	217,62,000	3 वर्ष	01.07.12	30.04.16
11	आईआईटीएम/ डीएसटी/ वीकेएस / 29	रॉबस्ट कृत्रिम पेप्टाईड का उपयोग करते हुये वास्तविक सूक्ष्म परिपथों का नियंत्रित निर्माण	डीएसटी	डॉ. वेंकट कृष्णन	आधार विज्ञान स्कूल	35,00,000	5 वर्ष	11.04.12	10.04.17
12	आईआईटीएम/ डीएसटी / एएम डी / 30	अभियांत्रिकी आण्विक कार्बनिक ढांचों क्रिस्टल संरचना और प्रकाश भौतिक गुण	डीएसटी	डॉ. अभिमन्यु धीर	आधार विज्ञान स्कूल	35,00,000	5 वर्ष	19.03.12	18.03.17
13	आईआईटीएम/ एचएसएए/ पीसीआर / 32	हुपरजीन -ए हेतु एक लघु आकारिक असममित कृत्रिम उपागम	डीएसटी	डॉ. पी.सी. रविकुमार	आधार विज्ञान स्कूल	27,00,000	3 वर्ष	15.06.12	14.06.15

14	आईआईटीएम/ एचओसीएफडी /डीएसटी/33	उच्च श्रेणी के डिब्बे (एचओसी) का निर्माण सीमित विभेदक योजना और रैखिक अपरूपण प्रवाह हेतु इसके अनुप्रयोग	डीएसटी	डॉ. राजेन्द्र कुमार रे	आधार विज्ञान स्कूल	13,32,000	3 वर्ष	14.02.14	13.02.17
15	आईआईटीएम/ डीबीटी/टीपी एस/36	सूक्ष्म मानवीय जीवोम की खोज: जीवीय प्रि-प्रो हेतु उम्मीदवारों की तलाश	रामालिंगा स्वामी रीएन्ट्री फेलोशिप डीबीटी	डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा	आधार विज्ञान स्कूल	82,00,000	5 वर्ष	18.07.12	17.07.17
16	आईआईटीएम/ एनबीएचएम/ए सवाईए/45	पारिस्थितिकीय मॉडलिंग में आवधिकता और सम्पूर्ण आवधिकता	एनएच बीएम, डीईई	डॉ. सैयद अब्बास	आधार विज्ञान स्कूल	8,57,500	3 वर्ष	15.11.12	14.11.15
17	आईआईटीएम/ डीएसटी/पीए डी/46	नये कार्बनिक- अकार्बनिक संकरों के प्रारूप और विश्लेषण: कैंसर, सूक्ष्म जीवीय और उत्तेजक उपचारात्मक पदार्थों के रूप में दोनों का विकास	डीएसटी	डॉ. पूजा सह प.अ. : डॉ. प्रदीप सी. परमेस्वरन	आधार विज्ञान स्कूल	27,72,000	3 वर्ष	06.05.13	05.05.16
18	आईआईटीएम/ एनबीएचएम/ आरआरवाई/47	विभिन्न रूकावटों सहित दीर्घवृत्तीय समीकरण हेतु उच्च क्रमिक अंकीय योजनाओं का विकास और निमज्जित अंतरापृष्ठ समस्याओं के लिए इसके अनुप्रयोग	एनबीएच एम (डीईई)	डॉ. राजेन्द्र कुमार रे	आधार विज्ञान स्कूल	2,99,500	3 वर्ष	27.01.15	26.01.18

19	आईआईटीएम / बीआरएनएस / आरकेआर / 51	झील / नदियों में दूषित तलछट परिवहन की मॉडलिंग	बीआरएन एस(डीआई)	प.अ. डॉ. राजेन्द्र कुमार रे सह प.अ. डॉ. ओ.पी. सिंह	आधार विज्ञान स्कूल	21,07,100	3 वर्ष	15.07.14	14.07.17
20	आईआईटीएम / सीएसआईआर / एसकेपी / 70	विद्युतीय संयुग्मित सूक्ष्म क्रिस्टलों में वाहक गुणन और संलवन	सीएसआई आर	डॉ. सुमन के. पाल	आधार विज्ञान स्कूल	12,58,000	3 वर्ष	29.01.15	28.01.18
21	आईआईटीएम- डीएसटी-वीआर / एसकेपी / 76	नये सौर समाधानों हेतु प्रमात्रा बिन्दु	डीएसटी- वीआर	डॉ. सुमन के.पाल, प्रा. टोनु पुलीरीटस (लंड विश्वविद्यालय स्वीडन)	आधार विज्ञान स्कूल	40,27,000	3 वर्ष	15.01.15	14.01.18
22	आईआईटीएम / डीआरडीओ-एस एएसई / एमटी / 79	मशीन अधिगम और आंकड़े माइनिंग का उपयोग करते हुये बर्फ हिमस्खलन की पूर्व सूचना	डीआरडी ओ-	डॉ. मनोज ठाकुर	आधार विज्ञान स्कूल	5,04,000	छःमाह	05.03.15	04.09.15
23	आईआईटीएम- एसईआरबी / एसकेपी / 81	उपकरण क्षमता को सुधारने के लिए अभियांत्रिकी रासायनिक संरचना: प्रकाश वोल्टता अनुप्रयोगों हेतु नवीन कार्बनिक बहुलक / सूक्ष्म अणु और उनके सूक्ष्म यौगिक	एसएसएसई	डॉ. सुमन कल्याण पाल, सह प.अ.: डॉ. सुब्रत घोष डॉ. सी.के. नन्दी डॉ. सुरेश चन्द (एनपीएल) डॉ. राजीव कुमार सिंह (एनपीएल)	आधार विज्ञान स्कूल	43,64,000	3 वर्ष	16.04.15	15.04.18
24	आईआईटीएम / यूजीसी-डीआई / बीआर / 83	कुछ नये अस्थायी धातुओं की विद्युत संरचना पर विमियता का प्रभाव	एसईआरबी	डॉ. बिन्दु राधामणि	आधार विज्ञान स्कूल	6,39,000	3 वर्ष	29.04.15	28.04.18
25	आईआईटीएम / बीआरएनएस / एस / 84	कैल्कोजनाइड आधारित ऊष्मा विद्युतीय अति सूक्ष्म मिश्रणों का अध्ययन करने के लिए उच्च तापमान ऊष्मा विद्युतीय परिवहन मापन प्रणाली का विकास	यूजीसी- डीआई	डॉ. अजय सोनी	आधार विज्ञान स्कूल	25,00,000	3 वर्ष	20.05.15	19.05.18

26	आईआईटीएम/ एसईआरबी/ एस/85	ऊष्मा विद्युतीय अनुप्रयोगों हेतु परतदार कैल्कोजनाइड अति सूक्ष्म मिश्रण	एसईआरबी	डॉ. अजय सोनी	आधार विज्ञान स्कूल	26,00,000	3 वर्ष	09.06.15	08.06.18
27	आईआईटीएम/ डीबीटी/एपी/ 88	प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाशील कोशिकाओं और उनके रोगजनन में टेनीया सोलियम सिस्ट एन्टीजन का प्रतिरक्षा मॉड्यूलक प्रभाव	डीबीटी	डॉ. अमित प्रसाद	आधार विज्ञान स्कूल	32,50,000	5 वर्ष	01.04.15	31.03.20
28	आईआईटीएम/ डीएसटी/वीके /92	कार्बनिक प्रकाश वोल्टीय में अत्यधिक सौर ऊर्जा के रूपांतरण के लिए जैव प्रभावित उन्नत सामग्री	डीएसटी- एसईआरबी	डॉ. वेंकट कृष्णन	आधार विज्ञान स्कूल	20,87,000	3 वर्ष	14.10.15	13.08.18
29	आईआईटीएम/ इन्सपायर/पीके /95	रमन स्कैटरिंग द्वारा अन्वेषित इलेक्ट्रोमेग्नोस गतिकी का भौतिक विज्ञान	डीएसटी- इन्सपायर	डॉ. प्रदीप कुमार	आधार विज्ञान स्कूल	35,00,000	5 वर्ष	24.02.15	23.02.20
30	आईआईटीएम/ डीएसटी/एन जी/96	नोन-स्मॉल सेल फेफड़े के कैंसर की मूल कोशिकाओं में जाहक रास्ते मॉड्यूलक की पहचान	डीएसटी- इन्सपायर	डॉ. नेहा गर्ग	आधार विज्ञान स्कूल	35,00,000	5 वर्ष	04.11.15	03.11.20
31	आईआईटीएम/ डीएसटी/एएच /97	धारणीय भविष्य के लिए एन्थ्रोपोजिनिक कार्बन डायऑक्साइड का उपयोग करते हुये अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उत्पादन	डीएसटी- एसईआरबी	डॉ. अदिति हल्दर	आधार विज्ञान स्कूल	30,40,000	3 वर्ष	21.11.15	20.11.18

32	आईआईटीएम/ इसरो/एसजी / 98	अर्ध चालक प्रयोगशाला (एससीएल) मण्डी में 180 एनएम प्रक्रम प्रौद्योगिकी हेतु स्वदेशी डीयूवी फोटोरीसिस्ट का विकास: मेक इन इंडिया	इसरो	डॉ. सुब्रत घोष	आधार विज्ञान स्कूल	81,00,000	3 वर्ष	01.12.15	30.11.18
33	आईआईटीएम/ एसईआरबी/ए जे/99	थिरेनोस्टिक्स अनुप्रयोगों के लिए उत्तेजना अनुक्रियाशील स्मार्ट अति सूक्ष्म वाहक	एसईआरबी	डॉ. अमित जायसवाल	आधार विज्ञान स्कूल	22,56,000	3 वर्ष	23.12.15	22.12.18
34	आईआईटीएम/ एसईआरबी/ आरजी/100	स्वतः अव्यवस्थित प्रोटीन: एडीनोवायरल ऑनकोप्रोटीन क्षेत्र का ट्रांसएक्टिवेशन E1A के साथ इसके सहायक TAZ2 की परतदार और बंध क्रियाविधि	एसईआरबी	डॉ. रजनीश गिरी	आधार विज्ञान स्कूल	27,36,000	3 वर्ष	19.12.15	18.12.18
35	आईआईटीएम/ डीएसटी- जीआईटीए/ एसजी/101	20 नैनोमीटर नोड या इससे ऊपर नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स के लिए नवीन अरसायनिक रूप से प्रवर्धित आण्विक फोटोरीसिस्ट	डीएसटी- जीआईटीए	डॉ. सुब्रत घोष	आधार विज्ञान स्कूल	29,29,500	3 वर्ष	04.01.16	03.01.19

### मूल अनुदान परियोजनाएं

क्रमांक	पंजिका संख्या	प्रस्ताव का नाम	प्राध्यापक का नाम	विभाग/स्कूल	धन राशि	अवधि	अनुमोदन की दिनांक	समापन की दिनांक	वित्तीय वर्ष
1	आईआईटीएम/ एसजी/एमएम /35	भिन्नात्मक समीकरणों की नियंत्रकता	डॉ. मुस्लिम मलिक	आधार विज्ञान स्कूल	4,64,000	3 वर्ष	18.05.15	17.05.18	2015-16
2	आईआईटीएम/ एसजी/पीएम- एजे/37	अग्नयाशयी बीटा सेल की अति सूक्ष्म वाहकों से आगम शर्करा आश्रित इन्सुलिन स्राव के लिए चिकित्सा शास्त्र का लक्षित वितरण	डॉ. प्रोसेन जीत मंडल	आधार विज्ञान स्कूल	20,00,000	3 वर्ष	01.07.15	30.06.18	2015-16
3	आईआईटीएम/ एसजी/एपी /38	टेनीया सोलियम सिस्ट संक्रमण के रोगजनन में इनफलेमेओसोमज की भूमिका समझना	डॉ. अमित जायसवाल डॉ. अमित प्रसाद	आधार विज्ञान स्कूल	7,00,000	2 वर्ष	11.09.15	10.09.17	2015-16

### अनुसंधान

हमारे अनुसंधान का ध्येय गत छः वर्षों से विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए नवीन सामग्री का विकास हो चुका है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक से जैव बिम्ब विधान के लिए सामग्री शामिल है। हम अपने कुछ उत्पादों के वास्तविक अनुप्रयोगों के परिणाम देखने के लिए रूपांतरण अनुसंधान करने में उत्सुक हैं, इन सामग्रियों की क्षमता जांचने के लिए हम सामग्री विकास और उपकरणों के निर्माण के अतिरिक्त कार्य करते हैं।

### डॉ. प्रसान्थ पी. जोस

#### साधारण द्रव और कांच निर्माण करने वाले का प्रावस्था पृथक्करण गतिकी मॉडल की संरचना

हमने 80:20 के दोहरे मिश्रण के अस्थायी क्षेत्र पर कांच वाले क्षेत्र की संरचना का आण्विक गतिकी संरचना पर दीर्घ अवधि तक अध्ययन किया है, जिसका व्यापक उपयोग उच्च घनत्व पर कांच पारगमन अध्ययन में किया जाता है। पूर्ण और आंशिक किरण सदृश परिकलित विभाजन कार्य, कम तापमान पर स्थानीय संरचनाओं की विविध उपस्थिति दर्शाता है जिससे प्रणाली में अनेक संरचनाओं का संकेत मिलता है। उच्च घनत्व पर इस विधि की तुलना में किरण सदृश विभाजन कार्य अनेक चोटियों में विभाजित हो जाता है जो इन कम घनत्व वाली विभिन्न संरचनाओं की उपस्थिति दर्शाता है। इन सघन क्षेत्रों की प्रकृति का अध्ययन अपरिष्कृत घनत्व विधि का उपयोग करते हुये किया जाता है। हमने पाया है कि उच्च तापमान पर एक समान प्रावस्था मध्यावर्ती तापमान पर गैस और द्रव प्रावस्थाओं में विभाजित हो जाती है। यह विधि कम तापमान पर सघन क्षेत्र और गैस की साथ-साथ उपस्थिति दर्शाती है। विभिन्न संरचनाएं जो इन क्षेत्रों में दिखती हैं उनका लक्षण वर्णन बंध कम प्राचलों द्वारा किया जाता है। हम इस प्रणाली में बीसीसी, एचसीपी संरचनाओं का योग पाते हैं। विधि में इन विधियों की पंजर शिथिलता गुणों का अध्ययन विस्थापन वर्ग माध्य कणों का उपयोग करते हुये किया जाता है। विस्थापन वर्गीकृत माध्य उप विसरण प्रवृत्ति में स्पष्ट वृद्धि दर्शाता है जो रचना और पंजरण का संकेत देता है जिसे कांच वाले और अत्यधिक ठण्डे द्रवों के मॉडलों के अभिकलनात्मक अध्ययन में पाया।

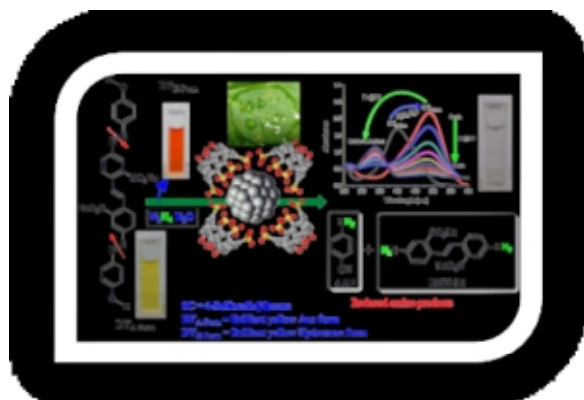
### परियोजना अन्वेषक: डॉ. रजनीश गिरी

#### मूल रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन: ई1ए में इसके सहायक टीएजेड2 के साथ एडीनोवाइरल ऑनकोप्रोटीन के ट्रांसएक्टिवेशन क्षेत्र की मुड़वां और बंध क्रियाविधि

आण्विक जैव विज्ञान के केन्द्रीय मत में एक मत संरचना कार्य प्रतिमान के बारे में बताता है। आधुनिक प्रोटीन की खोज में दैहिक प्रतिरोधक परिस्थितियों में असंरचित प्रोटीन आरंभिक सेल के वातावरण में भी कार्यात्मक हैं जो प्रोटीन संरचना और कार्य के वर्गीकरण को समझने में एक चुनौती है। इस प्रोटीन को अव्यवस्थित प्रोटीन कहा जाता है (आईडीपीज) (डाइसिन और राईट, 2005)। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसमें केवल गत 10 वर्षों से मार्च 2015 तक PubMed पर 95 प्रतिशत से अधिक आईडीपी विषय के प्रकाशन हैं। आश्चर्य है कि आधुनिक प्रोटीन विज्ञान में अव्यवस्थित-कार्य-प्रतिमान विवाद के विषयों में एक है। आईडीपी अनुसंधान पर जैव भौतिकी अनुसंधान ने नेचर में प्रकाशित “बेकिंग द प्रोटीन रूल्ज: इफ डोग्मा डिकटेड्स दैट प्रोटीन नीड ए स्ट्रक्चर टु फंक्शन, दैन व्हाई डु सो मैनी ऑफ दैम लाइव इन ए स्टेट ऑफ डिस्ऑर्डर” टेंगु चौर्ड, 2011) नामक शीर्षक से हलचल मचा दी। पूर्ण रूप से या भाग में 40 प्रतिशत मानव प्रोटीयोम अव्यवस्थित हैं और जानवरों में 75 प्रतिशत नियमित प्रोटीन अव्यवस्थित हैं (युवरस्की एण्ड डंकर, 2010; डंकर ईटी. एएल., 2008)। विभिन्न मानवीय रोगों में महत्वपूर्ण कोशिकीय प्रक्रियाएं प्रभावित हैं जैसे कि वृद्धि, विभिन्नता, उपापचय और एपोप्टोसिस, आईडीपी। उदाहरणों में ऑनकोप्रोटीन अव्यवस्थित क्षेत्र p53, डलब और E1। ऑनकोप्रोटीन शामिल है। यह आईडीपी महत्वपूर्ण कोशिकीय प्रक्रियाओं में भारी संख्या में जीन को नियमित करने में लगे हैं जैसे कि वृद्धि, विभिन्नता, उपापचय और एपोप्टोसिस। गत दशक में अव्यवस्थित जटिल प्रोटीन का संरचनात्मक निर्धारण किया जा चुका है। विशेष रूप से यह प्रस्तावित कार्य अव्यवस्थित प्रोटीन की वलन और बंध क्रियाविधि की ओर केन्द्रित है जिसकी दैहिक प्रतिरोधक स्थिति में कोई रचना नहीं है परन्तु सहायक से बंधने के बाद संरचना बन जाती है। इस परियोजना का ध्येय अव्यवस्थित ऑनकोप्रोटीन E1A और इसके आदेशित सहायक TAZ2 के बीच परस्पर क्रिया का सांकेतिक आण्विक निर्धारण करना है। जबकि TAZ2 और विभिन्न आईडीपी के बीच संरचनात्मक विशेषताओं की खोज हो चुकी है लेकिन क्रियाविधि अब तक पहेली है।

## डॉ. अभिमन्यु धीर

### पर्यावरणी अनुप्रयोगों के लिए नयी कार्बनिक संकर सामग्री का प्रारूप और संश्लेषण



### पर्यावरणात्मक अनुप्रयोगों के लिए नई कार्बनिक हाइब्रिड सामग्री का डिज़ाइन और संश्लेषण

वास्तविक प्रक्रिया के दौरान, रंगाई में कमी बड़ी संख्या में रंजक अपशिष्ट उत्पन्न करती हैं जो सीधे पानी में छोड़े जाते हैं जिससे पर्यावरण दूषित हो रहा है। रंजकों के विभिन्न अपशिष्टों में जो वातावरण को दूषित करते हैं उनमें ऐजो रंजक हैं। उनकी उच्च स्तरीय रसायनिक ऑक्सीजन मांग (सीओडी) कीमत होने के कारण ऐजो रंजक बहुत ही उच्च स्तर के विषैले, कैंसरजनी तथा जीनोटॉक्सिक हैं। तभी हमने प्रतिदीप्त बहुलक समन्वय को रूपांकित और संश्लेषित किया है जिसका प्रयोग टेम्पलेट के रूप में औद्योगिक ऐजो रंजकों की मान्यता के लिए होता है। इन रंजकों में बी वाई (ब्रिलियंट यलो), एवाईजीजी (अलिजेरिन यलो जीजी), एमओ 1 (मोरडेंट ओरेंज 1), टीओएनए (ट्रोपेयोलिन ओ सोडियम साल्ट), एमओ (मीथाईल ओरेंज), पीएपी(4-फीनाई ले जो फीनो ल), एसआईआई (सुडान आईआई), ओजी (ओरेंज

जी) और एबी (एजोबीनजीन) हैं।

उपर्युक्त अनुसंधान कार्यक्रम की निरंतरता में हमने नये स्वतः एकत्रित सामग्री (Ru@SC नामक) को 4 सल्फोकेलिक्स [4] एरीन (एससी) और रूथीनियम सूक्ष्म कणों का प्रयोग करते हुये संश्लेषित किया है। पानी में विषैले प्रगाढ़ पीले रंग (बीवाई) ऐजो रंजक को कम करने हेतु Ru@SC उत्प्रेरक के रूप में प्रयोग होता है। हाईड्रोजन हाइड्रेट की सम्बन्धित अमाईनों में उपस्थिति होने पर Ru@SC ऐजो रंजक (बीवाई) 'ब्रिलियंट यलो' के विषैलेपन को कम करता है। निम्नीकरण उत्पादों को एनएमआर और एकल क्रिस्टल एक्सआरडी तकनीकों द्वारा अच्छी तरह विशेषीकृत कर चुके हैं।

## डॉ. अदिति हल्दर

### धारणीय भविष्य के लिए एन्थ्रोपोजीनिक CO2 का उपयोग करते हुये उत्पादक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत—डीएसटी एसईआरबी

यह योजना एन्थ्रोपोजीनिक कार्बन डाइऑक्साईड के चयनित विद्युत रसायन न्यूनीकरण द्वारा नवीकरणीय अखनिज ईंधन के उत्पादन पर निर्भर है। हमारे भारत देश में कोयला प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के कारण (हमें वर्ष 2011 में कोयले से 68 प्रतिशत ऊर्जा उपलब्ध) यह विद्युत उत्पादन का प्रमुख स्रोत है। यह भारी मात्रा में जीवाश्म ईंधन का प्रयोग एन्थ्रोपोजीनिक कार्बन डाइऑक्साईड के भारी उत्पाद में भी सहायक है। इसीलिए वातावरण में कार्बन डाइऑक्साईड की प्रतिशतता कम करने के लिए तकनीकी समाधान का विकास करना आवश्यक है और इससे "कार्बन चक्र" पर नियंत्रण होगा। यह योजना प्रस्ताव CO2 को गैर जीवाश्म ईंधन में परिवर्तन करने के सूचित समाधान के साथ आया है। कार्बन डाइऑक्साईड का विद्युत रसायनिक न्यूनीकरण "कार्बन चक्र" में कार्बन डाइऑक्साईड को वापिस करने के लिए कार्बन डाइऑक्साईड को उपयोगी नवीकरणीय ईंधन में करना विधियों में से एक है। कार्बन डाइऑक्साईड का विद्युत रसायनिक न्यूनीकरण, क्षमता से बहुत अधिक विविध उत्पादों का निर्माण होने के कारण अनुसंधान का चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है। औद्योगिकी लाभोपयोगी उत्पाद का निर्माण करने के लिए चयनित विद्युत उत्प्रेरक बहुत ही महत्वपूर्ण है। कार्बन डाइऑक्साईड का विद्युत रसायन न्यूनीकरण विविध उत्पाद देता है इसीलिए एक उत्प्रेरक को रूपांकित करना आवश्यक है जो चयन करके कार्बन डाइऑक्साईड को कम कर विशेष उत्पाद दे सके। यहां हम CO के लिए CO2 के विद्युत रसायनिक न्यूनीकरण का चयन करते हैं। सिनगैस का महत्वपूर्ण घटक CO है जो प्रसिद्ध औद्योगिक प्रक्रम फिशचर-ट्रोपस्क संश्लेषण द्वारा तरल ईंधन को रूपांतरित कर सकता है। फिशचर-ट्रोपस्क संश्लेषण कार्बन मोनोक्साइड और हाइड्रोजन के मिश्रण को तरल ईंधन में परिवर्तित करता है। इस प्रस्ताव में हम विद्युत उत्प्रेरकों को रूपांकित और विकसित करेंगे जो CO के लिए चयनित रूप से कार्बन डाइऑक्साईड को कम क्षमता और उच्च फेराडेक प्रभावकता से कम करेंगे।

## परियोजना अन्वेषक: डॉ. बिन्दु राधामणि

### चुम्बकीय पारगमन में Sr3NiRhO6 के स्थानीय संरचनात्मक प्रभाव

हमने NiK ऐज और SrK ऐज एक्स रे एब्जोर्प्शन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एक्सएएक्स) का उपयोग करते हुये अर्द्ध विमीतिय Sr3NiRhO6 के चुम्बकीय प्रावस्था पारगमन के संरचनात्मक प्राचलों की तापमान निर्भरता का अन्वेषण किया है। किनारे के समीप एक्स रे अवशोषण की विशेषताओं की पहचान विविध प्रकीर्णन गणनाओं के उपयोग से की थी। तापमान आश्रित बढ़ी हुई एक्स रे अवशोषण सुन्दर रचना अध्ययन 200 K पर अन्तः श्रृंखला आदान-प्रदान

अन्योन्यक्रिया का प्रारम्भ दर्शाता है जोकि चुम्बकीय सम्भाव्यता अध्ययन द्वारा पहले के पारगमन तापमान (45K) से अधिक अच्छा है। अन्तः श्रृंखला आदान-प्रदान अत्यधिक आदान-प्रदान अन्योन्यक्रिया 125 K पर दिखती है। रोचक है कि चुम्बकीय अन्योन्यक्रिया की स्थिरता में Ni3d और Rh4 क अवस्थाओं के बीच प्रत्यक्ष आदान-प्रदान अन्योन्यक्रिया द्वारा निर्भाई गई भूमिका कम महत्वपूर्ण है। वर्तमान परिणाम समसंरचनात्मक यौगिकों द्वारा वर्गीय विशेषताओं पर प्रकाश डालते हैं और ऐसे यौगिकों द्वारा असामान्य गुणों की जानकारी हेतु चुम्बकीय विनिमय मार्ग की पहचान करने में मदद करते हैं।

### परियोजना अन्वेषक: डॉ. प्रेम फीलिक्स सिरिल

#### ऊर्जावान यौगिकों के सूक्ष्म क्रिस्टलीकरण हेतु नवीन मार्ग

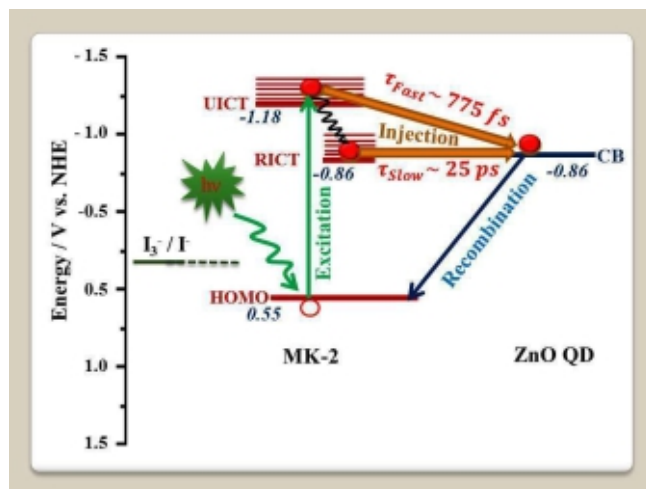
यह अनुसंधान मुख्यतः डीआरडीओ से वित्तपोषित था और इससे नये वाष्पीकरण सहायक घुलनशील-अघुलनशील अन्योन्यक्रिया विधियों (ईएसआई) का विकास हुआ है। यह सामान्य विधि है जो कार्बन यौगिकों को तैयार करने के लिए प्रयुक्त की जा सकती है। इस अन्वेषण पर एक पेटेंट फाईल किया जा चुका है। आरडीएक्स और एचएमएक्स जैसे उच्च ऊर्जावान यौगिकों के अति सूक्ष्म कणों का विश्लेषण किया जा चुका है और लक्षण वर्णन हेतु उनके ऊर्जावान निष्पादन में परिवर्तन के लिए और संकटपूर्ण उद्दीपन के लिए संवेदनशीलता हेतु टीबीआरएल, चण्डीगढ़ भेजा है। हमने पाया है कि हम न केवल कणों के आकार को नियंत्रित कर सकते हैं बल्कि ईएसआई विधि का उपयोग करते हुये कार्बनिक अति सूक्ष्म क्रिस्टल को भी आकार दे सकते हैं। इस विधि का प्रयोग बहुत की सूक्ष्म कणों को बनाने में किया जा सकता है जो बहुलकों/पृष्ठ संक्रियकों से विलेपित (स्थायीकृत) हैं। इस विधि का उपयोग करते हुये कार्बोमेजीपाइन, ग्रीसीयोफुलविन, फेनोफाइबरेट और अनेक नॉन-स्टेरायडल एन्टी-इनफ्लेमेट्री ड्रग्स (एनएसएआईडी) जैसी दवाओं के सूक्ष्म कणों को तैयार किया जा चुका है। मौखिक प्रबंधन के पश्चात् इन दवाओं की पानी में कई परतों में वृद्धि अति सूक्ष्म निरूपण का परिणाम था और बढ़ा हुआ रग मोचन उनकी जैव उपलब्धता में वृद्धि का संकेत दे रहा था। रोचक है कि अति सूक्ष्म निरूपण उपागम का उपयोग करते हुये एनएसएआईडी की कैंसर रोधी गतिविधि में वृद्धि भी हो सकेगी। वास्तव में, हमने वाणिज्यिक दवा, डोक्सोरुबिसीन की तुलना में बहुलक स्थायीकृत नेप्रोक्सिन कणों के लिए बेहतर अधिश्वेत रक्तता रोधी गतिविधि को पाया है।

### परियोजना अन्वेषक: डॉ. सुमन के. पाल

#### कार्बनिक अणु/प्रमात्रा बिन्दु संकर विधियों में ऊर्जा और इलेक्ट्रॉन का स्थानांतरण

फेन्टोसेकिंड क्षणिक अवशोषण मापन विधि का प्रयोग करते हुये दो विभिन्न रंजक अणुओं से ZnO QDs की खोज की जा चुकी है। एक रंजक QD के साथ गहन परिवर्तन सम्मिश्र द्वारा और अधिक फीकी अवशोषण क्षमता दिखाता है। इन मिश्रणों की उत्तेजना बहुत तीव्र समय के पैमाने (<115 fs) पर इलेक्ट्रॉन पारगमन से गहनता उत्पन्न करती है। दूसरे रंजक के मामले में अन्तः आण्विक गहन परिवर्तन अवस्था (चित्र 1) से इलेक्ट्रॉन अन्तः क्षेपण रंजक से QD होता है।

चित्र 1 QD और I/13 – रीडॉक्स युग्मक के विषय में Mk-2 रंजक के ऊर्जा स्तर (अनरीलेक्सड और रीलेक्सड आईसीटी अवस्था) का योजनाबद्ध प्रतिनिधित्व। यूआईसीटी और आरआईसीटी का अर्थ, अनरीलेक्सड और रीलेक्सड आईसीटी अवस्था के लिए है।



### परियोजना अन्वेषक: डॉ. कौस्तव मुखर्जी

हमारी प्रयोगशाला का ध्येय प्रचुरता और सूक्ष्म रचना दोनों में चुम्बकीय, परिवहन और ऑक्साइड के ऊष्मा गतिकी

तथा पृथ्वी के विरल अन्तरा धातु सम्बन्धी गुणों की खोज करना है। जो

विधियां विकसित की जा रही हैं उनमें कम विमीय और विफल चुम्बकीय यौगिकों तथा चुम्बकीय शीतल सामग्रियों, मल्टीफरोइक्स, विशालकाय चुम्बकीय प्रतिरोधकता वाली सामग्रियों, हीयुस्लर मिश्रधातुओं जैसी कार्यात्मक सामग्रियों का अन्वेषण किया जा रहा है।

#### चुम्बक कैलोरी यौगिक YFe 0.5 Cr 0.5O3 आधारित मिश्र धातु ऑक्साइड में विनिमय बायस

हमने पेरोवस्काइट परिवार से सम्बन्ध रखने वाले मिश्र धातु ऑक्साइड YFe 0.5 Cr 0.5O3 पर चुम्बकत्व, चुम्बक कैलोरी प्रभाव और विनिमय बायस



अध्ययन के विस्तृत अन्वेषण की जानकारी दी। हमारे परिणाम दर्शाते हैं कि यौगिक कैंटीड चुम्बकीय अवस्था (सीएमएस) में है जहां लौह चुम्बकीय पारस्परिक सम्बन्ध लौह चुम्बकीय रोधी अवस्था में हैं। इस यौगिक का चुम्बकीय ऐन्ट्रोपी परिवर्तन चुम्बकीय क्षेत्र के पावर लॉ ( $\Delta S_M \sim Hm$ ) निर्भरता का अनुसरण करता है। इस यौगिक में विपरीत चुम्बक कैलारी प्रभाव (आईएमसीई) को 260 K से नीचे पाया जबकि परम्परागत चुम्बक कैलोरी प्रभाव इससे ऊपर देखा गया। प्रतिपादक 'm' को तापमान मुक्त पाने के लिए क्षेत्र को केवल आईएमसीई किया गया। तापमान और विनिमय बायस चुम्बकीय क्षेत्र निर्भरता अध्ययन से यह पता चलता है कि लौह चुम्बकीय और लौह चुम्बकीय रोधी क्षेत्रों के अंतरापृष्ठ पर लौह चुम्बकीय क्षेत्रों के प्रभावी जीमन ऊर्जा और असमरूपी विनिमय ऊर्जा के बीच प्रतिस्पर्धा होती है। तापमान के कारण विनिमय बायस परिवर्तन और क्षेत्र चक्रण का भी अन्वेषण किया। (मोहित के. शर्मा ईटी ए एल. जे मैग. मैग मैटर, 414, 116–121 (2016))

## परियोजना अन्वेषक: डॉ. चयन के. नन्दी

### कार्बन बिन्दु: एक रहस्यमय अति सूक्ष्म उत्सर्जक

वर्ष 2004 से कार्बोजीनिक अति सूक्ष्म सामग्रियों की नयी श्रेणी, कार्बन बिन्दुओं की जानकारी से हाल के वर्षों में अत्याधुनिक अनुप्रयोगों के लिए बड़े पैमाने पर इसका प्रयोग किया जा रहा है। यद्यपि अभी तक कार्बन बिन्दुओं का उत्तेजन-निर्भरता प्रकाश स्पष्ट नहीं है और यह हमेशा एक चर्चा का विषय है। वे अत्यधिक चमकीले, उच्च फोटोस्टेबल और अनिमेष बहु रंगीय प्रतिदीप्त अतिसूक्ष्म सामग्री भी साबित किए गए हैं। हमने समय समाधित प्रतिदीप्त प्रयोग करते हुये बहु रंग प्रतिदीप्ति की उत्पत्ति का रहस्योद्घाटन किया है। आंकड़े दर्शाते हैं कि सम्बन्धित सामूहिक उत्सर्जन अवस्थाओं द्वारा उत्तेजन-निर्भरता बहु रंग उत्सर्जन विशिष्ट रूप से नियंत्रित है। कार्बन बिन्दुओं में ऑन-ऑफ निमेष सांघृतिक और उत्क्रमणीय फोटो स्वचन भी पाये गये जो इलेक्ट्रॉन पारगमन प्रक्रियाओं द्वारा नियंत्रित हैं। वर्तमान उपलब्धियां अधिक विभेदन सूक्ष्मदर्शिकी में कार्बनिक बिन्दुओं को एक वैकल्पिक अनुसंधान के रूप में बना सकती है।

## राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

1. सी.पी प्रदीप, पी.जी. रेड्डी, एम. नामिदि; "एन ऑरगेनिक इनऑरगेनिक हाइब्रिड सुपरामोलिक्यूलर फ्रेमवर्क मटीरिल बेस्ड ऑन  $[P_2W_{18}O_{62}]^{6-}$  कलस्टर एण्ड Yb एण्ड Na कम्प्लैक्सिज ऑफ पाइरीडीन 2,6 डाइकार्बोलिक एसिड: ए कैटालाइस्ट फॉर सीलेक्टिव ऑक्सीडेशन ऑफ सल्फाइडज इन वाटर विद  $H_2O_2$ , " क्रिस्ट.ईंग कॉम, एडवान्स आर्टिकल डीओआई: 10.1039/सी5सीई 02546 जे. 2016 में प्रकाशित।
2. सी.पी. प्रदीप, एस. घोष, वी.एस.वी. सत्यनारायण, बी. प्रमाणिक, एस. शर्मा, आई. मोरेल्ज रेज, एन बटिना, के.ई. गोन्सेल्वज; "पैटर्निंग हाइली ऑर्डर्ड अरेज ऑफ कम्प्लैक्स नैनोफीचरज थ्रो इयूवी डाइरेक्टड पोलेरिटी स्वीचिंग ऑफ नॉन कैमिकली एम्पलीफाइड फोटोरीसिस्ट", साई. रीप. भाग 6, 22664, 2016 में प्रकाशित।
3. एम. देवी, ए. धीर, सी.पी. प्रदीप, नियु जे. कैम; "ए सैंडविच टाईप जिंक कम्प्लैक्स फरोम ए रोडेमाइन डाई बेस्ड लिगैण्ड: ए पोटाशियल फ्लोरोसेंट कैमोसेंसर फॉर एसीटेट इन ह्यूमन ब्लड प्लाज्मा एण्ड ए मोलिकुलर लोजिक गेट विद आईएनएचआईबीआईटी फंक्शन", भाग 40, पृष्ठ 1269–1277, 2016 में प्रकाशित।
4. डी. रामबाबू, सी.पी. प्रदीप, ए. धीर, "निक्कल सोडियम पाइरीन टेट्रासल्फोनिक एसिड बेस्ड कोऑर्डिनेशन पोलिमर एज फ्लोरोसेंट टेम्पलेट फॉर रीकॉग्निशन ऑफ एजो डाइज", सेंसर एण्ड एक्युटेटरज, बी: कैमिकल, भाग 225, पृष्ठ 856–592, 2016 में प्रकाशित।
5. ए. कुमार, एम. देवी, एन. मामिदि, के.ई. गोन्सेल्वज, सी.पी. प्रदीप; "एरोमेटिक सल्फोनियम पोलियोक्सोमोलिबडेटज: ए न्यू क्लास ऑफ सोलिड स्टेट फोटोक्रोमिक मटीरियलज विद टयूनेबल प्रोपर्टीज", कैम, यूरो. जे. भाग 21, पृष्ठ 18557–18562, 2015 में प्रकाशित।
6. डी. रामबाबू, सी.पी. प्रदीप, पूजा, ए. धीर; "सेल्फ असेम्बलड मटीरियल ऑफ पैल्लाडियम नैनो पार्टिकलज एण्ड थाइकैलिकस [4] एरीन Cd (II) कम्प्लैक्स एज एफिसिएंट कैटालाइस्ट फॉर नाइट्रो-फीनोल रीडक्शन", नियु जे.कैम. भाग 39, पृष्ठ 8130–8135, 2015 में प्रकाशित।
7. वी.एस.वी. सत्यनारायण, पी.जी रेड्डी, सी.पी. प्रदीप "सिंथसीज, स्ट्रक्चर, सेल्फ असेम्बली एण्ड जीनोटोक्सिटी इवैल्यूशन ऑफ ए सीरीज ऑफ Mn एंडरसन क्लसटर बेस्ड पोलियोक्सोमेटालेट-ऑरगेनिक हाइब्रिडज", आरएससी एडव., भाग 5, पृष्ठ 59609–59615, 2015 में प्रकाशित।
8. सी.पी. प्रदीप, एल. कोनिन, टी. लियु; सेल्फ-असेम्बली ऑफ ट्राइएंगुलर पोलियोक्सोमेटालेट-ऑरगेनिक हाइब्रिडज मेक्रो आयनज इन मिक्सड सोलवेंटज बी. झंग, कैम, कम्प्युन., भाग 51, पृष्ठ 8630–8633, 2015 में प्रकाशित।
9. एम. देवी, ए. धीर, सी.पी प्रदीप; "ए ट्रिस (हाइड्रोक्सीमीथाईल) एमीनोमीथेन-रोडेमाइन सपिरोलेक्टम डेरीवेटिव एज डुअल चैनल pH एण्ड वाटर

- सेंसर एण्ड इटस एप्लीकेशन टु बायो इमेजिंग”, यूरो. जे. ऑरग. कैम., पृष्ठ 4650–4657, 2015 में प्रकाशित।
10. वी. कल्याणी, वी.एस.वी. सत्यनारायण, ए.एस. सरकार, ए. कुमार, एस.के. पाल, एस. घोष, के.ई. गोन्सेल्वज, सी.पी. प्रदीप; “ए रेडीएशन सेंसिटीव हाइब्रिड पोलिमर बेस्ड ऑन Mn एंडरसन पोलियोक्सोमेटालेट कल्सटर एण्ड ए यूवी एक्टिव ऑरगेनिक मोनोमर: सिनर्जिस्टिक इफेक्टस लीड टु इम्प्रूव्ड फोटोकॉरंट इन ए फोटोरोसीपोन्स डीवाईस”, आरएससी एडव., भाग 5, पृष्ठ 36727–36731, 2015 में प्रकाशित।
  11. पी.जी. रेड्डी, वी.एस.वी. सत्यनारायण, वी. दूबे, ए.आर. घोष, सी.पी. प्रदीप; “[P<sub>2</sub>V<sub>3</sub>W<sub>15</sub>O<sub>62</sub>]<sup>9-</sup> कल्सटर बेसड कोवेलेंट पोलियोक्सोमेटालेट-ऑरगेनिक हाइब्राईड: सिंथसीज, स्ट्रक्चर, सेल्फ असेम्बली एण्ड इन विट्रो एन्टीओक्सीडेंट एक्टिविटीज”, इनऑरग. कैम. कम्प्युन. भाग 56, पृष्ठ 65–68, 2015 में प्रकाशित।
  12. रेणु चौधरी, पंकज कुमार, प्रियंका मनचन्दा, डेविड जे. सेलीमायर, पीटर ए. डोवबीन, आरती कश्यप और रालफ स्कोमस्की; “इंटरफेस-इन्ड्यूस्ड स्पिन पोलेराइजेशन इन ग्राफीन ऑन कोमिया”, आईईईईई मैग्नेटिक लेटरज (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित।
  13. तुषार भाई राना, आरती कश्यप सुभायन बिस्वास, रीनत सबिरिनोव; “इलेक्ट्रिक फील्ड इन्ड्यूस्ड मोडिफिकेशन ऑफ मैग्नीटिज्म इन प्लेटिनम ट्राइपोड ऑन Pt (111) सर्फेस” रसायनिक भौतिकी पत्र (स्वीकृत, 2016) में प्रकाशित।
  14. टी.एच. राना, पी. मनचन्दा, बी. बालामुरुगन, ए. कश्यप, टी.आर. गेओ, आई टेकुची, जे. कन, एस. बिस्वास, आर.एफ. सबिरिनोव, डी.जे. सेलीमायर और आर. स्कोमस्की; MnBi:FeCo पतली झीलियों का सूक्ष्म चुम्बकत्व: जे. फीजिक्स. डी: अप्लाईड फीजिक्स 49,075003–1–6 (2016) में प्रकाशित।
  15. रेणु चौधरी, राल्फ स्कोमस्की और आरती कश्यप; “Cr2O3 पतली झिल्ली में चुम्बकत्व: प्रारम्भिक अध्ययन” चुम्बकीय विज्ञान में संचालन, आईईईईई, 51 2300703, 2015 में प्रकाशित।
  16. वाई. हुह, पी. खरेल, ए. नेल्सन, वी.आर. शाह, जे. पीरीयो, पी. मनचन्दा, ए. कश्यप, आर. स्कोमस्की और डी.जे. सेलीमायर; “चुम्बकीय और Mn2PtSn के इलेक्ट्रॉन परिवहन गुणों पर Co प्रतिस्थापन का प्रभाव”, जे. फीजिक्स: कन्डेस. मैटर 27076002, 2015 में प्रकाशित।
  17. आर. चौधरी, पी. मनचन्दा, ए. एन्डरज, बी. बालामुरुगन, ए. कश्यप, डी.जे. सेलीमायर, ईसीएच साइक्स, आर. स्कोमस्की; “स्पिन संशोधित उत्प्रेरक”, जर्नल ऑफ अप्लाईड फीजिक्स 117(17), 17डी 720 (2015) में प्रकाशित।
  18. आर. स्कोमस्की, पी. मनचन्दा, ए. कश्यप “कोरीलेशन इन रेअर अर्थ ट्रांजीशन-मेटल परमानेंट मैग्नेट्स”, जर्नल ऑफ अप्लाईड फीजिक्स 117(17), 17डी 740 (2015) में प्रकाशित।
  19. ए. कुमार, राजेन्द्र के. रे; “नुमैरिकल स्टडी ऑफ शियर फ्लो पास्ट ए सक्थोर” सीलिंडर एट रीनोल्डज नम्बरज 100, 200, प्रोसीडिया इंजीनियरिंग (एल्सवियर), 2015, 127, 102–109 में प्रकाशित।
  20. एच.वी.आर. मित्तल, राजेन्द्र के. रे; “एन HOC बेसड इमर्सड इंटरफेस स्कीम फॉर यूनीफॉर्म फ्लो पास्ट ए सर्कुलर सीलिंडर”, प्रोसीडिया इंजीनियरिंग (एल्सवियर), 2015, 127, 244–249 में प्रकाशित।
  21. एस. त्यागी, एस. अब्बास, राजेन्द्र के. रे; “स्टेबिलिटी एनालायसिस ऑफ एन इन्टीग्रो डिफरेंशियल इक्वेशन मॉडल ऑफ रिंग न्युरल नेटवर्क विद डीले”, गणितीय विश्लेषण और इसके अनुप्रयोग (सिप्रंगर), 2015, 37–49 में प्रकाशित।
  22. एच.वी.आर. मित्तल, जितेन सी. कालिता, राजेन्द्र के. रे. “ए क्लास ऑफ फिनाइट डिफरेंस स्कीमज फॉर इंटरफेस प्रॉबलमज विद एन एचओसी एप्रोच”, इंटरनेशनल जर्नल फॉर नुमैरिकल मैथडज इन फ्लयूइडज (वाइली), डीओआई: 10.1002/एफलडी. 4231 में प्रकाशित।
  23. एच.वी.आर. मित्तल, जितेन सी. कालिता, राजेन्द्र के. रे; “एज डीटेक्टरज बेस्ड टेलीग्राफ टोटल वेरीएशनल मॉडल फॉर इमेज फिल्टरिंग” इन्फोर्मेशन सिस्टमज डीजाईन एण्ड इंटेलीजेंट एप्लीकेशनज (सिप्रंगर), 2016, 119–126 में प्रकाशित।
  24. ए. कुमार. राजेन्द्र के. रे.; “हायर ऑर्डर कम्पैक्ट न्युमैरिकल सिमुलेशन ऑफ शियर फ्लो पास्ट इन्कलाईड सक्थोर सीलिंडर” एडवांसिज इन इन्टेलीजेंट सिस्टमज एण्ड कम्प्यूटिंग सीरीज (सिप्रंगर), 2016 (स्वीकृत) में प्रकाशित।
  25. एस.के. जैन, राजेन्द्र के. रे.; “एन अल्ट्रानेटिव फ्रेमवर्क ऑफ एनीसोट्रॉपिक डिफ्यूजन फॉर इमेज डीनोइजिंग”, एसीएम इंटरनेशनल कान्फ्रेंस प्रोसीडींगज सीरीज, 2016 (स्वीकृत) में प्रकाशित।
  26. एम.के. हूडा, सी.एस. यादव; “इलेक्ट्रॉनिक प्रोपर्टीज एण्ड द नेचर ऑफ मेटल-इन्सुलेटर ट्रांजीशन इन NdNiO<sub>3</sub> प्रीपेयर्ड ऐट एम्बिएंट ऑक्सीजन प्रेशर” फीजिका बी 491,31 (2016) में प्रकाशित।
  27. टी.एस. त्रिपाठी, सी.एस. यादव और एम. कारपिनन; “ट्रांसपेरेंट फेरोमेगनेटिक सेमीकंडक्टिंग CuCr<sub>2</sub>O<sub>4</sub> थिन फिल्मज बाई अटोमिक लेयर

- डीपोजीशन”, अफ्लाईड फीजिक्स लैटर्ज मटेरियलज 4,046106 (2016) में प्रकाशित ।
28. नीतु कुमारी और सन्दीप शर्मा; “क्या पानी संक्रमण रोगों में कीटाणुनाशक की सहायक भूमिका निभाता है? गणितीय अध्ययन”, स्वीकृत नेचुरल रीसोर्स मॉडलिंग (वीली) (इम्पैक्ट फैक्टर 1.196) (2016) में प्रकाशित ।
  29. \*\*आर.डी. प्रसाद, एस. भौमिक, वी चन्द, नीतु कुमारी और नेहा सिन्हा; भारत क्या बोल रहा है? एकसपलोरिंग द “हिंगलिश” इन्वेशन, फीजिका ए (एल्सवियर), भाग 449, पृष्ठ 375–389 । (इम्पैक्ट फैक्टर 1.732) (2016) में प्रकाशित ।
  30. आर.डी. प्रसाद, के. ब्लैक, ई. क्वेंसाह, आर.के. उपाध्याय, एस.के. तिवारी और नीतु कुमारी; “लॉग टाईम डायनेमिक्स ऑफ ए थ्री–स्पीसीज फूड चेन मॉडल विद एल्ली इफेक्ट इन द टॉप प्रीडेटर, कम्प्यूटरज एण्ड मैथेमेटिक्स विद एप्लीकेशन्ज” (एल्सवियर), भाग 71, पृष्ठ 503–528 (इम्पैक्ट फैक्टर 1.697) (2016) में प्रकाशित ।
  31. आर.डी. प्रसाद, नीतु कुमारी सैड कॉची; ए रीमार्क ऑन “स्टडी ऑफ ए लीस्ती गोवर टाईप ट्राईट्रोफिक पॉपुलेशन मॉडल [psvksl सोलिशनज और फ्रैक्टलज 14 (2002) 1275–1293,” चेओस सोलिशनज और फ्रैक्टलज (एल्सवियर), भाग 71 पृष्ठ 22–28, (इम्पैक्ट फैक्टर 1.448) ‘नेशनल डेली’ में इस कार्य पर विस्तार से बल दिया था। “द टेलीग्राफ” [http://www.telegraphindia.com/1160117/jsp/nation/story\\_64295.jsp#.VqSOCogrI8A](http://www.telegraphindia.com/1160117/jsp/nation/story_64295.jsp#.VqSOCogrI8A) (2015) में प्रकाशित ।
  32. टोटो ए, कैमिलोनी सी, गिरी आर., ब्रुनोरी एम., वेन्दुस्कोलो एम, गिआनी एस.; “मोलिक्यूलर रेकोगनिशन बाई टेम्पलेटिड फोल्डिंग ऑफ ऐन इन्ट्रीन्सिकली डिस्ऑर्डर्ड प्रोटीन”, साई. रीप. 2016 फरवरी 25; 6:21994 में प्रकाशित ।
  33. डे जी, गौर पी., गिरी आर, घोष एस.; “जैव द्रवों में दृष्टि सम्बन्धी संकेतन: सीरम एल्बुमिन्ज के लिए नॉनडीनेचरिंग फोटोस्टेबल आण्विक जांच”, कैम, कम्प्यून. (कैम्ब), 2016 जनवरी 21; 52 (9): 1887–90 में प्रकाशित ।
  34. वैन सोवन बी., सेलवरत्नम आर., गिरी आर., लोरेंज आर., हरबर्ग एफ.डब्ल्यु, किम सी., मेलासिनी जी. “प्रोटीन कार्बोहाइड्रेट (पीकेजी) में कॅप आंशिक एगोनिज्म की क्रियाविधि”, जे बिओल कैम. 2015 नवम्बर 27; 290 (48): 28631–41 में प्रकाशित ।
  35. महमूद घोरानीविस, अजय सोनी, अल्जीरिया टेलीबिटाहर और नेकडट असलान; “अति सूक्ष्म सामग्री विश्लेषण, चरित्रण और अनुप्रयोग”, संपादकीय, जर्नल ऑफ नैनोमटीरियलज, 892542 (2015) में प्रकाशित ।
  36. महेश सोनी, तरुण अरोड़ा, रोबिन खोसला, पवन कुमार, अजय सोनी और एस.के. शर्मा; “इन्टीग्रेसन ऑफ हाइली सेंसिटिव ऑक्सीजीनेटीड ग्राफीन विद एल्युमिनियम माइक्रो इन्टरडिगनेटिड इलेक्ट्रोड अर्से बेसड मोलिक्यूलर सेंसर फॉर डीटेक्शन ऑफ एक्यूअस फ्ल्यूराइड अनायनज”, आईईईईई सेंसर्ज जर्नल 16 (6) 1524 (2016) में प्रकाशित ।
  37. महेश सोनी, एस.के. शर्मा और अजय सोनी; “डूअल गेट टयुनेबल एण्ड हाई रीस्पॉसिविटी. ग्राफीन बेसड फील्ड इफैक्ट ट्रांजीसटरज, मैक्रोमोलिक्यूलर सिंपोजिया, सॉफ्ट मटीरियलज, 357 (1) 12 (2015) में प्रकाशित ।
  38. अलाम एस. अब्बास एस. नाइटो, जे.जे.; पीरीओडिक सोल्यूशनज ऑफ ए नॉन ऑटोनोमस लीस्ती–गोवर प्रीडेटर–प्रे मॉडल विद नॉन लाईनर टाईप प्रे हार्वेस्टिंग ऑन टाईम स्केलज, डिफरेंशियल इक्वेशन्ज एण्ड डायनेमिकल सिस्टम्ज, 2015 में प्रकाशित ।
  39. अब्बास एस, बहुगुणा, डी. बशीर, ई.बी.एम. पतिदार, के.सी.; “श्यूडो आल्मोस्ट पीरिओडिक मिल्ड सोल्यूशनज ऑफ क्वेसीलाइनर फंक्शनल इक्वेशन्ज विद एप्लीकेशन टु मैथेमेटिकल बायोलॉजी”, नियुरल, पैरालल और साईंटिफिक कम्प्यूटेशन्ज, 23, 318–334, 2015 में प्रकाशित ।
  40. अब्बास एस. “डायनेमिकल एनालायसिस ऑफ ए मॉडल ऑफ हार्मफुल एल्गा इन फ्लोइंग हैबिटेटज विद वेरीएबल रेटस”, अरैखिक विश्लेषण, आरडब्ल्युए, 22, 16–33, 2015 में प्रकाशित ।
  41. अब्बास एस. कविथा, वी. मुरुगोसु, आर; स्टेपनोव–लाइक वेटिड श्यूडो आल्मोस्ट ऑटोमोरफिक सोल्यूशनज टु फ्रैक्शनल ऑर्डर एक्सट्रेक्ट इन्टीग्रो–डिफरेंशियल इक्वेशन्ज”, प्रोसीडींगज मैथेमेटिकल साईंसिज, 125 (3), 323–351, 2015 में प्रकाशित ।
  42. त्रिपाठी जे.पी., अब्बास एस., ठाकुर एम.; ए डेन्सिटी डीपेन्डेन्ट डीलेड प्रीडेटर–प्रे मॉडल विद बेड्डींगटन–डीएंजिलस टाईप फंक्शन रीस्पान्स इनकॉरपोरेटिंग ए प्रे रीफ्यूज, कौम. नॉनलाईनीयर डायनेमिक्स, सिमु., 22(1), 427–450, 2015 में प्रकाशित ।
  43. त्रिपाठी, जे.पी. अब्बास, एस. ठाकुर, एम.; “डायनेमिकल एनालायसिस ऑफ ए प्रे–प्रीडेटर मॉडल विद बेडिंगटन–डी एन्जल्स टाईप फंक्शन रीस्पान्स इनकॉरपोरेटिंग ए प्रे रीफ्यूजी”, नॉनलाईनीयर डायनेमिक्स, भाग 80 जारी 1–2, पृष्ठ 177–196, 2015 में प्रकाशित ।
  44. हाफेद एम., अब्बास, एस. अब्बा, ए.; “ऑन मेन फील्ड पार्शियल इन्फॉर्मेशन मैक्सिमम प्रींसिपल ऑफ ऑप्टिमल कन्ट्रोल फॉर स्टोकेस्टिक सिस्टम्ज विद लीवी प्रोसैसिज”, जे. ऑप्टिमाइजेशन थियोरी एण्ड अपल. 167 (3), 1051–1059, 2015 में प्रकाशित ।

45. बनर्जी एम., अब्बास, एस.; "एकजीस्टेंस एण्ड नॉन-एकजीस्टेंस ऑफ स्पेशियल पैटर्नज इन ए रेशो-डीपेन्डेंट प्रीडेटर-प्रे मॉडल", इकोलॉजिकल कम्प्लेक्सिटी, भाग 21, 199-214, 2015।
46. महतो एल., अब्बास एस.; "पीसी आल्मोस्ट ऑटोमोरफिक सोल्यूशन ऑफ इम्पलसिव फ्रैक्शनल डिफरेंशियल इक्वेशन्ज", स्वीकृत, मेडीटीरेनीयन जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स, जुलाई 2015, भाग 12, जारी 3, 771-790 में प्रकाशित।
47. अब्बास एस., जिया योंघुवी; "आल्मोस्ट ऑटोमोरफिक सोल्यूशन ऑफ इम्पलसिव सेलुलर न्युरल नेटवर्कस विद पिसवाइज कान्सटेंट आरगुमेंट", न्युरल प्रोसेसिंग लेटर्ज, 42 (3), 2015, 691-702 में प्रकाशित।
48. कविथा वी., अब्बास एस. मुरुगेषु, आर.; "असीम्पोटिकली आल्मोस्ट ऑटोमोरफिक सोल्यूशन ऑफ फ्रैक्शनल ऑर्डर नियुटरल इंटीग्रो डिफरेंशियल इक्वेशन्ज", स्वीकृत, बुलेटिन ऑफ मलेशियन मैथ सोसाइटी, प्रैस 2015 में प्रकाशित।
49. त्रिपाठी जे. पी., त्यागी एस., अब्बास एस.; "ग्लोबल एनालायसिस ऑफ ए डीलेड डेन्सिटी डीपेन्डेंट प्रीडेटर-प्रे मॉडल विद कोली-मार्टिन फंक्शनल रीस्पॉन्स", कॉम, नॉनला. साईंस. नुम. सिमु. 30 (1), 45-69, 2016 में प्रकाशित।
50. हाफेयेद एम., अब्बा ए., अब्बास एस.; "ऑन पार्शियल इन्फोर्मेशन ऑप्टिमल सिंगुलर कन्ट्रोल प्रॉब्लम फॉर मेन फील्ड स्टोकेस्टिक डीफरेंशियल इक्वेशन्ज झाइवन बाई टीयुगलज मार्टिनगेल मेजर्ज", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कन्ट्रोल, 89 (2), 397-410, 2016 में प्रकाशित।
51. सरिता आज़ाद और एम. राजीवन (2016); "पौसीबल शिफ्ट इन द इन्सो-इंडियन मॉनसून रेनफाल रिलेशनशीप अंडर फ्यूचर ग्लोबल वार्मिंग", साईंटिफिक रीपोर्ट 6, 20145; डीओआई: 10.1038/srep.20145 में प्रकाशित।
52. पी. जीना, सरिता आज़ाद और एम. राजीवन; "CMIP5 प्रोजेक्टिड चेंजिज इन द एन्युल साईक्ल ऑफ इंडियन मॉनसून रेन फॉल", क्लाइमेट 4(1): 14 (2016) में प्रकाशित।
53. पंकज नारुला, सरिता आज़ाद और पाइट्रो लिओ; "ए बेशियन फ्रेमवर्क फॉर एस्टीमेटिंग रीप्रोडक्शन नम्बर इन टयूबरक्लोसिस ट्रांसमिशन मॉडल", एशिया पेसिफिक जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ (सेज) 27(7): 723-732 (2016) में प्रकाशित।
54. पंकज नारुला, पी. सिहोता, सरिता आज़ाद और पाइट्रो लिओ; "एनालाइजिंग सीजेनेबिलिटी एण्ड प्रीडेक्टरज ऑफ टयूबरक्लोसिस एकोस इंडियन स्टेटस", जर्नल ऑफ एपिडिमीयोलोजी एण्ड ग्लोबल हेल्थ (एल्सवियर) 4 (5): 337-346 (2015) में प्रकाशित।
55. सरिता आज़ाद, एस. देबनाथ और एम. राजीवन; "एनालाइजिंग प्रीडिक्टेबिलिटी इन इंडियन मॉनसून: ए डेटा एनालायटिक अप्रोच", एनवायरन्मेंटल प्रोसेस (स्प्रिंगर) 2 (4): 717-727 (2015) में प्रकाशित।
56. दीपक शर्मा और सरिता आज़ाद; "भारत के ऊर्जा संसाधनों का चयन: अस्पष्ट निर्णय उपागम", ऊर्जा प्रणालियां (स्प्रिंगर) 6 (3): 439-453 (2015) में प्रकाशित।
57. पी. जीना, सरिता आज़ाद और एम. राजीवन; "स्टैटिस्टिकल सीलेक्शन ऑफ द बेस्ट मॉडल इन द CMIP5 सेट फॉर क्लाइमेट चेंज प्रोजेक्शन ऑफ इंडियन मॉनसून रेनफाल" क्लाइमेट 3: 858-875 (2015) में प्रकाशित।
58. दर्सी रामबाबू, चुल्लीक्काटिल पी. प्रदीप, अभिमन्यु धीर; "निक्कल-सोडियम पाइरीन टेट्रासल्फोनिक एसिड बेस्ड को-ओर्डिनेशन पोलिमेर ऐज फ्ल्यूरोसेंट टेम्पलेट फॉर रीकॉगनिशन ऑफ एजू डाईज, सेंसर्ज एण्ड एक्युटेज" बी. कैमिकल, 225, 2016, 586 में प्रकाशित।
59. दर्सी रामबाबू, चुल्लीक्काटिल पी. प्रदीप, पूजा, अभिमन्यु धीर; सेल्फ-असेम्बल्ड मटीरियल ऑफ पेलाडियम नैनो पार्टिकल्ज एण्ड ए थाइकेलिक्स [4] एरीन, Cd (II) कम्प्लैक्स एज एन एफिसिएंट कैटालाइस्ट फॉर नाइट्रो-फीनोल रीडक्शन", न्यु जर्नल ऑफ कैमिस्ट्री, 39, 2015, 8130 में प्रकाशित।
60. एच.एस. कुशवाहा, एन.ए. माधर, बी. इलाही, पी. थोमस, ए. हल्दर, आर. वैश; "एफिसिएंट सोलर एनर्जी कन्वर्सन यूजिंग CaCu<sub>3</sub>Ti<sub>4</sub>O<sub>12</sub> फोटोएनोड फॉर फोटोकैटालाइसिस एण्ड फोटोइलेक्ट्रोकेटालाइसिस, नेचर साईंटिफिक रीपोर्ट 6, 2016 में प्रकाशित।
61. एच.एस. कुशवाहा, अदिति हल्दर, डी. जैन, राहुल वैश; "बीजिबल लाइट-इंडयूस्ड फोटोकैटालाइटिक एण्ड एन्टीबैक्टीरियल एक्टिविटी ऑफ Li डोपेड Bi<sub>0.5</sub>Na<sub>0.45</sub>K<sub>0.5</sub>Ti<sub>0.3</sub>-BaTiO<sub>3</sub> फेरोइलेक्ट्रिक सीरामिक्स", जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मटीरियल्ज, नवम्बर 2015, भाग 44, जारी 11, पृष्ठ 4334-42।
62. नवनीत सिंह, एस. खालिद, और आर. बिन्दु; "लोकल स्ट्रक्चरल इफैक्टस इन Sr<sub>3</sub>NiRhO<sub>6</sub> एकोस मैग्नीटिक ट्रांजीशन", मेटर. रीज. एक्सप्रेस 3(2016) 046301 में प्रकाशित।
63. गणेश अधिकारी, नवनीत सिंह और आर. बिन्दु; "BaBiO<sub>3</sub> का एनोमेलस तापमान चलन", मेटर. रीज. एक्सप्रेस 2, 126001 (2015) में प्रकाशित।

64. नवनीत सिंह, एम. मणिराज, जे. नायकब, एस.के. पाण्डे, आर. बिन्दु; "La<sub>0.2</sub>SrO<sub>0.8</sub>MnO<sub>3</sub> की प्रावस्था पृथक्कृत विपरिवर्तित फोटोमिशन स्पेक्ट्रोमीकी का अध्ययन" सोलिड स्टेट कम्युनिकेशन 217,70–73 (2015) में प्रकाशित।
65. आर.के. मौर्य, एन. सिंह, एस.के. पाण्डे और आर. बिन्दु; "MnTiO<sub>3</sub> में प्रचक्रण जालक युग्मक का प्रमाण: एक एकसरे विवर्तन अध्ययन", यूरो. फीजि. लेटर्स 110, 27007 (2015) में प्रकाशित।
66. एम. मुस्लिम और राजू के. जॉर्ज; "ट्रेजक्टरी कन्ट्रोलैबिलिटी ऑफ द नॉनलाईनीयर सिस्टम्स गवर्नड बाई फ्रैक्शनल डिफरेंशियल इक्वेशन्स", डिफरेंशियल इक्वेशन्स और डायनेमिक सिस्टम्स में स्वीकृत।
67. एम. मुस्लिम, अवधेश कुमार और रवि पी. अग्रवाल; "एकजेक्ट एण्ड ट्रेजक्टरी कन्ट्रोलैबिलिटी ऑफ सेकिंड आर्डर नॉनलाईनीयर इम्पल्सिव सिस्टम्स विद डेविएटीड आर्गुमेंट" फंक्शनल डिफरेंशियल इक्वेशन्स में स्वीकृत।
68. आर. सकथिवल, एम. राथिका एस. सन्तरा और एम. मुस्लिम; "ऑब्जर्वर-बेस्ड डिस्पीटिव कन्ट्रोल फॉर मारकोवियन जंप सिस्टम्स वाया डेल्टा ओपरेटरज", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम साइंस में स्वीकृत।
69. वी. शर्मा, एन. सिन्हा, डी. दत्त, एम. चावला और पी.एफ. सिरिल; "टयूनिंग द सरज एण्ड केटालाइटिक एक्टिविटीज ऑफ गोल्ड नैनोरोडज बाई कन्ट्रोलड कोटिंग ऑफ प्लेटिनम" जर्नल ऑफ कोलॉइड एण्ड इंटरफेस साइंस 463, 180–187, 2016 में प्रकाशित। डीओआई: 10.1016/j.jcis.2015.10.036।
70. आर. कुमार, पी.एफ. सिरिल, पी. सोनी; "टयूनिंग द पार्टिकल साइज एण्ड मोरफोलोजी ऑफ हाई एनर्जेटिक मटीरियल नैनोक्रेस्टलज" डीफेंस टेक्नोलोजी 11 (4), 382–389S, 2015 में प्रकाशित। डीओआई: 10.1016/j.dt.2015.07.002।
71. एस. दत्त, पी.एफ. सिरिल; "कन्ट्रोलिंग द मोरफोलोजी ऑफ पोलिएनलिन-प्लेटिनम नैनोकम्पोजिटज यूजिंग स्वोलन लिक्विड क्रिस्टल टेम्पलेटज" सिंथेटिक मेटल्स 209, 82–90, 2015 में प्रकाशित। डीओआई: 10.1016/j.synthmet.2015.07.012
72. आर. कुमार, पी.एफ. सिरिल और पी. सोनी; "ऑप्टिमाइज्ड सिंथेसिस ऑफ एचएमएक्स नैनोपार्टिकलज यूजिंग ए सिम्पल री-प्रेसिपिटेशन मैथड", जे. एनर्ज. मेटर. 33 (4), 277–287, 2015 में प्रकाशित।  
डीओआई: 10.1080/07370652.2014.988774।
73. आर. कुमार और पी.एफ. सिरिल; "कन्ट्रोलिंग द साइज एण्ड मोरफोलोजी ऑफ ग्रिसीओफुलविन नैनोपार्टिकलज यूजिंग पोलिमरिक स्टेबिलाइजर्स टु एन्हांस सोल्युबिलिटी एण्ड बायोअवेबिलिटी", जर्नल ऑफ नैनोपार्टिकल रीसर्च, 17 (6), 1–11, 201 में प्रकाशित। डीओआई: 10.1007/S 11051–015–3066–6।
74. एस. दत्त, आर. कुमार और पी.एफ. सिरिल; "ग्रीन सिंथेसिस ऑफ ए पैलाडियम-पोलिएनीलिन नैनोकम्पोजिट फॉर सुजुकी-मियूरा कपलिंग रिएक्सनज इन वाटर" आरएससी एडवांसीज 2015, 5, 33786–33791 में प्रकाशित। डीओआई: 10.1039/C5RA05007C
75. एस. दत्त, पी.एफ. सिरिल, विपुल शर्मा और सेल्वाकानन पेरीसेमी; "गोल्डकोर-पोलिएनीलिन सेल कम्पोजिट नैनोवायरज फॉर सर्ज एण्ड केटालाइटिक एप्लीकेशनज" नियु जर्नल ऑफ कैमिस्ट्री, 39 (2), 902–908, 2015 में प्रकाशित। डीओआई: 10.1039/C4NJ01521E
76. कुमार एस., सिंह पी., कुमार पी. श्रीवास्तवा, आर., पाल एस.के. घोष एस.; "एक्सपलोरिंग इमिसिव चार्ज ट्रांसफर प्रोसेस इन जीरो-टवीस्ट डोनोर-अक्सेप्टर मोलिक्यूलर डीजाईन एज डयूल स्टेट एमिटर" जे. फीजि. कैम. सी. (स्वीकृत)। डीओआई: 10.1021/acs.jpcc.6b01351
77. सरकार ए.एस., कल्याणी वी., गोन्सेल्वज के.ई., प्रदीप सी.पी., पाल एस.के.; "आयन मेडिएटिड चार्ज कैरियर ट्रांसपोर्ट इन ए नोवल रेडीएशन सेंसिटिव पोलियोक्सोमेटालेट-पोलिमर हाईब्रिड" आरएससी एडव. 2016, 6, 44838 में प्रकाशित।
78. कुमार पी., पाल एस.के.; "एब इनिशियो असेसमेंट ऑफ द स्ट्रक्चरल एण्ड ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक प्रोपर्टीज ऑफ ऑर्गेनिक -ZnO नैनोकल्सटरज" जे. फीजि. कैम. ए 2015, 119, 10067 में प्रकाशित।
79. सरकार ए.एस., पाल एस.के.; "एक्सपोनिशियली डिस्ट्रीब्युटिड ट्रैप-कन्ट्रोलड स्पेस चार्ज लिमिटेड कन्डक्शन इन ग्राफीन ऑक्साइड फिल्मज", जे. फीजि. डी: अप्लाईड फीजिक्स. 2015, 48, 445501 में प्रकाशित।
80. पाल एस.के.; वर्सेटाइल फोटोलुमिनीसेंस फरौम ग्राफीन एण्ड इट्स डेरीवेटिवज कार्बन 2015, 88,86 (समीक्षा शीर्षक) में प्रकाशित।
81. कल्याणी वी., सत्यनारायण वी.एस.वी., सरकार ए.एस., कुमार ए., पाल एस.के., घोष एस. गोन्सेल्वज, के.ई. प्रदीप, सी.पी.; "ए रेडीएशन सेंसिटिव हाईब्रिड पोलिमर बेसड ऑन एन Mn एंडरसन पालियोक्सोमेटालेट कलस्टर एण्ड ए यूवी एक्टिव ऑर्गेनिक मोनोमर: सिनरजिस्टिक इफैक्टस लीड टु इम्प्रूवड फोटोकॉरंट इन ए फोटोरीस्पॉन्स डीवाइस" आरएससी एडव. 2015, 5, 36727 में प्रकाशित।

82. कुमार पी., पास्चर टी., टेचिया एम., पाल एस.के.; "ग्लोबल एनालायसिस ऑफ क्वेंचिंग ऑफ द टाइम रीसोल्व्ड एमिशन ऑफ ZnO नैनोकिस्टलज बाई एडजोर्बड रोडेमाईन बी ऑन द बेसिस ऑफ टेचिया थीयोरी" जे. फोटोबियोल. फोटोकैम. ए. कैम. 2015, 296, 35 में प्रकाशित ।
83. मोहित के. शर्मा, कर्ण सिंह, के. मुखर्जी; जे मैग. मैटर. 414, 116–121 (2016) में प्रकाशित ।
84. वी. शर्मा, एस. कुमार और वी. कृष्णन; "होमोजीनीयस्ली एम्बेडिड Pt नैनोकल्सटरज ऑन अमोरफस टिटैनिया मैट्रिक्स ऐज हाइली ऐफिसिएंट वीजिबल लाइट एक्टिव फोटोकैटालिस्ट मटेरियल", मेटर. कैम. फीजिक्स, 179, 129–136, 2016 ।  
(<http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0254058416303352>)
85. के.एल. रेड्डी, एम. राय, एन. प्रभाकर, आर. आरपी, एस. बी. रे, एस.के. सिंह, जे.एम रोसेनहोम और वी. कृष्णन; "कन्ट्रोलड सिंथसीज, बायोइमेजिंग एण्ड टोक्सिसिटी असेसमेंटज इन स्ट्रॉंग रेड एमिटिंग Mn<sub>2</sub> डोपड NaYF<sub>4</sub>: Yb<sup>3+</sup>/Ho<sup>3+</sup> एनोफास्फोरस" आरएससी एडव. 6, 53698–53704, 2016 में प्रकाशित ।  
(<http://pubs.rsc.org/en/Content/Articlelanding/2016/RA/C6RA07106F>)
86. जी. डे, एम. वेंकटेश्वरलु, वी. विवेकानाथन, ए. प्रमाणिक, वी. कृष्णन और आर.आर. कोडार; "सब पिकोमोलर रीकोग्निशन ऑफ Cr<sub>3</sub> थ्रो बायोइन्सपायरड ऑरगेनिक-इन ऑरगेनिक ऐन्सेबल यूटिलाइजेशन" एसीएस सेंसर्ज, 1, 6, 663–669, 2016 में प्रकाशित ।  
(<http://pubs.acs.org/doi/abs/10.1021/acssensors.6b00046>)
87. जी.एस. थूल, के. नारायण स्वामी, ए. वेंकटेश्वर राओ, एस. नक्वी, वी. गुप्ता, एस. चन्द्र, वी. विवेकानाथन, आर. आर. कोडार, वी. कृष्णन और एस. पी. सिंह; "हाइली डाइरेक्शनल 1 डी सुपरामोलिक्यूलर एसेम्बली ऑफ नियु डिफेक्टोपाइरोलोपाइरोल बेरुड जेल फॉर ऑरगेनिक सोलर सैल एप्लीकेशन्ज" लैंग्मुइर, 32, 17, 4346–4351, 2016  
(<http://pubs.acs.org/doi/abs/10.1021/acs.langmuir.6b00846>)
88. एस. कुमार, वी. शर्मा और वी. कृष्णन; "आर्टिफिसियल फोटोसिंथसीज यूजिंग ग्राफीन बेसड नैनोमटीरियल्ज" एसएमसी बुलेटिन, 6, 3, 20–29, 2015 में प्रकाशित ।
89. चयन के. नन्दी, अभिषेक गुप्ता, नवनीत चन्द्र वर्मा और स्यामंतक खान; "कार्बन डाट्स फॉर नेकड आई कैलोरीमीट्रिक अल्ट्रा सेंसिटीव आर्सेनिक एण्ड ग्लुटेथिओन डीटेक्शन", बायोसेंसरज और बायोइलैक्ट्रॉनिक्स 81, 465, 2016 (आईएफ = 6.4) में प्रकाशित ।
90. चयन के. नन्दी और अभिषेक गुप्ता, नवनीत चन्द्र वर्मा, स्यामंतक खान, शालिनी तिवारी, अभिषेक चौधरी; "पेपर स्ट्रीप बेसड एण्ड लाइव सैल अल्ट्रा सेंसिटीव लैड सेंसर यूजिंग कार्बन डॉट्स सिंथीसाईज्ड फरोम बायोलॉजिकल मीडिया " \*2016, सेंसर्ज और एक्जुटेज बी 232,107, 2016 (आईएफ = 4.2) में प्रकाशित ।
91. चयन के. नन्दी और स्यामंतक खान, अभिषेक गुप्ता, नवनीत चन्द्र वर्मा; "टाईम रीसोल्व्ड एमिशन रीवेल्ज एन्सेम्बलज ऑफ एमिशिव स्टेज ऐज द ओरिजन ऑफ मल्टिकलर पल्यूरसेंस इन कार्बन डॉट्स", नैनो लेटर्ज 15, 8300, 2015 (आईएफ = 13.59) में प्रकाशित ।
92. चयन के. नन्दी, अभिषेक गुप्ता, अभिषेक चौधरी, पूजा मेहता, चारु द्विवेदी, स्यामंतक खान, नवनीत चन्द्र वर्मा, "नाइट्रोजन डोपड थियोल फंक्शनेलाइज्ड कार्बन डॉट्स फॉर अल्ट्रा सेन्सिटिव Hg (II) डीटेक्शन" कैम. कोम. 51,10750, 2015 (आईएफ = 6.83) में प्रकाशित ।
93. चयन के. नन्दी और स्यामंतक खान, नवनीत चन्द्र वर्मा, अभिषेक गुप्ता "रीवर्सिबल फोटोस्वीचिंग इन कार्बन डॉट्स" \* साई. रीप. (नेचर) 5, 11423, 2015 (5.57) में प्रकाशित ।
94. चयन के. नन्दी और चारु द्विवेदी, अभिषेक चौधरी, अभिषेक गुप्ता; "डायरेक्ट विजुएलाइजेशन ऑफ लैड कोरोना एण्ड इटस नैनोमोलर कलरीमीट्रिक डीटेक्शन यूजिंग एनिसोट्रोपिक गोल्ड नैनोपार्टिकल्ज", \* एसीएस अप्लाइड मैटर. इंटरफेसिज 7, 5039, 2015 । (आईएफ = 6.72) में प्रकाशित ।
95. चयन के. नन्दी और अभिषेक चौधरी, चारु द्विवेदी, मोहित चावला, अभिषेक गुप्ता; "लाईसीन एण्ड डिथियोथ्रीटोल प्रोमोटिड अल्ट्रासेंसिटीव ऑप्टिकल एण्ड कलरीमीट्रिक डीटेक्शन ऑफ मरकरी यूजिंग एनिसोट्रोपिक गोल्ड नैनोपार्टिकल्ज" \* जे. मैटर. कैम. सी, 3, 6962, 2015 (आईएफ=4.69)
96. चयन के. नन्दी और अभिषेक चौधरी, चारु द्विवेदी, अभिषेक गुप्ता; "वन पॉट सिंथसीज ऑफ डोक्सोरुबिसीन लोडीड गोल्ड नैनोपार्टिकल्ज फॉर सस्टेन्ड ड्रग रीलीज", आरएससी एडवांसज 5, 97330, 2015 (आईएफ=3.84) में प्रकाशित ।
97. चयन के. नन्दी और अभिषेक चौधरी, अभिषेक गुप्ता; "एनिसोट्रोपिक गोल्ड नैनोपार्टिकल फॉर द हाइली सेंसिटीव कलरीमीट्रिक डीटेक्शन ऑफ

- ग्लुकोज इन ह्यूमन यूरीन”, \* आरएससी एडवांस 5, 40849, 2015 (आईएफ=3.84) में प्रकाशित।
98. चयन के. नन्दी, स्यामंतक खान, अभिषेक गुप्ता, नवनीत चन्द्र वर्मा; “काईनेटिक्स ऑफ प्रोटीन एब्जोर्प्सन ऑन गोल्ड नैनोपार्टिकल्स विद वेरीएबल प्रोटीन स्ट्रक्चर एण्ड नैनोपार्टिकल साईज”, \* जे.कैम. फीजिक्स 143, 164709, 2015 (आईएफ= 2.95) में प्रकाशित।
  99. सुब्रत घोष और पंकज गौर, अजय कुमार, गौरव डे, राजेन्द्र कुमार, शालमोली भट्टाचार्य; सेलीनियम इनकोरपोरेटिड केशनिक ऑरगेनोकैल्कोजन: लाईव सैल कम्पैटिबल एण्ड हाईली फोटोस्टेबल मोलिक्यूलर स्टेन फॉर इमेजिंग एण्ड लोकेलाइजेशन ऑफ इन्ट्रासैलुलर डीएनए एसीएस” अप्लाईड मटीरियल्स एण्ड इंटरफेसिज 2016, 8, 10690–10699 में प्रकाशित।
  100. सतिन्द्र के. शर्मा, केन्थ ई. गोन्सेल्वज, सुब्रत घोष, वी.एस.वी. सत्यनारायण, बुलिट प्रमाणिक, छुल्लीकाटिल पी. प्रदीप, असरेल मोरेल्स—रेज, निकोला बटिना; “पैटर्निंग हाईली ऑर्डर्ड अरेज ऑफ कम्प्लैक्स नैनोफीचरज थो ईयूवी डायरेक्टिड पोलेरिटी स्वीचिंग ऑफ नैनोकैमिकली एम्पलीफाईड फोटोरीसिस्ट, साईटिफिक रीपोर्टज 2016, 6, 22664 में प्रकाशित।
  101. रजनीश गिरी, सुब्रत घोष, गौरव डे, पंकज गौर; “जैव द्रवों में दृष्टि सम्बन्धी संकेतन: सीरम एल्बुमिन्स के लिए नॉनडीनेचरिंग फोटोस्टेबल आण्विक जांच”, कैमिकल कम्प्युनिकेशन्स 2016, 52, 1887–1890 में प्रकाशित।
  102. सुब्रत घोष, सिसिर लोहार, सौगता सिन्हा, देबासीस दास; “ट्राई कलर एमिशन एण्ड कलरिमेंट्रिक रीकोग्निशन ऑफ एसीटेट यूजिंग सेमीकार्बेजाइड एण्ड थियोसेमीकार्बेजाइड डेरीवेटिवज: प्रयोगात्मक और अभिकलनात्मक अध्ययन”, स्पेक्ट्रोकेमिका एक्टा ए 2016, 155, 75–80 में प्रकाशित।
  103. सुब्रत घोष, एम. वेंकटेश्वरु, पंकज गौर, सौगता सिन्हा, अविजीत प्रमाणिक; “आण्विक स्तर पर प्रकाश भौतिकी के माध्यम से अध्ययन: स्ट्रक्चरल इम्प्लीकेशन्स ऑन द रीएक्टिविटी ऑफ डूअल-साईट सेंसिटिव पोलीशनल आईसोमरज टुवर्ड ए गेसोट्रांसमीटर (H<sub>2</sub>S)”, जर्नल ऑफ फीजिकल कैमिस्ट्री सी. 2015, 119, 19367–19375 में प्रकाशित।
  104. सुब्रत घोष, सुनील कुमार, पुनिता सिंह, ऋतु श्रीवास्तवा; “पैकिंग डायरेक्टिड बेनीफिसीयल रोल ऑफ 3-डी रीजिड एलिकाईलिक आर्मज ऑन टेम्पलेटीड मोलिकुलर एग्रीगेशन प्रॉब्लम”, आरएससी एडवांसज 2015, 5, 61249–61257 में प्रकाशित।
  105. सुब्रत घोष, सौगता सिन्हा, पंकज गौर, सागरिका देव, सुभ्रकान्ति मुखोपाध्याय, त्रिनेत्र मुखर्जी; “हाइड्रोजीन रीस्पॉन्सिव मोलिकुलर मटीरियल: ऑप्टिकल सिग्नेलिंग एण्ड मशरूम सैल स्टेनिंग”, सेंसर्ज एण्ड एक्युटेटरज बी: कैमिकल 2015, 221, 418–426 में प्रकाशित।
  106. सुब्रत घोष, सौगता सिन्हा, पंकज गौर, त्रिनेत्र मुखर्जी, सुभ्रकान्ति मुखोपाध्याय; एक्सपलोरिंग 1, 4 डिहाईड्रोक्सीएन्थाक्वीनोन ऐज लॉग रेंज एमिस्सिव रेशोमीट्रिक फ्ल्यूरोसेंट प्रोब फॉर सिग्नेलिंग Zn<sup>2+</sup>/PO4<sup>3-</sup>: एन्सेम्बल यूटीलाइजेशन फॉर लाईव सैल इमेजिंग, जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एण्ड फोटोबियोल, बी: बायोलोजी 2015, 148, 181–187 में प्रकाशित।

## पुस्तक अध्याय:

आर. गिरी, बी. वेनस्कोवन, एम. अकिमोटो, एस बोल्टन, के. मोलिची और जी मीलेसीनी, 10 असेसिंग साईक्लिक न्युक्लियोटाईड बाईंडिंग डुमेन अल्लोस्ट्री और डायनेमिक्स बाई एनएमआरस्पेक्ट्रोस्कोपी, साईक्लिक न्युक्लोटाईड सिग्नेलिंग 13, 165, सीआरसी प्रेस में प्रकाशित।

## सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत किए गए पत्र

1. डॉ. सी. एस. यादव ने दिनांक 24 से 29, 2015 के दौरान हॉंग कोंग, चीन में चीनी विश्वविद्यालय, हॉंग कोंग में आयोजित 2015 गोरडन अनुसंधान सम्मेलन: अपरंपरागत अधि चालकता: सामग्री और क्रियाविधि” में भाग लिया।
2. डॉ. सी. एस. यादव, जी. सेफार्थ, पी. पेड्राजिनी, एच. विलहेल्म, आर. सर्नी और डी. जेकार्ड ने “आयरन में अति चालकता: दबाव चक्रण का प्रभाव” पर पत्र प्रस्तुत किया।
3. डॉ. नीतु कुमारी ने दिनांक 30 अप्रैल, 2016 को भा.प्रौ.सं. मण्डी में “डायनेमिकल सिस्टम्स, स्टैटिस्टिक्स, नेटवर्किंग और कंट्रोल” पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला में “मौडलिंग लैंग्वेज डायनेमिक्स इन इंडिया: ए न्यु टविस्ट” पर वार्ता की।
4. डॉ. नीतु कुमारी ने दिनांक 7 दिसम्बर से 10, 2015 के दौरान अरीजोना अमेरीका में आंशिक भिन्नात्मक समीकरणों (पीडी15) के विश्लेषण पर एसआईएएम सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने “ट्युरिंग पैटर्न फोरमेशन इन ए होस्ट-पैरासिटॉयड – हाईपर पैरासिटॉयड सिस्टम” नामक पत्र प्रस्तुत किया।

5. डॉ. नीतु कुमारी ने जैव प्रौद्योगिकी और संगणनात्मक एवं समाकलनात्मक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली द्वारा दिनांक 18 से 20 मार्च तक नैनो बायो इंटरफेस-2016 सम्मेलन में संवेदन और थिरेनोस्टिक्स हेतु सूक्ष्म प्रौद्योगिकी पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
6. डॉ. सैयद अब्बास ने माह नवम्बर 2 से 6, 2015 को बायो मैट-2015, भा.प्रौ.सं. रुड़की में "पारिस्थितिकीय मॉडल के आवधिक और लगभग आवधिक समाधान" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
7. डॉ. सैयद अब्बास ने "आईसीएमबीएए- 2015", एएमयु, भारत में एनलायसिज ऑफ फ्रैक्शनल डिफरेंशियल पर पत्र प्रस्तुत किया।
8. मसकपल्ली एस.के.; मैपिंग सेलुलर मेटाबोलिज्म विद मेटाबोलोम और 13सी फ्ल्युक्सोमिक्स स्टडीज" 2015 एनएनएमसीबी राष्ट्रीय बैठक, आईआईएसईआर-एनसीएल पुना में दिनांक 27 से 30 जनवरी को भाग लिया। (आमंत्रित वक्ता)  
([https://sites/google.com/site/mathbiosymposium/home](https://sites.google.com/site/mathbiosymposium/home))
9. मनु श्री, मसकपल्ली एस.के.; "ऑप्टिमलसबस्ट्रेट डीजाइन टु केपचर मेटाबोलिक फलक्स फीनोटाईपस ऑफ जेंथोमोनेस कॅंपसट्रिस", 2015 एनएनएमसीबी राष्ट्रीय बैठक, पुना में दिनांक 27 से 30 जनवरी में भाग लिया।  
(<https://site.google.com/site/mathbiosymposium/home>)
10. मनु श्री, मसकपल्ली एस.के.; "सिलिको इवैल्यूशन ऑफ डिफरेंट [13C] ग्लुकोज ट्रेसर्ज टु राशनेलाईज 13 सी-फ्लोक्सोमिक्स स्टडीज ऑफ जेंथोमोनेस कॅंपसट्रिस- ऐन इंडस्ट्रीयल जेंथान प्रोज़्यूसर", निष्कर्ष पोस्टर प्रस्तुति के लिए स्वीकृत, माह मार्च 18 से 20, 2016 को भा.प्रौ.सं. मुम्बई में सैल फैक्ट्रीज (<http://www.che.iitb.ac.in/cellfactories/>) पर भारतीय-संयुक्त राष्ट्र कार्यशाला में भाग लिया।
11. मसकपल्ली एस.के. ने गणितीय और अभिकलनात्मक जीव विज्ञान (एनएनएमसीबी) के लिए राष्ट्रीय नेटवर्क, बैठक-2015 में पुना में भाग लिया।  
(<https://sites.google.com/site/mathbiosymposium/home>)
12. मसकपल्ली एस.के. ने माह नवम्बर 6 से 7, 2015 को भा.प्रौ.सं. मण्डी में आयोजित बायोएक्सएआईसी एकेडीमिया-इंडस्ट्री सम्मेलन में भाग लिया।
13. मसकपल्ली एस.के. ने दिनांक 18 से 19 दिसम्बर को भा.प्रौ.सं. मण्डी में आयोजित "उत्पाद प्रारूप और नवोत्थान" पर कार्यशाला में भाग लिया।
14. डॉ. प्रोसेनजीत मंडल ने माह दिसम्बर 13 से 14, 2015 में (राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान एनआईएसईआर भुबनेश्वर, उड़ीसा, भारत) "न्यूरोपेटाईडज और न्यूरोट्रांसमीटरज: रोल इन फीजियोलोजी एण्ड पैथेफीजियोलॉजी" पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
15. डॉ. प्रोसेनजीत मंडल ने मनीसर, दिल्ली-एनसीआर में युवा अनुसंधानकर्ताओं की बैठक-2016 में भाग लिया।
16. डॉ. अदिति हल्दर ने आईआईटी, बीएचयू में आयोजित "इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में पत्र प्रस्तुत किया। इसका "लो कोस्ट हाई डेन्सिटी कॉपर ऑक्साइड नैनोरौडज फॉर इलेक्ट्रोकेमिकली रीडक्शन ऑफ कार्बन डाईऑक्साइड" नामक शीर्षक था।
17. आर. बिन्दु और आर.के. मोर्य ने एआईपी सम्मेलन की कार्रवाईयां 1731, 140051 (2016) में "डोपड MnTiO3 पर संरचनात्मक अध्ययन" प्रस्तुत किया।
18. डॉ. मुस्लिम मलिक ने दिनांक 22 से 26 जून, 2015 को टीआईएफआर बंगलौर में एडवांसड समर स्कूल में "कंट्रोल और नुमैरिक फॉर फ्ल्यूड-स्ट्रक्चर इंटरैक्शन प्रॉब्लमज" पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
19. डॉ. मुस्लिम मलिक ने दिनांक 29 जून से 01 जुलाई, 2015 के दौरान टीआईएफआर बंगलौर में एडवांसड समर स्कूल में कंट्रोल और नुमैरिक फॉर फ्ल्यूड-स्ट्रक्चर इंटरैक्शन प्रॉब्लमज पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
20. डॉ. मुस्लिम मलिक ने दिनांक 4 जून से 06, 2015 के दौरान एएमयू, अलीगढ़ में "गणितीय जीव विज्ञान, विश्लेषण और अनुप्रयोग की आधुनिक प्रगति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में अनुसंधान पत्र प्रस्तुत किया। उनकी वार्ता का शीर्षक कंट्रोलेबिलिटी ऑफ ऐन एक्सट्रैक्ट डिफरेंशियल इक्वेशन विद डेविएटिड आर्गुमेंट था।
21. डॉ. मुस्लिम मलिक ने माह दिसम्बर 19-21, 2015 के दौरान "विश्लेषण और इसके अनुप्रयोग पर (आईसीएए-2015) अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में अनुसंधान पत्र प्रस्तुत किया। इनकी वार्ता का शीर्षक कंट्रोलेबिलिटी ऑफ सेकिंड आर्डर नॉनलिनीयर इम्पलसिव डिफरेंशियल इक्वेशन विद डेविएटेड आर्गुमेंट था।
22. डॉ. मुस्लिम मलिक को माह दिसम्बर 28-30, 2015 के दौरान दक्षिणी एशियायी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "आंशिक भिन्नात्मक समीकरणों में प्रचलन: सिद्धांत और अभिकलन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में वार्ता करने के लिए बुलाया था। इनकी वार्ता का शीर्षक "कंट्रोलेबिलिटी ऑफ सेकिंड आर्डर नॉनलाइनीयर डिफरेंशियल इक्वेशन विद डेविएटिड आर्गुमेंट" था।



23. भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 16 से 20 नवम्बर, 2015 के दौरान ऊष्मा और तरंग समीकरणों की नियंत्रकता पर उन्नत स्तरीय कार्यशाला में वक्ताओं में डॉ. मुस्लिम मलिक एक थे। इनकी वार्ता का शीर्षक "सावयव भिन्नात्मक समीकरणों की नियंत्रकता का परिचय" था।
24. प्रेम फीलिक्स सिरिल और राजकुमार ने दिनांक 14 से 17 दिसम्बर, 2015 के दौरान गितम विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम, भारत में सूक्ष्म विज्ञान, सूक्ष्म प्रौद्योगिकी और उन्नत सामग्री पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रेपेरेशन एण्ड करैक्टराईजेशन ऑफ सोलिड लिपिड नैनोपार्टिकल फॉर द डीलिवरी ऑफ पूअरली वाटर सोल्युबल ड्रग्स" पत्र प्रस्तुत किया।
25. प्रेम फीलिक्स सिरिल, तृप्ति वत्स, सुनील दत्त और राजकुमार ने दिनांक 6 से 10 दिसम्बर, 2015 के दौरान जे डब्ल्यू मैरिओट मारक्विस होटल दुबई, यूएई में चतुर्थ नैनोटुडे कान्फ्रेंस में "ए नोवल प्रोच टुवर्ड्स द सिंथसीज ऑफ प्रिस्टीन ग्राफीन/पीडी नैनो कम्पोजिट यूजिंग स्वॉल्लन लिक्विड क्रिस्टल एज सॉफ्ट टेम्पलेट्स एण्ड इट्स एक्स्ट्राऑर्डिनरी केटालाइटिक प्रोपर्टी इन सी-सी कप्लिंग रीएक्शन" प्रस्तुत किया।
26. प्रेम फीलिक्स सिरिल और राजकुमार ने औषधि में सूक्ष्म प्रौद्योगिकी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नैनो मैड 2015 नवम्बर 23 से 25 के दौरान मैनचेस्टर, संयुक्त राज्य में "सोलिड लिपिड नैनोपार्टिकल फॉर कंट्रोलड डीलिवरी ऑफ पूअर वाटर सोल्युबल ड्रग्स" पत्र प्रस्तुत किया।
27. प्रेम फीलिक्स सिरिल और राजकुमार ने दिनांक 8 से 10 जुलाई को सूक्ष्म विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आधुनिक प्रगति (रेनसेट) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रेपेरेशन एण्ड करैक्टराईजेशन ऑफ पालिविनाइल एल्कोहल स्टेबिलाईज्ड ग्रिसीयोफुलविन नैनोपार्टिकल" पर पत्र प्रस्तुत किया।
28. प्रेम फीलिक्स सिरिल और सुनील दत्त ने दिनांक 13 से 15 नवम्बर, 2015 के दौरान सूक्ष्म संरचित बहुलीय सामग्री (आईसीएनपीएम-2015) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, महात्मा गान्धी विश्वविद्यालय, कोटायम में "मोरफोलॉजी कंट्रोलड सिंथसीज ऑफ पोलिएनीलिन नैनो स्ट्रक्चर्स एण्ड इट्स नैनोकम्पोजिटज यूजिंग स्वॉल्लन लिक्विड क्रिस्टल एज सॉफ्ट टेम्पलेट्स" पर पत्र प्रस्तुत किया।
29. प्रेम फीलिक्स सिरिल, मोहित चावला और सुनील दत्त ने "कंट्रोलिंग द मोरफोलॉजी ऑफ मैटल नैनोस्ट्रक्चर्स एण्ड कम्पोजिट्स यूजिंग स्वॉल्लन लिक्विड क्रिस्टल टेम्पलेट्स" को इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी 2015 पर सीसीईएम समर स्कूल, मैकमास्टर विश्वविद्यालय, हेमिल्टन, ओंटेरियो, कनाडा में प्रस्तुत किया।
30. चयन कांति नन्दी ने दिनांक 2 से 4 मार्च 2016 के दौरान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद में "आण्विक स्पेक्ट्रोस्कोपी में आधुनिक प्रगति (आरएएमएस) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "मोलिक्यूलर मकैनिज्म ऑफ प्रोटीन कोरोना: रीसेंट अपडेट्स ऑन बोथ द थियोरीटिकल एण्ड एक्सपरीमेंटल फाईंडिंग्स" पत्र प्रस्तुत किया।
31. चयन कांति नन्दी ने दिनांक 15 से 19 मार्च 2016 के दौरान, टीआईएफआर, भा.प्रौ.सं. मुंबई में जैव विज्ञान में ऑप्टिक्स (ओडब्ल्युएलएस 2016) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रीसेंट अपडेट्स ऑन द फोटोल्युमिनीसेंस ओरिजन ऑफ कार्बन डॉट्स एण्ड इट्स एप्लीकेशन इन सिंगल मोलिक्यूल बलिकिंग माइक्रोस्कोपी" पर पत्र प्रस्तुत किया।
32. चयन कांति नन्दी ने दिनांक 2 से 4 सितम्बर, 2015 के दौरान बर्लिन, जर्मनी में जीवन विज्ञान में सिंगल मोलिक्यूल स्पेक्ट्रोस्कोपी एण्ड सुपर रीजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी (ओडब्ल्युएलएस-2016) पर बारहवीं अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "सिंगल मोलिक्यूल बलिकिंग एण्ड लोकेलाइजेशन बेस्ड सुपर रीजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी यूजिंग कार्बन डॉट्स" पर पत्र प्रस्तुत किया।
33. चयन कांति नन्दी ने दिनांक 31 अगस्त, 2015 को तकनीकी विश्वविद्यालय ब्रोन्सचवीग, जर्मनी में "सेल्फ एसेम्बलड नैनोपार्टिकल फॉर प्लाज्मोनिक सोलर सैल" पर पत्र प्रस्तुत किया।
34. चयन कांति नन्दी ने दिनांक 1 सितम्बर 2015 में तकनीकी विश्वविद्यालय ब्रोन्सचवीग, जर्मनी में "सिंगल मोलिक्यूल लोकेलाइजेशन बेस्ड मल्टीकलर 2 डी-स्ट्रॉम विद फोटोस्विचेबल कार्बन डॉट्स" पर पत्र प्रस्तुत किया।

## आयोजित सम्मेलन और कार्यशाला

1. दिनांक 16 से 20 नवम्बर, 2015 के दौरान भा.प्रौ.सं. मण्डी में आयोजित "कंट्रोलैबिलिटी ऑफ हीट एण्ड वेव इक्वेशन" पर कार्यशाला की आयोजन समिति की सदस्य डॉ. नीतु कुमारी थी।
2. दिनांक 30 अप्रैल, 2015 को भा.प्रौ.सं. मण्डी में "डायनेमिकल सिस्टम्स स्टैटिस्टिक्स, नेटवर्किंग एण्ड कंट्रोल" पर आयोजित कार्यशाला की आयोजन समिति की सदस्य डॉ. नीतु कुमारी थी।
3. दिनांक 16 से 20 नवम्बर, 2015 को एनपीडीईए-आईआईटीबी द्वारा प्रायोजित "एडवांसड लेवल वर्कशॉप ऑन कंट्रोलैबिलिटी ऑफ हीट एण्ड वेव इक्वेशन" की आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सैयद अब्बास थे।
4. डॉ. मुस्लिम मलिक ने भिन्नात्मक समीकरण, सिद्धांत, अभिकलन और अनुप्रयोग पर डीएसटी भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय कार्यक्रम

के अंतर्गत दिनांक 16 से 20 नवम्बर, 2015 के दौरान भा.प्रौ.सं. मण्डी में "ऊष्मा और तरंग समीकरणों की नियंत्रकता" पर उन्नत कार्यशाला आयोजित की।

पता निम्नलिखित है:

<http://iitmandi.ac.in/news/articles/mathworkshop2015.html>

5. डॉ. प्रेम फीलिक्स सिरिल ने दिनांक 12 से 14 दिसम्बर, 2015 के दौरान हिन्दुस्तान अभियांत्रिकी महाविद्यालय, मथुरा में सूक्ष्म संरचित सामग्री और सूक्ष्म यौगिकों पर तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनएम-2015) में "प्रेपैरेशन ऑफ नैनोस्ट्रक्चर्ड मटीरियल यूजिंग स्वील्लन लिक्विड क्रिस्टल टेम्प्लेट्स" का आयोजन किया।
6. डॉ. प्रेम फीलिक्स सिरिल ने दिनांक 23 से 25, नवम्बर 2015 के दौरान एनआईटी जयपुर, जयपुर में औषधि आविष्कार अनुसंधान में वर्तमान चुनौतियों (सीसीडीडीआर-2015) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नोवल मैथडज फॉर द नैनोफोरमुलेशन ऑफ फारेसीयुटिकल ड्रग्स" पर कार्यशाला आयोजित की।
7. डॉ. सुमन के. पाल ने अल्ट्रा फास्ट साईंसिज यूएफएस-2015, एसएनबीएनसीबीएस कलकत्ता की बैठक में "कैरियर डायनेमिक्स इन एंचोर्ड क्वांटम डॉट्स (क्यूडी): फेन्टोसेकिंड इन्साइट्स" का आयोजन किया।
8. डॉ. सुमन के. पाल ने दिनांक 10 से 12 जनवरी, 2015 को बीएचयू में फंटीयरज ऑफ स्पेक्ट्रोस्कोपी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ग्राफीन के यौगिकों और कार्बन अणुओं सहित अर्द्ध चालक अति सूक्ष्म सामग्री में फोटो उत्तेजक प्रक्रियाओं का समय समाधित स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन" का आयोजन किया।
9. डॉ. चयन के. नन्दी ने श्री सोविक चक्रवर्ती और कुमारी स्त्रिजा के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण का आयोजन किया।

**डॉ. मुस्लिम मलिक द्वारा आयोजित "ऊष्मा और लहर समीकरणों की नियंत्रकता" कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी**



### लोक सम्पर्क कार्यक्रम:

1. डॉ. श्याम मसकपल्ली ने वानस्पतिक उद्यान उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 12 जुलाई, 2015 को भा.प्रौ.सं. मण्डी में किया। ([http://www.iitmandi.ac.in/news/articles/botanical\\_garden.html](http://www.iitmandi.ac.in/news/articles/botanical_garden.html))
2. डॉ. अदिति हल्दर ने "ईशान विकास कार्यक्रम" के आयोजन में योगदान दिया।
3. डॉ. अदिति हल्दर ने दिनांक 23 से 25 जुलाई, 2015 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान त्रिची में दसवीं मध्य वर्ष सीआरएसआई रसायन विज्ञान सम्मेलन में भाग लिया और एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

4. डॉ. अदिति हल्दर ने दिनांक 9 सितम्बर, 2015 को कैम्ब्रिज, संयुक्त राज्य में आयोजित वाईआईएम-2015 में भा.प्रौ.सं. मण्डी का प्रतिनिधित्व किया।
5. डॉ. अदिति हल्दर ने दिनांक 14 अक्टूबर, 2015 को स्कूल छात्रों के लिए डीएसटी इन्सपायर अनिवार्य प्रशिक्षण शिविर, पालमपुर में परामर्शदाता के रूप में छात्रों से वार्ता की और व्याख्यान दिया।
6. डॉ. चयन के. नन्दी वर्ष 2015-16 के दौरान जीई हेल्थ केयर, टीआईएफआर मुम्बई, केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद और तकनीकी विश्वविद्यालय ब्रोन्सचविग जर्मनी गये।
7. डॉ. अदिति हल्दर ने औद्योगिकी संस्थानों की यात्रा की। वह अर्द्ध चालक अनुसंधान प्रयोगशाला, मोहाली, चण्डीगढ़ गयी।
8. डॉ. मुस्लिम मलिक 15 दिन के लिए भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी) त्रिवेंद्रम गये और दिनांक 2 जुलाई 2015 से 15 जुलाई, 2015 के दौरान प्राध्यापक राजु के. जॉर्ज के साथ कुछ सहयोगपूर्ण अनुसंधान कार्य किया।

### अन्य उपलब्धि / सम्मान

1. डॉ. प्रदीप सी. परमेस्वरन ने वर्ष 2015-16 हेतु ब्रिटिश परिषद् से गौरवपूर्ण 'न्युटन भाभा फंड रीसर्चर लिंकस वर्कशॉप ग्रांट' प्राप्त की। इस अनुदान के लिए नोटिंघम विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य सहयोग से आवेदन किया था। इससे भा.प्रौ.सं. मण्डी में अक्टूबर, 2016 में ऊर्जा, स्वास्थ्य और निरंतरता के लिए उन्नत सूक्ष्म सामग्री नामक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संयुक्त राज्य और भारत से 20 कैरियर अनुसंधानकर्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है।
2. डॉ. आरती कश्यप ने 1 जनवरी, 2015 से "सिमोन्ज एसोसिएट अवार्ड ऑफ आईसीटीपी", ट्राइस्टी, ईटली से प्राप्त किया।
3. डॉ. सैयद अब्बास को मार्च 2016 से स्प्रिंगर (आई एफ: 1.4) द्वारा प्रकाशित नूमेरिकल आलॉगरिथम के सहायक संपादक के रूप में नियुक्त किया है।
4. डॉ. चयन के. नन्दी ने भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्थापना दिवस पर उत्कृष्ट अनुसंधानकर्ता सम्मान प्राप्त किया।

### पेटेंट:

1. एम. हुसैन, पी. मंडल, डब्ल्यु. सोंग; हेपेटिक किस्सपेप्टीन सेक्रीशन इम्पेयरज इन्सुलिन सेक्रीशन फरौम पैनकीएटिक बीटा सेल किस्सपेप्टीन रीसेप्टर जीपीआर 54 एंटागोनिस्ट फॉर ट्रीटमेंट ऑफ प्रीडाइअबीटीज एण्ड डाइअबीटीज मेलीटस इन ह्यूमन्ज, यूएस, प्रोवीजनल पेटेंट एप्लीकेशन क्रमांक: 61/971,743।
2. अनुसंधानकर्ता- राजकुमार, प्रेम फीलिक्स सिरिल और प्रमोद सोन; "उच्च ऊर्जा यौगिक को बनाने के लिए अति सूक्ष्म कणों के लिए एक नयी ईएएसएआई प्रणाली" नामक पेटेंट क्रमांक 3939/डीईएल/2015 दिनांक 03/12/2015।

### सम्मेलन / आमंत्रित वार्ता:

1. डॉ. प्रोसनजीत मंडल ने दिनांक 13 से 14 दिसम्बर 2015 को अन्तर्राष्ट्रीय न्यूरोपेप्टाइड सोसाइटी की भारतीय उप महाद्वीपीय शाखा की दूसरी बैठक (राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान (एनआईएसईआर) भुबनेश्वर, उड़ीसा, भारत) में वार्ता की। इसका 'ग्लुकेगोन रेगुलेट्स हेपेटिक टु इम्पेयर इन्सुलिन सेक्रीशन' नामक शीर्षक था।
2. डॉ. बिन्दु राधामणि ने दिनांक 18 से 21 जनवरी 2016 के दौरान "एडवांसिज इन इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी-एक्सपरीमेंट एण्ड थियूरी (ईईएसईटी 2016)" पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
3. डॉ. चयन के. नन्दी ने टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, मुम्बई में व्याख्यान दिया।
4. डॉ. चयन के. नन्दी ने तकनीकी विश्वविद्यालय ब्रोन्सचविग, जर्मनी में वार्ता की।
5. डॉ. सुब्रत घोष ने दिनांक 16 जुलाई, 2015 को "फोटोरीसिस्टज फॉर नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स" पर रसायन विज्ञान विभाग, विश्व भारती विश्वविद्यालय में व्याख्यान दिया।
6. डॉ. सुब्रत घोष ने दिनांक 23 जनवरी, 2016 को रसायन विज्ञान में प्रगतिशील प्रचलन पर प्राध्यापक राम चन्द्र पॉल राष्ट्रीय संगोष्ठी, रसायन

विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय में "ओरगेनिक फोटोरीसिस्टज फॉर सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी" पर चर्चा की।

7. डॉ. प्रदीप सी. परमेस्वरन ने दिनांक 25 जनवरी, 2016 को ऐक्सएमआई, आरडब्ल्यूटीएच, आर्चेन विश्वविद्यालय में डेवेलपमेंट ऑफ केमोसेंसर्स फॉर पोटेन्शियल बायोलॉजिकल एप्लीकेशन्स पर व्याख्यान दिया।
8. डॉ. वेंकट कृष्णन ने दिनांक 27 से 29 अक्टूबर, 2015 में तुर्कु, फिनलैंड में आयोजित प्रथम फिनिश भारतीय संयुक्त सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
9. डॉ. वेंकट कृष्णन ने दिनांक 23 दिसम्बर, 2015 को इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और अलाईड टेकनीक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

## अन्य गतिविधियां:

### नयी निर्मित अनुसंधान सुविधा / स्थापना

1. डॉ. सी.एस. यादव और डॉ. कौस्तव मुखर्जी: वर्ष 2015-16 के दौरान प्रयोगशाला में दो महत्वपूर्ण उत्कृष्ट उपकरणों (पीपीएमएस और एमपीएमएस) को कम तापमान में भौतिक और चुम्बकीय गुणों के अध्ययन के लिए स्थापित किया। उच्च तापमान पर विद्युत प्रतिरोधकता मापन के लिए एक उपकरण को अभिकल्पित और प्रयोगशाला में निर्मित किया।
2. बिन्दु राधामणि: प्रकाश उत्सर्जन प्रयोगशाला की स्थापना।
3. डॉ. चयन के. नन्दी: पूर्ण निर्देश निर्मित उत्तम साधन की भा.प्रौ.सं. मण्डी में स्थापना।

## मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएच एवं एसएस)

भा.प्रौ.सं. मण्डी के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल की विशेषता इसके युवा और प्रतिभाशाली प्राध्यापक हैं जो विस्तृत अनुसंधान कार्य में लगे हैं। वर्ष 2015–16 में अर्थ शास्त्र और जर्मन अध्ययन जैसे विषयों में नये प्राध्यापकों को शामिल किया गया जिनसे हमारे युवा एवं उत्साही बी.टैक. छात्र निरंतर प्रेरित हुये हैं। इसके अतिरिक्त स्कूल ने “माईनर इन मेनेजमेंट” को प्रस्तावित किया। आशा है कि यह माईनर, हमारे अवर स्नातक छात्रों को संस्थान से बी.टैक. की उपाधि लेने के पश्चात् सरकारी, लाभ निरपेक्ष और व्यापारिक संस्थानों में महत्वपूर्ण निर्णय लेने और प्रबन्धन में सहायक होगा। ‘प्रबन्धन माईनर’ उन अवर स्नातक छात्रों के लिए भी सहायक होगा जो अपनी आजीविका के लिए एमबीए की उपाधि लेना चाहते हैं। यह स्कूल छात्रों को वैश्विक कार्यक्षेत्र में संप्रेषण कौशल और साहित्यिक गुण प्रदान करता है जो कि भा.प्रौ.सं. में स्कूल की मुख्य भूमिकाओं में से एक है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी में यह स्कूल संस्थान की उदार वित्तीय सहायता से भाषा प्रयोगशाला की स्थापना कर रहा है। आशा है कि यह प्रयोगशाला अध्यापकों और छात्रों को प्रभावी भाषा सीखने और प्रसार करने का अवसर देगी। गत वर्ष में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं, सम्मेलनों और गौरवमय अध्येतावृत्तियों में प्राध्यापकों के नाम प्रकाशित हुये। उल्लेखनीय है कि अभ्यागत प्राध्यापक प्रमोद तलगिरी की जर्मन-भारत के मध्य सम्बन्धों को प्रगाढ़ करने और भारतीय जर्मन सांस्कृतिक परस्पर वार्ता को बढ़ाने के लिए जर्मनी संघीय गणतंत्र में “क्रॉस ऑफ द आर्डर ऑफ मेरीट” (Bundesversienstorden) प्रदत्त उत्कृष्ट उपलब्धि है। यह जर्मनी संघीय गणतंत्र में राष्ट्र की सेवाओं के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान “आर्डर ऑफ मेरीट” है। अन्य प्राध्यापकों की पुस्तकें प्रैस में हैं तथा उन्होंने अपना पड़ाव प्राप्त किया है। प्राध्यापक तहे दिल से स्नातक और अवर स्नातक शिक्षण कार्यक्रमों में लगे हैं। इनमें बी.टैक. तृतीय के पाठ्यक्रम में बहुविषयक सामाजिक तकनीकी पाठ्यक्रम भी महत्वपूर्ण है।

### प्राध्यापक

#### डॉ. राजेश्वरी दत्त

##### अध्यक्षा

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: लेटिन अमेरीका, सामाजिक और

सांस्कृतिक इतिहास

कार्नेगेई मैलोन विश्वविद्यालय, अमेरीका

से पी.एचडी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-267043

ई-मेल: rdutt

#### डॉ. अशोक कुमार मोचेरला

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: भारत में सामाजिक धर्म, जाति

और ईसाई धर्म

भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी.

गृह नगर: तेनाली, आन्ध्र प्रदेश

दूरभाष: 01905-267135

ई-मेल: ashok

#### डॉ. भवेन्द्र पाल

संयुक्त प्राध्यापक

विशेषज्ञता: प्रबन्धन कूटनीति

प्रबन्धकीय वित्त, जैव प्रौद्योगिकी और

औषधीय प्रौद्योगिकी

जैव रसायन में पी.एचडी.

ई. रटगर्ज यू., नियु ब्रुन्सविक एनजे '77;

एमबीए, सीराक्यूज यू., सीराक्यूज एनवाई '85

गृह नगर: सेन मेटीओ, सीए अमेरीका

दूरभाष: 01905-267046

ई-मेल: bp

#### डॉ. अरुणा बोम्मरेड्डी

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: तुलनात्मक साहित्य, अंग्रेजी में

भारतीय साहित्य

हैदराबाद विश्वविद्यालय से पी.एचडी.

गृह नगर: हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश

दूरभाष: 01905-267121

ई-मेल: aruna

#### प्रा. बालासुन्दरम सुब्रमण्यन

अभ्यागत प्राध्यापक

विशेषज्ञता: जर्मन अध्ययन व राजनीतिक

दर्शनशास्त्र

जर्मन अध्ययन में पी.एचडी.

गृह नगर: वेलाचेरी, चिन्नई

दूरभाष: 01905-267062

ई-मेल: bs

#### डॉ. देविका सेठी

सहायक प्राध्यापिका

विशेषज्ञता: आधुनिक भारतीय इतिहास,

उपनिवेशवाद

राजनैतिक स्वतंत्रता, मुक्त भाषण और नियंत्रण

जेएनयू, नई दिल्ली से पी.एचडी.

गृह नगर: इलाहबाद, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 01905-267050

ई-मेल: devika

**डॉ. गोकुल सोमसेखरन**

शिक्षण सहयोगी  
विशेषज्ञता: जर्मन साहित्य  
मुक्त विश्वविद्यालय, बर्लिन से पी.एचडी.  
गृह नगर: थ्रिस्सुर, केरल  
दूरभाष: 01905-267134  
ई-मेल: gokul

**प्रा. प्रमोद तलगिरी**

अभ्यागत प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: हीगल का दर्शन शास्त्र  
और आधुनिकता की समीक्षा तथा तुलनात्मक  
पश्चिमी दर्शनशास्त्र, आधुनिक जर्मन साहित्य  
तुलनात्मक साहित्य  
म्युनिख, जर्मनी विश्वविद्यालय से पी.एचडी.  
गृह नगर: पुना  
महाराष्ट्र  
ई-मेल: pramod

**डॉ. रमना देवी ठाकुर**

अभ्यागत सहायक प्राध्यापिका  
विशेषज्ञता: प्रगतिशील अर्थशास्त्र  
हि.प्र.वि. शिमला से पी.एचडी.  
गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश  
दूरभाष : 01905-267044  
ई-मेल: ramna

**डॉ. शैल शंकर**

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता : पहचान और समूह गतिकी,  
स्वास्थ्य और कल्याण  
इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पी.एचडी.  
गृह नगर: दियोरिया, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267149  
ई-मेल: shail

**डॉ. श्यामसरी दासगुप्ता**

**सहायक प्राध्यापक**  
विशेषज्ञता: ऊर्जा और पर्यावरणात्मक  
आर्थिकी, जलवायु परिवर्तन अर्थ व्यवस्था  
प्रयुक्त अर्थमिती  
जादवपुर विश्वविद्यालय कलकत्ता से पी.एचडी.  
गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल  
दूरभाष: 01905-267118  
ई-मेल: shyamsree

**डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय**

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: सामाजिक धर्म, अर्बन समाज

**डॉ. मनु वी. देवादेवन**

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: दक्षिण एशिया में साहित्यिक अनुशीलन  
पूर्व आधुनिक दक्षिण एशिया और दक्षिणी एशियायी  
पुरालेखों में राजनीतिक तथा आर्थिक प्रगति  
मंगलोर विश्वविद्यालय, मंगलौर से पी.एचडी.  
दूरभाष: 01905-267147  
ई-मेल: manu

**डॉ. पूर्ण सिंह**

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: निगम वित्त, लघु वित्त  
पंजाब विश्वविद्यालय से पी.एचडी.  
गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश  
दूरभाष : 01905-267146  
ई-मेल: puran

**श्रीमती सारा लडास**

अभ्यागत जर्मन अनुदेशक  
विशेषज्ञता: जर्मन और रोम का दर्शनशास्त्र  
गृह नगर: वील डेर स्टेड्ट/स्टुटगार्ट

**डॉ. शर्मिला श्रीकुमार**

अभ्यागत सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: आत्मकथा अध्ययन, लिंग अध्ययन  
हैदराबाद विश्वविद्यालय से पी.एचडी.  
गृह नगर: इरनाकुलम, केरल

**डॉ. सुमन सिग्रोहा**

सहायक प्राध्यापक  
विशेषज्ञता: उपनिवेशवाद पश्च उपनिवेशवाद  
साम्राज्यवाद और प्रणय साहित्य  
भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एचडी.  
गृह नगर: फरीदाबाद  
दूरभाष: 01905-237994  
ई-मेल: suman.sigroha

**डॉ. तृप्ति सिंह**

शिक्षण सहयोगी  
विशेषज्ञता: भारतीय अंकीय कलाएं, मानस दर्शन,  
नयी मीडिया कलाएं और दृष्टि सम्बन्धी विषय का  
विकास  
बनस्थली विश्वविद्यालय, राजस्थान से पी.एचडी.  
गृह नगर: कानपुर, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267053  
ई-मेल: tripti

**डॉ. वरुण दत्त**

सहायक प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति)  
विशेषज्ञता: पर्यावरण सम्बन्धी निर्णय देना,

शास्त्र, सुधारोत्तर भारत  
भा.प्रौ.सं. मुम्बई से पी.एचडी.  
गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267142  
ई-मेल: surya

कृत्रिम ज्ञानता, मानवीय संगणक परस्पर वार्तालाप  
कार्नेगेई मैलोन विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. से पी.एचडी.  
गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश  
दूरभाष: 01905-267041  
ई-मेल: varun

## अनुसंधान परियोजनाएं

### बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

क्र.मां. क	परियोजना प्रायोजित कम्पनी	नाम	अन्वेषक	परियोजना लागत (रु.)
1	यूजीसी	दक्षिणी भारत में 16वीं शताब्दी पुनर्जागरण काल	डॉ. मनु वी. देवादेवन	48,00,000
2	संस्कृति मंत्रालय	पहाड़ी संस्कृति का संरक्षण	डॉ. रमना ठाकुर	7,00,000

### बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

क्र.मां. क	परियोजना प्रायोजित कम्पनी	नाम	अन्वेषक	परियोजना लागत (रु.)
1	मूल अनुदान	19वीं शताब्दी में मायन मेक्सिको और बीलाईज	डॉ. राजेश्वरी दत्त	6,20,000
2	मूल अनुदान	डिस्पेस्टर ऐट मास गेदरिंग: ए स्टडी ऑफ पिलग्रिम्ज शेयरड आईडेन्टीज एण्ड रिस्पॉन्सज टु केटास्ट्रोफिक फलडिंग	डॉ. शैल शंकर	4,20,000
3	आंतरिक	उद्यमिता कक्ष (आईईसी) भा.प्रौ. सं. मण्डी	प्रा. भवेन्द्र पॉल	2,00,000

## प्रकाशित पुस्तकें

- अरुणा बोम्मरेड्डी, तेलुगु महाकाव्य की कथा परम्पराएं, पालनाटिविरूला कथा, (प्रेस में)।
- मनु वी. देवादेवन, ए प्री हिस्टरी ऑफ हिन्दुइज़म, डी गुयटर, 2016।
- मनु वी. देवादेवन, कलिओ एण्ड हर डीसेडेंटस— ऐसेज फॉर केसवान वेलुथट, प्राइमस, 2016, (आगामी)।

## प्रकाशित पुस्तक अध्याय

- अरुणा बोम्मरेड्डी, सरस्वती अम्मल की कहानी का तेलुगु दारूलीसिना अकसारालु में अनुवाद (वीमन राइटिंग इन इंडिया)। (इडीएस) सुसी थारु और के. ललिथा, हैदराबाद: महिलाओं के अध्ययन के लिए अन्वेषी अनुसंधान संस्थान केन्द्र और हैदराबाद बुक ट्रस्ट, 2015, पृष्ठ 137-144 में प्रकाशित।

- श्यामश्री दास गुप्ता; "डीजाइनिंग पीएटी ऐज ए क्लाइमेट पोलिसी इन इंडिया: लैशन्ज लरंट फरौम ईयु-ईटीएस" एन. घोष, पी. मुखोपाध्याय, ए. शाह. एम. पाण्डा (इडीएस) प्रकृति, आर्थिकी और समाज: सम्पर्क अध्ययन, 2016 स्प्रिंगर। फ्रैंक वैन डेर साल्म और जोयश्री रॉय के साथ।
- बी. सुब्रमण्यन; भारत में अभियांत्रिकी शिक्षा, एक व्यापक सिंहावलोकन किश्चनस, एस.एच.; डिडायर, सी; जेमसन, ए.; मेगांक, एम; मिटकैम, सी; नियुबेरी, बी (इडीएस) अभियांत्रिकी शिक्षा में अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य: प्रकरण में अभियांत्रिकी शिक्षा और व्यवहार, भाग-1 स्प्रिंगर विज्ञान बिजनेस मीडिया बी.वी. हीडलबर्ग / न्युयार्क / लंदन 2015 में प्रकाशित।
- सुमन सिग्रोहा, हिंसा, सामाजिक कल्याण और प्रसिद्ध हिन्दी सिनेमा। एमसीएसडब्ल्यूईएलएल-2016, नई दिल्ली, 2016।

### प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

- अरुणा बोम्मरेड्डी, सम्मेलन की कार्रवाईयां: मृत्यु के बारे में। बीईएसएसएच-2016, एसबीएन न. 978-969-670-252-8।
- देविका सेठी, 'द लिवीड एक्सपीरियंस ऑफ टेक्नोलॉजी' (रीतिका प्रसाद की समीक्षा, ट्रेक्स ऑफ चेंज: रेलवेज एण्ड एवरीडे लाइफ इन कोलोनियल इंडिया, 2015), पुस्तक समीक्षा, भाग 40, नं 5, नई दिल्ली, मई 2016 में प्रकाशित।
- देविका सेठी; 'मटीरियल, सपिरिचुअल, डिवाइन गंगा' (रीव्यु ऑफ एस्सा डोरोन, रिचार्ड बार्ज और बारबारा नेल्सन (इडीएस), ऐन एन्थोलॉजी ऑफ राइटिंग ऑन द गंगा: गोडेस एण्ड रीवर इन हिस्ट्री, कल्चर एण्ड सोसाइटी, 2014), पुस्तक समीक्षा, भाग 39, न. 10, नई दिल्ली, अक्टूबर 2015 में प्रकाशित।
- देविका सेठी; 'ओरीजन ऑफ द प्रजेंट, लीगेसिज ऑफ द पास्ट' (ईशिता बनर्जी दुबेज, ए हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न इंडिया), पुस्तक समीक्षा, भाग 39, न. 4, नई दिल्ली, अप्रैल 2015 में प्रकाशित।
- रमना ठाकुर और शिवेन्द्र संगर; "पश्चिमी भारतीय पहाड़ी क्षेत्र में बढ़ रही असमानता, अर्थशास्त्र और वित्त", एल्सवियर, 30, 2015, पृष्ठ 910-922 में प्रकाशित।
- रमना ठाकुर और शिवेन्द्र; "चेंजिंग पैटर्न ऑफ केटास्ट्रॉफिक पेमेंट इन हेल्थ एण्ड हेल्थ इनइक्वलिटी इन हिमाचल प्रदेश", द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, विशेष मुद्दा, दिसम्बर, 2015, पृष्ठ 204-211।
- श्यामश्री दास गुप्ता और रोय, जे. (2015); अंडरस्टैंडिंग टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस एण्ड इनपुट प्राइस ऐज ड्राइवरज ऑफ एनर्जी डीमांड इन मैनफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज इन इंडिया, एनर्जी पोलिसी 83 (अगस्त 2015) पृष्ठ 1 से 13 में प्रकाशित।
- बी. सुब्रमण्यन, अलेक्जेंडर वोन हम्बोल्टटज ट्रेवलोग; "ली सोइ एट ली कोसमस डी अलेक्जेंडर वोन हम्बोल्टट ए नोसजोर्ज" में ए कन्वीनेंट व्हीक्ल फॉर मिसेलैनियस डिस्कशनज? जर्नी ऐज फिलोसोफीम इन हम्बोल्टट एण्ड डारविन प्रकाशित। एड. सोर्य नोर स्कैल, बर्लिन (डंकर और हम्बोल्टट) 2015।
- बी. सुब्रमण्यन; स्टुडिया जर्मनिका गोडेनसिआ, 2015 में दास पोस्टकाथारटिस्के मुमेंट मॉडरनर ऐसेइसटिक, जुम एस्से "डेर ब्लाइंड स्कूटज" वोन रूडोल्फ कास्सनेर प्रकाशित।
- मनु वी. देवादेवन, "प्रॉब्लमज एण्ड प्रोसपेक्टज इन द हिस्ट्री ऑफ लिटरेचर", बीयोंड डिसिप्लीन्ज कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय की एक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका में 1, 2016 को प्रकाशित।
- सुमन सिग्रोहा; "डीकन्सट्रक्टिंग फाल्स आइडेंटिटी: ऐक्सप्लोरिंग जेंडर डिस्क्रिमिनेशन एण्ड रोल प्लेइंग इन द गर्ल हु टच्छ द स्टार्ज", नीरज सांख्यान और सुमन। सीईएलटी- संस्कृति, अंग्रेजी भाषा शिक्षण और साहित्य की पत्रिका, 15:2, 165-177, (2015) में प्रकाशित।
- सुमन सिग्रोहा; "डेविड ओमिस्सी-2014", इंडियन वाइसिज ऑफ ग्रेड वार, मिल्लेन्नियल एशिया, 6:2: 205-208, (2015)।
- सुमन सिग्रोहा; "एक्सपरीमेंटल फिक्शन बाई जुली आर्मस्ट्रॉंग", अनुवादित साहित्य, 7:2, (2015) में प्रकाशित।
- अशोक कुमार एम. सेवियो अब्रीयु और रोवीना रोबिन्सन; "मुजिबर रहमान (ईडी.) में सेकुलेरेजिम इन इंडिया: चेंजिंग काउन्टरज", नई दिल्ली: रोटलेज प्रकाशन, 2016 में "इंडियन किश्चनज: हिस्ट्री एण्ड कन्टेंपरेरी चेलेंजिज" प्रकाशित।

### सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत किए गए पत्र

- अरुणा बोम्मरेड्डी ने दिनांक 28 से 9 मार्च 2016 को बोनडंग इन्सिटूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जर्काता में मानविकी और सामाजिक विज्ञान पर सम्मेलन में भाग लिया और "ऑफ डेथ" पत्र प्रस्तुत किया। बीईएसएसएच-2016, एसबीएन न. 978-969-670-252।
- रमना ठाकुर और शिवेन्द्र संगर ने चतुर्थ आर्थिकी और वित्त सम्मेलन, आईआईएसईएस, लन्दन, संयुक्त राज्य में अगस्त 2015 को पश्चिमी भारतीय पहाड़ी क्षेत्र में बढ़ रही असमानता पर पत्र प्रस्तुत किया।



- रमना ठाकुर और शिवेन्द्र संगर; चेंजिंग पैटर्न ऑफ़ केटास्ट्रॉफिक इन पेइंग फॉर हेल्थ केयर इन इंडिया: ए डिसेग्रेटेड एनालायसिस, अट्टाहरवां अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक सम्मेलन, आईआईईएस, लंदन, संयुक्त राज्य, अगस्त, 2015 में पत्र प्रस्तुत।
- रमना ठाकुर, दत्त वरुण और संगर शिवेन्द्र; “चेंजिंग पैटर्न ऑफ़ केटास्ट्रॉफिक पैमेंट इन हेल्थ एण्ड हेल्थ इनइक्वेलिटी इन हिमाचल प्रदेश”, 98वां भारतीय आर्थिकी संघ का वार्षिकी सम्मेलन, भारत, 2015 में प्रस्तुत।
- रमना ठाकुर, दत्त वरुण और संगर शिवेन्द्र; “पहाड़ी क्षेत्र में स्वास्थ्य हेतु मानवीय संसाधन और निर्माण”, भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और नीति संघ द्वारा आयोजित सम्मेलन (आईएचईपीए), राजस्थान विश्वविद्यालय, 13 से 14 फरवरी, 2015, राजस्थान में प्रस्तुत।
- रमना ठाकुर; वैश्विक स्वास्थ्य हेतु जॉर्ज संस्थान द्वारा “21वीं शताब्दी, भारत में महिला स्वास्थ्य मुद्दे की रचना” पर गोलमेज चर्चा का आयोजन, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, मार्च 2016 में प्रस्तुत।
- रमना ठाकुर; ऑक्सफोर्ड-भारत स्वास्थ्य अनुसंधान नेटवर्क सम्मेलन (ओआईएचआरएन), वैश्विक स्वास्थ्य हेतु जॉर्ज संस्थान, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के. अक्टूबर, 2015 में आयोजित।
- तृप्ति सिंह ने दिसम्बर 2015 में 18वें उत्पादक कला सम्मेलन (जीए2015) में “डिजिटल आर्ट फेबरिक प्रिंटस: प्रोसीजर, प्रोसैस और प्रोग्रैस” पर पत्र प्रस्तुत किया।
- तृप्ति एस.; सेकिंड सोलो शो “बिन्दी”, जहांगीर आर्ट गैलरी, काला घोड़ा, मुम्बई दिनांक 18 से 25 मार्च 2016 को प्रस्तुत।
- प्रमोद तलगिरी ने चीन, शंघाई में दिनांक 23 अगस्त, 2015 से 1 सितम्बर, 2015 तक जर्मन अध्ययन पर 12वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। उन्हें “बहुभाषावाद” अनुभाग के सहायक अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया था और उन्होंने “भारत में बहुभाषावाद” पर पत्र भी प्रस्तुत किया।
- बी. सुब्रमण्यन; “इन्डाईनोडर डाइ अबवेसनहीट डेर ट्रेगोडाइ”, जर्मन अध्ययन हेतु 13वां विश्व सम्मेलन, टोन्जी विश्वविद्यालय, शंघाई 2015 में प्रस्तुत।
- बी. सुब्रमण्यन; “एसजीबटीम्मर जसचोन”, जरअनामनीटिक डेज वेटर-सोहन-कोनफलिक्टेबी रिलाइक. जर्मन अध्ययन हेतु 13वां विश्व सम्मेलन, टोन्जी विश्वविद्यालय, शंघाई 2015 में प्रस्तुत।
- बी. सुब्रमण्यन; वाइफाल्ट इन डेर इनहीट, इन्डाइनिम जिकेन डेर मेहरसप्राचिगकीथीयुट. जर्मन अध्ययन हेतु 13वां विश्व सम्मेलन, टोन्जी विश्वविद्यालय, शंघाई 2015 में प्रस्तुत।
- बी. सुब्रमण्यन; गोइथस रीसीन्ज लेंडे डेर डिचटर. वर्ष 2015 में गोइथी सोसाइटी ऑफ इंडिया, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा “गोइथीसलिटरेरीस्वी रीसेन” पर आयोजित सम्मेलन।
- राजेश्वरी दत्त, राजेश्वरी; “बीटवीन टू वर्ल्डज: ब्रिटिशहैंड द माया इन नाइनटीथ सेंचुरी बीलाइज” द ब्रिटिश स्कॉलर सोसाइटीज ब्रिटेन और ऑस्टिन विश्व सम्मेलन 2015।
- सुमन सिग्रोह; पोइट्री ऐज काउंटर कल्चर: रीडिंग आइडेंटिटी इन क्यनफाम सिंग नोनक्यनरिथज पोइट्री, नीरज सांख्यान के साथ, आईआईएएस शिमला, भारत (2016)।
- सुमन सिग्रोहा; हिंसा, सामाजिक कल्याण और प्रसिद्ध हिन्दी सिनेमा (दिल से, मिशन कश्मीर, फाना)। लिंगाया विश्वविद्यालय, फरीदाबाद, भारत (2016)।
- सुमन सिग्रोहा; लिटरेचर ऐज सोशल एजेंडा: एक्सपलोरिंग सोशल कन्सर्नज/मोटिवज इन द पोइट्री ऑफ टेमसुला एओ. मीलो दिल्ली, इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली (2016)।
- सुमन सिग्रोहा, आर. के लक्ष्मण के कार्टून में आम व्यक्ति की आवाज: हास्य और लोक संवाद, हास्य अध्ययन हेतु 27वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, होली नेम्ज विश्वविद्यालय, केलिफोर्निया, अमेरीका (2015)।

### आयोजित सम्मेलन और कार्यशाला में उपस्थिति

#### कार्यशाला / सम्मेलन में उपस्थिति

- श्यामश्री दास गुप्ता; एम्पावरिंग पीपल, ऑनसाइट-मार्केट रीसर्च और कस्टमर इनसाइट पर कार्यशाला, सिमन्ज स्टिफटंग फाउंडेशन, (मार्च 10 से 12, 2016) पैनोरुबन, इन्डोनेशिया में आयोजित।

#### आयोजित कार्यशाला / सम्मेलन

- प्रा. जनक पाण्डे, “मनोविज्ञान और सामाजिक विकास” प्रसिद्ध व्याख्यान श्रृंखलाओं (डीएलएस) में तीसरा व्याख्यान, 19 मई, 2015 को आयोजित।

### लोक सम्पर्क कार्यक्रम

## आमंत्रित व्याख्यान / शिक्षा कार्यक्रमों की निरंतरता (अन्य संस्थानों से)

- देविका सेठी ने भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् (आईसीएचआर), नई दिल्ली में दिनांक 25 जून, 2015 को "द बैन फोरमुला: नोन इंडियन ऑर्थर्स एण्ड द कोलोनियल स्टेट इन द 1920-30" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- श्यामश्री दासगुप्ता ने क्युआईपी कार्यशाला में एक व्याख्यान "एनर्जी एण्ड इंडस्ट्री: ग्रोथ अकाउंटिंग एण्ड डीकम्पोजीशन एनालायसिस" पर और दूसरा "सस्टेनेबल डीवेलपमेंट" पर मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में दिनांक 1 से 4 दिसम्बर, 2015 को दिया।
- प्रमोद तलगिरी ने भा.प्रौ.सं. के प्राध्यापकों और छात्रों के लिए "आधुनिकता" (इसका क्या अर्थ है जब एक यूरोपीय कहता है कि मैं आधुनिक हूँ?) पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

## लोक सम्पर्क कार्यक्रम

- भवेन्द्र पाल, "ईशान विकास कार्यक्रम का समन्वयन", उच्च विद्यालय के छात्रों को विज्ञान और अभियांत्रिकी के अध्ययन में प्रेरित करने के उद्देश्य से ग्रामीण उच्च विद्यालय शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए और उनकी सम्पूर्ण शिक्षा सुधार में सहायता करने के लिए कार्यक्रम।

## शैक्षिक यात्रा

- सुमन सिग्रोहा, अभ्यागत अनुसंधान कर्ता, स्टैण्डफोर्ड विश्वविद्यालय, केलिफोर्निया, अमेरीका (जून-जुलाई 2015)।
- सुमन सिग्रोहा, आरडबल्यूटीएच आचेन, जर्मनी (जुलाई 2015)।

## अन्य उपलब्धियां

व्यावसायिक उपलब्धि, सम्मान और पुरस्कार

- रमना ठाकुर, 'इरास्मस मंडस' शैक्षिक अनुसंधान अध्येतावृत्ति, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र, 2015।
- प्रमोद तलगिरी, क्रॉस ऑफ द आर्डर ऑफ मेरीट संघीय गणतंत्र जर्मनी, 2015।

## व्यावसायिक समुदाय की सदस्यता

- श्यामश्री दास गुप्ता, पारिवेशिक अर्थशास्त्र हेतु अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय।
- तृप्ति सिंह, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पर वैज्ञानिक और तकनीकी समिति एवं संपादकीय समीक्षा बोर्ड, मई 09, 2016।
- बी. सुब्रमण्यन, जर्मनी अध्ययन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय संघ के सदस्य (आईवीजी)।
- बी. सुब्रमण्यन, सदस्य, अन्तर्राष्ट्रीय रिलाइक-जीसेलचैपट।
- बी. सुब्रमण्यन, सदस्य, अन्तर्राष्ट्रीय गोथे-जीसेलचैपट।
- बी. सुब्रमण्यन, उपाध्यक्ष, गोइथे भारतीय समाज।
- बी. सुब्रमण्यन, अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि, अन्तः सांस्कृतिक जर्मन अध्ययन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय संघ (जीआईजी)।
- शैल शंकर, मनोविज्ञान संघ।
- शैल शंकर, इंटरनेशनल ऐसोसिएशन ऑफ क्रॉस कल्चरल सोसाइटी।
- शैल शंकर, अमरीकी मनोविज्ञान संघ।
- शैल शंकर, प्रयुक्त मनोविज्ञान अन्तर्राष्ट्रीय संघ।
- राजेश्वरी दत्त, लेटिन अमरीकी अध्ययन संघ।
- राजेश्वरी दत्त, अमरीकी ऐतिहासिक संघ।
- राजेश्वरी दत्त, ब्रिटीश विद्वान संघ।

## सहमति ज्ञापन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी और विदेशी संस्थानों के मध्य सहयोग



## विदेशों में स्थित संस्थानों के साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी की अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियां

छात्र अदली-बदली कार्यक्रम के अंतर्गत भा.प्रौ.सं. मण्डी में अन्तर्राष्ट्रीय स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एचडी. छात्र एक वर्ष तक की अवधि व्यतीत कर सकते हैं। इस संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय छात्र स्नातक कर सकते हैं। अदली-बदली कार्यक्रम और उपाधि कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाले छात्र भा. प्रौ.सं. मण्डी में पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षिक सहायता ले सकते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय छात्र संस्थान के प्राध्यापकों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान के विषयों पर काम कर सकते हैं जिसमें संस्थानात्मक, धार्मिक और राष्ट्रीय हित सम्मिलित हैं। यह संस्थान प्राध्यापकों को अध्यापन और अनुसंधान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करता है। वर्तमान में, भा.प्रौ.सं. मण्डी स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एचडी. स्तर पर संगणक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, आधार विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों में व्यस्त हैं। उन अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ जिनका भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के साथ वर्तमान में सहमति ज्ञापन (एमओयू) / करार हुआ है, छात्रों और प्राध्यापकों की अदली-बदली हेतु नियम और शर्त (एमओयू) / करार के अनुसार निर्धारित होगी। उन अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के छात्रों और प्राध्यापकों के लिए जिनका भा.प्रौ.सं. मण्डी के साथ (एमओयू) / करार नहीं हुआ है, अदली-बदली नियम और शर्त, आईपीआर और वित्तीय पैटर्न को निर्मित करने की आवश्यकता है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने वोरसेस्टर पोलिटेक्नीक संस्थान (डब्ल्यूपीआई), अमेरिका के साथ हुये सहमति ज्ञापन के तहत 23 अवर स्नातक छात्रों का दल और दो प्राध्यापक परामर्शदाताओं को डब्ल्यूपीआई से दो महीनों के लिए मार्च, 2016 में आमन्त्रित किया। इन छात्रों ने इतनी ही संख्या में भा.प्रौ.सं. मण्डी के अवर स्नातक छात्रों के साथ मिलकर कमान्द, मण्डी में स्थानीय समुदाय की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए कार्य किया। इसके अतिरिक्त गत वर्षों में भा.प्रौ.सं. मण्डी में अनेक अन्तर्राष्ट्रीय छात्र आये। डीएएडी राईज कार्यक्रम के अंतर्गत जुलाई 2015 और अक्टूबर, 2015 के मध्य क्लेरा हायन, फ्लोरियन पीटर और मार्सल पाडिल्ला माह, टीयू ड्रेसडन, टीयू स्टुटगार्ट और टीयू बर्लिन से भा.प्रौ.सं. मण्डी आये। छात्र अदली-बदली कार्यक्रम के अंतर्गत जुलियन बोमगार्टल टीयू म्यूनख से भा.प्रौ.सं. मण्डी आये। जुलियन प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय छात्र था जिसने शैक्षणिक लाभ के लिए भा. प्रौ.सं. मण्डी में अध्ययन किया। इसके अतिरिक्त जनवरी, 2016 के मध्य नैरोबी विश्वविद्यालय, केन्या से जिप्परोह वांजिकु मुथुई पी.एचडी. कार्य करने के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी आई। मुथुई, विकसित जगत् में विज्ञान में महिलाओं के लिए संगठन (ओएसडब्ल्यूडी) से स्नातकोत्तर प्रशिक्षण सहभागिता पर काम कर रही है।

माह अप्रैल, 2015 और मार्च, 2016 के मध्य भा.प्रौ.सं. मण्डी में आयोजित अनेक कार्यशालाओं में विदेशी विश्वविद्यालयों से आगन्तुक आये। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने जनवरी, 2016 में "इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी में लाभ-प्रयोग और सिद्धांत (ईईएसईटी-2016)" पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में जापान (टोक्यो विश्वविद्यालय), फ्रांस (इकोली पोलिटेक्निक और पालेसिया सीडेक्स), जर्मनी (आईएफडब्ल्यू ड्रेसडन; दूर्सबर्ग विश्वविद्यालय; टीयू ड्रेसडन; स्थूल रसायनिक भौतिकी के लिए मैक्स प्लैंक संस्थान और गोट्टिंजन विश्वविद्यालय) और अमेरिका के संस्थानों और प्रयोगशालाओं से कुछ प्राध्यापक और शोधार्थी आये।

इसके अतिरिक्त भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 17 जुलाई, 2015 को "कुशल सामग्री के अनुप्रयोग" पर कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए जर्मन से डॉ. जीन्ज ट्वाइफेल और अंतरिक्ष केन्द्र जर्मन के प्रा. माईकेल सिनापियुस आये। दिनांक 2 और 3 मार्च, 2015 को नागरिक अभियांत्रिकी में तीसरी कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रा. बल्थासुर नोवेक टीयू स्टुटगार्ट से आये। यह यात्रा भा.प्रौ.सं. मण्डी में बी.टैक. अभियांत्रिकी के पाठ्यक्रम के निर्माण से सम्बन्धित थी।

दिनांक 21 और 22 जुलाई 2015 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में स्टेम्फोरड, कनीक्टिकट, अमेरिका में स्थित दवा कम्पनी पुरड्यु फर्मा एल.पी. के प्रतिनिधि आये। पुरड्यु फर्मा से श्री लैरी ए. पिकेट कनिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मुख्य सूचना अधिकारी; श्री सायी नटराजन, निदेशक, प्रणाली विकास और व्यवसाय विश्लेषण और श्री नटराज दासगुप्ता, डेटा वैज्ञानिक और वरिष्ठ नेता आये। भा.प्रौ.सं. मण्डी का पुरड्यु फर्मा के साथ 100,000 डॉलर से अधिक मूल्य की परियोजनाओं पर कार्य चला है जिसमें मशीन अधिगम और विक्रय के लिए डेटा माइनिंग तथा फर्मा में विश्लेषण इन परियोजनाओं का भाग है।

वर्ष 2015-16 के दौरान भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्नातक और अवर स्नातक छात्र शैक्षिक अदली-बदली कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक ईयू संस्थानों में गए। अवर स्नातक छात्रों में 5 छात्र टीयू म्यूनख; 2 छात्र आरडब्ल्यूटीएच आचेन, जर्मनी, 3 छात्र आल्टो विश्वविद्यालय, फिनलैंड; 3 छात्र आईटी कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क और एक छात्र बलीकिंग प्रौद्योगिकी संस्थान, स्वीडन गया। एक एम.एस. छात्र ने डीएएडी छात्रवृत्ति के अंतर्गत दिनांक 1 सितम्बर, 2015 से 31 मार्च, 2016 तक टीयूएम का दौरा किया।

भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्राध्यापक अन्तर्राष्ट्रीय सहभागियों के साथ शैक्षिक सहयोग बढ़ाने के लिए वर्ष 2015 में टीयू9 संस्थान, जर्मनी गये। डॉ. प्रेम फिलिक्स सिरिल और डॉ. ऋतू रानी कोडार मई 2015 और अगस्त, 2015 के मध्य केआईटी जर्मनी गये और डॉ. प्रदीप परमेस्वरन नवम्बर, 2015 और जनवरी, 2016 के मध्य आरडब्ल्यूटीएच आचेन विश्वविद्यालय गये।

बीटीएच और भा.प्रौ.सं. मण्डी के मध्य वर्तमान सहमति ज्ञापन का नवीकरण आगामी पांच वर्ष के लिए हुआ है। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने बीटीएच स्वीडन के साथ चल रहे सहयोग में छात्रों, स्टाफ और दोनों संस्थानों के बीच प्राध्यापकों के आने-जाने के लिए ईरास्मस और अन्तर्राष्ट्रीय क्रेडिट मोबिलिटी (आईसीएम) को जून, 2016 से अगस्त, 2018 तक के लिए प्राप्त किया है। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने शैक्षिक और अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने के लिए, परस्पर लाभ हेतु फरवरी, 2016 में मैकमास्टर विश्वविद्यालय, कनाडा के साथ आगामी पांच वर्ष के लिए सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

## चयनित चित्र



दिनांक 17 जुलाई, 2015 को "एप्लीकेशन ऑफ स्मार्ट मटीरियल्स" पर कार्यशाला का एक समूह चित्र



दिनांक 18 से 21 जनवरी, 2016 तक "एडवांसिज इन इलेक्ट्रान स्पेक्ट्रोस्कोपी-प्रयोग और सिद्धांत पर कार्यशाला (एसेक्ट 2016)" का समूह चित्र

## महत्त्वपूर्ण विषय अनुसंधान केन्द्र

### उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी)

समन्वयक: डॉ. वेंकट कृष्णन

एएमआरसी प्रशासनिक: डॉ. ऋक् रानी कोडार

विशेष रूप से अभियांत्रिकी उपकरणों हेतु उन्नत सामग्री का विकास अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए एक क्रांतिक क्षेत्र है। इस प्रयास में भा.प्रौ. सं. मण्डी ने विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव विज्ञान तथा अन्य प्रयोगों हेतु ऐसी प्रयोगशालाओं की स्थापना द्वारा जिसमें संश्लेषण और चरित्र-चित्रण सुविधाएं परिपूर्ण हों, बहु विषयक नवीन सामग्री अनुसंधान कार्य आरम्भ किया है। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने पहले ही अनुसंधान गतिविधियों को चलाने के लिए आधारभूत उपकरणों और सुविधाओं सहित पूर्णतया कार्यात्मक संश्लेषण और लक्षण वर्णन वाली प्रयोगशालाओं को स्थापित कर रखा है। इसके अतिरिक्त एक उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी) व एक केंद्रीकृत अनुसंधान सुविधा को नये परिसर के सोदेश्य निर्मित भवन में स्थापित किया गया है। एएमआरसी में अनुसंधान कर्ता सामग्री के आधारभूत ढांचे का अन्वेषण करते हैं तथा विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, जीव विज्ञान और अन्य प्रयोगों के लिए नवीन सामग्री का विकास करते हैं। एएमआरसी में लगभग 45 पी.एचडी. विद्वान और 10 पोस्टडॉक्टरेट अनुसंधान कर्ता हैं जो बहु विषयक दल में 20 प्राध्यापकों के नेतृत्व में सेवा करते हैं। इसके अतिरिक्त इसकी सुविधाओं का उपयोग लगभग 40 एमएससी (रसायन) और एम.टैक. (ऊर्जा सामग्री) के छात्र अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में करते हैं।

एएमआरसी सामग्री अनुसंधान के लिए अनेक प्रकार के अत्याधुनिक उपकरणों से परिपूर्ण हैं जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं—

- (1) हाई रेजोल्यूशन पाउडर एक्स रेडिफरैक्टोमीटर
- (2) सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफरैक्टोमीटर
- (3) हाईरेजोल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप
- (4) न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेन्स स्पेक्ट्रोमीटर
- (5) फल्यूरोसेंस कन्फोकल माइक्रोस्कोप
- (6) हाईरेजोल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर
- (7) फेन्टोसेंकिंड पम्प-प्रोब सेट अप
- (8) फील्ड एमिशन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप
- (9) चुम्बकीय गुण मापन प्रणाली
- (10) भौतिक गुण मापन प्रणाली
- (11) रमन स्पेक्ट्रोमीटर और
- (12) एक्स-रे फोटोमीशन स्पेक्ट्रोमीटर

निकट भविष्य में कई अन्य उपकरण स्थापित होंगे, जैसे कि एटॉमिक लेयर डीपोजिशन (एएलडी) और सतह समताप क्षेत्र (बीईटी उपकरण)। उपर्युक्त दिये गये उन्नत उपकरणों के अतिरिक्त एएमआरसी में नियमित लक्षण वर्णन उपकरण जैसे यूवी-विस स्पेक्ट्रोमीटर, गोलाकार द्विवर्णक स्पेक्ट्रोमीटर, आणविक अवशोषण स्पेक्ट्रोमीटर, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, फल्यूरोसेंस स्पेक्ट्रोमीटर, इलेक्ट्रोकेमिकल एनालाइजर, थर्मस ग्रेवीमीट्रिक एनालाइजर कप्लड विड डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरीमीट्री, उच्च निष्पादन क्रोमेटोग्राफी, जेल परमीएशन क्रोमेटोग्राफी, गैस क्रोमेटोग्राफी, डायनेमिक लाईट स्कैटरिंग सेटअप इत्यादि मौजूद हैं।

एएमआरसी में सुविधाओं का उपयोग न केवल भा.प्रौ.सं. मण्डी के अनुसंधान कर्ताओं द्वारा होता है, परन्तु बाहरी अनुसंधान कर्ताओं और औद्योगिक उपभोक्ताओं द्वारा भी इसका विस्तार किया जाता है। प्रमुख रूप से, एएमआरसी में बाहरी उपभोक्ता हिमाचल के पड़ोसी क्षेत्रों, पंजाब और जम्मू-कश्मीर राज्य से आते हैं, यद्यपि वहां भी कुछ बाहरी उपभोक्ता निकट संस्थानों से हैं। अनेक बाहरी उपभोक्ता एएमआरसी सुविधाओं में विश्लेषण के लिए अपने नमूने भेजते हैं। एएमआरसी सुविधाओं का उपयोग करने वाले बाहरी संस्थानों की सूची निम्नलिखित है—

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू), शिमला, हिमाचल प्रदेश

हिमालय जैव सम्पदा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी), पालमपुर, हिमाचल प्रदेश

जवाहर लाल सरकारी अभियांत्रिकी महाविद्यालय, सुन्दरनगर, हिमाचल प्रदेश

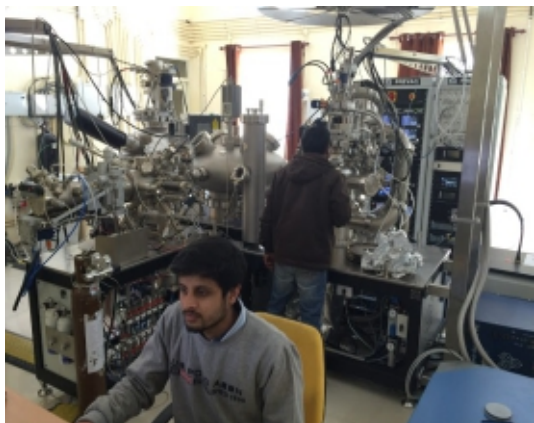
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारांगल, तेलंगाना  
 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), दुर्गापुर, पश्चिमी बंगाल  
 जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू व कश्मीर  
 पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़  
 पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब  
 गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, (जीएनडीयू), अमृतसर, पंजाब  
 शूलिनी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश  
 सिरडा संस्थान का समूह, सुन्दरनगर, हिमाचल प्रदेश  
 सन्त लॉगोवाल अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी समूह, संगरूर, पंजाब  
 शिव नादर विश्वविद्यालय, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश  
 एएमआरसी सुविधाओं के प्रयोग से प्रकाशन:

एएमआरसी में उपलब्ध सुविधाओं के प्रयोग से प्राप्त शोध के परिणामों को प्रसिद्ध अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया। वर्ष 2013 में इसके प्रारम्भ से एएमआरसी द्वारा 150 से ज्यादा शोध शीर्षक प्रस्तुत किए गए और वर्ष 2015–16 में 60 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

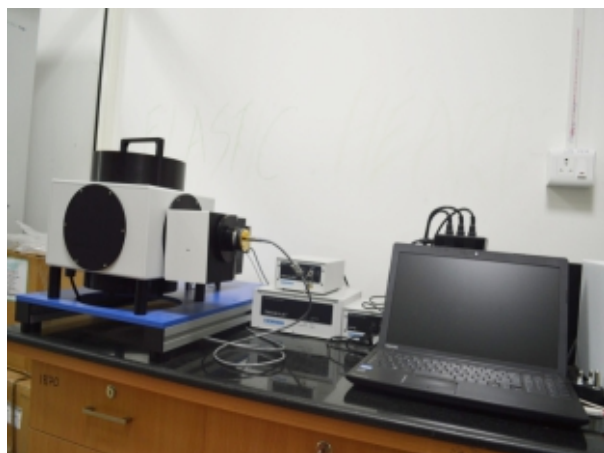
#### वर्तमान में स्थापित प्रमुख उपकरण:



फोटोएमिशन स्पेक्ट्रोमीटर



रमन स्पेक्ट्रोमीटर



टीसीएसपीसी लाईफटाईम



मल्टीमोड प्लेट रीडर



सोनीकेटर (क्यूआर 500)

**इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण हेतु केन्द्र (सी4डीएफईडी):**

**सह समन्वयक: डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा**

बहु विषयक अनुसंधान के लिए आगामी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण हेतु केन्द्र (सी4डीएफईडी) संस्थान की एकल सुविधा होगी। केन्द्र में श्रेणी 100, श्रेणी 1000 और श्रेणी 10000 की प्रयोगशालाएं होंगी जिनमें उच्च गुणवत्ता वाले और उत्कृष्ट उपकरण स्थापित किए जाएंगे। यह केन्द्र भावी पीढ़ी के लिए अनुसंधान सुविधाओं का विकास करने में सक्षम होगा जैसे कि नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स के अनुप्रयोग, अत्यधिक अल्ट्रा वायलट लिथोग्राफी (ईयूएल) रोधी सामग्री, आईसी प्रारूप और निर्माण, नैनो माइक्रो (एनईएमएस और एमईएमएस) प्रणालियां और प्रारूप इत्यादि।

इस केन्द्र में 1100 वर्गमीटर के क्षेत्र में लिथोग्राफी उपकरण रखने के लिए तीन श्रेणी 100 क्लीन प्रयोगशालाएं अन्य लक्षण वर्णन उपकरण और सम्बन्धित उपकरणों के लिए नैनो और माइक्रो बिम्ब विधान है। एक श्रेणी 100 प्रयोगशाला नमूने तैयार करने के लिए होगी। सामग्री तैयार करने और संश्लेषण उपकरण एवं औजार के लिए 400 वर्गमीटर के क्षेत्र में एक श्रेणी 1000 प्रयोगशाला है। अपेक्षित ऑक्सीडेशन भट्टी और अन्य सम्बन्धित उपकरणों को रखने के लिए 300 वर्गमीटर के क्षेत्र में श्रेणी 10000 प्रयोगशाला का उपयोग होगा। प्रारूप कार्य के लिए एक अलग प्रयोगशाला का निर्माण किया जा रहा है।

केन्द्र का विकास प्रगति पर है। सितम्बर 2017 से पहले काम पूर्ण करने के लिए आईडब्ल्यूडी, सीपीडब्ल्यूडी, सीविल संविदाकार और क्लीन कक्ष विक्रेता मिलकर काम कर रहे हैं। केन्द्र के तेजी से उपयुक्त विकास की जांच के लिए पूर्ण कालिक परामर्शदाता को भी रखा गया है। केन्द्र की सफलतापूर्वक स्थापना के पश्चात् सभी उपकरण स्थापित किए जाएंगे।

परियोजना की कुल लागत: 10 करोड़ + उपकरण

कुल अपेक्षित ऊर्जा: 600 केवीए

हम अपेक्षा करते हैं कि आगामी 15 वर्षों में स्नातकोत्तर और पी.एचडी. छात्र भारी संख्या (200 से 500 तक) में अपने शोध प्रबंध और शोध कार्य के लिए इस सुविधा का प्रयोग करेंगे।

इस अत्याधुनिक सुविधा के होने से विभिन्न प्रायोजित संस्थाओं और उद्योगों से वित्त पोषण हेतु नये प्रस्तावों की संख्या बढ़ेगी। हमने यह भी अपेक्षा की है कि इससे अनुसंधान पत्रों की संख्या और गुणवत्ता में तेजी से वृद्धि होगी।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रारूप एवं निर्माण की इन अत्याधुनिक सुविधाओं से भा.प्रौ.सं. मण्डी का स्थान भारत में विशेष होगा, क्योंकि देश में ऐसी सुविधाएं बहुत ही कम हैं।



## ऑटोडेस्क शैक्षिक उत्पाद द्वारा निर्मित



## बायो एक्स

### सह समन्वयक: डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा

#### अनुसंधान और विकास तथा अध्यापन:

मुख्यतया कृषि से सम्बन्धित, सौन्दर्ययुक्त तथा भंगुर हिमालय में स्थित भा.प्रौ.सं. मण्डी का ध्यान कृषि तथा पर्यावरण पर है। दूसरा मुख्य अनुसंधान का क्षेत्र मानवीय स्वास्थ्य है। इसके लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी ने जीव विज्ञानों में हिमालयी क्षेत्र में शीघ्रतम सम्बन्ध के विस्तृत क्षेत्रों में गतिविधियों की शुरुआत की है। यह गतिविधियां विशेष तौर पर समाज के ग्रामीण एवम् निम्न-आय वर्ग के लोगों की स्वास्थ्य सेवा के लिये शुरू की हैं।

परम्परागत किसानों को उन्नत ज्ञान और प्रौद्योगिकी से लाभान्वित करने की आवश्यकता है जो फलों, सब्जियों, केसर तथा इस क्षेत्र में औषधीय पौधों पर कार्य करते हैं। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए आधार विज्ञान स्कूल के भागस्वरूप जीवन विज्ञान में छः प्राध्यापकों को नियुक्त किया गया है। प्राध्यापक उच्चतम बहु विषयक अनुसंधान में लगे हैं जिनमें जीव विज्ञान, जैव विज्ञान भौतिकी, नैनो तकनीक, जैव सूचना, पौधा व्यवस्था जीव विज्ञान तथा अन्य अनुसंधान हैं। अनुसंधान के विशेष क्षेत्र जिनके लिये विशेषतौर पर ध्यान दिया जा रहा है वे निम्नलिखित हैं:

- हिमालयी जैव विविधता संरक्षण
- प्रज्वलनकारी अव्यवस्था के लिये इम्युनोमोड्युलेटरज
- स्वास्थ्य तथा उद्योग के लिये प्राकृतिक उत्पाद जैव तकनीक
- थैरानॉस्टिक्स के लिये नैनो-तकनीक
- डायबटीज तथा सम्बन्धित एन्डोकराईन अव्यवस्थायें
- बड़ा डाटा विश्लेषण तथा जैव सूचना विज्ञान
- जैव भौतिकी, प्रोटीन फोल्डिंग तथा इन्ट्रिंसिकल्ली अव्यवस्थित प्रोटीन (आईडीपीज)

मानव स्वास्थ्य से सम्बन्धित अनुसंधान क्षेत्र मुख्य रूप से मधुमेह, अल्जैमरर्ज, पार्किन्सनज, हृदय वाहिका रोग तथा कैंसर से सम्बन्धित हैं। इनमें उपरोक्त के लिये और अन्य रोगों के लिए चिकित्सा का विकास तथा उपचार-क्रिया, दवा/जीन वितरण व्यवस्थाएं तथा नॉनइन्वेसिव बायो-कल्पना आदि शामिल हैं। अन्य उद्देश्य मानव स्वास्थ्य के लिये संभाव्य प्रोबायोटिक्स तथा स्वास्थ्य लाभ के लिये गट-माइक्रोबायोटा के प्रति गहन जानकारी जोड़ना है। वातावरण से सम्बन्धित अनुसंधान क्षेत्रों में हिमालय के सूक्ष्म वानस्पतिक तथा एक्सट्रीमोफाईलज की खोज, कृषि तथा अपशिष्ट भोजन सामग्री से प्राप्त जैव ईंधन का विकास तथा विभिन्न पर्यावरणों में प्रदूषक पदार्थों का पता लगाने के लिये सूक्ष्म संवेदक का विकास शामिल हैं।

हिमालय की वनस्पति और जीव जन्तु अपने औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी उपकरणों का प्रयोग करते हुए इस परंपरागत ज्ञान को सही वैज्ञानिक मान्यता की आवश्यकता है। कृषि कार्यक्रम में औषधीय फसल संरक्षण, सुधार और उत्पत्ति में वृद्धि हेतु औषधीय पौधों की जांच करना है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने जीव विज्ञान और सम्बन्धित विषयों में अनुसंधान गतिविधियों के लिए पहले ही कुछ मूलभूत प्रयोगात्मक सुविधायें की हैं। कमन्द के उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी) और मण्डी परिसर के माण्डव खण्ड में मूल प्रयोगात्मक सुविधाएं पहले से हैं। इसके अतिरिक्त अन्य मूल जैव विज्ञान अनुसंधान सुविधा, पशु गृह सुविधा तथा और अधिक सुविधाएं करने और अत्याधुनिक परिष्कृत उपकरणों को रखने की योजना है। जैव सूचना विज्ञान अनुसंधान गतिविधियों की सहायता के लिए मूल संगणनात्मक सुविधा करने की योजना है और उच्च प्रदर्शन संगणनात्मक सुविधा की योजना पहले से ही जैव सूचना विज्ञान अनुसंधान गतिविधियों की सहायता के लिए है।

संस्थान की योजना जैव प्रौद्योगिकी; जैव विज्ञान व्यवस्थाएं, जैव सूचना विज्ञान, मिसफोल्डिंग रोगों की जैव भौतिकी, सहज रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन (आईडीपीज), उपापचयी अभियांत्रिकी, अति सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी, रूपांतरित दवा, कृत्रिम जैव विज्ञान इत्यादि को प्रौद्योगिकी के अनेक क्षेत्रों में उनकी तेज सहक्रिया द्वारा अपने अध्यापन और अनुसंधान के कई क्षेत्रों में समायोजित करना है। भा.प्रौ.सं. मण्डी इन लक्ष्यों को प्राप्त कर बायोएक्स के अनेक क्षेत्रों में तेजी से शैक्षिक अनुसंधान और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। भा.प्रौ.सं. मण्डी बायो एक्स में जारी पी.एचडी. कार्यक्रम के साथ अगस्त 2016 से भावी छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और जैव औषधि आधारित उद्योग का अत्याधुनिक ज्ञान और दक्षता का प्रशिक्षण देने के लक्ष्य से जैव प्रौद्योगिकी में एम.टैक. कार्यक्रम शुरू कर चुका है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी का जैव प्रौद्योगिकी में एम. टैक. कार्यक्रम छात्रों को जैव चिकित्सा अनुसंधान/उद्योग की चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुसंधान और जैव उद्योग में अत्यधिक रुचि रखने वाले छात्रों को शिक्षण और प्रशिक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पाठ्यक्रम "जैव विज्ञान प्रणालियां" और "चिकित्सा एवं अति सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी" में विशेष कार्यक्रम के साथ समस्त जैव प्रौद्योगिकी के मूल और व्यावहारिक अध्ययन के लिए संचालित है। इसके अतिरिक्त अन्य विषयों से चयनित पाठ्यक्रम छात्रों को अनेक विषयों की जानकारी प्रदान करेंगे। अन्य स्कूलों से ऐच्छिक मूल विषय, बायोएक्स के विशिष्ट विषय, प्रयोगशाला प्रशिक्षण में दक्ष छात्रों को परियोजना घटक के साथ पाठ्यक्रम के पूर्ण होने पर कार्यालय/अन्य अनुसंधान और विकास संस्थानों/उद्योगों में लिया जायेगा जहां उन्हें शिक्षा और उद्योगों में आधुनिक नौकरी के लिए अपेक्षित जानकारी प्रदान कर दक्ष किया जाएगा।

## अनुसंधान समूह

### यूएचएल: हिमालयी आजीविका की प्रगति के लिए केन्द्र (यूएचएल):

भा.प्रौ.सं. मण्डी अपने बहु-विषयक दृष्टिकोण के साथ कार्य करता है, जिसमें विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना, ज्ञान संवर्धन और नव आचरण करते हुए भारत देश को एक ऐसी दिशा प्रदान करना जिसमें न्यायप्रिय, सर्वहारा एवम् धारणीय समाज का समावेश हो। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये भा.प्रौ.सं. मण्डी के बहुत से प्राध्यापक सदस्यों ने अपने आप को ऐसी गतिविधियों में लगा रखा है जो आगामी समय में भा.प्रौ.सं. मण्डी की मनोरूपता को पाने में सहायक होंगी। ऐसे ही प्रयासों में से 'हिमालयी आजीविका की प्रगति के लिये केन्द्र' (यूएचएल) एक है जिसे भारत सरकार, डीएसटी के अनुदान से वर्ष 2012 में स्थापित किया गया था। बहुत ही सीमित समय में केन्द्र ने पहले ही सामाजिक तथा आर्थिक महत्त्व की बहुत सी परियोजनाएं ले रखी हैं जो प्रभावी हुई हैं। इन परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित है:

### 1. खतरनाक चीड़ की पत्तियों का पर्यावरण के अनुकूल प्रयोग

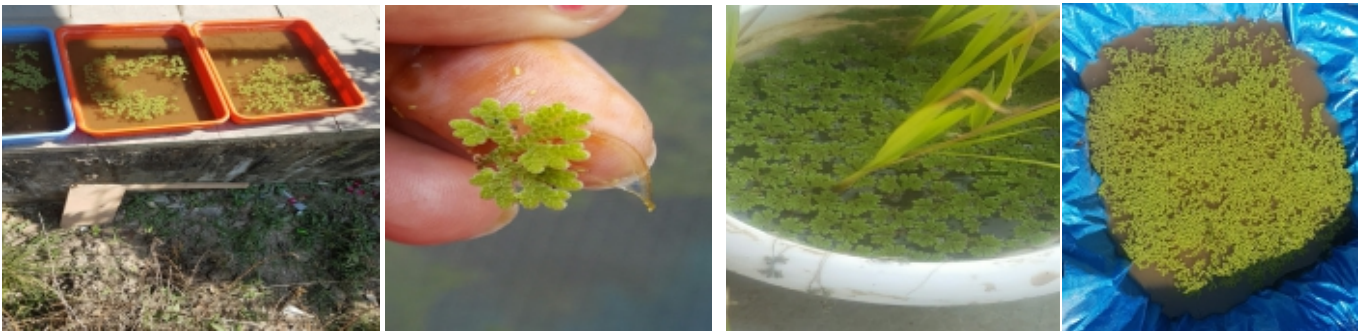
चीड़ की पत्तियां प्राकृतिक तरीके से सड़नशील न होने के कारण और अत्यधिक ज्वलनशील प्रकृति की होने के कारण पर्यावरण, जैव विविधता और पहाड़ी क्षेत्र में स्थानीय आर्थिकी के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण हैं। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य सामाजिक कल्याण के लिए विभिन्न जैव मात्रा के संयोजन से पैलेटाइजेशन/ इष्टिकायन द्वारा चीड़ की पत्तियों का उपयोग करना है।

सबसे पहले चीड़ की पत्तियों का ब्रिकेट बुरादा और लकड़ी के चिप्पड़ तैयार किए जाते हैं। यह प्रयोग नगरोटा बगवां में स्थित ओछा फ्यूल्ज प्राईवेट लिमिटेड में सफलतापूर्वक आयोजित किया जाता है। इसको भा.प्रौ.सं. मण्डी के परिसर में आरम्भ करने की प्रक्रिया जारी है। इसे निम्नलिखित कुछ चित्रों में दर्शाया है:-



### 2. अजोला पशु चारे के रूप में

अजोला पानी का पर्णांक है, जो पशु चारे के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। इसे जैव खाद के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। अजोला का मुख्य लाभ यह है कि यह दूध की मात्रा और गुणवत्ता बढ़ाता है। आयोजित प्रयोगों से पता चलता है कि अजोला दूध की मात्रा 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ाता है। हम अजोला के उत्पादन के लिए अनुकूल परिस्थितियों का ध्यान रख रहे हैं। क्षेत्र में सर्दी में तापमान को देखते हुये इसे अत्यधिक सर्दी से बचाने का काम बहुत ही चुनौतीपूर्ण है। इसके अतिरिक्त हमारा उद्देश्य चावल के खेत में खाद के रूप में अजोला की जैव क्षमता की जांच करना है। इसके अतिरिक्त अजोला के उत्पादन के संदर्भ में हम सर्वेक्षण और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित कर रहे हैं। अजोला के कुछ चित्र निम्नलिखित हैं:-



इन दूरगामी गतिविधियों के अतिरिक्त विभिन्न कार्यक्षेत्रों में अल्प समय वाली गतिविधियां जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य आदि की शुरुआत भी की गई है।

### प्रारूप और नवोत्थान केन्द्र

भा.प्रौ.सं. मण्डी में 'प्रारूप और नवोत्थान केन्द्र' स्नातक और अनुसंधान विद्वानों के लिए आवश्यक कौशल का विकास करता है जो उत्पाद के प्रारूप और प्रौद्योगिकी के लिए आवश्यक है। क्योंकि भारत "मेक इन इंडिया" नीति से लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है तथा भा.प्रौ.सं. मण्डी का उद्देश्य देश के उद्देश्य से सुसंगत है। हमारा संस्थान ऐसी योग्यता के साथ स्नातक तथा विद्वान् तैयार करने की कोशिश कर रहा है, जो उन्हें सृजनात्मक एवम् नव प्रवर्तन के तौर पर सोचने योग्य बनाये। परिसर में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित अत्याधुनिक प्रारूप केन्द्र की स्थापना इस धारणा के साथ की जा रही है कि प्रगति और किसी भी गतिविधि में स्थायी सुधार करने के लिए नव प्रौद्योगिकी विकास एक महत्वपूर्ण अवयव है। क्योंकि आगामी नवोत्थान और उद्यमिता द्वारा वैश्विक उन्नति होगी। यह भारत में आगामी वर्षों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक संचालक होगा।

### बहु माध्यम विश्लेषक और प्रणालियां (एमएएस):

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बहु माध्यम विश्लेषक और प्रणालियां (एमएएस) प्रयोगशाला व्यापक स्तर पर अनेक प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है, जिसमें बिम्ब, श्रव्य और दृश्य विषय, सामाजिक नेटवर्क, दस्तावेज रिकॉर्ड आदि का निष्कर्ष शामिल है। यह समूह अभी संगणक मनोरूपता, चिकित्सा बिम्ब विश्लेषण, भाषण और श्रव्य सांकेतिक प्रक्रम, सामाजिक और डाटा नेटवर्क विश्लेषण के विषयों को देखता है। एमएएस प्रयोगशाला के रूप में आधुनिक अनुसंधान अनेक क्षेत्रों में अपनी क्षमता से योगदान कर सकता है। इनमें स्वास्थ्य सेवा, सुरक्षा और सतर्कता प्रणालियां, मानव संगणक परस्पर वार्तालाप, परिस्थिति और पर्यावरण तथा सामाजिक मीडिया आदि कुछ क्षेत्र हैं। सरस्ते कम चुम्बकीय क्षेत्र वाले चुम्बकीय अनुनाद बिम्बविधान (एमआरआई) प्रणालियों का विकास करना समूह के वर्तमान प्रयासों में से एक है। प्रस्तावित एमआरआई प्रणाली का लक्ष्य जोड़ों और दिमाग के घावों को दुर्गम स्थानों में जांचना और संरक्षण करना है और यह परिवहनीय होने के लिए प्रस्तावित है। समान उद्देश्यों के साथ कुछ प्राध्यापक ग्रैव कैंसर का पता करने के लिए पैप आलेप बिम्ब प्रक्रम हेतु संगणक समर्थित निदानकारी प्रणाली का विकास करने के लिए सम्बन्धित उद्योग के साथ समन्वय कर कार्य कर रहे हैं। अन्य गतिविधियों में विकिरण सम्बन्धी और विकृतिजन्य बिम्ब प्रक्रम का इतिहास, स्वास्थ्य सेवा गणना और चिकित्सा यंत्रीकरण के लिए अस्पतालों और उद्योग के साथ समन्वय प्रयास हैं। अन्य रोचक कार्य जो तकनीक के प्रति पर्यावरणात्मक/पर्यावरणीय विज्ञान से मेल खाता है, वह है पक्षियों की आवाज़ तथा कल्पनाओं का स्वचालित वर्गीकरण। इसका प्रयोग पर्यावरण सम्बन्धी परिवर्तनों का गतिक विश्लेषण करने तथा संरक्षण कोशिशों को बढ़ावा देने में किया जा सकता है। गुप 3-डी मनोरूप तथा मानवीय गतिविधि विश्लेषण से सम्बन्धित परियोजनाओं में भी कार्यरत हैं।

<http://maslab.iitmandi.ac.in/>

### संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान

भा.प्रौ.सं. मण्डी में 30 अनुसंधान कर्ताओं और 7 प्राध्यापकों सहित "संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान समूह" एक सफल समूह है जो पदार्थ की विजातीय अवरथाओं जैसे कि मल्टीफेरोसीटी, अतिचालकता, धातु विद्युत रोधी संक्रमण और चुम्बकत्व आदि की विभिन्न समस्याओं का अध्ययन कर रहा है। इसके अतिरिक्त थर्मो-इलेक्ट्रिक फोटोवोल्टीय तथा ग्रैफिन के ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स आदि का अध्ययन करता है।

यह समूह सामग्री के लक्षण वर्णन के लिए भौतिक गुण मापन प्रणाली (पीपीएमएस), चुम्बकीय गुण मापन प्रणाली (एमपीएमएस), रमण स्पेक्ट्रोमीटर, फोटो एमिशन स्पेक्ट्रोमीटर (पीईएस), कम तापीय एक्स-रे डिफरेक्टोमीटर जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से पूर्ण विकसित है। ये सुविधाएं उच्च तापमान विद्युत प्रतिरोधकता, ताप विद्युत शक्ति और परावैद्युत मापन हेतु घरेलू प्रयोगात्मक ढांचे द्वारा सहायक हैं। इस समूह ने आर्क पिघलने वाली भट्टी और नियमित मफल के साथ सामग्री में एकल क्रिस्टलीन, पोलिक्रिस्टलीन और अति सूक्ष्म क्रिस्टलीय रूपों के विश्लेषण के लिए द्यूब भट्टियों के साथ तीन जोन भट्टी भी खरीदी है। घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत (डीएफटी) आधारित इलेक्ट्रॉनिक संरचना की गणना हेतु यह समूह संस्थान की संगणनात्मक सुविधा द्वारा पूर्णतः समर्थित है। उपर्युक्त अनुसंधान कार्य संस्थान की उदार वित्तीय सहायता के अतिरिक्त डीएसटी-एसईआरबी, सीएसआईआर और यूजीसी-डीई सीएसआर जैसी विभिन्न वित्त पोषित एजेंसियों से सहायता प्राप्त कर चुका है।



## ग्रीष्मकालीन अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने इस वर्ष "ग्रीष्मकालीन अनिवार्य प्रशिक्षण" आयोजित किया। यह कार्यक्रम दिनांक 1 जून से 25 जुलाई, 2015 तक आयोजित किया गया। इस वर्ष प्राप्त सैंकड़ों आवेदनों में से केवल बाईस प्रशिक्षुओं का चयन प्राध्यापक परामर्शदाताओं की अनुशंसा पर किया गया। सम्पूर्ण भारत से चयनित प्रतिभागी निम्नलिखित विभिन्न संस्थाओं/विश्वविद्यालयों से थे जिसमें थापर विश्वविद्यालय पटियाला, जे.पी. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नोयडा, सरदार वल्लभ भाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वीआईटी विश्वविद्यालय, आईआईएसईआर भोपाल, केन्द्रीय विश्वविद्यालय झारखण्ड, मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भा.प्रौ.सं. रुड़की, दिल्ली विश्वविद्यालय, एमआईटी मणिपाल, एनआईटी गोवा, श्री रामकृष्ण अभियांत्रिकी महाविद्यालय, भरथियार विश्वविद्यालय, भा.प्रौ.सं. हैदराबाद, एनआईटी राउरकेला, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू, एनआईटी कुरुक्षेत्र, एसएमवीडीयू कत्रा और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शामिल है। प्रत्येक छात्र की दक्षता निम्नलिखित विषयों की उपयुक्त परियोजना के अनुरूप थी:

- भौतिक रसायन विज्ञान, सूक्ष्म प्रौद्योगिकी, प्रोटीन बलन, औषधि वितरण
- सैद्धान्तिक रसायन विज्ञान
- प्रयोगात्मक संघनित पदार्थ भौतिकी और सूक्ष्म सामग्री
- अतिचालन सामग्री का चुम्बक परिवहन अध्ययन
- विस्तृत आंकड़ा विश्लेषण सम्बन्धी
- सांख्यिकीय विश्लेषण और संगणनात्मक द्रव गति विज्ञान
- जलवायु परिवर्तन और रोग प्रतिरूपण
- प्रतिरूप विश्लेषण हेतु मूल विधियां
- संज्ञानात्मक विज्ञान और एचसीएल
- अधिआण्विक रसायन विज्ञान
- निःशेष उत्पाद से नवीकरणीय ईंधन उत्पाद सहित नवीकरणीय ऊर्जा
- दाब विद्युत और दाब विद्युत ऊर्जा संलवन सामग्री और विधियां
- अर्द्ध चालक/सूक्ष्म संरचनाओं का विद्युत रसायन निक्षेपण
- भिन्नात्मक समीकरण/विपरिवर्तित समस्या/नियंत्रण समस्या
- भू-विज्ञान और भू-प्रौद्योगिकी
- ऊर्जा
- सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी
- अति सूक्ष्म विज्ञान और अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी
- कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण
- जल गुणवत्ता विश्लेषण और प्राचल आकलन
- नागरिक अभियांत्रिकी प्रयोगशालाओं का विकास
- आदेश लक्ष्यानुसरण प्रणाली
- ऐसी प्रणाली विकसित करना जिससे हम फाईलों के आधार पर अनेक ई-संसाधनों से सम्बन्धित प्रतिवेदनों का निर्माण कर सकें।
- ई-संसाधन प्रबंधन प्रवेश द्वार
- विभिन्न विषयों के संदर्भ में खुली संसाधन पहुंच से सम्बन्धित एक प्रवेश द्वार का सृजना करना।

उपर्युक्त के अतिरिक्त प्रशिक्षण में छात्रवृत्ति और गृह-सहायता को भी शामिल किया गया था।

## स्कूल छात्रों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण / विज्ञान और अभियांत्रिकी जागरूकता

भा.प्रौ.सं. मण्डी में आयोजित 15 दिवसीय कार्यक्रम में दो राज्यों के नौवीं और दसवीं कक्षा के 30 बच्चों (20 असम और 10 मिजोरम) ने भाग लिया। 'ईशान विकास-2015' नामक इस कार्यक्रम के अन्तर्गत भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी द्वारा चयनित उत्तरी-पश्चिमी छात्र अपने तीन अध्यापकों के साथ आये। वे मानव संसाधन और विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित थे।

ईशान विकास- प्रशिक्षण कार्यक्रम 2015, भा.प्रौ.सं. मण्डी: इस कार्यक्रम का लक्ष्य उत्तरी-पश्चिमी राज्यों एवं पहाड़ी क्षेत्र के प्रतिभाशाली छात्रों को विज्ञान और अभियांत्रिकी में उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना और राष्ट्रीय अखंडता को प्रोत्साहित करना था। इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्राध्यापकों के साथ आधार विज्ञान विषय से अभियांत्रिकी के विभिन्न विषयों, जैव विज्ञान और औषधीय बूटियों के बारे में विचार-विमर्श किया। भा.प्रौ.सं. मण्डी के मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल के प्रा. बी. सुब्रमण्यन ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया इसमें 9 प्राध्यापकों, 8 अनुसंधान विद्वानों, स्टाफ के सदस्यों और छात्रों ने साथ दिया। इस कार्यक्रम में छात्रों की विज्ञान और अभियांत्रिकी अध्ययन में उत्सुकता पैदा करने के लिए शैक्षिक अभिप्रेरण, सांस्कृतिक अदला-अदली और राष्ट्रीय अखण्डता जिसमें भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों के साथ विचार-विमर्श, व्यावसायिक योजना, अभियांत्रिकी क्या है आदि विषय शामिल थे। दैनिक जीवन में भौतिकी, गणित और अभियांत्रिकी, उत्कृष्ट अभियांत्रिकी, रूप रेखा सहित संगणक, नवीकरणीय ऊर्जा, अति सूक्ष्म सामग्री, अतिचालकता, प्रौद्योगिकी में निर्दिष्ट बिन्दु, टीडीबी, बेहतर अध्ययन के लिए सामान्य तकनीकें, प्रवेश परीक्षा की तैयारी कैसे करना, अनुभव प्रलेखन, खगोलिकी क्लब से चर्चा, सांकेतिक प्रक्रम में अनुप्रयोग, ऊर्जा प्रणालियां, ऊर्जा और अंकीय इलेक्ट्रॉनिक विश्व, कोयला और पेट्रोलियम के बिना विद्युत तथा पारवहन, प्रकाश वोल्टीय प्रौद्योगिकियों का परिचय, जैव विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी, संचार, नागरिक अभियांत्रिकी का विकास, वात टरबाईन प्रौद्योगिकी, नियंत्रण सिद्धान्त अनुप्रयोग, आधुनिक कार्य बल और प्रमात्रा यांत्रिकी में कार्य का परीक्षण आदि विषय शामिल थे। छात्रों ने भा.प्रौ.सं. मण्डी परिसर की अनेक कार्यशालाओं और प्रयोगशाला प्रदर्शन में भाग लिया तथा क्षेत्रीय दौरे भी किये। वे स्वयं सेवकों के साथ भा.प्रौ.सं. मण्डी के भौतिक विज्ञान, संगणक, विद्युत, विद्युत और यांत्रिकी प्रयोगशाला और उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र (एएमआरसी) गए। इससे भा.प्रौ.सं. मण्डी में चल रहे अनुसंधान कार्य को जानने में उन्हें मदद मिली। उन्हें प्रयोगशाला में विभिन्न उपकरणों के उपयोग के बारे में सीखने को भी मिला।

उनके जिज्ञासु प्रश्नों का उत्तर स्वयं सेवकों द्वारा दिया गया जैसे कि भारत में तकनीकी संस्थानों में छात्र कैसे प्रवेश ले सकते हैं? प्रवेश पाने की प्रक्रियाएं और तैयारी कैसे की जा सकती है? अनेक प्रयोगशाला उपकरणों का उद्देश्य क्या है?

स्कूल के छात्र भा.प्रौ.सं. मण्डी में चल रही तकनीकी गतिविधियों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर बहुत उत्साहित थे। उनके द्वारा अभियांत्रिकी से सम्बन्धित ज्ञान के लिए विषय विशेष पर पूछे गये प्रश्न उनकी रुचि का उच्च स्तर, जोश और जिज्ञासा दर्शाते थे।

## केन्द्रीय पुस्तकालय



केन्द्रीय पुस्तकालय भा.प्रौ.सं. मण्डी के शैक्षणिक तथा अनुसंधान लक्ष्य के संवर्धन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा ज्ञान के सृजन और प्रसार को सरल बनाता है। पुस्तकालय वर्तमान पुस्तकालय सेवाओं (जो अध्यापन, अध्ययन और अनुसंधान की गतिविधियों के साथ एकीकृत हैं) को प्रोत्साहित करता है। पुस्तकालय अध्ययन में उत्कृष्टता को सुविधाजनक बनाता है, एक उचित शिक्षण और अनुसंधान वातावरण बनाता है। यह छात्रों के शिक्षण और अनुसंधान सम्बन्धी आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाने के अतिरिक्त आज के परिवर्तित वातावरण की आवश्यक बुनियादी जानकारी प्रदान करता है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी का केन्द्रीय पुस्तकालय पुस्तकों, सन्दर्भ पुस्तकों, प्रतिवेदनों, पत्रिकाओं तथा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के अपने संग्रह का तेजी से विकास कर रहा है। पुस्तकालय में पाठ्य पुस्तक संग्रह चालू स्नातक शिक्षण कार्यक्रम के लिए महत्त्वपूर्ण प्रोत्साहन देता है। पुस्तकें संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, अर्थ शास्त्र, दर्शन शास्त्र, मनोविज्ञान और अंग्रेजी आदि विभिन्न विषयों पर उपलब्ध हैं। स्नातकोत्तर कार्यक्रम हेतु भी एक ही समय में विकास किया जा रहा है।

केन्द्रीय पुस्तकालय अनेक ई-आंकड़े आधारित पत्रिकाओं तक पहुंच प्रदान करता है। इसमें गणित, रसायन विज्ञान, भौतिकी, संगणक विज्ञान, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिकी और खगोल विज्ञान जैसे विषयों पर सैंकड़ों पत्रिका शीर्षक सम्मिलित हैं। केन्द्रीय पुस्तकालय खुले स्रोत पुस्तकालय प्रबन्धन सॉफ्टवेयर कोहा के उपयोग से स्वतः चालित है। सभी दस्तावेज बार कोडित हैं तथा पूर्व व्यापी रूपान्तरण द्वारा सभी संग्रह जो स्वचालन से पहले अधिगृहीत किये गए थे, वे भी केन्द्रीय पुस्तकालय डेटा-बेस में शामिल कर लिए गए हैं। पुस्तकों का लेन-देन भी स्वचालित है। पुस्तकालय की अनेक नवीनतम सेवाओं (सीएएस/एसडीआई, आईएलएल की ऑन लाईन स्थिति, पुस्तकों का ऑन लाईन संरक्षण आदि शामिल करके) को आरम्भ किया गया है। वैब ओपेक का प्रयोग करके उपभोक्ता अपने उधार की स्थिति का विवरण ऑन लाईन जांच सकता है। उपभोक्ताओं को पुस्तकालय संसाधन तक पहुंच के लिए दो कार्यस्थल स्थापित किए गए हैं।

अभी, केन्द्रीय पुस्तकालय में आरएफआईडी प्रणाली का कार्यान्वयन हो चुका है। यह प्रणाली निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करती है: पुस्तक का स्वचालित लेन-देन, चोरी विरोधी प्रणाली में सुधार, शल्फ की उचित व्यवस्था, गुम पुस्तक की स्वतः पहचान और पुस्तकालय सामग्री संचय प्रबंधन।

पुस्तकालय में प्रयुक्त सॉफ्टवेयर

- (i) कोहा: स्वचालन हेतु।
- (ii) डीस्पेस: अंकरूपण हेतु।
- (iii) ग्रीनस्टोन: अंकरूपण हेतु।
- (iv) लाईनक्स: परिसेवकों और डेस्कटॉप हेतु संचालन प्रणाली।

### 1. संग्रह विकास और प्रबन्धन

संग्रह करना पुस्तकालय का एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण कार्य है। यह छात्रों, प्राध्यापकों, कर्मचारी वर्ग तथा अन्य उपभोक्ताओं के शैक्षिक तथा अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहित करता है। पुस्तकालय के संग्रह में पुस्तकें, पत्रिकाएं, प्रतिवेदन, छोटी पुस्तकें तथा विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान जैसी अन्य पढ़न सामग्री सम्मिलित है।

## 1.1 वर्ष 2015–16 में शामिल किये गये मुद्रित दस्तावेज

वर्ष 2014–15 में केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा 22 सन्दर्भ पुस्तकों सहित 1292 पुस्तकों का अधिग्रहण किया गया। पुनः प्रकाशित संस्करणों, तकनीकी प्रतिवेदनों तथा दूसरे विश्वविद्यालयों/संस्थानों के वार्षिक प्रतिवेदनों के अतिरिक्त इसमें कुछ आवधिक पत्रिकाएं भी समायोजित की गई हैं।

पुस्तकों की नई परिवर्धन सूची प्रत्येक सप्ताह जारी की जाती है। उसे पुस्तकालय के मुख-पृष्ठ पर देखा जा सकता है। इस सूची को ई-मेल द्वारा भी परिचालित किया जाता है। अनुरोध करने वाले प्राध्यापक (प्राध्यापकों) को प्रकाशन पहुंचने की सूचना ई-मेल द्वारा भी दी जाती है।

## 1.2 वर्ष 2015–16 में अभिदत्त नये इलेक्ट्रॉनिक संसाधन

केन्द्रीय पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों पर वैब-आधारित पहुंच प्रदान करता है:

### 1.2.1 पूर्ण पाठ्य ई-पत्रिकाएं: 10,000 तक पहुंच + निम्नलिखित डेटा-आधारों से पूर्ण पाठ्य पत्रिकाएं:

एआईपी, एसीएम अंकीय पुस्तकालय, एसीएस, एपीएस. एसएसएमई, सैल प्रेस, आईओपी, एलसवियर विज्ञान डायरेक्ट, आईईईई इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकालय, जेएसटीओआर, एसआईएम, स्प्रिंगर लिंक, टेलर एण्ड फ्रांसिज (एस और टी पूर्ण संग्रह), प्रकृति वार्षिक समीक्षा आदि।

### 1.2.2 बिबलियोग्राफी ई-डेटाबेसिज: साईफाइंडर, मैथ साईनेट, एससीओपीयूएस और वैब विज्ञान

1.2.3 ई-पुस्तकें: केन्द्रीय पुस्तकालय विभिन्न शाखाओं में 10000 से अधिक ई-पुस्तकों के संग्रह तक पहुंच प्रदान करता है। ई-पुस्तक संग्रह उन शीर्षकों से परिपूर्ण है जिनकी परिशुद्ध प्रशंसा संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा की गई है तथा उपभोक्ताओं की आवश्यकता की पूर्ति करता है। ई-पुस्तक संग्रह के प्रकाशकों में साईस-डायरेक्ट (एलसवियर), मैग्रा हिल्ल, पियरसन, टी और एफ, आईईईई, आईईईई-एमआईटी प्रैस, आईईईई-विले, मोरगेन क्लेपूल, सीयूपी, एसएसएमई, वर्ल्ड साईटिफिक तथा जॉन विले शामिल हैं। ई-पुस्तक संग्रह में गणित (एलएनएम), भौतिकी (एलएनपी) तथा स्प्रिंगर प्रकाशक के संगणक विज्ञान (एलएनसीएस) पर व्याख्यान सम्मिलित हैं।

इस वर्ष के लिए ई-पुस्तक संग्रह प्रक्रिया का विकास पहले ही आरम्भ हो चुका है। इसके लिए अन्य प्रतिष्ठित प्रकाशन गृहों से पुस्तकें शामिल करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

## 2. परिचालन

परिचालन गतिविधियां अब स्वचालित हैं। पुस्तकालय उपभोक्ता वैब ओपेक के उपयोग से अपने उधार सम्बन्धी विवरण की जांच कर सकते हैं। हम उपभोक्ता प्राध्यापकों, अनुसंधान विद्वानों, छात्रों तथा कर्मचारी वर्ग की सेवा करते हैं। परिचालन डेस्क सप्ताह में 50 घण्टे खुला रहता है। औसतन मासिक परिचालन लेन-देन की संख्या लगभग 1670 है।

## 3. अंकीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय का अपना एक मुख-पृष्ठ (<http://www.iitmandi.ac.in/academics/lib>) है जो अपने स्रोतों के लिए 10,000 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं और डेटाबेस से वैब आधारित पहुंच प्रदान करता है। संस्थानात्मक प्रकाशन भण्डार का आरम्भ हाल ही में किया गया है जो भा.प्रौ.सं. के समुदाय को तर्कसंगत आउटपुट प्रदान करता है। पुस्तकालय संस्थान के नेटवर्क का बड़ा भाग है तथा उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसमें पर्याप्त संगणनात्मक ढांचा विद्यमान है।

## 4. ओपेक (ऑन-लाईन पब्लिक एक्सेस सूची)

ओपेक, पुस्तकालय का अत्यधिक उपयोग किया जाने वाला डेटाबेस है तथा वैब मुख-पृष्ठ <http://www.webopac.iitmandi.ac.in/> के माध्यम से 24\*7 इस पर पहुंचा जा सकता है। पुस्तकालय में उपलब्ध सभी दस्तावेजों की सूची के अतिरिक्त, यह ऑन-लाईन नवीकरण एवम् आरक्षण, परिचालन की अनुमति देता है तथा प्रत्येक पुस्तक की वर्तमान स्थिति से अवगत करवाता है। ओपेक को लेखक, शीर्षक, अभिगमन संख्या, विषय तथा अन्य क्षेत्रों द्वारा तलाश किया जा सकता है।



## 5. प्रदत्त सेवाएं

- एसएमएस और ई-मेल सेवा द्वारा पूर्णतया स्वचालित परिचालन
- ऑन-लाईन पुस्तक आरक्षण, सूचना खोज, उपयोगकर्ता पुस्तकालय पुस्तक उधार स्थिति की जांच
- वैब ओपेक (वैब आधारित ऑनलाईन जन पहुंच सूची)
- छात्रों के आंतरिक अध्ययन के लिए आरक्षित संग्रह विकास
- पुस्तक अनुभाग में नई पहुंच
- सन्दर्भ सेवा
- अन्तर पुस्तकालय ऋण
- दस्तावेज़ वितरण सेवा
- चेतावनी सूचना सेवाएं
- केन्द्रीय पुस्तकालय के लिए चयनित ई-स्रोतों में सदस्यता शुल्क
- अंक आधारित पुस्तकालय सेवाएं
- अंकीय पुस्तकालय सेवाएं
- उपभोक्ता शिक्षण कार्यक्रम

## 6. आगामी योजनाएं:

- पुस्तकालय पुस्तकों की विषय सूची के लिए आधारभूत आंकड़े
- संस्थानात्मक भण्डार के लिए आधारभूत आंकड़े
- पुस्तकालय में उपलब्ध सीडी / डीवीडी सहित उपलब्ध विभिन्न सॉफ्टवेयर के आधारभूत आंकड़े
- मुद्रित पुस्तकों में उपलब्ध सूचियों के आधारभूत आंकड़े
- एकल खोज प्लेटफॉर्म
- पुस्तकालय समाचार पत्र का प्रकाशन आरम्भ करना

The screenshot shows the Central Library website of IIT Mandi. The page is titled 'Central Library, IIT Mandi' and includes a navigation menu with 'About Us', 'Services', 'Resources', 'Online Resources', 'Awareness Service', and 'Contact Us'. The main content area features a welcome message, a list of general information, full text databases, e-books, faculty services, and quick links. A sidebar on the right lists empanelled books, vendors, and subscription agencies.

General Information	Full text databases	e-books
Rules & Regulations Borrowing Privileges Library Timings e-resources: usage policy	ACS Journals & Legacy Archive ACM Digital Library AIP Journals APS Journals ASME Jnls IEC Standards IEEE/ET Electronic Library (IEL) JSTOR (List of e-jnls) SIAM all e-journals Science Direct Springer Link Journals Taylor & Francis Journals (S&T)	ASME Cambridge University Press Elsevier IEEE Pearson Taylor & Francis World Scientific Tata McGraw Hill Wiley
<b>Faculty Services</b> Indent a Book (pdf/doc) Document Delivery Service Inter Library Loan OPAC (Online Public Access Catalogue) - intranet		

Quick Links

List of Empanelled Books  
Vendors & Journal  
Subscription Agencies at  
Central Library, IIT Mandi

## पुस्तकालय वेब पृष्ठ

## दीक्षान्त समारोह

### तृतीय दीक्षान्त-समारोह

दिनांक 31 अक्टूबर, 2015 को संस्थान में तृतीय दीक्षान्त समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, मोहाली के निदेशक, प्रा. नारायणस्वामी सथ्यमूर्थी और अभिशासक मण्डल, भा.प्रौ.सं. मण्डी के अध्यक्ष, श्री एम. नटराजन थे।

इस दीक्षान्त समारोह में संस्थान के 105 बी.टैक, छात्रों, 7 एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) छात्रों और 3 पी.एचडी. छात्रों ने उपाधि ग्रहण की।

श्री सचिन एस. भट को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, श्री प्रशांत प्रजापति को शैक्षिक उत्कृष्टता और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए निदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। श्री सचिन एस. भट, श्री इंगेल स्वप्निल सुशील को संस्थान रजत पदक से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त बी.टैक. छात्राओं में कुमारी मक्खीजानी निधि मनोज को उत्कृष्ट रहने पर रानी गोनसेल्वज स्मारक पदक और जर्मन के लिए श्री प्रशांत प्रजापति को बालासुन्दरम वृत्ति पुस्कार से सम्मानित किया गया।



## छात्र सुविधाएं और गतिविधियां

### खेल सुविधाएं और गतिविधियां

भा.प्रौ.सं. मण्डी के जिमखाना का लक्ष्य खेल और मनोरंजनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से छात्रों, प्राध्यापकों और कर्मचारी वर्ग के स्वच्छ जीवन यापन प्रणाली को विकसित करना, सामुदायिक भावना को बढ़ाना, नेतृत्व और दलों में कार्य करने के कौशल का संरक्षण करना है।

वर्ष 2015 छात्र गतिविधियों में ऐतिहासिक है क्योंकि इस साल पहली बार सभी बी.टैक. छात्र कमन्द परिसर में स्थानान्तरित हुये। कमन्द परिसर में छात्रों को उपलब्ध कम खेल सुविधाओं के साथ सक्रिय रखना जिमखाना के लिए चुनौतीपूर्ण था। इस वर्ष हमारे परिसर में बैडमिंटन, टेबिल टेनिस, वॉलीबॉल, बास्केट बॉल, फुटबॉल, हॉकी, क्रिकेट, लॉन टेनिस और खेलों को सम्मिलित कर यह लक्ष्य कुछ हद तक प्राप्त किया।

छात्र जिमखाने द्वारा नये छात्रों के लिए प्रेरणा कार्यक्रम और एनएसओ गतिविधि, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, अन्तः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रतिभागियों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। आन्तरिक प्रतियोगिता आयोजन में अनेक खेलों के लिए गत वर्ष 300 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। आदर्श एवं स्वच्छ वातावरण में जीवन्त तरीके द्वारा, खेल और मनोरंजनात्मक गतिविधियों के माध्यम से निजी विकास को प्रोत्साहन मिलता है। इसीलिए अधिकतम छात्रों की भागीदारी के लिए अन्तः विभाग, अन्तः गृह, अन्तः वर्ष, अन्तः छात्रावास और अन्तः कक्षा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

जो सक्रिय मनोरंजनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के इच्छुक होते हैं, छात्रों का जिमखाना उनके मन और शरीर के सन्तुलन के लिए सामूहिक व्यायाम की व्यवस्था करता है। यह प्रत्येक व्यक्ति की अलग विशेषता को सम्मिलित कर सामुदायिक विकास के लिए एकल एवम् और सामूहिक खेलों का भी आयोजन करता है।

### रण-2015 (अन्तः गृह खेल)

“नवोत्थान के लिए परिवर्तन और परिवर्तन से प्रगति होती है।”

भा.प्रौ.सं. मण्डी में सभी ओर से निरंतर भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए छात्र समुदाय को अग्नि, जल, पृथ्वी और वायु नामक चार विभिन्न गृह में विभक्त किया था। प्रथम अन्तः गृह खेल कार्यक्रम 'रण' का आयोजन दिनांक 24 से 26 सितम्बर, 2015 को हुआ। इस कार्यक्रम में विभिन्न खेलों के लिए अनेक दल थे। सभी गृहों से उत्साहित खिलाड़ियों की जोशीली भागीदारी रही। प्रथम वर्ष के अवर स्नातक बड़े समूहों में थे और सभी खेलों में दर्शकों के साथ उत्साहवर्धन कर रहे थे। खेलों में स्नातकोत्तर और डॉक्टरल छात्रों की शालीन भागीदारी रही। छात्रों को सम्बन्धित गृह से अधिकतम तीन से अधिक खेल में भाग लेने की आज्ञा नहीं थी। प्रदर्शन समारोह दिनांक 26 सितम्बर, 2015 को सांयकाल में हुआ। प्रा. बी. सुब्रमण्यन, प्रा. भवेन्द्र पाल और डॉ. एस.एन. झा ने समारोह की शोभा बढ़ाई और विजेताओं को सम्मानित किया। विजेताओं को एक पदक और एक प्रशस्ति प्रमाण पत्र उनके प्रयासों के लिए दिया गया। छात्र जिमखाने के खेल सचिव, कर्ण महाजन ने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों की विशेष सराहना की। सामान्य विजेता वायु और पृथ्वी गृह रहे, प्रत्येक ने कुल 45 अंक जीते।

क्रमांक	खेल	विजेता	द्वितीय
1	बैडमिंटन छात्रा	पृथ्वी	जल
2	बैडमिंटन छात्र	वायु	पृथ्वी
3	चैस छात्र	वायु	पृथ्वी
4	लॉन टेनिस	पृथ्वी	जल
5	क्रिकेट	वायु	पृथ्वी
6	वॉलीबॉल	जल	अग्नि
7	फुट बॉल छात्र	जल	अग्नि
8	टेबिल टेनिस छात्रा	अग्नि	वायु
9	टेबिल टेनिस छात्र	जल	अग्नि
10	हॉकी	पृथ्वी	वायु
11	बास्केट बॉल	अग्नि	वायु

## तकनीकी खेल 2016 (भा.प्रौ.सं. दिल्ली में खेल उत्सव)

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने भा.प्रौ.सं. दिल्ली में आयोजित दिनांक 3 मार्च, 2016 से दिनांक 6 मार्च 2016 तक तकनीकी खेल में भाग लिया। 103 छात्रों के दल में कुल 13 लड़कियां और 90 लड़के थे। हमने बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, बॉलीबाल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, हॉकी के खेलों में भाग लिया। हमारे छात्र दल ने बास्केटबॉल, टेबल टेनिस और बैडमिंटन में सेमीफाइनल खेला और 100 मीटर हेतु दो खिलाड़ी फाइनल पहुंचे। गत वर्ष के अन्तः भा.प्रौ.सं. मिलन की तुलना में यह प्रदर्शन अधिक अच्छा रहा।

## उद्घोष-2015 (भा.प्रौ.सं. कानपुर का खेल उत्सव)

भा.प्रौ.सं. कानपुर के 'उद्घोष-2015' खेल समारोह में नौ बी.टैक. और पी.एच.डी. छात्रों ने टेबल टेनिस और बैडमिंटन में भाग लिया और क्वार्टर फाइनल में पहुंचे।

## बैटल ग्राउंड फोर

बैटल ग्राउंड बैडमिंटन, खेल का आयोजन दिनांक 22.08.2015 से दिनांक 30.08.2015 तक हुआ। इसमें 80 से अधिक लड़कों ने भाग लिया और बी.टैक. तृतीय वर्ष के श्री अक्षत गुप्ता प्रथम स्थान पर और पीएच.डी के श्री थिरुमुरगन द्वितीय स्थान पर आये। लड़कियों के कार्यक्रम में बी.टैक. की कुमारी ममता भाजिआ प्रथम और बी.टैक. प्रथम वर्ष की कुमारी अंकुश जैन द्वितीय रही। बी.टैक. प्रथम वर्ष की श्री आयुश शर्मा को नये छात्रों में सर्वोत्तम सम्मानित किया।

## 16वीं वरिष्ठ राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन खेल

बी.टैक. द्वितीय वर्ष के नितेश कुमार ने दिनांक 16 से 18 जनवरी 2016 तक फरीदाबाद में आयोजित 16वीं सीनियर राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन खेल के एकल कार्यक्रम में कांस्य पदक जीता और पुरुष के द्वितीय क्वार्टर फाइनल में स्थान प्राप्त किया। उसका चयन दिनांक 2 से 7 अगस्त, 2016 को सोलो सीटी, इंडोनेशिया में होने वाली पैरा बैडमिंटन अन्तर्राष्ट्रीय खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हुआ।

एम.एस. और पी.एच.डी. छात्रों का बैडमिंटन खेल

एम.एस. और पीएच.डी. छात्रों के लिए विशेष खेल का आयोजन किया, जिसमें 30 छात्रों (छात्र और छात्राओं) ने भाग लिया। विजेताओं को उनके प्रदर्शन के लिए एक पदक और प्रशस्ति प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

## स्टाफ और प्राध्यापकों की भागीदारी

क्रिकेट विकेट उद्घाटन मैच का आयोजन स्टाफ, प्राध्यापक और अन्तः भा.प्रौ.सं. छात्र दलों के लिए किया गया। नव निर्मित क्रिकेट विकेट उद्घाटन के मुख्य अतिथि प्रा.बी. सुब्रमण्यन और प्रा. भवेन्द्र पाल थे। यह मैच अन्तः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान छात्र दल के भा.प्रौ.सं. मण्डी दल ने जीता। स्टाफ, प्राध्यापक और अन्तः भा.प्रौ.सं. छात्र दलों के लिए बैडमिंटन मैच का आयोजन भी किया गया जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान छात्र दल ने जीता।

## ज़िला मण्डी टेबल टेनिस खेल

ज़िला स्तरीय खेल में भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्र दल ने टेबल टेनिस में भाग लिया और बी.टैक. तृतीय वर्ष के श्री ऋषभ का चयन राज्य टेबल टेनिस खेल के लिए हुआ।

## क्रिकेट खेल में भागीदारी

भा.प्रौ.सं. मण्डी के अन्तः भा.प्रौ.सं. छात्र दल ने मण्डी में आयोजित सत्य प्रताप स्मारक क्रिकेट खेल-2015 में भाग लिया। उन्होंने सुन्दरनगर में हि.प्र. बीएसएनएल क्रिकेट दल के साथ एमएलएसएम महाविद्यालय के मैदान में अभ्यास मैच भी खेला।

## छात्रों के लिए पुरस्कार:

खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ष 2015-16 में निम्नलिखित छात्रों को पुरस्कार दिये गये-

क्रमांक	पुरस्कार का नाम	छात्र का नाम	खेल	कार्यक्रम और वर्ष
1	रंग पुरस्कार	हिमांशु नन्देश्वर	बैडमिंटन	बी.टैक. अन्तिम वर्ष
2	**	अनुराग जी.पी.	हॉकी	बी.टैक. अन्तिम वर्ष
3	**	सागर पेडीटि	वॉलीबाल	बी.टैक. तृतीय वर्ष
4	**	ऋषभ त्रिवेदी	टेबल टेनिस	बी.टैक. तृतीय वर्ष
5	विशेष उल्लेख	निखिल कुमार	क्रिकेट	बी.टैक. द्वितीय वर्ष
6	**	दिव्यांशु वर्मा	फुटबॉल	बी.टैक. द्वितीय वर्ष
7	**	विकी वर्मा	हॉकी	एस.सी. प्रथम वर्ष
8	**	लवदीप सिंह	बॉलीबॉल	बी.टैक. द्वितीय वर्ष
9	**	धैर्य वर्मा	बास्केटबॉल	बी.टैक. प्रथम वर्ष
10	**	थिरुमुरगन	बैडमिंटन	पी.एचडी.
11	**	संजय खाण्डगेल	लॉन टेनिस	बी.टैक. प्रथम वर्ष
12	**	श्रुति कौशिक	बैडमिंटन	---
13	**	दीपक कुमार	खेल	एम.एससी. प्रथम वर्ष
14	**	आयुश शर्मा	टेबल टेनिस	बी.टैक. प्रथम वर्ष
15	**	नेहा मुथियान	बैडमिंटन	बी.टैक. द्वितीय वर्ष
16	वर्ष का खिलाड़ी	अनिल माथुर	बास्केट बॉल	बी.टैक. अन्तिम वर्ष
17	वर्ष का नव आगन्तुक	बिपिन शर्मा	फुटबॉल	बी.टैक. प्रथम वर्ष

## सामुदायिक खेल गतिविधियां

स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर छात्रों, कर्मचारी वर्ग, प्राध्यापकों और बच्चों के लिए वॉलीबॉल, रस्सा-कस्सी, कुर्सी दौड़, चित्रकारी और स्मृति खेल जैसी सामुदायिक खेलों का आयोजन किया गया।

## राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

राष्ट्रीय सेवा योजना एक स्वैच्छिक सेवकों का समूह है जो अपने आस-पास के समुदाय की बेहतरी के लिए कार्य कर रहा है। वे संस्थान के सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो समाज को सुधारने के लिए प्रयत्नशील हैं। एनएसएस का लक्ष्य "मेरा नहीं परन्तु आपका" है। यह प्रजातांत्रिक जीवन के महत्त्व को दर्शाता है और आवश्यक सहायता के लिए निःस्वार्थ सेवा करता है। इसका प्रमुख उद्देश्य समाज की समाज के माध्यम से अच्छी शिक्षा, बेहतरीन स्वास्थ्य और जागरूकता के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के निम्नलिखित अनुभाग हैं:

### साहित्यिक अनुभाग

शिक्षा एक सर्वोत्तम उपहार है जिसे आप किसी व्यक्ति को प्रदान कर सकते हैं और किसी से ग्रहण कर सकते हैं। शिक्षा प्रदान करने वाले से कुछ नहीं लेती हालांकि उसे आन्तरिक सन्तुष्टि और प्रसन्नता देती है। साहित्यिक अनुभाग राष्ट्रीय सेवा योजना, भा.प्रौ.सं. मण्डी, उन छात्रों का समूह है जिन्होंने शिक्षा का तेजी से प्रसार कर अपने आपको राष्ट्र की उन्नति के लिए समर्पित किया है। वे मुफ्त अध्ययन सामग्री और पाठ्यक्रम की जानकारी देकर गरीब और आर्थिक रूप से असहाय परिवार के बच्चों की मदद करते हैं। साहित्यिक अनुभाग के छात्र शहर में अनेक सरकारी स्कूलों में सेमिनार और जागरूकता शिविर का आयोजन करते हैं। वे आस-पास के क्षेत्रों में जेईई-मुख्य (पहले एआईईईईई), जेईई-उन्नत (पहले आईआईटी-जेईई), एआईपीएमटी जैसी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी के माध्यम से उच्चतर शिक्षा को प्रोत्साहन देते हैं।

### सतर्कता अनुभाग

सतर्कता अनुभाग समाज में विद्यमान कुरीतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। यह बाल मजदूरी, धूम्रपान के कुप्रभाव या शहर की सफाई के विषय में लोगों को जागरूक करता है। संस्थान के छात्र सेवा भावना से विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और पैम्फलेट एवं बैनर प्रकाशित कर शहर में जागरूकता का प्रसार करते हैं। वे प्राध्यापकों की सहायता से समाज में हो रही दुर्घटनाओं से लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न शिविरों और कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

### स्वास्थ्य अनुभाग

अच्छे समाज की प्रथम और सर्वोपरि आवश्यकता अच्छा स्वास्थ्य है। स्वस्थ शरीर समाज को धारणीय बनाने के लिए, व्यक्ति को उनके जीवन जीने के योग्य बनाता है उसे समर्थ बनाने के लिए स्थिरता प्रदान कर सकता है। बेहतर होगा कि अच्छी तरह से व्यक्ति अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देकर स्वास्थ्यवर्द्धक तरीके अपनाएं जो अच्छा संरक्षण प्रदान करते हैं। स्वास्थ्य अनुभाग वर्ष भर अनेक शिविरों का आयोजन करता है रक्त दान करने को प्रोत्साहित करता है और कुछ सामान्य रोगों के बारे में सारे मण्डी शहर में सूचना प्रसारित करता है। वे विभिन्न सामान्य रोगों के कारणों एवं उनके उपाय की भी जानकारी देते हैं जिसे उन्हें अपनाना चाहिए। रक्त दान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य अनुभाग की प्रमुख उपलब्धियों में से एक है। संस्थान के छात्र अपनी इच्छा से कार्यक्रम में भाग लेते हैं और जरूरत मंद लोगों के लिए रक्त देते हैं। पिछले कुछ कार्यक्रमों में शहर के स्थानीय निवासियों में रक्त दान के लिए सक्रिय भागीदारी भी देखी गई।

### प्रतिबद्ध गतिविधियां

क्रमांक	गतिविधियों का नाम	गतिविधि की दिनांक
1	भारतीय छात्र संसद	दिनांक 10 से 12 जनवरी, 2015
2	वृद्धाश्रम यात्रा	12 अप्रैल, 2015
3	प्रयास (शिक्षण कार्यक्रम)	18 अप्रैल, 2015 से 16 जनवरी 2016
4	पुस्तकालय विनिर्माण कार्यक्रम	25 अप्रैल, 2015 से अब तक
5	रक्त दान शिविर	05 मई, 2015
6	झुग्गी झोंपड़ी में रहने वाले बच्चों के लिए शिक्षण कार्यक्रम	3 जून, 2015 से 16 अक्टूबर, 2015
7	भा.प्रौ.सं. मण्डी, कमान्द में एनएसएस अनुस्थापना दिवस शिविर	6 अगस्त, 2015
8	एनएसएस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता- व्यक्तित्व विकास	11 सितम्बर, 2015
9	राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस समारोह	24 सितम्बर, 2015
10	महात्मा गान्धी जयन्ती	02 अक्टूबर, 2015
11	रक्त दान शिविर	06 नवम्बर, 2015
12	प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए ब्रिज स्कूल कार्यक्रम (शिक्षण कार्यक्रम)	29 फरवरी, 2016
13	विशेष	
	अन्ध संघ के लिए दान	दिसम्बर, 2015
	श्रमिक बच्चों के शिक्षण कार्यक्रम के लिए दान	नवम्बर, 2015
	कपड़ा संग्रह योजना	नवम्बर, 2015

## वर्ष 2015-2016 के दौरान एनएसएस गतिविधियां और व्यय

क्रमांक	गतिविधियां	गतिविधि की दिनांक	गतिविधि पर व्यय	टिप्पणी
1	भारतीय छात्र संसद	10 से 12 जनवरी, 2015	14,312.00	—
2	वृद्धाश्रम यात्रा	12 अप्रैल, 2015	6,601.00	—
3	प्रयास (शिक्षण कार्यक्रम)	18 अप्रैल, 2015 से 16 जनवरी, 2016	9,453.00	—
4	पुस्तकालय विनिर्माण कार्यक्रम	25 अप्रैल, 2015 से अब तक	4,263.00	—
5	रक्त दान शिविर	05 मई, 2015	8,080.00	—
6	झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वाले बच्चों के लिए शिक्षण कार्यक्रम	3 जून, 2015 से 16 अक्टूबर, 2015	6,588.00	—
7	भा.प्रौ.सं. मण्डी, कमान्द में एनएसएस अनुस्थापन दिवस	6 अगस्त, 2015	2,800.00	—
8	एनएसएस प्रतियोगिता—वैयक्तिक विकास	11 सितम्बर, 2015	6,096.00	—
9	राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस समारोह	24 सितम्बर, 2015	4,024.00	—
10	महात्मा गान्धी जयन्ती	02 अक्टूबर, 2015	2,412.00	—
11	रक्त दान शिविर	06 नवम्बर, 2015	7,620.00	—
12	प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए स्कूल कार्यक्रम	29 फरवरी, 2016	72,252.00	दान राशि से 25,750.00 रु. का व्यय
		कुल व्यय	98,002.00 रु.	25,750.00 रु.

### दिनांक 12 अप्रैल, 2015 को वृद्धाश्रम यात्रा



वरिष्ठ नागरिकों से उनकी समस्याओं को पूछते हुये स्वयं सेवक



वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों के साथ एनएसएस दल

### प्रयास (शिक्षण कार्यक्रम) दिनांक 18 अप्रैल, 2015 से 16 जनवरी, 2016 तक



प्रयास स्वैच्छिक सेवकों के साथ वरिष्ठ केन्द्रीय विद्यालय कमान्द के छात्र

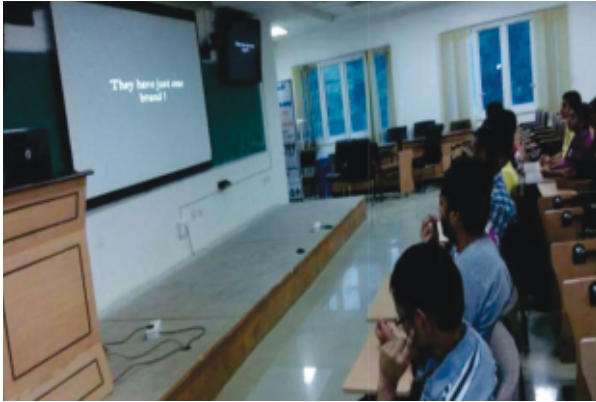
## रक्त दान शिविर



## प्रवासी मजदूरों के बच्चों के लिए शिक्षण कार्यक्रम



## राष्ट्रीय सेवा योजना परिचय दिवस



## स्वैच्छिक सेवकों के मध्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता



## भा.प्रौ.सं. मण्डी, कमान्द परिसर में स्वच्छता शिविर



## देहाती व पहाड़ी लम्बी यात्रा

भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्रों के दिलों में बसे साहस की प्रतिपूर्ति हेतु, हिमालय की गोद में बसे भा.प्रौ.सं. के लिये पूर्णकालिक हाईकिंग व ट्रेकिंग क्लब विद्यमान है। इस धरती पर सुन्दरतम स्थानों में से हिमाचल प्रदेश एक है। पराशर, रिवाल्सर, कमान्द मनिकर्ण आदि स्थान हाईकिंग के लिये सर्वोत्तम हैं। जहां हमारा संस्थान स्थापित है वहां वास्तव में प्रकृति इन पर्वत श्रेणियों में अपनी सुन्दरता बिखेरती है। निदेशक लम्बी पैदल यात्रा में रुचि रखते हैं, क्लब अपने सदस्यों के लिए विभिन्न स्थानों के लिये निरन्तर यात्राओं का प्रबन्ध करता है। भा.प्रौ.सं. मण्डी का हाईकिंग तथा ट्रेकिंग क्लब, भा.प्रौ.सं. मण्डी का अकेला सबसे बड़ा क्लब है।

छात्र, स्टॉफ तथा प्राध्यापक इस क्लब के सदस्य हैं। वर्ष 2016 में इस क्लब में 250 से अधिक सदस्य जुड़े। वर्ष 2015–16 में क्लब ने अनेक देहाती व पहाड़ी गतिविधियां आयोजित की थीं। सदस्यों ने पराशर झील, खीर गंगा, रुद्र नाग और नागथन की यात्रा की।

### पराशर झील यात्रा



### खीर गंगा यात्रा



### नागथन यात्रा



## रुद्र नाग यात्रा



### मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा (जीसीएस)

अनुस्थापन –2015

भा.प्रौ.सं. मण्डी में नये शैक्षिक वर्ष का प्रारम्भ होने के साथ उभरते हुये अभियंताओं और वैज्ञानिकों के नये बैच का स्वागत किया गया। मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा द्वारा उन्हें संस्थान की जानकारी एवम् भा.प्रौ.सं के नये वातावरण में सही ढंग से ढलने के लिए एक व्यापक अनुस्थापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अवर स्नातक छात्रों का दिनांक 2 से 8 अगस्त, 2015 तक दीर्घ अनुस्थापन चला। सम्पूर्ण भारत से छात्र दिनांक 2 अगस्त को संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिकी अभियांत्रिकी और भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्रथम बैच नागरिक अभियांत्रिकी में बी. टैक. करने के लिए कमान्ड परिसर आये। दिनांक 3 अगस्त को निदेशक और संकायाध्यक्षों ने छात्रों व अभिभावकों का समारोह में स्वागत किया तथा अभिभावकों के साथ विचार-विमर्श किया। वरिष्ठ छात्रों और स्टाफ के सदस्यों ने उनका पंजीकरण करने, पहचान पत्र बनाने, बैंक खाता खोलने और मोबाईल कनेक्शन जैसी विभिन्न आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने में सहायता की।



चित्र 1 प्रा. टी.ए. गोन्सेल्वज, निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी, स्वागत समारोह के दौरान नये आगन्तुक छात्रों व अभिभावकों को सम्बोधित करते हुये



चित्र 2: अनुस्थापन स्थल में उपस्थित प्राध्यापक, कर्मचारी वर्ग, छात्र और अभिभावक

भा.प्रौ.सं. मण्डी और इसके वातावरण से परिचित होने के लिए अनुस्थापन सप्ताह के दौरान छात्रों को विभिन्न आन्तरिक और बाह्य गतिविधियां करवाईं। प्राध्यापक सदस्यों के समूह ने उनके भाषा कौशल को सुधारने के लिए पूरे सप्ताह अंग्रेजी क्लब का आयोजन किया। क्लास रूम सत्रों में कुछ सत्र शामिल हैं— अभियांत्रिकी क्या है? विभिन्न विषयों का सिंहावलोकन शैक्षिक स्वरूप, अनिवार्य छात्रोन्मुखी सेवाएं और कमान्द परिसर का वानस्पतिक ज्ञान। नव आगन्तुकों के लिए "जीवन कौशल" नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। संचार कौशल, व्यक्तित्व निर्माण, समय प्रबंधन और तनाव प्रबंधन इस कार्यशाला के सत्रों में शामिल थे।

अपराह्न और सांयकाल के दौरान छात्रों ने क्रमबद्ध औपचारिक और बाह्य गतिविधियों में भाग लिया। दूसरी संध्या की औपचारिक गतिविधियों का आरम्भ 'नये मिश्रण' से हुआ और इसमें देहाती, संगणक खेल, खजाने की खोज, अपमार्जक, मूवी स्क्रीनिंग और बोर्ड जैसी खेलें थीं। उनके भा.प्रौ.सं. में रहने के समय यह विशेष कार्यक्रम एक हास्यवर्धक जैसा था। इस वर्ष भा.प्रौ.सं. मण्डी में कुल 135 बी.टैक. छात्र प्रवेशित हुये।

परामर्श सेवा द्वारा उन्हें संस्थान की जानकारी एवम् भा.प्रौ.सं के नये वातावरण में सही ढंग से ढलने के लिए एक व्यापक अनुस्थापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अवर स्नातक छात्रों का दिनांक 2 से 8 अगस्त, 2015 तक दीर्घ अनुस्थापन चला। सम्पूर्ण भारत से छात्र दिनांक 2 अगस्त को संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिकी अभियांत्रिकी और भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्रथम बैच नागरिक अभियांत्रिकी में बी. टैक. करने के लिए कमान्द परिसर आये। दिनांक 3 अगस्त को निदेशक और संकायाध्यक्षों ने छात्रों व अभिभावकों का समारोह में स्वागत किया तथा अभिभावकों के साथ विचार-विमर्श किया। वरिष्ठ छात्रों और स्टाफ के सदस्यों ने उनका पंजीकरण करने, पहचान पत्र बनाने, बैंक खाता खोलने और मोबाईल कनेक्शन जैसी विभिन्न आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने में सहायता की।



चित्र 3: छात्रों को पुस्तकालय और इसकी प्रक्रियाओं से परिचित करवाते हुये पुस्तकालयाध्यक्ष, श्री एन.एस. भण्डारी



चित्र 4 अपमार्जक के लिए तैयार नवआगन्तुक बी.टैक. छात्र

शैक्षिक डीन द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों और अनुसंधान छात्रों के लिए एक अभिमुखी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष भा.प्रौ.सं. मण्डी के एक बैच में 45 एमएस/पीएचडी, 18 रसायन विज्ञान में एम.एससी. और 5 ऊर्जा सामग्री में एम.टैक. के छात्र आये। इस कार्यक्रम में 7 छात्रों ने पंजीकरण करवाया। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने भौतिकी में अपने भौतिकी संकलित पी.एचडी. छात्रों के प्रथम बैच का स्वागत भी किया। स्नातकोत्तर अभिमुखी सत्रों में शैक्षिक स्वरूप, भा.प्रौ.सं. में अनुसंधान, अनुसंधान में नीति शास्त्र, परिसर में जीवन और तकनीकी लेखन सम्मिलित थे। अनुसंधान विद्वानों को केन्द्रीय सुविधाओं (पुस्तकालय, उन्नत सामग्री अनुसंधान केन्द्र) और परिसर के आसपास देहाती यात्रा करवाई। उन्होंने अवर स्नातक छात्रों के साथ कुछ औपचारिक गतिविधियों में सक्रियता से भाग लिया।



चित्र 5 नजदीकी गांव में पहाड़ी यात्रा के दौरान नव आगन्तुक पी.जी. और पी.एचडी. के छात्र आराम करते हुये

**स्वैच्छिक गतिविधियां:** छात्र समुदाय को लाभान्वित करने के लिए सामान्य परामर्श के अतिरिक्त जीसीएस ने निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया।

**परामर्श कार्यक्रम:** जीसीएस बी.टैक, छात्रों के लिए निरंतर तृतीय वर्ष में पूर्व परामर्श कार्यक्रम के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के योग्य था। जीसीएस स्वयं सेवकों को नये छात्रों को परामर्श देने का कार्य सौंपा था। ये परामर्श दाता छात्रों के मण्डी पहुंचने से पहले सम्पर्क व्यक्ति थे और पूरा प्रथम वर्ष छात्रों का मार्गदर्शन करने वाले थे।

अध्ययन समर्थ समूह: जीसीएस स्वयं सेवकों ने अगस्त से नवम्बर 2015 के समैस्टर के दौरान अध्ययन समर्थ समूह का आयोजन किया। अध्ययन सामग्री की चर्चा और परामर्श के लिए छात्रों के बीच बैठकें आयोजित की गईं।

### सांस्कृतिक सभा:

#### भा.प्रौ.सं. मण्डी का वार्षिक तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव, एक्सोडिया

दिनांक 3 से 5 अप्रैल तक वार्षिक तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव एक्सोडिया का आयोजन कमान्ड में किया गया। इस वर्ष एनआईटी कुरुक्षेत्र, पीईसी, एचपीयू, बर्ददी के दल और अन्य एक्सोडिया के साक्षी बने। एक्सोडिया में मोहित शर्मा की अध्यक्षता में 50 से अधिक विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जंकयार्ड वारज, बिग सर्टीक, एक्सोडिया आईडोल जैसे कार्यक्रम पहले दिन हुये। इसके अतिरिक्त एनसीएफडब्ल्यू नामक गैर सरकारी संस्थान ने एक सेमिनार का आयोजन किया। दूसरे दिन की शुरुआत सलाम बैण्ड द्वारा सुमो युद्ध से हुई जिसका निर्णय सुप्रसिद्ध बैण्ड "डीफेस" ने किया। दिन का समापन भारत के प्रसिद्ध हिन्दी रॉक बैण्ड "द लोकल ट्रेन" प्रोनाइट के साथ हुआ।

इसी जोश एवं उत्साह के साथ तीसरे दिन लाईन फोलोवर, ग्रूव फेनाटिक्स, गटका जैसे कार्यक्रम हुये। अन्ततः कार्यक्रम का समापन तीसरे दिन "डीजे रात्रि" सीकोनियनज के साथ हुआ।



### उल्लास-15

महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव: उल्लास-15 यह समय संगीत, कला और नृत्य के क्षेत्र में अन्तः वर्ष प्रतियोगिताओं का साक्षी बना। चतुर्थ वर्ष सामान्य प्रतियोगिता का विजेता बना।

### विशेष कार्यक्रम

#### 69वां स्वतन्त्रता दिवस समारोह

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने भारत का 69वां स्वतन्त्रता दिवस समारोह गौरव से मनाया। इस महत्त्वपूर्ण अवसर के लिए परिसर का प्रत्येक व्यक्ति तैयार और उत्साहित था। समारोह का आरम्भ भा.प्रौ.सं. मण्डी के निदेशक, प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज के ध्वजारोहण से हुआ। निदेशक ने प्राध्यापकों, अधिकारियों, स्टाफ और छात्रों की उपस्थिति में सुरक्षा कर्मियों द्वारा सलामी ली। ध्वजारोहण का अनुपालन राष्ट्रीय गान और अद्भूत मार्च पास्ट से किया गया।

मार्च पास्ट के तुरन्त बाद एकत्रित लोग ए1एनकेएन की ओर गए जहां कार्यक्रम आगे चलाया गया। निदेशक ने स्वागत भाषण में स्वतन्त्रता का

वास्तविक अर्थ परिभाषित किया और सभी को आपसी समझ से प्रसन्नतापूर्वक जीने की सलाह दी। उन्होंने राष्ट्र की बेहतरी के लिए छात्रों को कड़ी मेहनत करने के लिए भी कहा। एकत्रित लोगों को नये बैच की ममता भाजिया और देवांशी सोनी ने सम्बोधित किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने स्वतंत्रता के बाद से भारत की विशेष प्रगति को बताया और छात्रों को भारत देश को और आगे ले जाने के लिए प्रेरित किया। अभ्यागत प्राध्यापक, मार्क योडर ने भी एकत्रित लोगों को सम्बोधित किया। सम्बोधन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी थे। संगीत समूह ने देश भक्ति के गानों से सारे कार्यक्रम में और आनन्द भर दिया। संस्थान के नृत्यकला समूह ने अपनी अद्भूत प्रस्तुति से लोगों के दिल को जीत लिया। कर्नल देवांग नायक (सेवा निवृत्त), प्रबन्धक (अवसंरचना एवं सेवाएं) द्वारा धन्यवाद भाषण दिया गया। धन्यवाद भाषण के उपरान्त सबको चाय और मिठाईयां दी गई।



## आकर्षण-15

दिनांक 22 अगस्त, 2015 को वर्ष का पहला सांस्कृतिक उत्सव, 'आकर्षण' मनाया गया। यह कार्यक्रम नये बैच के लिए सांस्कृतिक समाज का मानो परिचय था। सभी सांस्कृतिक क्लब चाहे वह नाटक, संगीत, नृत्य हो इस क्लब का भाग होने के कारण जितनी उत्कृष्टता से अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर सकते थे, करने के लिए तैयार थे। कार्यक्रम दोनों ओर से, प्रस्तुति और उपस्थित लोगों की संख्या के लिहाज से बहुत सफल रहा। कार्यक्रम 3 घण्टे चला। इस कार्यक्रम के लिए 350 से अधिक लोग जिनमें सभी पाठ्यक्रमों से छात्र, प्राध्यापक और महाविद्यालय के स्टाफ शामिल रहे। छात्र प्रतियोगियों की संख्या लगभग 45 थी जो अब तक की अधिकतम संख्या थी। इस बार प्रत्येक प्रदर्शन, मंच की व्यवस्था एवं व्यवस्थित कार्यक्रम ने उत्कृष्ट परिणाम देकर तुलनात्मक उदाहरण पेश किया। प्राध्यापकों, स्टाफ और छात्रों ने इस कार्यक्रम की तहे दिल से सराहना की।



## जन्माष्टमी समारोह

कमान्ड परिसर में दिनांक 5 सितम्बर, 2015 को जन्माष्टमी का समारोह बड़ी धूम-धाम से मनाया। इस समारोह का आरम्भ 'दही हाण्डी' प्रतियोगिता से आरम्भ हुआ। मानवीय पिरामिड 5,3,1 बनाने के लिए नौ लोगों के दल को बुलाया गया। बी.टैक., एम.एससी. छात्रों से कुल मिलाकर 16 दलों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। दो दलों को सम्मानित किया गया और सबसे उत्कृष्ट प्रयास करने वाले नये छात्रों के दल की विशेष सराहना की गई। प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद छात्रों ने डीजे पर नृत्य करने का आनन्द लिया और मिठाईयां भी वितरित की गई। सांयकाल, मैदान में सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये। महाभिषेक, कीर्तन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रसाद बांटा गया। कार्यक्रम में प्राध्यापकों और छात्रों ने भाग लिया।



## फोटोग्राफी कार्यशाला

फोटोग्राफी क्लब ने विशेषज्ञ श्रीमती खुशी मिश्रा (www.khushimishra.com) की देख-रेख में दो दिन की फोटोग्राफी कार्यशाला (12-13 सितम्बर) का आयोजन किया। कार्यशाला का आरम्भ पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक फोटो खींचने वालों के परिचय से हुआ। यह सत्र मोबाईल फोन से फोटो खींचने वालों के लिए था। उन्नत डीएसएलआर फोटो खींचने वालों के परिचय का सत्र अपराह्न 2:00 बजे से अपराह्न 5 बजे तक था।

श्रीमती खुशी मिश्रा ने संकलन, संरचना, उपकरण, रंग और प्रकाश के आधारभूत ज्ञान के बारे में बताया। वहां एक व्यावहारिक कार्य भी दिया गया जिसमें समान अक्षरों से आकार का पता करना और उनकी तस्वीर को क्लिक करना। इस कार्यशाला ने बहुत से फोटोग्राफी के उत्साहित लोगों को आकर्षित किया, जिनमें सभी विभागों से, बी.टैक, एमएस, पी.एचडी., एम.एससी और प्राध्यापक भी थे।

दूसरे दिन का आरम्भ सम्पूर्ण परिसर में फोटोग्राफी और सीधे फोटोग्राफी प्रतियोगिता से हुआ। फोटोग्राफी के बाद सभी प्रतियोगी नदी के किनारे आराम करने और फोटो लेने के लिए गये। सभी अपराह्न 2:00 बजे ए1-एनकेएन में श्रीमती खुशी मिश्रा के साथ अपने फोटो के बारे में चर्चा करने के लिए एकत्रित हुये। उन्होंने प्रतियोगिता के लिए उनके फोटो का निर्णय भी किया। चर्चा के बाद पुरस्कार वितरण समारोह हुआ।

## प्रथम कला उत्सव: विबगयोर

यह आर्ट गीक द्वारा आयोजित तीन दिन का कला उत्सव है। इसमें सभी छात्र, प्राध्यापक, स्टाफ भाग ले सकते थे। इस उत्सव में चित्रकला, स्कैचिंग, डूडलिंग, कागज़ का कौशल, ओरिगैमी, गोल पत्थरों पर कीड़े बनाना आदि कुछ कार्यक्रम किए गए। इस कार्यक्रम में 85 से अधिक कला की वस्तुओं सहित 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इनमें विभिन्न कला के रूप जैसे ओरिगैमी, चित्रकला, स्कैचिंग, पत्थर पर चित्रकला और कागज़ का कौशल था। छात्र व स्टाफ को मिलाकर 200 से अधिक संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

यह केवल क्लब के समन्वयक कुमारी नेहा ग्रेवाल के साथ कुमारी तृप्ति सिंह और अनुभवी श्री चन्दन पूर्बिया के संयुक्त प्रयास से सम्भव हो पाया इनके साथ इनके मेहनती दल के प्रयासों ने इसे स्मरणीय बना दिया। इस कार्यक्रम को लोगों ने इतना पसन्द किया कि उन्होंने कुछ सप्ताह में इसे दोबारा आयोजित करने के लिए कहा। दो दिन की प्रतियोगिता के बाद दिनांक 8 अक्टूबर को कला प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. प्रिसिल्ला गोन्सेल्वज द्वारा किया गया। इसमें अनेक छोटे-छोटे कार्यक्रमों का निर्णय करने के लिए डॉ. सुमन कल्याण पाल (डीन छात्र), डॉ. भक्ति जोशी (सांस्कृतिक सभा की परामर्शदाता), श्रीमती लिषमा आनन्द (जीसीएस समन्वयक) को बुलाया गया था। इसके उपरान्त प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिये गये।

## दीवाली समारोह

भारतीय संस्कृति में सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार प्रकाश का उत्सव दीवाली है। इसमें लाखों लोग पटाखे चलाते, प्रार्थना करते और संसार में सब जगह उत्सवी कार्यक्रम करते हैं। यह त्यौहार धर्म अनुयायी के अलावा भी सबके द्वारा मनाया जाता है। यह कई कारणों से मनाया जाता है जिनका मुख्य उद्देश्य अन्धकार पर प्रकाश की विजय और बुराई पर अच्छाई की विजय है। भा.प्रौ.सं. मण्डी कोई अपवाद नहीं था। भा.प्रौ.सं. मण्डी भारतीय परम्परागत दीवाली की सभी परम्पराओं से परिचित हुआ।

रंगोली प्रतियोगिता: अतिथियों को प्रसन्न करने के लिए प्रवेश द्वार को सजाने हेतु रंगोली बनाने से अधिक अच्छा और कोई अन्य तरीका नहीं है। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने अन्तः गृह रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया और इसके लिए बहुत उत्साह देखा गया। महाविद्यालय के उत्कृष्ट कलाकारों ने अपने अनुभव को रंगों में भरा और यह आश्चर्यजनक कला सामने आई। इस कार्यक्रम का निर्णय डॉ. हितेश श्रीमाली, डॉ. सुमन कल्याण पाल और डॉ. बी. सुब्रमण्यन ने किया और गृह "पृथ्वी" को विजेता घोषित किया।

लक्ष्मी पूजन: यह माना जाता है कि दीवाली के दिन देवी लक्ष्मी अपने भक्तों के घर आती हैं और आशीर्वाद, उपहार और प्रसन्नता देती हैं। इसीलिए भा.



प्रौ.सं. मण्डी के लोग अपने अन्तर्मन, समाज और समस्त मानव जाति के लिए प्रार्थना करते हैं। पवन मुक्कर द्वारा लक्ष्मी पूजा की गई।

विशेष मिठाईया: मिठाईयों के बिना कोई त्यौहार सम्पन्न नहीं होता। पूजा की समाप्ति के बाद नाश्ता, रात्रिभोज 'प्रसाद' के रूप में वितरित किया गया।

सजावट और पटाखे का चलना: इस परम्परागत सजावट के तरीके ने वास्तव में स्थान को बिल्कुल अलग बना दिया। इस शुभ दिन को आलोकित करने के लिए सब जगह 'दीये' जलाये गये। हमने भी इस दिन को मनाने के लिए पटाखे चलाये और थोड़ा सा नृत्य किया। सभी ने इस उत्सव का आनन्द लिया।

### 67वां गणतन्त्र दिवस समारोह

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने इस दिन को देशभक्ति, उत्साह और एकता से मनाया। भा.प्रौ.सं. मण्डी के निदेशक, प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज ने ध्वजारोहण किया



और एकत्रित लोगों को सम्बोधित किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में प्रावधान और भारत के संविधान के तीसरे और पांचवें भाग में दिये गये मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों का वर्णन किया, अभियंता और शिक्षाविदों की जिम्मेदारियों पर भी बल दिया। उन्होंने हिमाचल में जानवरों की रक्षा के लिए मानव सहयोग की सम्भावनाओं पर विचार-विमर्श किया। वहां उपस्थित सुरक्षा कर्मियों, प्राध्यापकों, स्टाफ और छात्रों ने राष्ट्रीय झण्डे को सलामी दी।

### होली समारोह



होली का त्यौहार कमान्द परिसर में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह का आरम्भ दिनांक 23 की रात्रि को 11 बजे होलिका दहन से हुआ। उसके बाद नृत्य हुआ और मिठाईया बांटी गईं। दूसरे दिन (दिनांक 24) को समारोह का आरम्भ बी2 छात्रावास के सामने पूर्वाह्न 10 बजे डीजे के साथ रंग और जल से हुआ। कार्यक्रम का समापन भी बहुत ही रोचक रहा।



## तकनीकी सभा

### आविष्कार-15

भा.प्रौ.सं मण्डी विज्ञान और तकनीकी परिषद् (एसएनटीसी) द्वारा दिनांक 16 से 17 मई, 2015 को आयोजित अन्तः वर्ष तकनीकी उत्सव 'आविष्कार' का साक्षी बना। सप्ताह के अन्त में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए और सभी छात्रों ने सक्रियता से भाग लिया। पहले दिन का आरम्भ कार्यक्रम करने वाले क्लब द्वारा "कोड फाइट" से हुआ बाद में रोबोटिक क्लब ने "लाईन फॉलोवर" का आयोजन किया जिसमें दलों को रोबोट को पंक्ति पर चलाना था। रात्रि को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और खगोल कक्ष (एसटीएसी) द्वारा "सटार नैक्ट" (तारे तलाशने की चुनौती) का आयोजन किया। दूसरा दिन "इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब" ओपन हाऊस का साक्षी बना जिसमें प्रथम वर्ष के बी.टैक छात्रों ने अपनी परियोजनाओं को प्रदर्शित किया। समारोह का समापन डॉ. तिमोथी गोन्सेल्वज, डॉ. रमेश ओरुगंटी और प्रा. बालासुन्दरम सुब्रमण्यन द्वारा पुरस्कार वितरण से हुआ।

### उत्कर्ष-15

विज्ञान और तकनीकी परिषद् ने दिनांक 7 से 8 नवम्बर, 2015 को भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्रथम अन्तः गृह तकनीकी कार्यक्रम 'उत्कर्ष-2015' का आयोजन किया। इसमें सभी विषयों के कार्यक्रम सम्मिलित थे, जिनमें रोबोटिक्स, प्रोग्रामिंग, इलेक्ट्रॉनिक और जंकयार्ड वार के रूप में यांत्रिकी प्रारूप प्रतियोगिता भी थी। विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्रों ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में पहले वर्ष के छात्रों से लेकर स्नातकोत्तर तक के 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

उत्कर्ष का भाग निम्नलिखित विशेष कार्यक्रम बने:

- कोडवारज
- जंकयार्ड वारज
- इलेक्ट्रोलाइट
- एस्ट्रो क्विज
- रोबोहैक्स
- एन्ड्रॉयड एप्प विकास प्रतियोगिता



### चतुर्थ अन्तः भा.प्रौ.सं. तकनीकी मिलन

भा.प्रौ.सं. मण्डी में दिनांक 29 से 31 जनवरी 2016 तक चतुर्थ अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन मनाया। इस विशेष कार्यक्रम में 9 विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान एक साथ भाग लेने के लिए आये।

इसमें पहला कार्यक्रम सामाजिक मीडिया का विश्लेषण था जिसमें दलों को ट्वीटर विषयों का अध्ययन और विभिन्न विषयों से सम्बन्धित ट्वीट्स की कल्पना करने के लिए वैंब उपकरण का विकास करना था जिसमें ट्वीट का अस्थायी विश्लेषण भी करना था। इसमें भा.प्रौ.सं. खड़गपुर प्रथम, भा.प्रौ.सं. द्वितीय और भा.प्रौ.सं. मद्रास तृतीय रहे। दूसरा कार्यक्रम वस्तुओं का इंटरनेट था जिसमें दलों को भा.प्रौ.सं. मण्डी के कमरों को स्मार्ट कमरों में परिवर्तित करना था। स्मार्ट फोन और एप्प द्वारा पंखे की गति से प्रकाश की क्षमता तक सभी नियंत्रित हो रहे थे। इस कार्यक्रम का विजेता भा.प्रौ.सं. मद्रास बना। भा.प्रौ.सं. खड़गपुर और भा.प्रौ.सं. कानपुर द्वितीय तथा भा.प्रौ.सं. पटना तृतीय रहा। तीसरा कार्यक्रम सॉफ्टवेयर का निर्माण करना था जिसमें संकट के समय लोगों की मदद के लिए दलों ने एक एन्ड्रॉयड एप बनाया। इस समस्या के समाधान के लिए दलों के अनेक नये विचार सामने आये। इस कार्यक्रम में प्रथम भा.प्रौ.सं. खड़गपुर और द्वितीय भा.प्रौ.सं. कानपुर और तृतीय भा.प्रौ.सं. मण्डी आया। चतुर्थ कार्यक्रम में एम्बेड्डीड सिस्टम्ज था जिसमें दलों को एक आवाज से नियंत्रित होने वाला रोबोट बनाना था जो वस्तुओं को उठाये और स्थान पर रखे। इस कार्यक्रम का विजेता भा.प्रौ.सं. खड़गपुर बना। भा.प्रौ.सं. कानपुर द्वितीय और भा.प्रौ.सं. मण्डी तृतीय रहा। अगला कार्यक्रम तकनीकी क्विज था। इसमें तकनीकी से जुड़े सभी क्षेत्रों के प्रश्न शामिल थे। भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने इसे जीता, जबकि भा.प्रौ.सं. कानपुर द्वितीय और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर तृतीय रहे।

अन्तिम दिन हमारा प्रथम कार्यक्रम उत्पाद प्रदर्शन के रूप में था जिसमें सभी वस्तुओं की परियोजनाएं लायी और प्रस्तुत की गईं। इस कार्यक्रम में अनेक नये उत्पाद सामने आये। प्रथम और द्वितीय पुरस्कार भा.प्रौ.सं. खड़गपुर के दलों ने जीता, जबकि तृतीय भा.प्रौ.सं. मद्रास को मिला। अगला कार्यक्रम पोर्टफोलियो डीफेंडर का था इसमें दलों को स्टोक मार्केट समस्या लिए एक नये समाधान के साथ आना आवश्यक था। इस कार्यक्रम का प्रथम विजेता भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, द्वितीय भा.प्रौ.सं. मण्डी और तृतीय भा.प्रौ.सं. मद्रास रहा। अन्तिम प्रस्तुति हार्डवेयर मॉडलिंग की थी जिसमें दलों को वास्तविक नये हार्डवेयर समाधानों के साथ आना था। इसमें प्रथम भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, द्वितीय भा.प्रौ.सं. कानपुर और तृतीय भा.प्रौ.सं. रूड़की रहे।

भाग लेने वाले और निर्णायकों ने प्रदर्शनी में परियोजनाओं की गुणवत्ता की सराहना की एवं छात्रों के उत्साह की बहुत सराहना की गई। यह देखकर अच्छा लगा कि एक सामान्य मंच पर विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थान प्रतियोगिता के लिए एकत्रित हुये। यह मिलन विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थानों के बीच और अधिक अच्छे सहयोग के अवसरों की उम्मीद करता है।



## साहित्यिक सभा

लॉन्ज कार्यक्रम श्रृंखलाओं का भाग जैम

ईडीएलएस ने दिनांक 3 मई, 2015 को 7 बजे जस्ट ए मिनट (जैम) सत्र का संचालन किया जो लॉन्ज गतिविधियों का एक भाग है यह लॉन्ज में नहीं परन्तु मैस के बाहर आंगन में रात को ठण्डी हवा में आयोजित किया जो कि कमान्द की विशेषता है। जैम जो सदा ही रोचक और दिलचस्प होते हैं इस कड़ी में भी हैरान करने वाले प्रतिभागी थे जो विनोदपूर्ण टिप्पणियां करते और अपने साहित्यिक कौशल को प्रदर्शित करते थे। 4 चक्कर पूरा होने के बाद प्रतिभागियों में अंग्रेजी शब्दकोश का उत्कृष्ट प्रदर्शन, एक दूसरे की चटपटी त्रुटियों को सतर्कता से पकड़ने और एक चक्कर के बाद दिलचस्प तनाव का जैम साक्षी बना। सागर घई जैम मास्टर था और निःसन्देह विवादास्पद और प्रतिस्पर्धा में बराबरी को सुलझाने में उसका योगदान था। दीपिका कल्याण इस कार्यक्रम में समय का ध्यान रखने वाली थी। लम्बी और कठिन प्रतिस्पर्धा के बाद बी.टैक द्वितीय वर्ष, सीएसई की फरहा अजुंम ने प्रथम स्थान पाया जबकि बी.टैक. द्वितीय वर्ष, सीएसई की श्रुति गर्ग द्वितीय स्थान पर रही। सामान्यतः यह कार्यक्रम साधारण लोगों के मौखिक अंग्रेजी कौशल को सुधारने वाला साबित हुआ और जो कि साहित्यिक व्यक्ति के लिए मानसिक शक्ति देने वाला बना।

## चलचित्र प्रदर्शन

अंग्रेजी तर्क-वितर्क सभा (ईडीएलएस) ने चलचित्र का आयोजन किया जिसमें "द ग्रेट डीबेटर" चलचित्र को दिखाया गया। यह चलचित्र अमेरिका के तीन महापुरुषों के जीवन की सत्य कहानी है जिन्होंने अमेरिका में जातिवाद को समाप्त किया। यह तर्क-वितर्क और साहित्य की शक्ति को दिखाता है कि कैसे बहुत ही असम्भाव्य व्यक्ति सुधारक और नेता में परिवर्तित हो जाते हैं। इस कार्यक्रम में ईडीएलएस के सभी 25 छात्रों ने भाग लिया। चलचित्र के आरम्भ होने के बाद चरित्र-चित्रण और कथानक पर बौद्धिक चर्चा हुई और स्नैक्स खाये।

## अन्तः गृह साहित्यिक कार्यक्रम

साहित्यिक सभा द्वारा अन्तः गृह सार्वजनिक प्रतियोगिताओं में स्पैल बी, सामान्य प्रश्नोत्तरी और जैम का आयोजन किया गया।

स्पैल बी: इस कार्यक्रम में 18 लोग उपस्थित थे। प्रतियोगिता को दो भागों में बांटा गया—लिखित और उच्चारण का राउंड। अन्तिम राउंड के लिए छः लोग सफल हुये जिसमें गृह वायु से सुब्बा राओ और गृह अग्नि से ममता भाजिया द्वितीय स्थान पर रही।

प्रश्नोत्तरी: इस प्रतियोगिता में चार गृह का प्रतिनिधित्व चार दलों ने किया। प्रत्येक दल में चार व्यक्ति थे। इस प्रश्नोत्तरी में प्रौद्योगिकी से उद्यमिता तक, चल चित्र और टीवी कड़ियों तक के विषय सम्मिलित थे। प्रश्नोत्तरी निम्न वर्गों में विभक्त थी— बजर राउंड, रेपिड फायर और पिक ए क्वेश्चन राउंड। इसमें गृह जल प्रथम और गृह वायु द्वितीय आया।

जैम: जैम (अभी एक मिनट) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का उत्साह देखने योग्य रहा। इसको तीन सफल राउंड में विभक्त होना था 12 लोगों ने इसे पूर्ण बनाया जिसमें सागर घई जैम मास्टर थे। गृह जल की फरहा अंजुम प्रथम और गृह जल का अंकुश जिन्दल द्वितीय आया।

## अनुसंधान सभा

तृतीय अनुसंधान मेला—2016

दिनांक 27 फरवरी, 2016 को कमान्ड परिसर में तृतीय 'अनुसंधान मेला—2016' मनाया गया। भा.प्रौ.सं. मण्डी के अनुसंधान विद्वानों ने इसमें भाग लिया और उपस्थित लोगों के सामने अपना अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भा.प्रौ.सं. के निदेशक, प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज, डीन प्रा. बी.डी. चौधरी और प्रा. रमेश ओरुगंटी ने अपने प्रेरणात्मक भाषण से किया। प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज ने अनुसंधान विद्वानों के साथ विभिन्न सामाजिक समस्याओं पर विचार-विमर्श किया और ऐसी अनुसंधान समस्या उठाई जिससे समाज की मदद की जा सके। प्रा. बी.डी. चौधरी ने जटिल अध्ययन और अनुसंधान के ध्येय की महत्ता को स्पष्ट किया। प्रा. रमेश ओरुगंटी ने विद्वानों को सुझाव दिया कि कैसे अनुसंधान कार्यक्रम को आयोजित करते हैं और अनुसंधान कार्यक्रम में सेमिनार की देन कैसी है? इस कार्यक्रम में 84 अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया। उनमें 16 मौखिक थे और 68 विज्ञापन प्रदर्शन के थे। अनुसंधान मेले का आरम्भ पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 5.30 बजे तक 4 सत्रों में था।



## सातवां स्थापना दिवस समारोह, 24 फरवरी, 2016

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने अपने स्थायी परिसर कमान्द में दिनांक 24 फरवरी, 2016 को अपना सातवां स्थापना दिवस मनाया। इस समारोह के मुख्य अतिथि हिमालय जैवसंसाधन तकनीकी संस्थान पालमपुर के निदेशक, डॉ. संजय कुमार थे। इस अवसर पर भा. प्रौ.सं. मण्डी के निदेशक, प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज ने गणमान्य व्यक्तियों, प्राध्यापकों, स्टाफ और छात्रों का अभिनन्दन किया। गणमान्य व्यक्तियों में प्रा. सुब्रत रे, डीन (अवसंरचना एवं सेवाएं), प्रा. बी.डी. चौधरी, डीन (शैक्षिक), डॉ. प्रेम फिलिक्स सिरिल, डीन (स्त्रिक), डॉ. सुमन कल्याण पाल, डीन (छात्र), वरिष्ठ प्राध्यापक, प्रा. रमेश ओरुगंटी और प्राध्यापक बी. सुब्रमण्यन और भा.प्रौ.सं. मण्डी के कुलसचिव, श्री मोहम्मद शकील शामिल थे।

इस संस्थान के आरम्भ को चिन्हित करने के लिए सात वर्ष पहले ठीक इसी दिन भा.प्रौ.सं. मण्डी की आधार शिला रखी थी। अब संस्थान के अपने बहुत से छात्र और प्राध्यापक कमान्द परिसर में रहते हैं। इस संस्थान के स्थायी परिसर में नियमित आधार पर शैक्षिक, अनुसंधान, सांस्कृतिक गतिविधियों के होने से यह संस्थान मजबूत नींव वाला बना है और यह पहले ही अपने को उत्कृष्टता, नवोत्थान और अधिगम के लिए हिमालय में एकमात्र विशेष स्थान साबित कर रहा है। इस दिन विभिन्न खेल कार्यक्रम, सांस्कृतिक गतिविधियों की गईं और छात्रों, प्राध्यापकों तथा स्टाफ के लिए पुरस्कार समारोह मनाया गया।

खेल कार्यक्रमों में पुरुषों और महिलाओं के लिए वॉलीबाल, रस्सा-कस्सी और संगीत कुर्सी थे जिसमें प्राध्यापकों, स्टाफ और छात्रों ने भाग लिया। भा.प्रौ.सं. मण्डी, तक्षशिला प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए चित्रकला और स्मृति खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बी.टैक. द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्र वॉलीबाल खेल में विजयी रहे। संस्थान के स्टाफ और प्राध्यापक दल रस्सा-कस्सी में विजेता बने। चित्रकला और स्मृति खेल प्रतियोगिताएं तक्षशिला प्राथमिक स्कूल के बच्चों ने जीती।

खेल गतिविधि के बाद स्थापना दिवस समारोह का आरम्भ हुआ और गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। स्थापना दिवस का आरम्भ निदेशक के सम्बोधन से हुआ। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि भा.प्रौ.सं. मण्डी नये भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में पहला संस्थान है जिसने कमान्द में विकास कर अपने स्थायी परिसर का उपयोग किया। निदेशक ने उल्लेख किया कि इस समय भा.प्रौ.सं. मण्डी में 90 प्रतिशत प्राध्यापकों की प्रयोगशालाएं और अध्यापन कमान्द में होता है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तरी परिसर में जून 2016 तक महत्वपूर्ण निर्माण कार्य पूरा किया जायेगा जिसमें छात्रों के लिए 400 बैड वाला छात्रावास और एक अलग भोजनालय है। इसके अतिरिक्त निदेशक ने इस संस्थान की तेजी से प्रगति होने के कारण अभियांत्रिकी और विज्ञान में नये स्नातकोत्तर कार्यक्रम और इस आगामी वर्ष में वर्तमान स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के विस्तार होने का भी उल्लेख किया है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संस्थान ने मजबूत नींव का विकास किया है और भविष्य में यह नींव अपनी अनुसंधान और शैक्षिक गतिविधियों से संस्थान का विकास करने में मदद करेगी।

निदेशक के भाषण के बाद प्रा. सुब्रत रे, डीन (अवसंरचना एवं सेवाएं) ने भाषण दिया। उन्होंने अपने भाषण में संस्थान के लचीले स्वरूप की विशेषता बताई जो पुराने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों से विपरीत है। उन्होंने बताया कि भा.प्रौ.सं. मण्डी का यह लचीला स्वरूप बहुविषयक परियोजनाओं की आज्ञा देता है जो विभिन्न सीमाओं और विषयों को अलग करता है। अल्बर्ट आइंस्टीन का उदाहरण देते हुये प्रा. रे ने कहा कि संस्थान को तीसरे नम्बर की आवश्यकता नहीं उसे भारी संख्या में प्रकाशन करना है और प्राध्यापकों का ध्यान अनुसंधान समस्याओं और नये विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नये क्षेत्रों में बढ़ना है। प्रा. रे के बाद मुख्य अतिथि, डॉ. संजय कुमार ने सम्बोधित किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में सातवें स्थापना दिवस और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 'लोगो' में पुल के बने सात स्तम्भ के महत्व पर बल दिया। उन्होंने वर्तमान समस्या से परे सोचने के लिए और उन्मुक्त कल्पना करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि जब पुराने तथ्य बताते तो भारत में छात्र सन्तुष्ट होते हैं और वे शर्म करते हैं जब अकेले तथ्यों से घटना समझाने के योग्य नहीं होती। उन्होंने छात्रों से कहा कि अपने कार्य के बारे में उत्साही बनो और वस्तुओं को अंकित मूल्य पर न लेकर इसके पीछे कारण जानने के लिए प्रश्न करो कि यह ऐसे क्यों है?

मुख्य अतिथि के भाषण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भा.प्रौ.सं. मण्डी के कमान्द और मण्डी शिशु

संरक्षण केन्द्र के बच्चों और तक्षशिला स्कूल के बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत कर मनोरंजन किया। अन्य प्रस्तुतियों में मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल के प्राध्यापक डॉ. पूर्ण सिंह ने पश्चिमी और भारतीय तरीके से गाना गाया और संस्थान के सांस्कृतिक अनुभाग द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया।

इस दिन छात्रों, स्टाफ और प्राध्यापकों को उनकी उपलब्धि और उनके कार्य में उत्कृष्ट रहने पर पुरस्कार वितरित किये गये। इस कार्यक्रम में 11 प्राध्यापक, 17 स्टाफ के सदस्य, 3 अधिकारी और 44 छात्रों को उनकी उपलब्धि और संस्थान में योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया। इस दिन का समापन डॉ. प्रेम फिलिक्स सिरिल, डीन (स्रिक) के धन्यवाद भाषण द्वारा हुआ। यह नव वर्ष में संस्थान में नये समैस्टर को चिन्हित करता है।





## कैरियर एवं स्थानन विवरण

कैरियर एवं स्थानन प्रकोष्ठ परिसर स्थानन तथा अनिवार्य प्रशिक्षणों के साथ-साथ छात्रों की मदद के लिए उनको उपलब्ध विकल्पों की जानकारी देता है कि उन तक कैसे पहुंचना है? इसके लिए पूरा वर्ष विभिन्न कैरियर परामर्श, मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण कार्यशालाएं, व्याख्यान तथा परस्पर वार्ताओं का आयोजन भी होता है।

### वर्ष के दौरान प्रमुख कैरियर परामर्श गतिविधियां

संस्थान के कैरियर और स्थानन प्रकोष्ठ ने दिनांक 8 मार्च, 2016 को प्रा. विनायक ईस्वरन के साथ सामान्य चर्चा एवं प्रेरणात्मक वार्ता आयोजित की जिसमें विभिन्न विभागों के छात्रों ने भाग लिया। वर्तमान में वह भा.प्रौ.सं. हैदराबाद में यांत्रिक अभियांत्रिकी के प्राध्यापक हैं। उन्होंने डीन, प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष और अनेक पदों पर भी कार्य किया। वह कई वर्षों तक भा.प्रौ.सं. कानपुर के भूतपूर्व छात्र संघ के सचिव रहे। उन्होंने भा.प्रौ.सं. कानपुर के छात्रों के साथ अच्छे सम्बन्ध बनाए। उन्हें अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के अतिरिक्त और भी व्यापक ज्ञान था।

कैरियर एवं स्थानन प्रकोष्ठ (सीएनपी) स्नातक प्रौद्योगिकी के अन्तिम वर्ष के छात्रों और एम.एससी, एम.टैक. और अनुसंधान छात्रों के लिए परिसर में स्थानन सेवाएं प्रदान करता है। अभी हाल ही में उत्तीर्ण हुये वर्ष 2016 बैच के बी.टैक. छात्रों का स्थानन आंकड़ा निम्न प्रकार से है:

स्थानन के लिए आवेदन करने वाले कुल छात्रों की संख्या: 104

अब तक कुल स्थानित छात्रों की संख्या: 87

### विवरणात्मक आंकड़े

#### संगणक विज्ञान

संगणक विज्ञान में परिसर स्थानन के लिए निम्नलिखित कम्पनियां आई: फलिपकार्ट, एबे, माइक्रोसॉफ्ट आईटी, माइक्रोसॉफ्ट आईडीसी, यूनाइटेड हेल्थ ग्रुप, प्रेक्टो, न्यूक्लियस सॉफ्टवेयर, सैमसंग, टीसीएस रीसर्च, खोसला लैब्स, कोगनिजेंट, दृष्टि सॉफ्ट, ग्रोफरज, इन्नेपलेक्सस, स्टेटलैब्स, आर सिस्टम्ज, कुलिजा।

संगणक विज्ञान विभाग में परिसर स्थानन के लिए पंजीकृत छात्र: 43

संगणक विज्ञान विभाग में स्थानन के लिए आये छात्र: 40

कुल स्थानित छात्र: 40

#### विद्युत अभियांत्रिकी

विद्युत अभियांत्रिकी में परिसर स्थानन के लिए निम्नलिखित कम्पनियां आई: फिलपकार्ट, टैक्सज, इन्स्ट्रुमेंट, तेजस नेटवर्क, कोल इंडिया, एपीसीएल, टेकमसीह, सरगमोइड, मोजो नेटवर्क, ऊशवा टेक्नोलॉजी, ऊर्मि।

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में परिसर स्थानन के लिए पंजीकृत छात्र: 34

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में परिसर स्थानन के लिए आये छात्र: 31

कुल स्थानित छात्र: 27

#### यांत्रिकी अभियांत्रिकी

यांत्रिकी अभियांत्रिकी के लिए निम्नलिखित कम्पनियां आई: महिन्द्रा, कोल इंडिया, टीकमसेह, एचपीसीएल, बीपीसीएल, सीएनएच इंडस्ट्रीयल, सेंटीस फार्मा, कोग्निजेंट, टीसीएस रीसर्च।

यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग में स्थानन के लिए पंजीकृत छात्र: 35

यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग में स्थानन के लिए आये छात्र: 33

कुल स्थानित छात्र : 20

परिसर स्थानन के अतिरिक्त कॅरियर एवं स्थानन प्रकोष्ठ अपने छात्रों के लिये विभिन्न प्रख्यात संस्थानों में उत्कृष्ट व्यावसायिक अनुभव और वातावरण की जानकारी देने के लिए अनिवार्य प्रशिक्षणों का आयोजन भी करता है। इन अनिवार्य प्रशिक्षणों में हमारे तृतीय वर्ष के बी.टैक. छात्रों के लिये औद्योगिक प्रशिक्षण एक शैक्षिक आवश्यकता भी शामिल है।

वर्ष 2015-16 के दौरान अवर स्नातक स्थानन:

क्रमांक	पाठ्यक्रम/कार्यक्रम	वर्ष के दौरान स्थानित छात्र
1	संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी	40
2	विद्युत अभियांत्रिकी	27
3	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	20

एम.एस., एम.टैक. और एम.एससी. रसायन विज्ञान कार्यक्रम के छात्रों का स्थानन विवरण:

क्रमांक	पाठ्यक्रम/कार्यक्रम	वर्ष के दौरान स्थानित छात्र
1	एम.एस.	2
2	एम.टैक.	2
3	एम.एससी. रसायन विज्ञान	9

स्थानन के लिए कोई भी पी.एचडी. छात्र पंजीकृत नहीं हुआ है।

### अनिवार्य प्रशिक्षण विवरण

अनिवार्य प्रशिक्षण के लिए आवेदन करने वाले छात्रों की कुल संख्या: 77

कुल स्थानित छात्रों की संख्या: 77

विवरणात्मक आंकड़े निम्न प्रकार से हैं:

क्रमांक	पाठ्यक्रम/कार्यक्रम	वर्ष के दौरान अनिवार्य प्रशिक्षण के लिए प्रवेशित छात्रों की संख्या
1	संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी	38
2	विद्युत अभियांत्रिकी	21
3	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	18

### संगणक विज्ञान

अनिवार्य प्रशिक्षण के लिए पंजीकृत छात्र: 47

अनिवार्य प्रशिक्षण के लिए आये छात्र: 38

विद्युत अभियांत्रिकी

अनिवार्य प्रशिक्षण के लिए पंजीकृत छात्र: 32

अनिवार्य प्रशिक्षण के लिए आये छात्र: 21

यांत्रिकी अभियांत्रिकी

अनिवार्य प्रशिक्षण के लिए पंजीकृत छात्र: 27

अनिवार्य प्रशिक्षण के लिए आये छात्र: 18



## भूतपूर्व छात्र मामले

### तृतीय स्नातक प्रीतिभोज

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने 2011-15 बैच के स्नातक प्रौद्योगिकी छात्रों और इस वर्ष दिनांक 22 मई, 2015 को कमान्द में स्नातक होने वाले विद्वानों के लिए 'तृतीय स्नातक रात्रिभोज' की मेजबानी की। इसका आरम्भ समूह चित्र सत्रों से किया गया।

इस ऐतिहासिक रात्रि को भा.प्रौ.सं. मण्डी के निदेशक, प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज ने वर्ष 2012 में स्थायी परिसर कमान्द में स्थानान्तरित होने वाला प्रथम बैच बनने के लिए बधाई दी और इस बैच की कुछ उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। इनमें सस्ता 3 डी प्रिंटर, अन्तः भा.प्रौ.सं. खेल मिलन में प्रथम पदक, शुभम अजमेरा का गूगल अमेरिका में सीधे स्थानित होना और प्रदीप सीरवी का गेट परीक्षा में भारत में प्रथम स्थान पर होना है।

छात्रों को उनके सम्बन्धित प्राध्यापक परामर्शदाता द्वारा स्मृति चिह्न भी दिये गये और इस रात्रि का अन्त एक औपचारिक रात्रिभोज द्वारा किया गया।



## हैदराबाद में भूतपूर्व छात्रों से मिलन

भा.प्रौ.सं. मण्डी के निदेशक, प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज ने दिनांक 18 जनवरी, 2016 को हैदराबाद में निवास कर रहे भूतपूर्व छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने फायरवाटर रेस्टोरेंट में दामिनी, अंजलय, विख्यात, शिवा तेजा, उमंग जैन और अभ्र बासाक के साथ रात्रिभोज किया।



## बंगलौर में भूतपूर्व छात्रों से मिलन

भा.प्रौ.सं. मण्डी के निदेशक, प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज ने वर्ष 2009 और 2010 बैच के भूतपूर्व छात्रों के साथ दिनांक 19 जून 2015 को बंगलौर में मुलाकात की। इसका प्रबन्ध डीआरडीओ अधिकारियों की मैस में मोहित मल्होत्रा द्वारा किया गया। यह रात्रि प्रसन्नतादायक, यादगार और अतीत का विश्लेषण करने वाली, वर्तमान गतिविधियों पर प्रभाव डालने वाली और भविष्य के लिए योजनाएं बनाने वाली थी। मोहित तेजस लाइट कम्बैट एयर क्राफ्ट के लिए उड़ान नियंत्रण प्रणाली पर एडीए में कार्य कर रहा है। प्रमोद जयंत उत्क्षेपण सीट पर कार्य कर रहा है। अंतरा नये अमेजोन उत्पाद पर कार्य कर रही है। खोसला प्रयोगशाला के उदय मित्तल ने फोटो लिये।



## समाचार में भूतपूर्व छात्र

भा.प्रौ.सं. मण्डी के भूतपूर्व छात्र श्री अतहर आमिर खान ने वर्ष 2015 की गौरवपूर्ण नागरिक सेवा परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यह समस्त भा.प्रौ.सं. मण्डी समुदाय के लिए गौरव का समय है। श्री आमिर खान का जन्म दिनांक 5 सितम्बर, 1992 को हुआ। वे अनन्तनाग, जम्मू एवं कश्मीर के निवासी हैं, वे भा.प्रौ.सं. मण्डी के 2010 बैच में बी.टैक. छात्र (विद्युत अभियांत्रिकी) के रूप में आये और वर्ष 2014 में स्नातक की।



भा.प्रौ.सं. मण्डी के बी.टैक. (विद्युत अभियांत्रिकी) चतुर्थ वर्ष के छात्र श्री प्रदीप सीरवी ने विद्युत अभियांत्रिकी में जीएटीई –2015 की परीक्षा में भारत में प्रथम स्थान पाया। प्रदीप जोधपुर, राजस्थान के निवासी हैं। इससे पूर्व उन्हें डीएएडी छात्रवृत्ति भी मिली है और जून-अगस्त, 2014 के दौरान उन्होंने अप्लाईड साइंसिज, जविकेयु, जर्मनी का दौरा भी किया है।

कुछ अतिरिक्त जानकारी:

- मार्च, 2016 तक भूतपूर्व छात्रों की संख्या 339 तक पहुंची।

कमश:	बी.टैक.	:	315
	एम.एस.	:	17
	पी.एचडी.	:	07

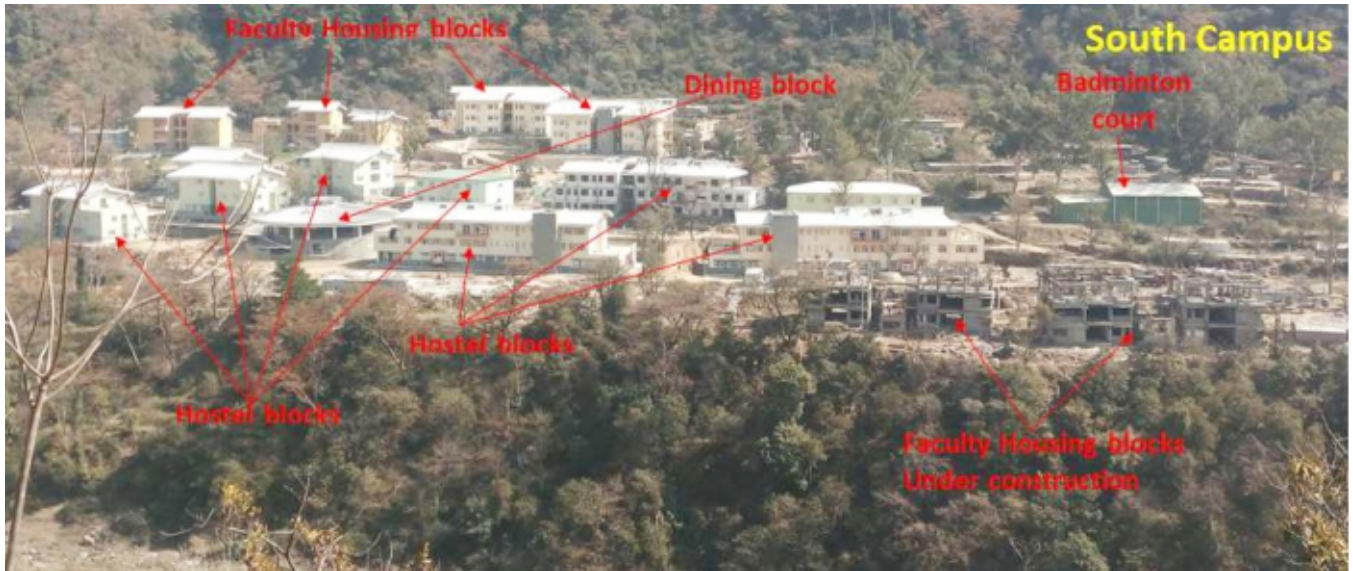
## कमान्द में हमारल स्थायी परिसर

भा.प्रौ.सं. मण्डी में स्थायी परिसर का निर्माण अप्रैल 2012 से आरम्भ हुआ। आरम्भ में लगभग 10,180 वर्गमीटर दक्षिण परिसर में निर्माण के लिए प्रस्तावित हुआ, जिनमें तीन शैक्षिक खण्ड, चार छात्रावास, एक भोजन करने के लिए खण्ड और तीन आवासीय खण्ड हैं। यह निर्माण कार्य सीपीडब्ल्यूडी को सौंपा गया। यह पूरा हुआ और वर्ष 2012–2013 से उपयोग में है।



दक्षिण परिसर में खेल सुविधाओं (क्रिकेट और फुट बॉल मैदान, बैडमिंटन, टेनिस, बास्केट बॉल और वॉली बॉल मैदान) के अतिरिक्त बढ़ती हुई आवश्यकता के आधार पर कुछ अन्य भवनों जैसे छात्रावास, शैक्षिक खण्ड, प्राध्यापक आवास और भोजन करने के लिए एक खण्ड का निर्माण करने का कार्य भी दिया गया। अभी दक्षिणी परिसर में यह सभी भवन, खेल के मैदान बन चुके हैं और कार्यात्मक हैं।

वर्ष 2015–16 से बहुत से स्नातकोत्तर छात्रों के साथ सभी बी.टैक. छात्रों के कार्यक्रम स्थायी दक्षिणी परिसर में समायोजित हुये हैं। वर्ष 2016–17 से शेष स्नातकोत्तर छात्र समायोजित हो जाएंगे।





उपर्युक्त के अतिरिक्त उत्तरी परिसर में जो दक्षिणी परिसर से 3 कि.मी. की दूरी पर है, वहां बड़ी संख्या में आवासीय/शैक्षिक भवनों को बनाने की योजना थी। योजना के अनुसार, उत्तरी परिसर में प्राध्यापकों सहित 1400 छात्र और कर्मचारी वर्ग रहेंगे जिनके लिए 138 तीन बीएचके प्लेट प्राध्यापकों के लिए, 19 न. छात्रावास खण्ड के लिए 2 डाइनिंग खण्ड का निर्माण अभी होना है। सीपीडब्ल्यूडी को 65,926 वर्गमीटर के निर्माण का कार्य सौंपा गया था। एक छात्रावास खण्ड और कुछ प्राध्यापकों के लिए प्लेट खण्ड का कार्य पूरा हो चुका है और वे कार्यात्मक हैं। शेष कार्य प्रगति पर है।



उपर्युक्त कार्य के अतिरिक्त उत्तरी परिसर में एनबीसीसी को भूमि खण्ड-1 में स्टाफ आवासीय खण्ड जो 12 दो बीएचके प्लेट और 24 एक बीएचके प्लेट, सामुदायिक केन्द्र एवं स्कूल भवनों का निर्माण कार्य सौंपा था। यह कार्य प्रगति पर है और आगामी कुछ महीनों में पूरा हो जाएगा। परिसर का स्कूल भवन 2016 के आरम्भ में प्रवृत्त हुआ था।



इसके अतिरिक्त 60,504 वर्गमीटर में शैक्षिक भवन और ग्रामीण क्षेत्र में एक अतिथि गृह, तरणताल के साथ जिमखाना, अस्पताल और व्यापारिक क्षेत्र का कार्य भी एनबीसीसी को सौंपा गया है। निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है और वर्ष 2017-18 को पूरा होने की उम्मीद है।

## अभिशासक मण्डल



अध्यक्ष (दिनांक 03/03/2016 तक) (पदेन)

श्री एम. नटराजन

रक्षामन्त्री के भूतपूर्व वैज्ञानिक सलाहकार  
तथा सचिव, डी.आर.डी.ओ.

### सदस्य

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

अध्यक्ष प्रभारी (दिनांक 04/03/2016 से)  
निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी, (पदेन)  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी  
मण्डी-175001 (हि.प्र.)

मुख्य सचिव/सचिव (तकनीकी शिक्षा)

जम्मू एवं कश्मीर सरकार  
श्रीनगर-190001

प्राध्यापिका (श्रीमती) बासाबी भौमिक

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की मुख्या  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली  
हॉज खास, नई दिल्ली-110016

प्राध्यापक सुब्रत रे

विशिष्ट आगन्तुक प्राध्यापक  
अभियांत्रिकी स्कूल  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी  
मण्डी- 175005 (हि.प्र.)

श्री राज पी. खिलनानी

भूतपूर्व डी.जी., भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो,  
अन्धेरी पश्चिम, मुम्बई

सचिव

श्री मोहम्मद शकील

कुल सचिव (पदेन)  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी  
मण्डी-175005 (हि.प्र.)

मुख्य सचिव/सचिव (तकनीकी शिक्षा),

हिमाचल प्रदेश सरकार  
शिमला-171002

प्राध्यापक एस.सी. सहस्राबुधे

पूर्व निदेशक  
धिरुभाई अम्बानी सूचना एवम् संचार  
तकनीकी संस्थान (डीएआईआईसीटी)  
गान्धी नगर - 382007

प्राध्यापक सुनील आर. काले (दिसम्बर, 2015 तक)

यान्त्रिकी अभियांत्रिकी विभाग  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली  
हॉज खास, नई दिल्ली-110016

श्री सतीश के. कौरा

सी.एम.डी., सेमटेल ग्रुप,  
नई दिल्ली-110025

डॉ. प्रदीप सी. परमेस्वरन (जनवरी, 2016 से)

सहयोगी प्राध्यापक  
आधार विज्ञान स्कूल  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी  
ज़िला मण्डी-175005 (हि.प्र.)

\*इस वर्ष अभिशासक मण्डल की बैठकें दिनांक 08/08/2015, 30/10/2015 तथा 26/02/2016 को आयोजित हुईं।

## वित्त समिति

अध्यक्ष (दिनांक 03/03/2016 तक)

श्री एम. नटराजन

रक्षामन्त्री के भूतपूर्व वैज्ञानिक सलाहकार

तथा सचिव डी.आर.डी.ओ.

अध्यक्ष प्रभारी (दिनांक 04/03/2016) पदेन

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

निदेशक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

ज़िला मण्डी-175001 (हि.प्र.)

### सदस्य

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

निदेशक (पदेन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

मण्डी-175001 (हि.प्र.)

ब्यूरो मुख्य (तकनीकी शिक्षा),

अतिरिक्त सचिव (एच.ई.),

एमएचआरडी, शास्त्री भवन

नई दिल्ली-1100016

वित्त सलाहकार

एम.एच.आर.डी.

शास्त्री भवन,

नई दिल्ली-110001

प्राध्यापक वी.जी. इदिचन्दी (दिसम्बर, 2015 तक)

समुद्री अभियांत्रिकी विभाग,

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

प्राध्यापक एस.आर. काले (दिसम्बर, 2015 तक)

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

प्राध्यापक एस.सी. सहस्राबुधे

पूर्व निदेशक

धिरूभाई अम्बानी सूचना एवम् संचार

तकनीकी संस्थान (डीएआईआईसीटी)

गान्धी नगर - 382007.

डीन (वित्त एवं लेखा) (जनवरी, 2016 से)

(पदेन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

मण्डी-175005 (हि.प्र.)

प्राध्यापक पी. श्री राम (जनवरी, 2016 से)

डीन (प्रशासन), प्राध्यापक एवं मुख्य

अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

सचिव

श्री मोहम्मद शकील

कुलसचिव (पदेन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

मण्डी-175005 (हि.प्र.)

\*इस वर्ष वित्त समिति की बैठकों का आयोजन दिनांक 08/08/2015, 30/10/2015 तथा 26/02/2016 को किया गया।



## भवन एवं कार्य समिति

### अध्यक्ष (पदेन)

**प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज**

निदेशक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्द-175005 (हि.प्र.)

### सदस्य

**प्राध्यापक आर.एल. शर्मा**

उप कुलपति

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय

हमीरपुर (हि.प्र.)

**श्री के.एन. राय**

भूतपूर्व मुख्य अधिशाषी

नागरिक कार्य, डीआरडीओ

नई दिल्ली-110026

**डीन (अवसंरचना एवं सेवाएं) (जनवरी, 2016 से)**

(पदेन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

मण्डी-175005, हिमाचल प्रदेश

**अभियन्ता उद्यान उक्खल**

उप महा प्रबन्धक

हि.प्र. पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड

सुन्दरनगर -174402, (हि.प्र.)

**प्राध्यापक के. सी. अय्यर**

प्राध्यापक

सिविल अभियांत्रिकी विभाग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

नई दिल्ली-110026

**प्राध्यापक सुनील आर. काले**

प्राध्यापक

यान्त्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

नई दिल्ली-110026

**प्राध्यापक एस.आर. गान्धी (जनवरी, 2016 से)**

सिविल अभियांत्रिकी विभाग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

चेन्नई-600036

**संस्थान के अभियंता (पदेन)**

अधीक्षण अभियंता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्द परिसर, गाँव व डाकखाना कमान्द

ज़िला मण्डी-175005 (हि.प्र.)

**सचिव सदस्य**

**श्री मोहम्मद शकील**

कुलसचिव (पदेन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्द-175005 (हि.प्र.)

**विशेष आमन्त्रित**

अभियन्ता ए.के. जैन

सेवानिवृत्त विशेष डी.जी. सी.पी.डब्ल्यू.डी.

वरिष्ठ निर्माण सलाहकार भा.प्रौ.सं. मण्डी

\* इस वर्ष भवन तथा कार्य समिति की बैठकों का आयोजन दिनांक 25/05/2015, 01/07/2015, 29/10/2015 और 12/03/2016 को आयोजित किया गया।

## प्रबन्ध समिति

### अध्यक्ष

प्राध्यापक टी.ए. गोन्सेल्वज, निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी (पदेन)

### संस्थान के सदस्य

प्राध्यापक बी.डी. चौधरी, ससम्मान सेवा निवृत्त प्राध्यापक एवं डीन (शैक्षिक), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
प्राध्यापक एस.सी. जैन, अभ्यागत प्राध्यापक एवं डीन (अवसंरचना एवं सेवाएं), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
प्राध्यापक ललित मल्होत्रा, अभ्यागत प्राध्यापक एवं डीन (वित्त एवं लेखा), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. प्रेम फिलिक्स सिरिल, सहयोगी प्राध्यापक एवं डीन (स्त्रिक), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित, सहयोगी प्राध्यापक एवं डीन (प्राध्यापक), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. सुमन कल्याण पाल, सहयोगी प्राध्यापक एवं डीन (छात्र), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
प्राध्यापक सुब्रत रे, सुप्रसिद्ध अभ्यागत प्राध्यापक, अभियांत्रिकी स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
प्राध्यापक रमेश ओरुगंटी ससम्मान सेवा निवृत्त प्राध्यापक, संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
प्राध्यापक बी. सुब्रमण्यन, अभ्यागत प्राध्यापक, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
प्राध्यापक केन्थ ई. गोन्सेल्वज, सुप्रसिद्ध अभ्यागत प्राध्यापक, एससीईई, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. प्रसांथ जोस, सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, आधार विज्ञान स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. अनिल कुमार साव, सहयोगी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. राजीव कुमार, सहयोगी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, अभियांत्रिकी स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. आर. दत्त, सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. प्रदीप परमेस्वरन, सहयोगी प्राध्यापक एवं सहयोगी डीन (पाठ्यक्रम), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. सुब्रत घोष, सहयोगी प्राध्यापक एवं सहयोगी डीन (अनुसंधान), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. समर अग्निहोत्री, सहयोगी प्राध्यापक एवं सहयोगी डीन (स्त्रिक), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. विशाल सिंह चौहान, सहायक प्राध्यापक एवं सहयोगी डीन (वित्त एवं लेखा), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. वरुण दत्त, सहायक प्राध्यापक एवं सहयोगी डीन (अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. तुलिका श्रीवास्तवा, सहायक प्राध्यापिका एवं सहयोगी डीन (भर्ती), भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती, सहयोगी प्राध्यापक, आधार विज्ञान स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. बिन्दु राधामणि, सहायक प्राध्यापिका, आधार विज्ञान स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
डॉ. शैल शंकर, सहायक प्राध्यापक, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
श्री विवेक शर्मा, छात्र महासचिव, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
श्री तुषार गुप्ता, छात्र शैक्षिक मामले के सचिव, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
श्री सी. थिरुमुरगन, छात्र अनुसंधान मामले के सचिव, भा.प्रौ.सं. मण्डी  
श्री मोहम्मद शकील, सचिव एवं कुलसचिव, भा.प्रौ.सं. मण्डी (पदेन)

### बाहरी सदस्य

प्रा. बी.के. मिश्रा  
भा.प्रौ.सं. रुड़की

प्रा. अनन्त आर. शस्त्री  
गणित विभाग, भा.प्रौ.सं. मुम्बई

प्रा. अर्घय ताराफदर  
भौतिकी विभाग खड़गपुर

प्रा. आर.के. शर्मा  
गणित विभाग, भा.प्रौ.सं. दिल्ली

प्रा. डी.के. मेहरा  
ई एवं सी, भा.प्रौ.सं. रुड़की

प्रा. थम्बैन नयर एम  
गणित विभाग, भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रा. शोरमिष्ठा पंजा  
अंग्रेजी विभाग, डीयू, दिल्ली

प्रा. दीपक खेमानी  
सीएसई विभाग, भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रा. सुनील काले  
यांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. दिल्ली

प्रा. एन.एस. नारायण स्वामी  
सीएसई विभाग, भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रा. हेमा मुर्ती  
सीएसई विभाग, भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रा. एस.एन. सिंह  
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. कानपुर

प्रा. रफिकुल आलम,  
गणित विभाग, भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी

प्रा. ए.डी. गुप्ता  
यांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. दिल्ली

प्रा. पी. वील्लेसेमी  
गणित विभाग, भा.प्रौ.सं. बम्बई

प्रा. राहुल राय  
गणित यूनिट, आईएसआई दिल्ली

प्रा. पी. वीरामनि  
गणित विभाग, भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रा. अनिल प्रभाकर  
अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रा. बाबु विस्वनाथन  
यांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रा. मिलिन्द ए. सोहोनी  
सीएसई विभाग, भा.प्रौ.सं. मुम्बई

प्रा. एस.बी. कृपानिधि  
सामग्री अनुसंधान केन्द्र, भा.वि.सं. बंगलौर

प्रा. अरिंदमा सिंह  
गणित विभाग, भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रा. पी.के. कपूर  
संचालन अनुसंधान विश्वविद्यालय दिल्ली

प्रा. धीरेन्द्र बहुगुणा  
गणित एवं सांख्यिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. कानपुर

प्रा. टी. राजा सेखर  
गणित विभाग, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर

\* इस वर्ष प्रबन्ध समिति की बैठक दिनांक 27/10/2015 को हुई थी।

दिनांक 31.03.2016 तक शैक्षिक कर्मचारी

**निदेशक**

**प्रा. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज**

निदेशक

**डीन**

**प्राध्यापक बी.डी. चौधरी**

डीन (शैक्षिक)

**प्रा. ललित मल्होत्रा**

डीन (वित्त एवं लेखा)

**डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित**

डीन (प्राध्यापक)

**डॉ. सुमन कल्याण पाल**

डीन (छात्र)

**प्रा. सुब्रत रे**

डीन (अवसंरचना एवं सेवाएं)

**प्रा. प्रेम फिलिक्स सिरिल**

डीन (स्त्रिक)

**सहयोगी डीन**

**डॉ. प्रदीप परमेस्वरन**

सहयोगी डीन (पाठ्यक्रम)

**डॉ. वरुण दत्त**

सहयोगी डीन (अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध)

**डॉ. विशाल सिंह चौहान**

सहयोगी डीन (वित्त एवं लेखा)

**डॉ. सुब्रत घोश**

सहयोगी डीन (अनुसंधान)

**डॉ. समर अग्निहोत्री**

सहयोगी डीन (स्त्रिक)

**डॉ. तुलिका पी. श्रीवास्तवा**

सहयोगी डीन (भर्ती)

**अध्यक्ष**

**डॉ. अनिल साव**

अध्यक्ष, संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल

**डॉ. राजीव कुमार**

अध्यक्ष, अभियांत्रिकी स्कूल

**डॉ. प्रसांथ पी. जोस**

अध्यक्ष, आधार विज्ञान स्कूल

**डॉ. राजेश्वरी दत्त**

अध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल

दिनांक 31.03.2016 तक प्रशासनिक कर्मचारी

**श्री मोहम्मद शकील**

ओएसडी एवं कुलसचिव

**डॉ. ए.के. सोलंकी**

उप कुलसचिव (प्रशासन)

**अभियंता सुनील कपूर**

अधीक्षण अभियंता

**श्री नरेश सिंह मण्डारी**

उप पुस्तकालयाध्यक्ष

**श्री जे. आर. शर्मा**

वित्त एवं लेखा अधिकारी

**श्री सी.एल. शर्मा**

सहायक कुलसचिव (लेखा परीक्षा एवं लेखा)

**श्री विवेक तिवारी**

सहायक कुलसचिव (शैक्षिक)

**डॉ. चन्द्र सिंह**

चिकित्सा अधिकारी

**डॉ. के.सी. शर्मा**

चिकित्सा अधिकारी

**डॉ. शिव नाथ झा**

प्रधान खेल अधिकारी

**श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला**

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)

**श्री परमिन्दर जीत सिंह गिल्ल**

सहायक कुलसचिव (भण्डारण व क्रय)

**डॉ. ज्योति शर्मा**

चिकित्सा अधिकारी

**डॉ. घनश्याम कपूर**

जीडीएमओ

**दिनांक 31 / 03 / 2016 तक नियमित कर्मचारियों की सूची**

कर्मांक	नाम	पदनाम
<b>'क' वर्ग</b>		
1	श्री नरेश सिंह भण्डारी	उप पुस्तकालयाध्यक्ष
2	श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
3	श्री विवेक तिवारी	सहायक कुलसचिव (शैक्षिक)
4	श्री परमिन्दर जीत	सहायक कुलसचिव (भण्डारण व क्रय)
5	डॉ. चन्द्र सिंह	चिकित्सा अधिकारी
<b>'ख' वर्ग</b>		
6	श्रीमती मोनिका कश्यप	अधीक्षक
7	श्री विनोद कुमार	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
8	श्री आशीष कुमार अहिरवाल	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
9	अभियंता नीरज चौहान	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)
10	डॉ. खुशी राम भगत	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
11	सुश्री चन्दन शर्मा	कनिष्ठ पर्यवेक्षक
12	श्री अभिजीत तिवारी	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
13	श्री अनुज कुमार दुबे	कुलसचिव के निजी सहायक
14	श्री सुधीर कुमार गुरुंग	सुरक्षा अधिकारी
15	श्री पुनीत कुमार	सहायक अभियंता (नागरिक)
<b>'ग' वर्ग</b>		
16	श्री रमेश कुमार	वरिष्ठ लेखाकार
17	श्रीमती सुचेतना शर्मा	कनिष्ठ सहायक
18	श्रीमती सुषमा कुमारी	आशुलिपिक
19	श्री सुनील	कनिष्ठ सहायक

20	श्री सुशील कुमार पाल	कनिष्ठ सहायक
21	श्री अमित शर्मा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
22	श्री ललित कुमार	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
23	श्री पवन कुमार	कनिष्ठ लेखाकार
24	श्री अंकुश कपिल	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
25	श्री मनोज कुमार	कनिष्ठ परिचारक

### दिनांक 31 / 03 / 2016 तक अनुबंध कर्मचारियों (समेकित वेतन पर) की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	श्री जे. आर. शर्मा	वित्त एवं लेखा अधिकारी
2.	डॉ. घनश्याम कपूर	जीडीएमओ (पूर्ण कालिक)
3.	श्री सी.एल. शर्मा	सहायक कुलसचिव (लेखा परीक्षा एवं लेखा)
4.	अभि. अनिल कुमार जैन	वरिष्ठ परामर्शदाता (अंश कालिक)
5.	डॉ. के.सी. शर्मा	चिकित्सा अधिकारी
6.	डॉ. ज्योति शर्मा	चिकित्सा अधिकारी
7.	डॉ. शिब नाथ झा	प्रधान खेल अधिकारी
8.	कर्नल देवांग नायक	प्रबंधक (अवसंरचना एवं सेवाएं)
9.	श्री कौल सिंह	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
10.	श्री आर.एस. राघव	तकनीकी पर्यवेक्षक
11.	श्रीमती लिषमा आनन्द	परामर्शदाता
12.	श्रीमती सोनिया सचदेवा शर्मा	सहायक प्रबंधक (मेजबानी एवं कार्यक्रम प्रबंधन)
13.	अभि. आनन्द प्रकाश कपूर	योजना सहायक
14.	श्रीमती डबलीना मुखर्जी	ग्रीन परामर्शदाता
15.	श्रीमती ज्योति सिंह	कैरियर एवं स्थानन अधीक्षक
16.	श्रीमती सुष्मिता पट्टनायक	वैब—विषयक प्रदाता
17.	श्री ओम शंकर द्विवेदी	उप प्रबंधक (कार्यालय स्वचालन)
18.	श्री दौलत राम	क्षेत्रीय पर्यवेक्षक
19.	श्री पाविन सैम्यूल	उप प्रशासक

### दिनांक 31 मार्च, 2016 तक प्रतिनियुक्त / बाह्य सेवा कर्मचारियों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	श्री मोहम्मद शकील	ओएसडी एवं कुलसचिव
2.	अभि. सुनील कपूर	अधीक्षक अभियंता
3.	डॉ. अशोक कुमार सोलंकी	उप कुलसचिव
4.	श्रीमती पी.वी. सुगुणा	तकनीकी पर्यवेक्षक

### छात्र नेतृत्व –2015–16

विवेक शर्मा	महासचिव
किसना महाजन	सांस्कृतिक सचिव

कर्ण महाजन  
अभिषेक पाण्डे  
फरहा अन्जुम  
अनुराग जी.पी.  
तुषार गुप्ता  
सी. थिरुमुरगन

खेल सचिव  
तकनीकी सचिव  
साहित्यिक सचिव  
छात्रावास मामले सचिव  
शैक्षिक सचिव  
अनुसंधान सचिव

## वर्ष 2014–15 के दौरान संस्थान में प्रविष्ट छात्र

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	डी15001	सुप्रिया रानी	एसएचएसएस
2	डी15002	रेसीज अहमद दर	एससीईई
3	डी15003	आकाश पोरवाल	एससीईई
4	डी15004	प्रभजोत कौर	एससीईई
5	डी15005	कन्हैया कुमार	एससीईई
6	डी15006	प्रीती गुलिआ	एसई
7	डी15007	सुब्रत मंडल	एसई
8	डी15008	गौरव त्रिपाठी	एसई
9	डी15009	तुषार कान्त स्वेन	एसई
10	डी15010	मंजु बिष्ट	एसई
11	डी15011	पीयूष कुमार अवस्थी	एसई
12	डी15012	अंकिता माथुर	एसई
13	डी15013	आशीष तिवारी	एसई
14	डी15014	अभिमन्यु	एसई
15	डी15015	शरद कुमार गुप्ता	एसई
16	डी15016	ख्याति	एसबीएस
17	डी15017	दीपक कुमार	एसबीएस
18	डी15018	नितिन शर्मा	एसबीएस
19	डी15019	प्रांजल कुमार	एसबीएस
20	डी15020	मोमिता गांगुली	एसबीएस
21	डी15021	निष्ठा शर्मा	एसबीएस
22	डी15022	मनु श्री	एसबीएस
23	डी15023	महक सैनी	एसबीएस
24	डी15024	आशीष रंजन	एसबीएस
25	डी15025	नैना अरोड़ा	एसबीएस
26	डी15026	राजेश धयाल	एसबीएस
27	डी15027	शेखर सिंह	एसबीएस
28	डी15028	सुदेब माजी	एसबीएस
29	डी15029	साविन शयनु वार्गीश	एसबीएस

30	डी15030	गणेश गुर्जर	एसबीएस
31	डी15031	आमीर मुस्तक	एसबीएस
32	डी15032	अफसल थुप्पिलक्कादन	एसबीएस
33	डी15033	पारोमिता दत्ता	एसबीएस
34	डी15034	सुप्रिया घोष	एसबीएस
35	डी15035	बन्धना देवी	एसबीएस
36	डी15036	बिरेन्द्र सिंह	एसबीएस
37	डी15037	सुमन	एसबीएस
38	डी15038	एम. नरेश	एसई
39	डी15039	आकांशा गर्ग	एससीईई
40	डी15040	व्योमा सिंह	एससीईई
41	डी15041	पिंदोरिया राजेश मंजिभाई	एससीईई
42	डी15042	अदिल उसमान	एससीईई
43	डी15043	श्रुति कौशिक	एससीईई
44	डी15044	रेस यूआई माजिद	एसएचएसएस
45	डी15045	भेद राम	एसएचएसएस
46	डी15046	अमृथा एनवी	एसएचएसएस
47	डी15047	आशीष कुमार	एससीईई
48	डी15048	दाऊद सलीम	एससीईई
49	डी15049	अभिनव चौधरी	एससीईई
50	डी15050	गौरव शर्मा	एससीईई
51	डी15051	यशिका अरोड़ा	एससीईई
52	डी15052	मोना सुब्रमण्यन	एससीईई
53	डी15053	मोनिका शर्मा	एससीईई
54	डी15054	विजेन्द्र कुमार शर्मा	एससीईई
55	डी15055	धैर्य सिंह आर्य	एससीईई
56	डी15056	राजू बिस्वास	एसबीएस
57	डी15057	रोहित	एसबीएस
58	डी15058	नागराजू नाक्का	एसबीएस
59	डी15059	चन्द्रसोखर प्रताप जी.सी.	एसई
60	डी15060	मनोज कुमार	एसई
61	डी15061	तरुण कुमार	एसई
62	डी15062	आकाश के. राओ	एससीईई
63	डी15063	मोहम्मद इशतियाक कुरैशी	एससीईई
64	डी15064	शितोल पंकज पोपटराओ	एसई
65	डी15065	सलीम युसुफ	एसबीएस
66	डी15066	सोनालिका मौर्य	एसबीएस
67	डी15067	आशुतोष सिंह	एसबीएस
68	डी15068	शिखा गुप्ता	एससीईई



## एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) छात्र

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	एस15001	गौरव शर्मा	एससीईई
2	एस15002	सृष्टि गौतम	एससीईई
3	एस15003	प्रकाश प्रतीक	एससीईई
4	एस15004	अभय	एसई
5	एस15005	अभिषेक विस्वनाथ	एसई
6	एस15006	पृथ्वी राज सेन	एसई
7	एस15007	नमन बरटवाल	एसई
8	एस15008	अंकुर कौंडल	एसई
9	एस15009	सार्थक नाग	एसई
10	एस15010	हर्षा माथुर	एससीईई
11	एस15011	मर्लिन सुन्दर	एससीईई
12	एस15012	अक्षय सूद	एससीईई
13	एस15013	अभिलाश अवस्थी	एसई

## बी.टैक. छात्र (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	बी15101	आयूष मिश्रा	सीएसई
2	बी15102	अभिजीत शर्मा	सीएसई
3	बी15103	अभिषेक	सीएसई
4	बी15104	अभिषेक पूनिया	सीएसई
5	बी15105	आकाश यादव	सीएसई
6	बी15106	अक्ष गौतम	सीएसई
7	बी15107	अंकित अमृत राज	सीएसई
8	बी15108	अंशु पुरी	सीएसई
9	बी15109	अविनाश कुमार	सीएसई
10	बी15110	बारपति अविनाश कुमार	सीएसई
11	बी15111	छेबाथिनी सोनिथ	सीएसई
12	बी15112	धैर्य वर्मा	सीएसई
13	बी15113	गेनगेमसिन पामी	सीएसई
14	बी15114	गुरमीत सिंह	सीएसई
15	बी15116	जॉन्टी पुरबिआ	सीएसई
16	बी15117	ममता राजु भाजिआ	सीएसई
17	बी15118	मोहित शर्मा	सीएसई
18	बी15119	निशा कुमारी	सीएसई
19	बी15120	परिणय चतुर्वेदी	सीएसई
20	बी15121	प्रमोद जोनवाल	सीएसई
21	बी15122	पुलकित कुमार शर्मा	सीएसई

22	बी15123	पुलकित सप्रा	सीएसई
23	बी15124	पुनीत यादव	सीएसई
24	बी15125	राहुल कुमार राजपूत	सीएसई
25	बी15126	रजनीश कुमार उपाध्याय	सीएसई
26	बी15129	साहिल सिंगला	सीएसई
27	बी15130	साहिल यादव	सीएसई
28	बी15131	साई तरुण रेड्डी पाल्ला	सीएसई
29	बी15132	सन्देश जोशी	सीएसई
30	बी15134	श्रेयक कुमार	सीएसई
31	बी15135	सोलंकी पिनांक	सीएसई
32	बी15136	सोनम काग	सीएसई
33	बी15137	स्वप्निल शर्मा	सीएसई
34	बी15138	उत्कृष्ट ढांकर	सीएसई
35	बी15139	वैभव अग्रवाल	सीएसई

## विद्युत अभियांत्रिकी

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	बी15201	आकाश डगर	ईई
2	बी15202	आयुश शर्मा	ईई
3	बी15203	अभिषेक पाल	ईई
4	बी15204	अभिषेक सोनल	ईई
5	बी15205	अदिति मन्न	ईई
6	बी15206	आकाश शर्मा	ईई
7	बी15207	अमन सिंह	ईई
8	बी15208	अमित घनघास	ईई
9	बी15209	अंकुश जैन	ईई
10	बी15210	आशुतोष कुमार	ईई
11	बी15211	अविनव सन्याल	ईई
12	बी15212	ध्रुव पटेल	ईई
13	बी15213	गौरव भट्ट	ईई
14	बी15214	हिमांशु कुमार	ईई
15	बी15215	हिमांशु मेवारा	ईई
16	बी15216	जे. रघुनाथ	ईई
17	बी15217	खाण्डगेली सुजय संजय	ईई
18	बी15218	किशोर कुमार सिंह	ईई
19	बी15219	किसलय मिश्रा	ईई
20	बी15220	लोकेश बैरवा	ईई
21	बी15221	लोकेश गेहलोट	ईई

22	बी15222	मुकेश कुमावत	ईई
23	बी15223	मुनिश	ईई
24	बी15224	नीमानी श्री हरि	ईई
25	बी15225	पंकज कुमार शीओरन	ईई
26	बी15226	पीयूष आनन्द	ईई
27	बी15227	प्रणव गुप्ता	ईई
28	बी15228	राहुल जैन	ईई
29	बी15229	राहुल महावर	ईई
30	बी15230	राहुल मीना	ईई
31	बी15231	राहुल सिंह	ईई
32	बी15232	रामचन्दानी हितेश भारत	ईई
33	बी15233	सागर गुप्ता	ईई
34	बी15234	सानिध्य	ईई
35	बी15235	श्रवण कुमार	ईई
36	बी15236	शुभम कुमार सिंह	ईई
37	बी15237	सुमित पतिदार	ईई
38	बी15238	तिवारी अभिषेक	ईई
39	बी15239	विपिन टोलिया	ईई

## यांत्रिकी अभियांत्रिकी

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	बी 15301	आदित्य शर्मा	एमई
2	बी 15302	अदनान नाजिर	एमई
3	बी 15303	आकाश अग्रवाल	एमई
4	बी 15304	आकाश मारमट	एमई
5	बी 15305	अखिल सिंघल	एमई
6	बी 15306	अमन चौधरी	एमई
7	बी 15307	आनन्द मोहन तिवारी	एमई
8	बी 15308	अतुल यादव	एमई
9	बी 15309	अविनाश कुमार	एमई
10	बी 15310	बनवारी लाल एरवाल	एमई
11	बी 15311	दीपांशु त्यागी	एमई
12	बी 15312	दीपीश गोयल	एमई
13	बी 15313	देवेन्द्रा बैरव	एमई
14	बी 15314	धीरज कुमार मीना	एमई
15	बी 15315	दिव्या रंजन	एमई
16	बी 15316	दिव्यांश वर्मा	एमई
17	बी 15317	इन्द्रेश कुमार गुप्ता	एमई
18	बी 15318	कनिकरम साई संदीप	एमई

19	बी 15319	कुशाग्र सिंघल	एमई
20	बी 15320	मनोज कुमार जनगिद	एमई
21	बी 15321	मिहुल राज कुमावत	एमई
22	बी 15322	निजासुरे अर्थव	एमई
23	बी 15323	पंकज उपाध्याय	एमई
24	बी 15324	पटेल मंथन दिलीपभाई	एमई
25	बी 15326	प्रदीप कुमार	एमई
26	बी 15327	प्रीती एम. कन्नापन	एमई
27	बी 15328	रीव्यु श्री हर्ष	एमई
28	बी 15329	रियांश गोयल	एमई
29	बी 15330	रशील सिंघल	एमई
30	बी 15331	सखीली नागा कोटी रेड्डी	एमई
31	बी 15332	संजय नेत्रीवाल	एमई
32	बी 15333	शेखर शुभम	एमई
33	बी 15334	शोभित ओला	एमई
34	बी 15337	उदित सोनी	एमई
35	बी 15338	उत्कर्ष कुंवर	एमई
36	बी 15339	वी. साई सुब्बा राओ	एमई
37	बी 15340	विजय शंकर मीना	एमई
38	बी 15341	विश्वजीत पटेल	एमई
39	बी 15342	वसीम सालिह. टी	एमई

## नागरिक अभियांत्रिकी

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	बी15401	अभय सिंह चौहान	सीई
2	बी15402	अक्षित कौशिक देवगुण	सीई
3	बी15403	अमित कुमार	सीई
4	बी15404	अंकित दहिया	सीई
5	बी15405	अर्चित कुमार	सीई
6	बी15406	अर्नव मित्तल	सीई
7	बी15407	बिपिन शर्मा	सीई
8	बी15408	चिराग महावर	सीई
9	बी15409	दीवेशी सोनी	सीई
10	बी15410	गंतव्य गुप्ता	सीई
11	बी15411	गौरव पुरोहित	सीई
12	बी15412	लोकेश तुगारिया	सीई
13	बी15414	मयूरेश गुप्ता	सीई
14	बी15415	नव्या अग्रवाल	सीई
15	बी15416	निखिल कुमार	सीई

16	बी15417	प्रशान्त सिंह	सीई
17	बी15418	प्रियांशु मीना	सीई
18	बी15419	राहुल कुमार चौधरी	सीई
19	बी15420	राकेश कुमार मीना	सीई
20	बी15423	तुषार अग्रवाल	सीई
21	बी15424	विकास	सीई

## एम.एससी. (रसायन विज्ञान)

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम
1	वी15001	अक्षिता शर्मा
2	वी15002	प्रवीण कुमार
3	वी15003	गंगा सिंह
4	वी15004	दीपक कुमार
5	वी15005	सांझल जैन
6	वी15006	नवनीत मथारू
7	वी15007	शुभम बिस्वास
8	वी15008	स्वधाप्रिया भुक्ता
9	वी15009	तापस अधिकारी
10	वी1510	अनु कुमारी
11	वी15011	कनिका भारती
12	वी15012	शिवानी वर्मा
13	वी15013	विकी वर्मा
14	वी15014	अंकिता धीमान
15	वी15015	मोहम्मद अशरफ
16	वी15016	प्रियंका नेगी
17	वी15017	सुधांशु शर्मा
18	वी15018	तुषार वर्मा

## सामग्री विशेषज्ञता सहित ऊर्जा अभियांत्रिकी में एम.टैक.

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम
1	टी15001	सिद्धान्त
2	टी15002	विकांत
3	टी15003	अनिल सिंह चौहान
4	टी15004	अभिजीत सेठ
5	टी15005	राजगौरव

## पी.एचडी. (भौतिक विज्ञान)

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम
1	डीआई1501	चिन्मय सामन्त
2	डीआई1502	गोपिका लक्ष्मी भाई एस.
3	डीआई1503	कविता यादव
4	डीआई1504	रुचिका महाजन
5	डीआई1505	सर्वानन आर
6	डीआई1506	स्वाति मुद्रा

कुलसचिव

कुलसचिव, कार्यालय

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

कमान्ड परिसर, ग्राम व डाकखाना कमान्ड

ज़िला मण्डी-175005, हिमाचल प्रदेश

भारत

दूरभाष: + 91 1905-267015 फ़ैक्स: + 91 1905-267075

ई-मेल: [registrar@iitmandi.ac.in](mailto:registrar@iitmandi.ac.in)



[www.iitmandi.ac.in](http://www.iitmandi.ac.in)